फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12 प्रतिशत बढ़ सकती है कीमत - 12

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट - 12

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ, संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा -13

आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत - 14

आज का मौसम

31.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.10 सूर्यास्त 06.21

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी 06:38 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2083

सोमवार, 23 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 44, पृष्ठ 14+4 ■ मूल्य 6 रुपये

पश्चिम एशिया : चौथे सप्ताह की शुरुआत में खतरनाक हमलों के साथ युद्ध ने किया नए चरण में प्रवेश

मिसाइलों से दहले इजराइल-ईरान

अमेरिका ने अल्टीमेटम के 48 घंटे पूरे होने से पहले ही तेहरान पर किए हमले, टॉप लीडर्स को मौत के घाट उतारने का दावा

ईरान ने इजराइल के दो बड़े शहरों पर किए हमले, 300 लोग घायल इजराइली परमाणु अनुसंधान केंद्र डिमोना के पास गिरी मिसाइल

काहिरा, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अपने चरम पर है। ईरान ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। ये हमले इजराइल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देगा। इसी धमकी के बीच अमेरिका ने ईरान के कई महत्वपूर्ण लोगों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ मिसाइल हमले किए हैं।

अमेरिका ने दावा किया है कि इन हमलों में उसने ईरान के कई टॉप लीडर्स का सफाया कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वीडिया साझा करते हुए अमेरिका मिलिट्री नाम के अकाउंट से दावा किया गया है कि इन हमलों में ईरान के टॉप लीडर्स को मौत के घाट उताया गया। इन घटनाक्रमों से संकेत मिलता है कि युद्ध अपने चौथे सप्ताह की शुरुआत में एक खतरनाक नए चरण में प्रवेश कर रहा है। तेल की बढ़ती कीमतों के बीच देश में दबाव का सामना कर रहे ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने घर से सोशल मीडिया पर यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान को 48 घंटे में इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को खोलना होगा, अन्यथा अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाएगा। रविवार तड़के ईरान ने चेतावनी दी कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर किसी भी हमले के जवाब में वह क्षेत्र में अमेरिका और इजराइल के ऊर्जा व बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। इजराइल पर ये हमले ऐसे समय हुए जब उसी दिन पहले तेहरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन केंद्र नतांज पर हमला हुआ था। इजराइली सेना ने कहा कि वह दक्षिणी शहरों डिमोना और अराद पर गिरी मिसाइलों को रोक नहीं सकी। यह पहली बार था जब परमाणु केंद्र के आसपास के क्षेत्र में ईरानी मिसाइलें इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहीं।

ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यदि इजराइल डिमोना जैसे अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र में भी मिसाइलों को रोक नहीं पा रहा है, तो यह युद्ध के नए चरण में प्रवेश का संकेत है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि घटनास्थल पर और आपातकालीन दल भेजे जा रहे हैं। यह बेहद कठिन शाम है। बचावकर्मियों के अनुसार, अराद में सीधे हमले से कम से कम 10 अपार्टमेंट इमारतों को भारी नुकसान हुआ, जिनमें से तीन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर गिरने के खतरे में हैं। कम से कम 64 लोगों को अस्पताल ले जाया गया। डिमोना, परमाणु अनुसंधान केंद्र से लगभग 20 किलोमीटर पश्चिम में है, जबकि अराद उससे करीब 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। माना जाता है कि इजराइल पश्चिम एशिया का एकमात्र देश है जिसके पास परमाणु हथियार हैं, हालांकि उसने कभी इसकी पुष्टि या खंडन नहीं किया।

डिमोना में ईरानी मिसाइल हमले से प्रभावित स्थल का सर्वेक्षण करते इजराइली सुरक्षा बल।

ईरान बोला- अमेरिकी धमकियों का जवाब मैदान में देंगे

तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों के बाद ईरान ने सैन्य जवाब देने की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि देश के खिलाफ दी जा रही धमकियां और हमले ईरान को और ज्यादा एकजुट कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम इन बेतुकी धमकियों का मैदान में डटकर सामना करेंगे। पजशकियान ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर भी साफ किया कि यह सभी के लिए खुला है, लेकिन जो ईरान की जमीन का उल्लंघन करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे पूर्व ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज पूरी तरह नहीं खोला, तो पावर प्लांट्स को निशाना बनाएंगे।

जंग में ब्रिटेन भी कूदा, अरब सागर में तैनात की परमाणु पनडुब्बी, यूएस को सौंपे मिलिट्री बेस

लंदन। ब्रिटेन की परमाणु-संचालित पनडुब्बी अरब सागर पहुंच गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज करने के संकेत दिए हैं। एचएमएस एंसन नाम की यह पनडुब्बी 6 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से रवाना हुई थी और अब माना जा रहा है कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के निकट उत्तरी अरब सागर में अपनी तैनाती ले ली है। यह पनडुब्बी टॉमहॉक ब्लॉक-4 लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस है, जिनकी मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है। इसके अलावा इसमें स्पीयरफिश हैवीवेट टॉरपीडो भी लगे हुए हैं। मध्य-पूर्व क्षेत्र में इस पनडुब्बी की तैनाती ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका को ईरान के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश सैन्य ठिकानों के उपयोग की अनुमति देने पर सहमति जताई है।

अमेरिका-इजराइल दुनिया के लिए लड़ रहे : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिएगो गार्सिया पर हाल ही में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है। नेतन्याहू ने दक्षिणी इजराइली शहर अराद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है। पिछले 48 घंटों में, ईरान ने एक नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाया। वह इसका इस्तेमाल सामूहिक नरसंहार के हथियार के रूप में कर रहा है।

मोदी ने की हाईलेवल बैठक ईंधन-ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति का लिया जायजा

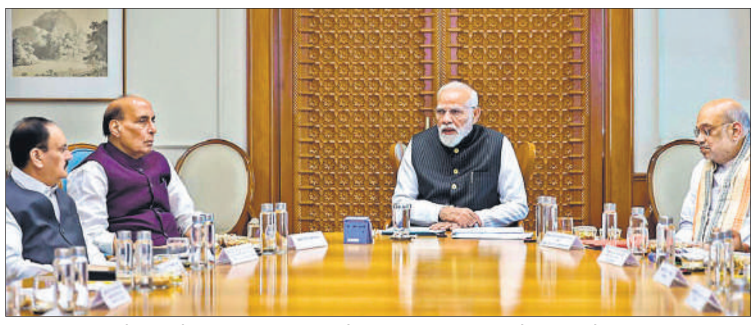

पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति के मद्देनजर समीक्षा बैठक करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

नई दिल्ली, एजेंसी

- पश्चिम एशिया संकट के कारण उपजी परेशानी से निपटने पर मंथन, शाह-नड्डा पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की रविवार को वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार सरकार पेट्रोलियम उत्पादों समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए उठाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है और इससे शांति, धैर्य एवं लोगों में अधिक जागरूकता के जरिये निपटने की जरूरत है।

होर्मुज बंद से मंडराया संकट

ईरान ने होर्मुज को बाधित कर दिया है, जो एक प्रमुख समुद्री मार्ग है और इसके जरिये दुनिया की 20 प्रतिशत ऊर्जा की ढुलाई होती है। संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान ने बहुत कम पोतों को इससे गुजरने की अनुमति दी है। इसके कारण भारत समेत कई देशों में ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें... व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

रविवार को ईद का अवकाश होने के कारण परिशिष्ट लोक दर्पण आज के अंक के साथ पढ़ें।

www.amritvichar.com

दिल का दौरा पड़ने से मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में 54 वर्षीय बीएलओ की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। वहीं बीएलओ के परिवार ने आरोप लगाया कि राज्य में जारी एसआईआर अभियान से संबंधित अत्यधिक कार्यभार के कारण उनकी मौत हुई। मृतक की पहचान उत्पल ठाकुर के रूप में हुई है।

शहरों में गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने का निर्देश

- सीएनजी/पीएनजी के आवेदन तेजी से निपटाने व वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके।

पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल 10 दिनों में निपटाएं। इसका उद्देश्य पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की व्यवस्था को तेजी से शुरू करना है। बड़े शहरों और शहरी क्षेत्रों में व्यावसायिक एलपीजी उपभोक्ताओं को भी एलपीजी पर निर्भरता कम करने की व्यापक रणनीति के तहत पाइप के जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास गैस की कमी की कोई सूचना नहीं है और देशभर में वितरण सामान्य रूप से हो रहा है।

अमेरिका का एलपीजी जहाज मंगलुरु पहुंचा

मंगलुरु। युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्यू मंगलौर बंदरगाह पहुंचा। पिक्सिस पायनियर नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नीदरलैंड से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा। यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज एक्वा टाइटन के बाद आया है। यह घटनाक्रम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है।

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का 28 को उद्घाटन करेंगे मोदी

- कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे

नोएडा। मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे। मुख्यमंत्री दोपहर में हेलीकॉप्टर से जेवर स्थित हवाई अड्डा पहुंचे और डेढ़ घंटे तक अधिकारियों के साथ बैठक कर उद्घाटन समारोह की तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस, यमुना प्राधिकरण और जिला प्रशासन ने व्यापक तौर पर तैयारियां की थीं। इस बैठक में अधिकारियों ने समारोह की रूपरेखा, सुरक्षा योजना, जनसभा में आने वाले लोगों की संभावित संख्या और बैठने की व्यवस्था सहित अन्य तैयारियों की जानकारी दी। (विस्तृत प्रदेश पेज पर)

मोदी ने रचा इतिहास...सबसे लंबे समय तक सरकार चलाने का रिकॉर्ड

- बतौर हेड ऑफ गवर्नमेंट 8931 दिन पूरे, पवन कुमार चामलिंग को पीछे छोड़ा
- अमित शाह ने मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए रिकॉर्ड दिनों की सराहना की
- कहा- सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री मोदी ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों पदों को मिलाकर वे भारत में सबसे लंबे समय तक सरकार के प्रमुख रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। नरेंद्र मोदी ने कुल 8931 दिन तक सरकार के प्रमुख के रूप में काम किया है। इसके साथ ही उन्होंने पवन कुमार चामलिंग के 8930 दिनों के रिकॉर्ड को पार कर लिया।

पीएम मोदी पहले ही गुजरात के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता रह चुके हैं। साथ ही वे ऐसे प्रधानमंत्री भी हैं, जिनके पास मुख्यमंत्री के रूप में सबसे ज्यादा अनुभव है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन में बिताए गए रिकॉर्ड 8,931 दिनों की रविवार को सराहना की और कहा कि यह सेवा, कड़ी मेहनत एवं अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित एक मील का पत्थर है। कहा कि पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में मोदी द्वारा सार्वजनिक जीवन में रिकॉर्ड बनाया जाना राष्ट्र-प्रथम, शासन, कार्यों में ईमानदारी और प्रत्येक नागरिक की अथक सेवा के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

7 अक्टूबर, 2001 को सीएम के रूप में ली थी शपथ

मोदी ने 7 अक्टूबर, 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। वह 21 मई, 2014 तक इस पद पर बने रहे। साल 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को 282 सीट के साथ शानदार जीत दिलाने के बाद मोदी ने 26 मई को प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। भाजपा स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाली पहली गैर-कांग्रेसी पार्टी बनी, जिसने कांग्रेस को मात्र 44 सीट पर समेटते हुए धूल चटा दी।

बहराइच में वृद्ध महिला को हाथी ने कुचलकर मार डाला

संवाददाता, बहराइच

कतर्नियाघाट रेंज अंतर्गत भवानीपुर गांव में एक वृद्ध महिला पर हाथी ने हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। महिला का शव जंगल से सटे गांव निवासी मुरली के खेत से बरामद हुआ। भवानीपुर गांव निवासी कुवारिया 80 पत्नी इतवारी सुबह 10:30 बजे के करीब जंगल के किनारे खेत में बकरी चराने निकली थी। इस दौरान टस्कर हाथी उसे दौड़ा लिया। जिसने हमला कर महिला को पैरों तले रौंदकर लहूलुहान कर दिया जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, परिवार के लोग व स्थानीय लोग मौके पर हाका लगाते हुए घटनास्थल पर पहुचे इस दौरान हाका लगाकर हाथी को जंगल की ओर भगाया। जिसके बाद महिला का क्षतविक्षत शव गांव के किनारे खेत के पास क्षतविक्षत अवस्था में बरामद किया। शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया, परिवार के लोग फूट-फूटकर रोने लगे। लोगों ने सूचना वन विभाग और पुलिस को दिया। मौके पर पहुचे वन दरोगा राधेश्याम, वन रक्षक संतोष कुमार, वाचर सुनील गौड़ ने घटनास्थल का मुआयना किया। मौके पर पहुचे थानाध्यक्ष प्रकाश चंद्र शर्मा, चौकी इंचार्ज मंजेश कुमार ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बदलाव

नवरात्र में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र, योगी बोले,पहले प्रत्येक पद के लिए चाचा-भतीजा व उनके सिपहसालार करते थे वसूली

प्रदेश में बिना सिफारिश, लेन-देन के मिल रही नौकरी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने नवरात्र के पावन अवसर पर रविवार को लोकभवन में 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए इसे महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बेटियों को रोजगार मिलना समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष है, जहां बिना किसी सिफारिश या लेन-देन के योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिल रहा है। जबकि वर्ष 2017 के पहले प्रत्येक पद के लिए बोली लगती थी। चाचा-भतीजा और उनके सिपहसालार झोला लेकर वसूली पर निकलते थे। योगी ने 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों में 1,097 महिलाओं के शामिल होने को समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत बताते हुए कहा कि आज नर्सिंग प्रोफेशन की मांग देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी से बढ़ रही है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में भारतीय नर्सिंग प्रोफेशनल्स के प्रति सम्मान है। ऐसे में नर्सिंग के साथ भाषा कौशल विकसित कर युवा वैश्विक अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले पूर्वी यूपी स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के लिए जाना जाता था, लेकिन अब व्यापक सुधार हुए हैं। बंद पड़े 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्रों को पुनः संचालित किया गया है और 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन हैं। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज की अवधारणा को तेजी से लागू किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 9.25 करोड़ लोग यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज से जुड़े हैं और 14.28 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ आईडी (आभा) जारी किए जा चुके हैं।

लखनऊ : लोकभवन में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में नव चयनित महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े बदलाव

- 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्र पुन: संचालित
- 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणाधीन
- 976 सीएचसी पर टेलीमेडिसिन सुविधा
- 14.28 करोड़ से अधिक आभा आईडी जारी
- वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज पर तेजी
- मेडिकल शिक्षा में एकरूपता और संस्थानों का नेटवर्क
- सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं

केजीएमयू का एनआईआरएफ रैंकिंग में आठवां स्थान

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 की एनआईआरएफ रैंकिंग में देशभर में आठवां स्थान हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में किडनी, लीवर व बोन मैरो ट्रांसप्लांट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू हो चुकी हैं, वहीं टेली-आईसीयू से कई मेडिकल कॉलेज जुड़े हैं। प्रदेश में लेवल-2 ट्रॉमा सेंटर भी विकसित किए जा रहे हैं। बाबू कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स सेंटर स्थापित हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ में संगठन मजबूत करने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों से कहा कि इन राज्यों में पूरी निष्ठा के साथ बहुजन आंदोलन को आगे बढ़ाना जरूरी है, ताकि पार्टी को 'शासक वर्ग' के रूप में स्थापित किया जा सके। बसपा प्रमुख रविवार को राजधानी स्थित कार्यालय में एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ पार्टी इकाइयों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। पिछले निर्देशों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कार्यों पर आंशिक संतोष जताया, लेकिन संगठन को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी रखने पर जोर दिया।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में यूपी अव्वल

अमृत विचार, लखनऊ : प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में अब तक 7340 प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके साथ ही विभिन्न बैंकों द्वारा 2000 करोड़ रुपये से अधिक का टर्म लोन स्वीकृत किया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बड़ी गति मिली है। योजना के तहत प्रति इकाई औसत 10 लाख रुपये का टर्म लोन और करीब 4 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है।

नवरात्र में शक्तिपीठों पर होंगे भव्य आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रदेश में इस बार भक्ति और सांस्कृतिक आस्था का विशेष संगम देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सप्तमी, अष्टमी और नवमी (25, 26 व 27 मार्च) को प्रदेशभर के देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में देवी गीत, भजन, दुर्गा सप्तशती पाठ और शक्ति आराधना के भव्य आयोजन किए जाएंगे। संस्कृति विभाग ने इन आयोजनों की व्यापक तैयारी कर ली है।

खनन से बढ़ी आय, सोनभद्र आगे

- महोबा, हमीरपुर, झांसी-जालौन भी टॉप सूची में
- फरवरी में 2543 करोड़ से अधिक राजस्व
- अवैध खनन पर सख्ती से बढ़ा राजस्व संग्रह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में खनिज एवं उपखनिज खनन से राजस्व प्राप्ति में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। फरवरी माह में प्रदेश के दस प्रमुख खनिज संपन्न जनपदों से लगभग 2543.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें सोनभद्र जनपद सबसे आगे रहा।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, सोनभद्र ने सर्वाधिक 678.28 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इसके अलावा महोबा, हमीरपुर, झांसी और जालौन जैसे जनपद भी खनन आधारित आय में प्रमुख योगदानकर्ता रहे। विभाग के अनुसार, राजस्व वृद्धि के पीछे अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण, खनन गतिविधियों की सतत निगरानी और पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना प्रमुख कारण है। खनन पट्टों के आवंटन और संचालन में पारदर्शिता बढ़ने से भी राजस्व संग्रह में सुधार हुआ है।

अन्य प्रमुख जिलों में सहारनपुर, बांदा और प्रयागराज ने भी उल्लेखनीय योगदान दिया, जबकि फतेहपुर और कौशांबी से भी राजस्व प्राप्त हुआ। अधिकारियों का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप खनिज संसाधनों के संतुलित और सतत उपयोग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश सरकार की नीति है कि खनन गतिविधियां आर्थिक विकास का माध्यम बनें, लेकिन पर्यावरणीय संतुलन भी बना रहे। इसी दृष्टिकोण के साथ विभाग तकनीक आधारित निगरानी और कड़े प्रवर्तन के जरिए व्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

'द शैडो' एप से बेटियों की सुरक्षा को तकनीक का कवच

प्रदेश सरकार की नई पहल, यूपीएसआईएफएस के छात्रों ने विकसित किया एप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

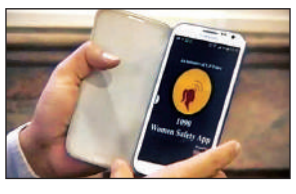

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बेटियों की सुरक्षा को तकनीकी मजबूती देने की दिशा में एक नई पहल की गई है। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) द्वारा विकसित "द शैडो" एप अब छात्राओं के लिए "डिजिटल परछाईं" की तरह काम करेगा। यह एप न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी और प्रबंधन को भी एक ही प्लेटफॉर्म पर लाएगा।

संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर चिरंजीव मुखर्जी के अनुसार, यह एप बीटेक छात्रों द्वारा विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी व जवाबदेह प्रणाली तैयार करना है। एप के माध्यम से कैंपस में प्रवेश-निकास, अवकाश अनुरोध और अन्य गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी। इसकी सबसे अहम विशेषता 'पैरेंट-फर्स्ट अप्रूवल सिस्टम' है, जिसमें छात्रा के कैंपस से बाहर जाने से पहले अभिभावकों की अनुमति अनिवार्य होगी। इससे सुरक्षा के साथ अभिभावकों का विश्वास भी मजबूत होगा।

एप की विशेषताएं

- पैरेंट-फर्स्ट अप्रूवल से बाहर जाने की अनुमति
- एसओएस इमरजेंसी अलर्ट से त्वरित सहायता
- रियल टाइम एंट्री-एग्जिट ट्रैकिंग
- क्यूआर कोड आधारित डिजिटल गेट पास
- पढ़ाई, अटेंडेंस और प्रदर्शन की मॉनिटरिंग

इसके अलावा एप में इंटीग्रेटेड एसओएस इमरजेंसी फीचर दिया गया है, जिससे किसी भी खतरे की स्थिति में एक क्लिक पर संस्थान प्रशासन और परिजनों को तत्काल अलर्ट मिल जाएगा। क्यूआर-कोड आधारित डिजिटल गेट पास सिस्टम कैंपस में अनधिकृत प्रवेश पर भी प्रभावी नियंत्रण रखेगा। डॉ. नेहा सिंह के मार्गदर्शन में छात्र हर्ष और आदित्य मिश्रा द्वारा विकसित यह एप तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, जो बेटियों की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई दिशा देता है।

जेवर एयरपोर्ट के लोकार्पण की तैयारियां तेज

28 को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी ने निरीक्षण कर दिए व्यापक दिशा-निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गौतमबुद्धनगर

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। अमृत विचार

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर कार्यक्रम को भव्य व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे, साथ ही मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग, पैसेंजर टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल, हेलीपैड, पार्किंग और रैली स्थल का अवलोकन कर तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य समयसीमा के भीतर और तय मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

तैयारी के मुख्य बिंदु

चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू, ट्रैफिक और पार्किंग के लिए विशेष प्लान, पेयजल, शौचालय व चिकित्सा सुविधाओं पर जोर, कार्यक्रम की ब्रांडिंग और व्यापक प्रचार-प्रसार।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों और आमजन की उपस्थिति को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुचारू और प्रभावी हों। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, निर्बाध बिजली, साइनेज, परिवहन, चिकित्सा और अग्नि सुरक्षा की व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार और ब्रांडिंग पर भी जोर दिया, ताकि इसे वैश्विक स्तर का आयोजन बनाया जा सके। साथ ही विभिन्न जनपदों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्थलों पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन और पुलिस को चार स्तरीय सुरक्षा घेरा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रैफिक प्रबंधन और वैकल्पिक मार्गों की विस्तृत योजना भी प्रस्तुत की गई। बैठक में कई जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रेमिका से मिलने गए पूर्व प्रधान की हत्या, नहर में मिला शव

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : मानधाता कोतवाली क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के कारण पूर्व प्रधान की हत्या कर दी गई। शादी शुदा प्रेमिका ने अपने भाई और उसके दोस्त के साथ मिलकर पूर्व प्रधान की हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर नहर किनारे फेंक दिया। मुख्य आरोपी महिला को गिरफ्तार कर पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

मानधाता कोतवाली के मिश्रपुर मुर्तिहा गांव निवासी 50 वर्षीय गुलहशन उर्फ मुन्ना पुत्र स्व. गुलफाम गांव के पूर्व प्रधान रह चुके थे। वह अपने परिवार के साथ रहते थे। बताया गया कि उनकी दो शादियां हुई थीं और दोनों पत्नियों से उनके कुल 18 बच्चे हैं। परिवार के सभी सदस्य एक साथ रहते हैं। पुलिस के अनुसार गुलहशन का गांव की एक विवाहित महिला सुमन गौतम से लंबे समय से प्रेम संबंध था। आरोप है कि वह महिला पर मिलने का दबाव बना रहा था और उसे ब्लैकमेल भी कर रहा था। इससे परेशान होकर महिला ने उसकी हत्या की साजिश रच डाली। 18 मार्च को सुमन गौतम अपने मायके जेठवारा बगियापुर गई थी। उसी रात उसने पूर्व प्रधान को मिलने के लिए बुलाया। आरोप है कि पहले से योजना के तहत वहां महिला का भाई अतुल गौतम और उसका दोस्त अरुण गौतम भी मौजूद थे। जैसे ही गुलहसन वहां पहुंचे, तीनों ने मिलकर उन पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को बोरे में भरकर नहर किनारे फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। गुलहसन जब घर नहीं लौटे तो परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के दौरान मोबाइल कॉल डिटेल खंगाली, जिससे सुमन गौतम तक पहुंच बनी। कड़ाई से पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसकी निशानदेही पर रविवार को सुमेरपुर में शारदा सहायक नहर किनारे बोरे में बंद शव बरामद कर लिया गया।

वहीं इस मामले में शैलेंद्र लाल, एएसपी पूर्वी ने बताया कि अवैध संबंध और ब्लैकमेलिंग के कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया। हत्या का मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

छिनैती के आरोपी को पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली

संवाददाता, प्रतापगढ़

अमृत विचार : लीलापुर थाना क्षेत्र के पूरनपुर खजूर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में बीते सोमवार को बाइक सवार दो बदमाशों ने क्लासरूम में घुसकर बच्चों को पढ़ा रही शिक्षिका को तमंचा सटाकर चेन लूट ली थी।शिक्षिका के भिड़ जाने के कारण चेन टूट गई थी। बदमाश आधी चेन ही पा सके थे। लालगंज में भी इसी दिन एक अन्य महिला से चेन छिनैती की गई थी।लालगंज कोतवाल आलोक सिंह ने सीसीटीवी से अमेठी के संग्रामपुर शीतला बख्श का पुरवा निवासी आरोपी विपिन सिंह को चिह्नित कर लिया। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला कि इसी आरोपी ने लीलापुर में भी शिक्षिका से चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया था। एसओ लीलापुर बैकुंठनाथ पांडेय ने लालगंज पहुंचकर आरोपी विपिन से पूछताछ की। शिक्षिका से लूटी गई चेन का टुकड़ा कमौरा गांव के पास सई नदी के निकट झाड़ियों में छिपाने की बात स्वीकार का। पुलिस आरोपी को चेन बरामद करने के लिए रविवार सुबह कमौरा ले गई। वहां चेन बरामद कराने के दौरान उसने पहले से छिपाए गए तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। हाथ में गोली लगने से आरक्षी राजकुमार सिंह घायल हो गए। जवाबी फायरिंग में बाएं पैर में घुटने के नीचे गोली लगने से विपिन घायल हो गया। पुलिस ने तमंचा, चेन का टुकड़ा बरामद कर घायल आरोपी और आरक्षी को लालगंज ट्रामा सेंटर पहुंचाया। एएसपी पश्चिमी वृजनंदन राय ने बताया कि आरोपी पर आठ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद उसे जेल भेजा जाएगा।

भाजपा जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी घोषित

प्रतापगढ़ : भाजपा के जिला कार्यकारिणी का गठन पूरा कर लिया गया है। जिलाध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि राजेश सिंह, राजेश मिश्र राजन, अजय वर्मा जिला महामंत्री, सरोज त्रिपाठी, पवन गौतम, अशोक श्रीवास्तव, अशोक सरोज, अजय सिंह, रामजी मिश्र, अनुराग मिश्र, राम आसरे पाल जिला उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। विनोद शर्मा, राम चरित्र वर्मा, प्रतिभा केसरवानी, पूनम इंसान, अनिल मौर्य, जितेन्द्र विक्रम सिंह, मुदित सिंह और सूर्य प्रकाश पटेल को जिला मंत्री का पद मिला है। इसके अलावा शिव विलास वैश्य कोषाध्यक्ष, विक्रम सिंह कार्यालय मंत्री, मुरलीधर कार्यालय सह मंत्री, राघवेन्द्र शुक्ल जिला मीडिया प्रभारी, देवेश त्रिपाठी, आशीष खंडेलवाल जिला सह मीडिया प्रभारी बनाए गए हैं। पंकज सिंह आईटी संयोजक, आशीष त्रिपाठी सोशल मीडिया संयोजक, विशाल सिंह, मंजीत सरोज सोशल मीडिया सह संयोजक बनाए गए हैं।

काव्यपाठ का हुआ आयोजन

प्रतापगढ़, अमृत विचार : पीबीपीजी कॉलेज सिटी में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवे दिन काव्यपाठ का आयोजन किया गया। शुभारंभ प्रख्यात गजलकार राजमूर्ति सिंह सौरभ ने किया। वो जिसके कंठ में माला है प्यारे, उसी का दिल बहुत काला है प्यारे। लुटेरों से भरा है मुल्क अपना, अब इसका राम रखवाला है प्यारे। ये सच है जहर बिकता है यहाँ पर, इसी का नाम मधुशाला है प्यारे .. सुनाकर वाहवाही लूटी। दुनिया में इंसान के दो ही सच्चे मित्र, अपनी अंत: चेतना, अपना धवल चरित्र ..। कैसे हो पाये भला इंसान की पहचान, दोनों नकली हो गये आंसू और मुस्कान ..। जैसी रचनाओं सहित स्वयंसेवकों को कई प्रेरक प्रसंग सुनाए। लक्ष्मी मौर्या, दिव्यांशी पांडेय, आस्था, सुदीक्षा, हक गौतम, आशुतोष गुप्ता, प्रतीक्षा गुप्ता, सौम्या मोदनवाल ने भी अपने विचार रखे। द्वितीय सत्र में स्वयंसेवकों ने लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रमाधिकारी डॉ. वंदना सिंह, अजय कुमार सिंह, डॉ. पवन कुमार सिंह ने भी संबोधित किया। संचालन कार्यक्रमाधिकारी डॉ. शिव प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान अशोक मौर्य, गोविंद रावत, उपमन्यु शुक्ल, श्याम लाल मौर्य आदि रहे।

गजलकार राजमूर्ति सिंह सौरभ को सम्मानित करते एनएसएस स्वयंसेवक।

चालकों ने डीएम को सौंपा 13 सूत्रीय मांगपत्र

प्रतापगढ़/संग्रामगढ़, अमृत विचार : ऑल उत्तर प्रदेश ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिलाधिकारी को 13 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। डीएम ने मांगों को शासन को भेजने का आश्वासन देकर संतुष्ट किया। ड्राइवर महासंघ के जिलाध्यक्ष राम विशाल धुरिया के अगुवाई मुख्यमंत्री को संबोधित मांगपत्र डीएम को सौंपा गया। मांगपत्र में सुरक्षा, बीमा, पेंशन सहित 13 सूत्रीय मांगें शामिल थीं। संगठन के पदाधिकारियों ने ट्रक चालकों के साथ होने वाली लूटपाट, मारपीट की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए चालकों की सुरक्षा व्यवस्था की मांग की। हादसे में मृत्यु पर 20 लाख, अपंगता पर 10 लाख का बीमा, पेंशन, 1 सितंबर को ड्राइवर दिवस घोषित करने सहित मांग की। प्रमुख रही। डीएम ने शासन को मांगो को भेजने का आश्वासन दिया। उधर संग्रामगढ़ में भी संघ के कई पदाधिकारी व ड्राइवर मांगो के समर्थन में एकजुट हुए।

संग्रामगढ़ थाने में एकजुट हुए ड्राइवर महासंघ के पदाधिकारी।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता अयो0अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या

पत्रांक 1836 / 2काम अयो0 अम्बे0 वृत्त / 26 दिनांक 19–03–2026

ई–निविदा सूचना

उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल महोदया की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, अयो0 अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा निम्न कार्य हेतु आनलाईन निविदा http://etender.up.nic.in एवं प्रहरी पोर्टल के माध्यम से सेतु कार्य में लो0नि0वि0 के पंजीकृत फर्म / ठेकेदार से प्रतिशत दर के आधार पर दिनांक 24.03.2026 से 31.03.2026 को अपरान्ह 12: 00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा दिनांक 31.03.2026 को अपरान्ह 12: 30 बजे आनलाईन खोली जायेगी।

क्रम सं0	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू0 लाख में (जी0एस0टी0 छोड़ते हुये)	धरोहर राशि (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित	पात्र ठेकेदार की श्रेणी	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
विधानसभा क्षेत्र:– अयोध्या										
1	अयोध्या	जनपद अयोध्या में तुलसी तारा अलावलपुर के मध्य सुगर मिल गन्दा नाला पर क्षतिग्रस्त पुलिया के स्थान पर 1 गुणे 6.00 मी0 स्पान का आर0 सी0सी0 पुल (लघु सेतु), पहुंच मार्ग एवं अतिरिक्त पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य	60.00	5.00	2714.00	06 माह	A, B and C	अधिशासी अभियन्ता, प्रा0 खण्ड, लो0नि0वि0, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0 अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0 अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र लो0नि0वि0 अयोध्या
विधानसभा क्षेत्र:- गोसाईगंज										
2	अयोध्या	जनपद अयोध्या में गोशाईगंज दिलासीगंज मार्ग पर समदा के पास शारदा सहायक नहर (बड़ी नहर) पर 3 गुणे 8.00 मीटर स्पान की लघु सेतु का निर्माण कार्य ।	262.00	15.10	2714.00			अधिशासी अभियन्ता, प्रा0 खण्ड, लो0नि0वि0, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0 अम्बे0 वृत्त, लो0नि0वि0 अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र लो0नि0वि0 अयोध्या

- बिल आफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगायी गयी है।
- बिड डाक्यूमेन्ट की धनराशि (निविदा शुल्क) कालम 6 के अनुसार केवल नेट बैंकिग के माध्यम से आन लाईन यू0पी0 ई–टेण्डर पोर्टल खाता में देय होगा।
- निविदा शुल्क की धनराशि की वापसी नहीं की जायेगी।
- बिड डाक्यूमेन्ट से सम्बन्धित धरोहर धनराशि कालम 5 के अनुसार केवल नेट बैंकिंग के माध्यम से आनलाईन यू0पी0 ई–टेण्डर पोर्टल खाता में देय होगा।
- निविदा आनलाईन दिनांक 24.03.2026 से डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 31.03.2026 के अपरान्ह 12: 00 बजे तक अपलोड की जा सकती है।
- उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 31.03.2026 को अपरान्ह 12: 30 बजे खोली जायेगी। शासनादेश सं0 1/2018/3070/78–2–2018/42 आई0टी0/2017 (22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग / कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी। निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्ते https://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

UP - 248780 दिनांक: 20/03/2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अम्बे0 वृत्त लो0नि0वि0
अयोध्या
For and on behalf of Governor of U.P.

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है। **1.** कार्य का नाम: सिसेइं/कार्य/गाजीपुर सिटी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत 21 अदद एलएचएसडब्लू से संचित पानी की निकासी का कार्य (कुल 21 अदद)। ई-निविदा सूचना सं०: एनईआर-बीएसबी-2025-158, अनुमानित लागत (₹): 96,37,012/-, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 1,92,800/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 16.04.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह। **2.** कार्य का नाम: सिसेइं/कार्य/बलिया सिटी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत 10 अदद एलएचएसडब्लू से संचित पानी की निकासी का कार्य (कुल 10 अदद)। ई-निविदा सूचना सं०: एनईआर-बीएसबी-2025-159, अनुमानित लागत (₹): 50,40,580/-, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 1,00,800/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 16.04.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि: 12 माह। **3.** कार्य का नाम: सिसेइं/छपरा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत एलएचएसडब्लू से संचित पानी की निकासी का कार्य। ई-निविदा सूचना सं०: एनईआर-बीएसबी-2025-160, अनुमानित लागत (₹): 61,86,718/-, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 1,23,700/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 16.04.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 12 माह। **4.** कार्य का नाम: गोरखपुर छावनी - पनियहवा अनुभाग में टी०आर०आर०/पी० (25 कि०मी०) तथा वमइं/प्रथम/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत अन्य विविध कार्य। ई-निविदा सूचना सं०: एनईआर-बीएसबी-2025-161, अनुमानित लागत (₹): 2,67,15,244/-, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 5,34,400/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 16.04.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह। **5.** कार्य का नाम: वमइं/प्रथम/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत प्रीफैब्रिकेटेड मोल्ड और सिगल शॉट क्रूसिबल के साथ ऑटोमेटिक टेम्पिंग थिम्बल का उपयोग करके 60 कि०ग्रा०-90 यू०टी०एस० एवं 60 ई०आई०-आर 260 ग्रेड रेल पटरियों की इन-सीटू वेल्डिंग। ई-निविदा सूचना सं०: एनईआर-बीएसबी- 2025-162, अनुमानित लागत (₹): 61,16,615/-, अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी) (₹): 1,22,300/-, निविदा बन्द होने की तिथि : 16.04.2026, स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि : 06 माह।

● निविदा सूचना संख्या एनईआर-बीएसबी-2025-158 से एनईआर-बीएसबी-2025-162 दिनांक 16.04.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। ● पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखे। ● यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जी०) वाराणसी
मुजाधि/डब्ल्यू - 521

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैंने अपनी पुत्री का नाम पिहु (Pihu) से बदलकर एंजेल सिंह (Angel Singh) रख लिया है। उसे भविष्य में एंजेल सिंह पुत्री संदीप सिंह के नाम से जाना पहचाना जाए। **–संदीप सिंह पुत्र सूबेदार निवासी– बुद्धेश्वर बिहार कॉलोनी, थाना पारा, लखनऊ।**

सूचना
मैंने अपनी पुत्री का नाम मिस्ठी (Misthi) से बदलकर अर्चिता सिंह (Archita Singh) रख लिया है। उसे भविष्य में अर्चिता सिंह पुत्री संदीप सिंह के नाम से जाना पहचाना जाए। **–संदीप सिंह पुत्र सूबेदार निवासी– बुद्धेश्वर बिहार कॉलोनी, थाना पारा, लखनऊ।**

सूचना
पहले मेरा नाम PRIYANKA AJIT KUMAR VISVAKARMA था अब मैने बदलकर अपना नाम PRIYANKA रख लिया है भविष्य में मुझे PRIYANKA के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O-AJIT KUMAR R/O- 1850/4- PIKAURA SHIV GULAM POST GANDHI NAGAR KOTWALI BASTI 272001

सूचना
पहले मेरा नाम SADHANA KUMARI GUPTA था अब मैने बदलकर अपना नाम SADHANA GUPTA रख लिया है भविष्य में मुझे SADHANA GUPTA के नाम से जाना व पहचाना जाए। W/O- MRITUNJAY KUMAR GUPTA R/O- WARD NO - POLICE CHAUKI POST BELTHARA ROAD BALLIA 221715

सूचना
पहले मेरा नाम ATUL KUMAR MADHYESIYA था अब मैने बदलकर अपना नाम ATUL KUMAR रख लिया है भविष्य में मुझे ATUL KUMAR के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- RAM NIWAS PRASAD R/O- AZIMABAD GALI BELTHARA ROAD BALLIA

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र नितेश कुमार पुत्र स्व.ओम प्रकाश निवासी ग्राम ठकुराइन खेड़ा, मजरे रामपुर सुदौली, थाना–बछरावां जनपद रायबरेली के व्यवहार एवं आचरण से परेशान होकर अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूं। जिसका ना ही मुझसे और न ही मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई वास्ता है और ना ही भविष्य में होगा। जो किसी भी प्रकार का कृत्य करता है तो उसका जिम्मेदार वह स्वयं होगा उसका हमारे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई लेना देना एवं वास्ता नहीं रहेगा। **विद्या देवी पत्नी स्व.ओम प्रकाश निवासिनी ग्राम ठकुराइन खेड़ा, मजरे रामपुर सुदौली, थाना-बछरावां, जनपद रायबरेली। वर्तमान पता दुर्गापुरी कॉलोनी निलमथा कैण्ट, थाना सदर, जनपद लखनऊ।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है। कि मै ABDUL SALAM ABDUL BAQI तथा मेरी पत्नी TASNEEM SALAM निवासी 264/76 बिल्लोचपुरा पोस्ट आफिस राजेन्द्र नगर लखनऊ का हूं। मेरा और मेरी पत्नी का नाम मेरे पुत्र ABDUL ALLAM SIDDIQUI जो कि CHRIST CHURCH COLLEGE LUCKNOW मे 10वीं का छात्र है। उसके कालेज में गलती से मेरा नाम ABDUL SALAM SIDDIQUI व मेरी पत्नी का नाम TASNEEM SIDDIQUI लिख गया है। जो कि गलत है।

सूचना
पहले मेरा नाम SHAHNEWAZ AHMAD था अब मैने बदलकर अपना नाम SHAH NEWAZ AHAMAD रख लिया है भविष्य में मुझे SHAH NAWAZ AHAMAD के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- GULAM ZILANI R/O- FLAT NO-108, 1ST FLOOR, AJEET RESIDENCY SECTOR - 2, VIKAS NAGAR LUCKNOW- 226022

सूचना
पहले मेरा नाम VISVAKARMA AJITKUMAR RAM SURESH था अब मैने बदलकर अपना नाम AJIT KUMAR रख लिया है भविष्य में मुझे AJIT KUMAR के नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O- RAM SURESH VISVAKARMA R/O- 1850/4- PIKAURA SHIV GULAM POST GANDHI NAGAR KOTWALI BASTI 272001

सूचना
मैं सयद अजीम अशरफ (SAYED AZEEM ASHRAF) पुत्र सयद मोहम्मद खालिद अशरफ निवासी–2824, की ब्लाक, इन्दिरा नगर लखनऊ उ0प्र0–226016, मेरे पासपोर्ट सं0–T4711643 में मेरा नाम अंग्रेजी के शब्द AZEEM ASHRAF SAYED त्रुटिवश अंकित हो गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरा वास्तविक नाम सयद अजीम अशरफ (SAYED AZEEM ASHRAF) है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कु. सरिता यादव तथा सरिता दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। किसी भी प्रकार के शासकीय, अर्द्धशासकीय, बैंकिंग अथवा अन्य दस्तावेजों में यदि कहीं कु. सरिता यादव तथा कहीं केवल सरिता नाम अंकित है, तो दोनों को एक ही व्यक्ति का नाम माना जाए। पिता का नाम: राम खेलावन पता : W/o संजय यादव, नील गोदाम, सोना हॉस्पिटल के पास, देवकाली, पोस्ट–फैजाबाद, जनपद–अयोध्या, उत्तर प्रदेश – 224001 भविष्य में किसी भी प्रकार की असुविधा या भ्रम की स्थिति से बचने के लिए यह सूचना प्रकाशन जारी किया जा रहा है।

पंचम स्कंदमाता

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...

माँ स्कंदमाता: ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नम:

खुशियों के बीच मनी ईद, अमन को उठे हाथ

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : खुशी एवं भाईचारे का त्योहार ईद उल फित्र बाराबंकी में बहुत ही धूमधाम व उल्लास भरे माहौल में बनाया गया। शनिवार सुबह मुख्यालय पर सबसे बड़ी नमाज ईदगाह में हुई तो शहर व ग्रामीण इलाकों की मस्जिदों में भी ईद की नमाज अदा की गई। बाद नमाज सबने एक-दूसरे से गले मिलकर पर्व की बधाई दी।

शहर की सबसे बड़ी नमाज ईदगाह मैदान में हुई। रोजेदार दो शिफ्ट में पहुंचे और ईद की नमाज अदा की। बड़ी संख्या में उमड़े रोजेदारों ने नमाज के बाद एक-दूसरे से गले मिलकर पर्व की मुबारकबाद दी। यहां पर मौजूद सांसद तनुज पुनिया भी लोगों से मिले और बधाई दी। वहीं डीएम शशांक त्रिपाठी, एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने भी सभी को मुबारकबाद दी।

हैदरगढ़ प्रतिनिधि के अनुसार, हाईवे के किनारे स्थित ईदगाह परिसर में मुफ्ती मोहम्मद यासिर कासमी व मौलाना मो. रफीक द्वारा ईद की नमाज अदा करवाई गई और मुल्क में अमन चैन की दुआ मांगी गई। ईदगाह पहुंचे हजारों रोजेदारों ने पहले ईद की नमाज अदा की और फिर एक-दूसरे से गले मिलकर बधाई दी। शुभकामनाएं देने वालों में पूर्व विधायक रामनगर रावत, सपा नेता पप्पू सिद्दीकी, उमर हाशमी, सरवर सिद्दीकी, शब्बीर पहाड़ी, मेराज अहमद, अय्यूब कुरैशी, प्रधान आसिफ खान आदि शामिल रहे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसडीएम राजेश विश्वकर्मा, सीओ समीर कुमार सिंह, तहसीलदार कविता ठाकुर, अधिशासी अधिकारी इन्द्रभान, कोतवाल अभिमन्यु मल्ल दल बल के साथ मौजूद रहे। मसौली प्रतिनिधि के अनुसार रविवार को ईद की ख़ुशी में क्षेत्र की सभी ईदगाहों पर मेला जैसा माहौल रहा। ईद की नमाज अदाकर एक दूसरे से गले मिल कर मुबारकबाद दी। बड़ागांव स्थित ईदगाह में मौलाना सगीर अहमद ने ईद उल फ़ित्र की नमाज अदा करायी। इसी क्रम में सौली में मौसम खराब होने के कारण सभी मस्जिदों मे ईद की नमाज अदा की गयी। शहाबपुर मे मौलाना इमरान नदवी, सुरसंडा मौलबी समीनुद्दीन हशमती, कस्बा बांसा हफीज गुलाम मुस्तफा,कस्बा सआदतगंज में हाफ़िज़ सिराजुद्दीन, कस्बा रामपुर कटरा में मौलाना अरकम, सैदनपुर पेश इमाम मसीउद्दीन, दादरा पेश इमाम नूर मोहम्मद, रसौली, जकरिया, उधौली की ईदगाहो में ईदुल फितर की नमाज अदा की गयी। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी, एसएसआई शमशाद अली, राशिद अली, एवं प्रभारी निरीक्षक सफदरगंज अमर चौरसिया पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे।

ईद की नमाज अदा करते रोजेदार। ● अमृत विचार

डीएम और एसपी को बधाई देते रोजेदार। ● अमृत विचार

ईदगाह में मौजूद सांसद, पूर्व एमएलसी व अन्य लोग। ● अमृत विचार

पानी भरे टब में डूबने से बच्चे की मौत

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के संदूपुर में शनिवार को पानी भरे टब में डूबने से दो वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मोहित यादव घटना के समय वह घर से बाहर थे। उनकी पत्नी घरेलू कार्यों में व्यस्त थी। दिन में करीब तीन बजे उनका दो वर्षीय पुत्र आरव आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान उसका खिलौना पास में रखे पानी भरे टब में गिर गया। खिलौना निकालने के प्रयास में आरव टब में झांकने लगा, तभी संतुलन बिगड़ने से वह टब में गिर पड़ा और पानी में डूब गया। काफी देर तक नजर न आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की तो आरव टब में अचेत मिला। परिजन उसे सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पौधरोपण के दौरान वन विभाग के अफसर और कर्मचारी। ● अमृत विचार

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर रामनगर वन रेंज के अंतर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अशोकपुर चाचू सराय में शनिवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान सहजन, अमरूद, आंवला, नीम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। उपस्थित महिलाओं ने न केवल पौधरोपण किया, बल्कि उनके संरक्षण और देखभाल का भी संकल्प लिया। इस मौके पर ग्रामीणों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी देखने को मिली। क्षेत्रीय वन अधिकारी अल्पना पाण्डेय ने कहा कि "वन हमारे जीवन का आधार हैं। पेड़-पौधे न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि जलवायु संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होने ग्रामीणों से अपील की कि वे अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित करें। इस अवसर पर ग्राम प्रधान ददौरा राजू, उपक्षेत्रीय वन अधिकारी मनोज कुमार यादव, बीट इंचार्ज रामतिलक, वन कर्मी दुर्गेश यादव, नागेंद्र रावत, विक्रम वर्मा, रूबी वर्मा, रुमा यादव, गीता यादव, समरनाथ यादव आईटीआई कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

चैत्र रामनवमी पर निकलेगी शोभा यात्रा

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : चैत्र रामनवमी के अवसर पर गत वर्षो की तरह कस्बा में निकलने वाली श्री राम जी की विशाल भगवामय शोभा यात्रा आगामी शुक्रवार को नगर के प्रमुख मार्गो से निकलेगी। शोभायात्रा के आयोजक हिंदू युवा वाहिनी के अध्यक्ष अधिवक्ता आनंद पांडे ने बताया कि शोभायात्रा से पहले विजयी हनुमान मंदिर के निकट स्थित केशव मैरिज हाल में सुबह 9 बजे से सुंदरकांड पाठ का आयोजन होगा। दोपहर 12 बजे राम जन्म का उत्सव मनाने के बाद 3 बजे से शोभा यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें भगवान श्री राम का दिव्यरथ एवं शोभा यात्रा के दौरान प्रस्तुत की जाने वाली विभिन्न झांकियां आकर्षण का केंद्र होगी। इस शोभायात्रा के दौरान राष्ट्रीय भजन गायक संदीप आचार्य द्वारा भगवान राम के भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। आयोजन में अध्यक्ष आनंद पांडे के अलावा प्रबंधक राहुल गुप्ता कोषाध्यक्ष रवि अग्रवाल, शिवम वैश्य अंशू आदि शामिल रहेंगे।

मारपीट में अधेड़ की मौत, पत्नी घायल

वारदात

● **टिन शेड के ऊपर से तार हटाने के विवाद में हुई घटना**

निन्दूरा, बाराबंकी

अमृत विचार : घुंघटेर कोतवाली क्षेत्र में घर के बाहर से गुजर रहे बिजली के तार को हटाने को लेकर पड़ोसियों के बीच हुई कहासुनी देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गई। जानलेवा हमले में घायल व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी घायल है। घटना को लेकर गांव में तनाव का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, क्षेत्र के महत्तवानी मजरा घुघटेर गांव निवासी सुरेंद्र कुमार यादव (50) पिछले करीब 15 वर्षों से अपनी ससुराल में रह रहे थे। उन्होंने अपने घर के बाहर बाउंड्री वॉल बनाकर उस पर टिन शेड डाला था। आरोप है कि पड़ोसी मांगू यादव ने अपनी बिजली का केबल उसी टिन शेड के ऊपर से निकाल रखा था। कई बार कहने के बावजूद उसने टिनशेड के ऊपर से बिजली का तार नहीं हटाया था। रविवार की सुबह सुरेंद्र की पत्नी आरती ने टिन शेड के ऊपर से गुजर रहा तार हटा दिया। इससे नाराज होकर मांगू यादव अपने परिजनों के साथ मौके पर पहुंचा और लाठी-डंडों व ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। हमले में सुरेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर ही बेहोश हो गया, जबकि उसकी पत्नी भी घायल हो गयी। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सुरेंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घुंघटेर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। बताया जा रहा कि सुरेंद्र मूल रूप से हरदोई जनपद का निवासी था। घटना की सूचना मिलते ही उसके परिजन भी मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं, घायल पत्नी आरती को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि सिर में चोट लगने के बावजूद महिला को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल नहीं ले जाया गया, बल्कि कोतवाली में बैठाकर पूछताछ की जाती रही।

पुलिस बन कर रहा था साइबर ठगी, गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : साइबर अपराध थाना पुलिस ने फर्जी पुलिस बनकर लोगों को ठगने वाले एक शातिर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चार मोबाइल फोन, एक सिम कार्ड व 1250 रुपये बरामद हुए हैं। साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार यादव व प्रभारी निरीक्षक संजीव कुमार यादव की टीम ने 20 मार्च को असैनी चौराहे के पास से आरोपी को पकड़ा। पकड़ा गया आरोपी सूरज चौहान (22) निवासी कानपुर देहात, हाल पता लखपेड़ाबाग है। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह खुद को पुलिसकर्मी बताकर लोगों को फोन करता और पोर्न वीडियो देखने के नाम पर केस दर्ज होने का डर दिखाकर उनसे पैसे ऐंठता था। आरोपी ने अलग-अलग राज्यों के लोगों को निशाना बनाया है।

हादसों में दो की मौत एक की हालत गंभीर

बाराबंकी, अमृत विचार : जिले में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पहली घटना कुर्सी के कुर्सी-इटौंजा मार्ग पर मदारपुर चौराहे के पास शनिवार शाम हुई। देवा के गौरिया निवासी पप्पू (55) अपने साथी के साथ लखनऊ के महिगवां क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम से लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक को पिकअप ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान पप्पू की मौत हो गई। दूसरी घटना लोनीकटरा थाना क्षेत्र में अखैय्यापुर अंडरपास के पास 20 मार्च की शाम हुई। खैराकनकू निवासी राममिलन वर्मा के पुत्र सत्यम वर्मा (23) साथी गोविन्द शर्मा (20) के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार सीएनजी टैंकर ने लापरवाहीपूर्वक उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद टैंकर दोनों युवकों और बाइक को कुछ दूर तक घसीटता ले गया। घटना की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने दोनों घायलों को सीएचसी त्रिवेदीगंज पहुंचाया, जहां से उन्हें ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। वहां डॉक्टरों ने सत्यम को मृत घोषित कर दिया, जबकि गोविन्द की हालत गंभीर बनी हुई है।

नालियां चोक होने से मार्गों पर भरा गंदा पानी

मार्ग पर जलभराव के बीच से गुजरती किशोरी। ● अमृत विचार

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : क्षेत्र की ग्राम पंचायत बेचू का पुरवा मजरे मौलाबाद गांव में मुख्य सड़क पर नालियां चोक होने के कारण पानी भर गया है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने नालियों की तत्काल साफ-सफाई कराए जाने की मांग की है। गांव के अंदर जाने वाली मुख्य सड़क पर पानी जमा होने से लोगों को निकलने में काफी दिक्कतें आ रही हैं। नालियां चोक होने के कारण सड़क पर गंदा पानी भर जाता है, जिससे ग्रामीणों को इधर-उधर से होकर निकलना पड़ रहा है। रामपाल वर्मा के घर के सामने इंटरलॉकिंग सड़क पर गंदा पानी भरा हुआ, जिससे लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है। पुरुषोत्तम के दरवाजे से लेकर लाला के घर तक नालियों के ढक्कन टूटे पड़े हैं। मोहित कुमार, रवि कुमार, रामराज, अनिल, अशोक, ननकू, पुत्तन वर्मा और रामपाल वर्मा सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि गांव में जगह-जगह नालियों के पत्थर टूटे हुए हैं, जिससे वे चोक हो गई हैं। बारिश के चलते पूरी सड़क पर जलजमाव हो गया है। लोगों ने प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर आकृष्ट कराया है।

बिना कनेक्शन थमाया बिल जेई समेत दो पर रिपोर्ट दर्ज

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : स्थायी कनेक्शन बिना ही उपभोक्ता को बिजली का बिल थमा दिया गया। पीड़ित ने तत्कालीन जेई समेत दो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। कुर्सी के रेवरी मजरे सिकंदरपुर निवासी अमर सिंह (56) ने कोर्ट को बताया कि वर्ष 2016 में राजीव गांधी विद्युतीकरण योजना के तहत उनके घर पर बिजली मीटर लगाया गया, लेकिन न मीटर सील हुआ न ही कनेक्शन नंबर दिया गया। आरोप है कि जनवरी 2025 में कुर्सी विद्युत उपकेंद्र पर तैनात जेई विकास शुक्ला ने नये कनेक्शन के नाम पर 30 हजार की मांग की। एक कथित संविदाकर्मी ने 20 हजार ले लिए और शेष 10 हजार बाद में देने को कहा। पीड़ित का कहना है कि रुपये देने के बावजूद कनेक्शन हुआ और न ही पुराना पैसा वापस किया। उल्टा उनके नाम फर्जी तरीके से बिजली बिल जारी कर दिया गया। पहले बिल में करीब 26 हजार रुपये और बाद में संशोधित कर 67 हजार रुपये से अधिक की धनराशि दर्शा दी गई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि बिल में मीटर रीडिंग, जमा प्रतिभूति राशि और कनेक्शन की तिथि में कूटरचना की गई है। कनेक्शन को वर्ष 2016 से दिखाया गया। पुलिस के सुनवाई न करने पर उसने कोर्ट की शरण ली, तब जाकर पुलिस ने मामला दर्ज किया।

ऑटो में महिला के पर्स से 18 हजार की नकदी चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : नगर कोतवाली क्षेत्र में दिनदहाड़े ऑटो रिक्शा में सफर कर रही एक महिला के पर्स से 18 हजार रुपये चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अज्ञात महिलाओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार, बरेली जनपद के थाना किला क्षेत्र की रहने वाली तरनुम पत्नी मोहम्मद खालिब इन दिनों बाराबंकी के नुमाइश मैदान में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रही हैं। पीड़िता के मुताबिक, 19 मार्च की दोपहर वह बड़ेल चौराहे से नाका सतरिख की ओर ऑटो रिक्शा से जा रही थीं। इसी दौरान ऑटो में दो महिलाएं आकर उनके पास बैठ गईं। आरोप है कि रास्ते में उन महिलाओं ने मिलकर तरनुम के पर्स में रखे 18 हजार रुपये चोरी कर लिए। पीड़िता का कहना है कि उन महिलाओं के साथ अन्य महिलाएं भी शामिल थीं। घटना के बाद पीड़िता ने नगर कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

उम्रकैद की सजा पाए कर्मचारी की बर्खास्तगी पर लगी अंतिम मुहर

बाराबंकी, अमृत विचार : बाराबंकी स्थित सिंचाई विभाग में कार्यरत एक वरिष्ठ सहायक को आपराधिक मामले में उम्रकैद की सजा मिलने के वर्षों बाद आखिरकार सेवा से औपचारिक रूप से बर्खास्त कर दिया गया है। विभाग ने यह कार्रवाई 5 जून 2012 से प्रभावी मानी है, यानी दोषसिद्धि की तारीख से ही उसे सेवा से बाहर माना जाएगा।

बताते चलें कि यह मामला 5 जून 2012 का है, जब एस-एसटी एक्ट के विशेष न्यायाधीश बाराबंकी की अदालत ने कर्मी दिनेश चंद्र को दोषी ठहराते हुए सश्रम उम्रकैद और अर्थदंड की सजा सुनाई थी। इसके बाद तत्कालीन अधीक्षण अभियंता एकादश मंडल सिंचाई कार्य फैजाबाद ने उनकी सेवाएं समाप्त कर दीं लेकिन दिनेश चंद्र ने इस कार्रवाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में चुनौती दी। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने विभागीय कार्रवाई में प्रक्रिया संबंधी खामियों की ओर संकेत करते हुए नियमानुसार दोबारा निर्णय लेने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में सिंचाई विभाग ने अधीक्षण अभियंता अयोध्या की अध्यक्षता में समिति गठित की। समिति ने संबंधित कर्मचारी को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया। समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची कि आपराधिक मामले में दोषसिद्धि के आधार पर दिनेश चंद्र की सेवा समाप्ति उचित है। बाढ़ कार्य खंड के अधिशाषी अभियंता शशिकांत सिंह ने बताया कि इस कार्रवाई के साथ लंबे समय से लंबित मामला पूरी तरह निस्तारित हो गया है।

मिशन शक्ति : महिलाओं को किया गया जागरूक

लोगों को जागरूक करती पुलिस टीम। ● अमृत विचार

बाराबंकी, अमृत विचार : महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति फेज- 5 द्वितीय चरण के दृष्टिगत बाराबंकी पुलिस द्वारा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुलिस के समस्त थानों में संचालित मिशन शक्ति केन्द्र की महिला अधिकारी, कर्मचारीगण द्वारा अपने- अपने क्षेत्रों में महिला सुरक्षा के संबंध में जागरूक कर शासन व पुलिस के स्तर से संचालित समस्त योजनाओं एवं प्रबन्धों की जानकारी दी गई। महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण के सम्बन्ध में एवं साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया।

सुविधा

गोसियामऊ ग्राम पंचायत स्थित गोमती नदी पर नवनिर्मित पीपा पुल का विधायक ने किया लोकार्पण

पुल निर्माण से गोसियामऊ से बाराबंकी की दूरी 25 किमी घटी

हैदरगढ़, बाराबंकी

अमृत विचार : रविवार को क्षेत्र की गोसियामऊ ग्राम पंचायत स्थित गोमती नदी पर नवनिर्मित पीपा पुल का लोकार्पण हुआ। यह पुल बन जाने के बाद यहां से बाराबंकी की दूरी करीब 25 किमी घट जाएगी। पीपा पुल के लोकार्पण से स्थानीय ग्रामीण काफी खुश दिखाई दिए।

क्षेत्रीय भाजपा विधायक दिनेश रावत, प्रमुख प्रतिनिधि रामदेव सिंह एवं सिद्धौर ब्लॉक प्रमुख आरती रावत ने विधिवत पूजा-अर्चना कर, नारियल फोड़कर और फीता काटकर पुल का लोकार्पण किया। एक करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से बने इस पीपा पुल के निर्माण से क्षेत्रीय लोगों को आवागमन में काफी सुगमता मिलेगी। बाराबंकी आने-जाने में उनका समय भी बचेगा।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि क्षेत्रीय लोगों द्वारा लंबे समय से इस पुल की मांग की जा रही थी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस समस्या के समाधान के लिए अनुरोध किया था, जिसके बाद इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी मिली। प्रमुख प्रतिनिधि रामदेव सिंह ने क्षेत्र के विकास कार्यों में विधायक के प्रयासों की सराहना की।

पीपा पुल के निर्माण के लिए विधायक का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुशील जायसवाल, मंडल अध्यक्ष सुबेहा रणवीर सिंह उर्फ मोनू, भाजपा नेता अवधेश सिंह चंदेल ,भाजपा मंडल महामंत्री रंजीत सिंह, रूपचंद चौरसिया, धर्मेन्द्र चौरसिया, प्रधान प्रतिनिधि अवधेश यादव, पूर्व प्रधान रामअभिलाख रावत, भाजपा पूर्व सांसद प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, चुन्नी सिंह, सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

पीपा पुल का लोकार्पण करते क्षेत्रीय विधायक। ● अमृत विचार

चोरी के माल के साथ 5 महिला चोर गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : कोतवाली नगर पुलिस टीम ने 5 महिला चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के आभूषण और उन्हें बेचकर प्राप्त 1,13,000 रुपये बरामद किए हैं। पुलिस ने असैनी मोड़ के पास से महिलाओं को गिरफ्तार किया। इनके पास से दो पीली धातु के लॉकेट, एक जोड़ी कान के टप्स, 1,13,000 रुपये बरामद हुए। पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह महिलाएं बस अड्डों, रेलवे स्टेशन और भीड़-भाड़ वाले बाजारों व मेलों में सक्रिय रहती थीं। ये राहगीरों और बस, ऑटो में बैठी सवारियों को निशाना बनाकर मौका पाते ही उनके आभूषण, पर्स और नकदी चोरी कर लेती थीं।

पौने छह लाख किसानों को मिला आर्थिक सहारा

बाराबंकी, अमृत विचार : प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूरे होने के अवसर पर बाराबंकी में किसानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का असर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। खासतौर पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले के 5,84,304 किसानों को सीधे आर्थिक लाभ मिला है। प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार अप्रैल 2017 से मार्च 2026 तक किसानों के खातों में करोड़ों रुपये की धनराशि भेजी गई, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है। यह योजना केंद्र सरकार की प्रमुख पहल है, जिसके तहत पात्र किसान परिवारों को हर वर्ष 6,000 रुपये तीन किश्तों 2-2 हजार रुपये में दिए जाते हैं। किसानों का कहना है कि यह सहायता राशि खाद, बीज, सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों में काफी उपयोगी साबित हो रही है। इससे न केवल खेती की लागत संभालने में मदद मिली, बल्कि उत्पादन और आय में भी सुधार आया है। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने बताया कि बाराबंकी में योजना का व्यापक प्रभाव देखने को मिला है। लगातार सत्यापन प्रक्रिया के बाद पात्र लाभार्थियों को योजना से जोड़ा गया, जिससे पारदर्शिता भी सुनिश्चित हुई। प्रदेश में किसानों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनमें पीएम किसान सम्मान निधि प्रमुख भूमिका निभा रही है। कुल मिलाकर, इस योजना ने बाराबंकी के किसानों को आर्थिक स्थिरता दी है।

न्यूज ब्रीफ

नवरात्र महोत्सव में भजन-कीर्तन व कन्या भोज का आयोजन

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : चैत्र नवरात्र पर शुरू हुआ नवरात्रि महोत्सव कन्याभोज के साथ संपन्न हो गया। शनिवार शाम 4 बजे अखंड 'हरी ओम तत्सत' जप, दुर्गा चालीसा पाठ व सुंदरकांड से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जो पूरी रात भजन-कीर्तन के साथ चलता रहा। रविवार सुबह 9 बजे से विशाल कन्याभोज का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और कन्याओं को प्रसाद वितरित किया। कार्यक्रम में मंदिर व्यवस्थापक अमित अवस्थी, एडवोकेट सिद्धांत अवस्थी, डॉ. रितु ओमर, डॉ. विवेक मिश्रा सहित कमेटी के मारू नंदन मिश्रा, दिलीप कनौजिया, ऋषभ शुक्ला व अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रेम प्रसंग को लेकर तीन का चालान

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के एक युवक का दही थानाक्षेत्र की 17 वर्षीय किशोरी से प्रेम प्रसंग का मामला रविवार को कोतवाली पहुंच गया। किशोरी के परिजन युवक के विरुद्ध शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे। तभी युवक की पैरवी करने आया एक अन्य युवक परिजनों से भिड़ गया और गालीगलौज करने लगा। इस पर परिजनों ने उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की बात कही। जिससे घबराकर वह मौके से भाग निकला। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस हरकत में आई और सिपाहियों ने पीछा कर उसे दुर्गा मंदिर के पास पकड़ लिया। पुलिस ने प्रेमी युवक, पैरवी करने वाले युवक समेत तीन लोगों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया।

प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी, भक्तों की लगी है कतार भवानी...

मां कूष्मांडा के दरबार में गूंजे 'जय माता दी' के जयकारे

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: चैत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को शक्तिपीठों व मंदिरों में भक्तों ने श्रद्धा व भक्ति के साथ मां दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना की। भोर होते ही मंदिरों के कपाट खुलने पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। जो देरशाम तक जारी रहीं।

शहर के ऐतिहासिक प्राचीन कल्याणी देवी मंदिर, दुर्गा मंदिर व पूर्णा देवी मंदिर में सुबह से भक्तों की भीड़ रही। हाथ में चुनरी, फल, फूल व नारियल लिए श्रद्धालु माता रानी की एक झलक पाने को आतुर दिखे। भक्तों ने परिवार की सुख-समृद्धि व आरोग्य की कामना के साथ माता के चरणों में मत्था टेका।

कल्याणी मंदिर में भजन-कीर्तन करतीं महिलाएं। • अमृत विचार

ग्रामीण व कस्बाई क्षेत्र के सिद्धपीठों का नजारा भी बेहद भक्तिमय रहा। नवाबगंज के प्रसिद्ध कुशहरी देवी मंदिर में भक्तों ने शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन किए। प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम दिखे।

बक्सर में गंगा तट स्थित चंडिका देवी धाम में दूर-दराज के जिलों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान के बाद मां की पूजा की। दिनभर की पूजा के बाद शाम का माहौल और मनमोहक हो गया। मंदिरों में जहां भव्य आरती का आयोजन हुआ। वहीं मोहल्लों व घरों में महिलाओं की टोलियों ने ढोलक की थाप पर देवी गीतों व भजनों की प्रस्तुति दी।

दुर्गा मंदिर में हुआ कन्याभोज, बंटी शिक्षण सामग्री

उन्नाव : चैत्र नवरात्र पर शाहगंज मोहल्ला स्थित स्टेट बैंक दुर्गा मंदिर में रविवार को सामूहिक कन्याभोज हुआ। इसमें कन्याओं का पूजन कर उनसे आशीर्वाद लिया गया। इस वर्ष का कन्याभोज केवल पारंपरिक खानपान तक सीमित नहीं रहा। आयोजकों ने कन्याओं के भविष्य को देखते हुए उन्हें पठन-पाठन की सामग्री बांटी इसके साथ मौसम को देखते हुए शीतल पेय पदार्थ, मौसमी फल व नए वस्त्र भी भेंट किए। वहीं, कन्याओं को दही-जलेबी का भोग लगाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मनोज भैया, सभासद प्रतिनिधि हिमांशु दीक्षित व सभासद नीलम यादव ने किया। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर सेवाएं दीं। कन्याभोज में रानू दीक्षित, राहुल सिंह, वीरू निगम, संजय गुप्ता, डॉ. आशीष श्रीवास्तव, सरला श्रीवास्तव, पिंकी गुप्ता, विनीता, शिल्पी श्रीवास्तव, गीता गुप्ता, पूजा, ज्योति, मनोज डब्बू गुप्ता, हर्षित अग्रवाल, आलोक गुप्ता, मनन गुप्ता, वासु गुप्ता आदि मौजूद रहे।

शाहगंज मंदिर में स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमा का हुआ श्रृंगार। • अमृत विचार

मां कूष्मांडा के दर्शन को मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

शुक्लागंज, उन्नाव : नवरात्र के चौथे दिन मां दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कूष्मांडा के दर्शन के लिए नगर के विभिन्न देवी मंदिरों में रविवार को भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस दिन मां के दरबार का भव्य रूप से सजाया गया था।

दुर्गा मंदिर में दर्शन के लिये मौजूद भक्त। • अमृत विचार

श्रद्धालु जयकारे लगा माता के दर्शन कर रहे थे। दुर्गा मंदिर के पंडित विनोद पांडेय ने बताया कि मां कूष्मांडा की पूजा करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उपवास रखकर व दुर्गा सप्तशती का पाठ कर श्रद्धालुओं ने माता को प्रसन्न किया। महिला श्रद्धालुओं ने मंदिरों में भजन-कीर्तन किया, वहीं प्रसाद वितरण भी दिनभर चलता रहा। कंचन नगर स्थित कंचनमाई मंदिर, महेश मार्ग का सिद्धिदात्री मंदिर, डाकबंगला कॉलोनी का सोमा गौरी मंदिर, गांधीनगर का काली मंदिर, पोनी रोड झंडा चौराहा स्थित झंडेश्वरी मंदिर, बिंदा नगर दुर्गा मंदिर, बालूघाट का गायत्री शक्तिपीठ व गंगा विशुनघाट दुर्गा मंदिर आदि स्थानों पर भी भारी भीड़ रही। वहीं दुर्गा मंदिर में आयोजित अखंड रामायण पाठ का समापन राज्याभिषेक के साथ हुआ।

ब्लॉक के दौरान गंगाघाट तक लोकल ट्रेन संचालन की मांग

उन्नाव, अमृत विचार: लखनऊ-कानपुर रेलमार्ग पर पुराने गंगापुल पर स्लीपर बदलने का कार्य होना है। इसके लिए रेल प्रशासन ने 2 अप्रैल से 13 मई तक मेगा ब्लॉक की घोषणा की है। इसमें कई लंबी दूरी की ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है। इसके साथ पैसेंजर ट्रेनें निरस्त की गई हैं। इसमें कानपुर-लखनऊ मेमू (एलकेएम) भी शामिल हैं। इसे लेकर जिला दैनिक रेलयात्री संघ अध्यक्ष मुर्तजा हैदर रिजवी ने लखनऊ मंडल के डीआरएम सुनील कुमार को संबोधित ज्ञापन स्टेशन अधीक्षक त्रिभुवन जोशी को सौंपा।

ज्ञापन में मांग की गई कि जिले से मेमू ट्रेनों से हजारों लोग कानपुर व लखनऊ मजदूरी करने जाते हैं। इनके लिए बस व अन्य साधन के किराए का बोझ उठाना मुश्किल है। मांग की कि मेमू ट्रेनों को ब्लॉक के दौरान लखनऊ से गंगाघाट रेलवे स्टेशन तक संचालित किया जाए। संघ के विधिक सलाहकार मुजतबा हैदर भैय्यू ने बताया कि पूर्व में स्लीपर बदलने के दौरान संघ की मांग पर गंगाघाट से लखनऊ तक पैसेंजर ट्रेनों का संचालन हुआ था।

हाकरों के होली मिलन में उड़ा अबीर-गुलाल

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: रविवार को राजमार्ग स्थित एक गेस्ट हाउस में समाचार पत्र वितरक समिति शुक्लागंज के तत्वावधान में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। जहां फूलों की होली खेली गई। वहीं ठंडाई वितरण भी हुआ।

समाचार पत्र वितरक समिति शुक्लागंज द्वारा बीते कई वर्षों से होली के बाद होली मिलन समारोह का आयोजन होता है। इस वर्ष भी रविवार को राजमार्ग स्थित कैलाश वाटिका में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। जहां फूलों की होली खेली गई। इसमें फगुआरों ने होली गीत गाये। इसके बाद ठंडाई वितरण हुआ। इस दौरान पत्र वितरकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक पंकज गुप्ता, भानू मिश्रा, संदीप पांडेय, कमल वर्मा, सुरेश शुक्ला, अरविंद यादव, कैप्टन राहुल तिवारी, राजेश बाजपेई रहे। इस दौरान मुकेश तिवारी, विजय बाजपेई, उमेश शुक्ला, छुन्नू तिवारी, योगेन्द्र शुक्ला, उमाकांत, सुशील अवस्थी, राजेन्द्र पाल, अरविंद बाजपेई, अनुराग तिवारी, शंभू तिवारी, मिथुन श्रीवास्तव, अरुण मिश्रा, मनबोधन अवस्थी, आशीष सिंह, हरी दुबे, नंद किशोर दुबे, गौरव पांडेय, रामू दीक्षित, विजय मिश्रा, कमल तिवारी, रमाशंकर आदि समाचार पत्र वितरक मौजूद रहे।

समाचार पत्र वितरकों के होली मिलन में होता फाग। • अमृत विचार

डीएसएम में रोबोटिक्स व एआई प्रदर्शनी आयोजित

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : राजमार्ग स्थित डीएसएम पब्लिक स्कूल में रोबोटिक्स व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रदर्शनी आयोजित हुई। इसमें छात्रों ने अपनी रचनात्मकता, नवाचार व तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्य अतिथि।

इसका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना व आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक अनुभव देना रहा। उद्घाटन मुख्य अतिथि डीडीईसी की प्रिंसिपल नीलम, प्रधानाचार्या रीता सिंह, प्रबंधक आशुतोष शुक्ला व अवनीश शुक्ला ने किया। प्रदर्शनी में स्वचालित मशीनें, स्मार्ट होम मॉडल, एआई आधारित एप्लिकेशन और रोबोटिक्स प्रोटोटाइप आकर्षण का केंद्र रहे। छात्रों ने अपने मॉडलों की कार्यप्रणाली समझाई। इस दौरान कपिल तिवारी का मार्गदर्शन सराहनीय रहा।

परशुराम जयंती की तैयारी को लेकर हुई बैठक

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : रविवार को परशुराम सेवा समिति के तत्वावधान में ऋषिनगर स्थित जगदम्बा पार्क में नगर के प्रबुद्ध वर्ग की बैठक हुई। इसमें आगामी 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। इसमें आयोजन को भव्य व व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने पर चर्चा हुई। वक्ताओं ने समाज में एकता व सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने पर जोर दिया। इसमें गणेश मिश्र, विजय तिवारी, संजय तिवारी, वीरेंद्र शुक्ल, पप्पू तिवारी, प्रदीप शुक्ल, महेश मिश्र, डॉ संतोष अग्निहोत्री, श्रीकांत पांडेय, आदित्य त्रिपाठी, संजय बाजपेई, रामू अवस्थी, प्रद्युम्न मिश्र, राजू पांडेय, विनोद त्रिपाठी, विनय तिवारी, सुरेश तिवारी, अभिषेक तिवारी, मोहित शुक्ल, अनूप शुक्ल, अभिलाषा मिश्र, मनोज मिश्रा, राहुल दीक्षित, रवि तिवारी, अंशुमन तिवारी, चंद्र प्रकाश मिश्र, दीपक त्रिवेदी, वीरेश शुक्ला, रिंकू शुक्ल, बसंत दादा, नंद कुमार मिश्र, श्याम तिवारी सहित करीब 300 लोग उपस्थित रहे।

बैठक में जानकारी देते पदाधिकारी। • अमृत विचार

परशुराम ब्रिगेड की बैठक में नए अध्यक्ष का चयन

- बैठक में परशुराम जयंती की तैयारी की बनी रूपरेखा

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार: राजमार्ग स्थित ऋषि आश्रम में रविवार को अखिल भारतीय परशुराम बिग्रेड की बैठक हुई। इसमें आगामी परशुराम जयंती को भव्य रूप से मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर संगठन को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें सर्वसम्मति से राजनारायण मिश्रा को संगठन का नया अध्यक्ष चुना गया। उनके चयन पर पदाधिकारियों व सदस्यों ने खुशी जताते हुए बधाई दी और संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की उम्मीद जताई। इसमें हाल ही में दिवंगत मथुरा निवासी बाबा चंद्रशेखर उर्फ फरसा वाले बाबा को श्रद्धांजलि दी गई।

संरक्षक वीरेंद्र शुक्ला, महेश मिश्रा, आशुतोष शुक्ला, अंजनीकांत मिश्रा, ओम प्रकाश मिश्रा, प्रदीप शुक्ला, संदीप पांडेय, इन्द्रेश शुक्ला, विकास मिश्रा, विनय तिवारी, सौरभ पाण्डेय, राजेन्द्र तिवारी, धीरेंद्र द्विवेदी, प्रशांत अवस्थी, मोहित शुक्ला, विवेक तिवारी, ऋषभ दीक्षित, अखिलेश शुक्ला, करुणा शंकर पाण्डेय, आशीष गिरी, आशीर्वाद तिवारी, महेश पांडे, सुरेश मिश्रा, चन्दन दीक्षित, अजय चौबे, सतीश तिवारी, भारत तिवारी, सुरेश पाठक, चन्द्र प्रकाश त्रिवेदी, रमेश मिश्रा, राजू शुक्ला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

526 निपुण स्कूलों के शिक्षक सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में रविवार को 'निपुण विद्यालय सम्मान समारोह' का आयोजन हुआ। अध्यक्षता डायट प्राचार्या अमिता सिंह ने की। इसमें जिले के उन विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व शिक्षक सम्मानित हुए जिन्होंने 'निपुण भारत मिशन' के तहत निर्धारित मानकों को ससमय प्राप्त कर अपने विद्यालय को 'निपुण' घोषित कराया है। इस तरह के जिले के 526 विद्यालयों को निपुण घोषित किया गया।

इस दौरान प्राचार्या ने कहा कि जिले के 526 विद्यालयों ने आज कर दिखाया है कि विपरीत परिस्थिति में भी काम कैसे किया जाता है। निपुण विद्यालय की संख्या की दृष्टि से असोहा ब्लाक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि सुमेरपुर ब्लॉक ने अंतिम 17वां स्थान पाया। प्राचार्या ने निपुण विद्यालयों को प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया। एसआरजी टीम से डॉ. रचना सिंह, मसर्रत फातिमा व अखिलेश ने शिक्षकों के नवाचारी प्रयासों की प्रशंसा की। इसमें डायट प्रवक्ता अंजू यादव, दिनेश कुमार, डॉ. विशाल यादव, श्याम सिंह, सहयोगी निपुण सेल राहुल तिवारी, पीयूष सिंह, शशांक चौहान, दीपक कुशवाहा व डायट प्रशिक्षुओं से श्रेया सिंह सेंगर आदि मौजूद रहे ।

सम्मानित प्रधान अध्यापकों के साथ डायट प्राचार्या व प्रवक्ता। • अमृत विचार

दिल्ली से लौटे युवक ने फंदे से लटककर दी जान

उन्नाव, अमृत विचार : सदर कोतवाली क्षेत्र के हजीरा गांव निवासी अभय (28) पुत्र शंकर लाल अपने माता-पिता व अन्य परिजनों के साथ दिल्ली में रहता था। रविवार को वह दिल्ली से लौट कर गांव पहुंचा। जहां उसने देरशाम घर में रस्सी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। चचेरे भाई ने उसे लटका देख शोर मचाया। इस पर अन्य परिजन पहुंचे। उसके जीवित होने की आशंका पर परिजन पहले एक निजी अस्पताल ले गए। जहां से डॉक्टर के हाथ खड़ा करने पर चचेरा भाई रोहित उसे जिला अस्पताल लाया। यहां ईएमओ ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। ईएमओ डॉ. आशीष सिंह ने बताया कि शव मोर्चरी में रखवा कर पुलिस को सूचना दी गई है। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत मिश्रा के मुताबिक दरोगा को मौके पर जांच के लिए भेजा गया है। परिजनों के आने पर आत्महत्या की वजह स्पष्ट होगी।

ई-रिक्शा की छत पर बैठ फर्राटा, वीडियो वायरल

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के नवीन गंगापुल पर एक ई-रिक्शा चालक द्वारा खतरनाक तरीके से सवारियां ढोने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रविवार को सामने आए 8 सेकेंड के इस वीडियो में चालक क्षमता से अधिक लोगों को बैठाकर तेज रफ्तार में वाहन चलाता दिख रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि ई-रिक्शा के अंदर जगह पूरी तरह भरने के बाद भी सवारियों को नीचे लटकाकर और छत पर बैठाकर सफर कराया जा रहा है। छत पर 4 से 5 युवक बैठे दिख रहे हैं। जबकि नीचे भी कई लोग किसी तरह यात्रा करते दिख रहे हैं। यह स्थिति न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ भी है। वीडियो वायरल होने के बाद जिला प्रशासन ने इसका संज्ञान लिया है। हालांकि, ऐसे किसी भी वायरल वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

नवीन पुल पर ई रिक्शे की छत पर बैठकर जाते युवक।

1014 परीक्षकों ने जांचीं 31,775 कापियां

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटर की कापियों के मूल्यांकन के चौथे दिन रविवार को चार केंद्रों में 1014 परीक्षकों ने 31775 कापियों का मूल्यांकन किया। इसमें 1756 परीक्षकों में 742 अनुपस्थित रहे।

डॉ. जीनाथजी दयाल बालिका इंटर कॉलेज में हाईस्कूल के 52 डिप्टी हेड में 49 उपस्थित रहे। वहीं 517 परीक्षकों में 251 उपस्थित हुए। इसमें 10051 कापियों का मूल्यांकन हो सका। यहां 27 में 16 अंकेक्षक परीक्षक उपस्थित हुए। अब तक 21.29 प्रतिशत कापियों का मूल्यांकन किया गया। प्रधानाचार्य कंचन भट्ट ने बताया कि विज्ञान (भौतिक, रसायन व जीव विज्ञान) विषय में परीक्षकों की अनुपस्थित अधिक होने से कापियों के मूल्यांकन में कठिनाई हो रही है। जीआईसी में हाईस्कूल के 52 डिप्टी हेड में 48 उपस्थित रहे। वहीं, 491 परीक्षकों में 285 उपस्थित हुए। जिन्होंने 7912 कापियों का मूल्यांकन किया। अब तक 21.43 प्रतिशत कापियों का मूल्यांकन किया गया है। जीजीआईसी में इंटर के 31 डिप्टी हेड में 26 व 297 परीक्षकों में 193 परीक्षक उपस्थित हुए। यहां 8523 कापियों का ही मूल्यांकन किया गया है। यहां 17 अंकेक्षकों में 12 उपस्थित हुए। अब तक 31.98 प्रतिशत कापियों का मूल्यांकन किया गया है। अटल बिहारी इंटर कॉलेज में इंटर के 30 डिप्टी हेड में 26 व 286 परीक्षकों में 136 परीक्षक उपस्थित हुए। इसमें 5289 कापियों का मूल्यांकन किया गया है।

बोर्ड परीक्षा की कापियों का मूल्यांकन करते परीक्षक।

मतभेद भूलकर 17 जोड़े फिर हुए एक

कार्यालय संवाददाता,उन्नाव

अमृत विचार: एसएसपी के निर्देश पर परिवार परामर्श केंद्र व विभिन्न थाना- कोतवाली में संचालित महिला हेल्पडेस्क के प्रयासों से 17 विवादित पति-पत्नी के जोड़े मतभेद भुलाकर फिर साथ रहने को राजी हो गए।

रविवार को परिवार परामर्श केंद व महिला हेल्पडेस्क की टीम ने सभी विवादित जोड़ों को बुलाकर उनकी काउंसलिंग की। इसमें परामर्शदाताओं ने दोनों पक्षों को समझाते हुए उनके विवाद को आपसी बातचीत से समाप्त कराकर उनके परिवार को टूटने से बचाया। काउंसलिंग के बाद परिवार परामर्श केंद्र से 3, थाना बारासगवर, औरास, अचलगंज, हसनगंज व सदर कोतवाली से 2-2, पुरवा कोतवाली, सफीपुर कोतवाली, थाना दही व सोहरामऊ से 1-1 जोड़े बिना विवाद के साथ रहने पर सहमत हुए। जिसके बाद उन्हें शुभकामनाएं देकर विदा किया गया। इसमें प्रभारी परिवार परामर्श समिति डॉ. आशीष श्रीवास्तव, डॉ. शशि रंजना अग्निहोत्री, डॉ. एसके पाण्डेय, संजय चौरसिया, सहयोगी अंकित रघुवंशी, शिवेन्द्र सिंह व महिला हेल्पडेस्क प्रभारी संतोष कुमारी सिंह, दरोगा मिथिलेश वर्मा सहित महिला आरक्षी अंशू रानी, पूनम यादव, नीतू सिंह, रूबी, पूनम शाक्य, अंजली वर्मा, पूजा यादव, अंजली व शिखा यादव आदि का योगदान रहा।

परिवार परामर्श केंद्र में जोड़ों की होती काउंसिलिंग। • अमृत विचार

महिला मंडल ने किया पांच कुण्डीय यज्ञ, मां गायत्री व मां कूष्मांडा से मांगी सुख-शांति

उन्नाव, अमृत विचार : शहर के कालेज रोड स्थित गायत्री मंदिर में नवरात्रि के अवसर पर महिला मंडल द्वारा आयोजित पांच कुंडीय गायत्री महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इससे मां गायत्री व मां कूष्मांडा की उपासना से वातावरण भक्तिमय हो गया। व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव ने कहा कि गायत्री भारतीय संस्कृति की जननी हैं और यज्ञ भारतीय धर्म के पिता हैं। बताया कि प्राचीन काल में ऋषि-मुनि असुरता के निवारण हेतु बड़े-बड़े यज्ञ करते थे। यज्ञ का कुशल संचालन महिला मंडल प्रमुख दीनू शुक्ला व मालती सिंह ने किया। इस अनुष्ठान में 45 साधकों ने मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ वेदी में आहुतियां दीं और मां कूष्मांडा से आशीर्वाद लिया। इसमें सरिता शुक्ला, कृष्णा, बिट्टी, शकुन्तला, रामरती, दीपाली, सुधा द्विवेदी, माया गुप्ता, शिव कांति, प्रेमलता, संतोषी, रानी त्रिपाठी, अंशिका, मालती मिश्रा, मीरा सिंह, रंजना सिंह, अनीता बाजपेई आदि मौजूद रहे।

होली मिलन समारोह | अभ्युदय सेवा संस्थान व संस्कार भारती के तत्वावधान में हुआ नव संवत्सर, होली मिलन व 'फाग' रंगत कार्यक्रम

फाग की रंगत व ढोलक की थाप पर मगन होकर झूमे लोग

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: शहर के एक गेस्ट हाउस में अभ्युदय सेवा संस्थान व संस्कार भारती के तत्वावधान में नव संवत्सर, होली मिलन व 'फाग' रंगत कार्यक्रम हुआ। इसमें कवियों की रचनाओं व लोक गायन ने समां बांध दिया। मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने अभ्युदय सेवा संस्थान व संस्कार भारती ने परम्पराओं को जीवित रखने की सराहना करते हुए मां शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। चेयरमैन श्वेता भानू मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर वरिष्ठ साहित्यकार व शिक्षक कीर्तिशेष कुंवर राजेंद्र सिंह सेंगर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि आगंतुकों का तिलक व अंगवस्त्र से स्वागत फिर फूलों से खेली गई होली ने एक सात्विक व उत्सवपूर्ण वातावरण निर्मित किया। संरक्षक डॉ. मनोज श्रीवास्तव ने लोक गायिका नैना देवी द्वारा प्रस्तुत फाग की अद्भुत प्रस्तुति की सराहना की। संस्था अध्यक्ष डॉ. प्रभात सिन्हा ने बताया कि हम लोग छिपी प्रतिभाओं को तलाशने व तराशने का कार्य कर रहे है। संस्कार भारती के महामंत्री सियाराम पांडेय व कोषाध्यक्ष संजीव निगम ने भी अपने विचार रखे।

कवि सम्मेलन का शुभारंभ सरस्वती वंदना गौतम बुद्ध नगर से पधारे कवि भालचन्द्र त्रिपाठी ने किया। वहीं, कानपुर के अंसार काम्बरी, राहुल विनम्र, गज़लकार अनुराग मिश्र ग़ैर, हास्य कवि अनुभव अज्ञानी, अखिलेश अवस्थी ने भी कवितापाठ कर लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। संस्था के महासचिव हाईकोर्ट अधिवक्ता ओपी तिवारी ने सफल कार्यक्रम की बधाई दी। संचालन संस्था सचिव अनिरुद्ध सौरभ ने किया। इसमें चेयरमैन प्रतिनिधि प्रवीण मिश्रा भानू, डॉ. मनोज श्रीवास्तव, शिशिर अस्थाना, सुरेश पांडेय, निम्मी अरोड़ा, महेंद्र शंकर त्रिपाठी, अखिलेश अवस्थी, प्रेम सिंह सेंगर, अखिलेश ओमर, अमित मिश्रा, राघव निगम, पवन निगम, विनय दीक्षित, गौरव शुक्ला, भरत चित्रांशी, गजेंद्र वर्मा, गोपाल शुक्ला, श्यामू चौरसिया, सुशील श्रीवास्तव, दिवाकर द्विवेदी, तारा निगम, कीर्ति गुप्ता, रश्मि निगम, स्मृति निगम, गीता मिश्रा, वंदना सिन्हा, दिव्या श्रीवास्तव, अर्चना पांडेय, अमिताभ त्रिवेदी, नीरज सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में फाग गायन करते फगुआरे। • अमृत विचार

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने खुद पर डीजल डालकर लगाई आग

नवाबगंज उन्नाव, अमृत विचार : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के सूबेदार खेड़ा मजरा कुसुंभी निवासी राजपूत (40) का रविवार दोपहर किसी बात को लेकर पत्नी रानी से विवाद हो गया। इसके बाद वह घर से निकल गया और कुछ देर बाद वापस आने पर उसने अचानक अपने ऊपर डीजल डालकर आग लगा ली। परिजनों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन राजपूत गंभीर रूप से झुलस गया था। परिजन उसे लेकर सीएचसी नवाबगंज पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल के रिश्तेदार श्रीराम ने बताया कि पति-पत्नी में आएदिन विवाद होता है। रविवार दोपहर भी किसी बात पर दोनों में विवाद हुआ था। इसके बाद राजपूत शराब पीकर आया और घरवालों को आवाज देकर अचानक अपने ऊपर डीजल डाल आग लगा ली।

अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट ट्रायल संपन्न

अगले चरण के लिए चयनित खिलाड़ी। • अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के महामंत्री पीके मिश्रा ने बताया कि रविवार को राजा शंकर सहाय इंटर कॉलेज में उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के सत्र 2026-27 के अंतर्गत अंडर-16 जनपदीय क्रिकेट ट्रायल का पहला चरण संपन्न हुआ। इसमें जिले भर से आए करीब 56 पंजीकृत खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। सभी खिलाड़ियों ने अपनी बैटिंग, बॉलिंग व विकेट कीपिंग का प्रदर्शन किया। इसका चयनकर्ता नवीन सिन्हा, कैलाश नेगी, अभिषेक श्रीवास्तव व ओम मिश्रा ने बारीकी से आकलन किया फिर 40 खिलाड़ियों का चयन अगले चरण के लिए किया गया। अगले चरण के तहत चयनित खिलाड़ियों के सिलेक्शन मैच श्याम प्रकाश श्रीवास्तव अंडर-23 जनपदीय लीग व अंडर-19 जनपदीय क्रिकेट ट्रायल के बाद आयोजित किए जाएंगे। इसमें जिला क्रिकेट एसोसिएशन के संयुक्त सचिव राजेश कुमार व साकिर हुसैन भी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

जमीन पर कब्जा करने का आरोप, लगाई गुहार

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। बीडीसी सदस्य की जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर लिया और विरोध करने पर धमकियां दी जा रही हैं। पाली थाना क्षेत्र के ग्राम परेली के रहने वाले बीडीसी सदस्य आशुतोष के अनुसार गांव के राकेश पाठक, गिरीश चंद्र, लालमणि, मुकेश चंद्र पुत्रगण रमेश चंद्र, शिगुलापुर के संत सागर, संजीव, सुधीर, सुनील उर्फ बबली भूमि पर कब्जा कर लिया है और मिट्टी डाल दी है जबकि वह जमीन उसके नाम है। विरोध करने पर आरोपी उसे धमकियां दे रहे हैं। पीड़ित आशुतोष ने थाना प्रभारी को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

बाग में पड़ा मिला अज्ञात युवक का शव

बांगरमऊ, उन्नाव, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के गोलुहापुर गांव के आसपास करीब 4 माह से एक मंदबुद्धि युवक घूमा करता था। शनिवार शाम उसका शव गांव के बाहर इकबाल के बाग में पड़ा मिला। शव पड़े होने की खबर से तमाम ग्रामीण एकत्र हो गए और लावारिश शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया। लेकिन, शिनाख्त नहीं हो सकीत्र। कोतवाल अखिलेश चंद्र पाण्डेय ने बताया कि शव मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं।

विभाग की लापरवाही से मवेशी की जान गई

सुरसा, हरदोई, अमृत विचार। पावर हाउस से निकली 11000 लाइन जगतपुरवा गांव में लगे एक कारखाने के लिए लाइन निकली हुई थी, उसमें जर्जर तार होने के करण शनिवार को लगभग चार बजे अचानक 11000 का लाइन का तार टूट गया घर के बाहर बंधी मवेशी के ऊपर तार टूटकर गिरने से मवेशी की मौके पर ही मौत हो गई।

मिट्टी खनन में कार्रवाई का हाल : दिन में पकड़ो, रात में छोड़ो

संवाददाता, बेनीगंज, हरदोई

- रायल्टी देख कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने छोड़ दी अवैध खनन में पकड़ी मिट्टी भरी ट्रैक्टर-ट्राली

अमृत विचार। क्षेत्र में धड़ल्ले से हो दिन दहाड़े हो रहे अवैध मिट्टी खनन की उच्चाधिकारियों से हो रही बार बार शिकायत के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा भू माफियाओं पर दिन के उजाले में शिकन्जा कसकर उन्हें पकड़ लिया जाता है और कार्यवाही के लिए कोतवाली परिसर लाया जाता है, लेकिन सुबह होते ही मिट्टी खनन मे प्रयोग किए गए पकड़कर लाए गए ट्रैक्टर ट्राली मिट्टी सहित गायब हो जाते है, जिससे समझना मुश्किल हो जाता है कि अवैध मिट्टी खनन कर रहें भू माफियाओं पर कार्यवाही हो रही है या भोली भाली जनता और सरकार के साथ धोखा किया जा रहा है।

बताते चलें कि बीते दिनों क्षेत्र में मिट्टी खनन की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने मिट्टी भरी ट्रैक्टर ट्रॉली व चालक को हिरासत में लेकर कार्यवाही शुरू की और चालक सहित मिट्टी भरी ट्रैक्टर ट्राली कोतवाली ले आई। जिसके बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा रात के अंधेरे में मिट्टी भरी ट्रैक्टर ट्राली छोड़ दी गई, जोकि पुलिस की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगाता है क्योंकि अगर खनन अवैध नही था तो पकड़ा क्यों और अगर खनन अवैध था तो छोड़ा क्यों?

इस मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने पूछने पर बताया कि बीते मंगलवार को मिट्टी खनन में पकड़ी गयी ट्रैक्टर ट्रॉली मालिक के द्वारा खनन सम्बन्धी कोई वैद्य कागजात प्रस्तुत न किए जाने के कारण ट्रैक्टर ट्राली को हिरासत में लेकर दाखिल करते हुए कोतवाली परिसर में खड़ा किया गया है, और वहीं बीते गुरुवार को मिट्टी खनन में पकड़ी गई ट्रैक्टर ट्राली मालिक द्वारा रायल्टी दिखाई गई जिसके बाद मिट्टी भरी ट्रैक्टर ट्राली को छोड़ दिया गया।

जिला खनन अधिकारी को नहीं दी जा रही जानकारी

कोतवाली पुलिस टीम के द्वारा बीते दिनों मिट्टी खनन में पकड़े गए किसी भी ट्रैक्टर ट्राली की सूचना अभी तक जिला खनन अधिकारी कार्यालय पर नहीं दी गई है। शुक्रवार को हुई फोनवार्ता में पकड़े गए ट्रैक्टर ट्राली के बारे में जानकारी लेने पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बेनीगंज ने बताया कि दिखवाते हैं अभी, पुलिस प्रशासन द्वारा अवैध मिट्टी खनन में ट्रैक्टर ट्रॉली पकड़े जाने की जानकारी 24 घंटों में खनन कार्यालय में पहुंचानी होती हैं जिसपर खनन अधिकारी द्वारा अंतिम कार्यवाही की जाती है। जिला खनन अधिकारी शिवदयाल सिंह ने बताया कि बेनीगंज कोतवाली पुलिस द्वारा मिट्टी खनन में पकड़े गए किसी भी ट्रैक्टर-ट्राली की उन्हें जानकारी नहीं है।

अधिवक्ता ने छवि धूमिल करने का आरोप लगाते हुए दर्ज कराया केस

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मौला गंज निवासी एक अधिवक्ता ने फेसबुक अकाउंट पर मान हानि करने वाले एक यूजर के खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस जांच पड़ताल कर रही हैं। शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला महमंद निवासी उच्च न्यायालय के अधिवक्ता जितेंद्र कुमार सिंह के अनुसार 6 मार्च को मोहल्ला होली कलां निवासी प्रेम शंकर गुप्ता ने अपने न्यूज़ आईडी से फेसबुक अकाउंट पर उसकी फोटो डालकर सामाजिक छवि धूमिल की और प्रतिष्ठा तथा मान सम्मान को नुकसान पहुंचाया। अधिवक्ता ने बताया कि उक्त न्यूज़ आईडी रजिस्टर्ड नहीं है। अधिवक्ता ने आरोपी यूजर आईडी संचालक के खिलाफ केस दर्ज कराया है। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय ने रविवार को बताया कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

कई जिलों में वांछित ‘गब्बर’ को हरदोई पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचा

पाली, पचदेवरा पुलिस, एसओजी और सर्विलांस टीम ने की कार्रवाई

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। फर्रुखाबाद, शाहजहांपुर, मैनपुरी और कानपुर देहात पुलिस के लिए सिर दर्द बने शातिर चोर कुलदीप उर्फ गब्बर को आखिरकार हरदोई में पकड़ लिया गया। मुठभेड़ में पाली, पचदेवरा के साथ एसओजी, स्वाट/सर्विलांस टीम को यह कामयाबी मिली। घेराबंदी करने पर गब्बर ने गोली चला दी, बचाव में पुलिस की तरफ से चलाई गई गोली उसके बाएं पैर में लगी और उसके गिरते ही दबोच लिया गया। पुलिस ने उसके पास से कार, 40 लीटर ट्रांसफार्मर का तेल, 20 हज़ार नकद, तमंचे व कारतूस बरामद किए गए है।

जानकारी के अनुसार पाली व पचदेवरा की पुलिस शनिवार की रात भरखनी के गयाई चौराहे पर चेकिंग की जा रही थी। उसी बीच मुड़रामऊ की तरफ से आ रही कार को पुलिस के रुकने का इशारा किया। इस पर कार सवार भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोक लिया। पुलिस टीम आगे बढ़ रही थी कि अचानक कार सवार ने गोली चला दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो गोली कार सवार के बाएं पैर में लगी और गिरते ही उसे दबोच लिया गया। मुठभेड़ में पकड़ा गया कुलदीप उर्फ गब्बर पुत्र श्रवण सिंह निवासी बासमई थाना नवाबगंज ज़िला फर्रुखाबाद को न सिर्फ पाली, पचदेवरा पुलिस बल्कि फर्रुखाबाद, मैनपुरी, शाहजहांपुर और कानपुर देहात की पुलिस के लिए सिर दर्द बना हुआ था। उसके खिलाफ पाली व पचदेवरा और फर्रुखाबाद के मोहम्मदाबाद, नवाबगंज, अमृतपुर, फतेहगढ़, मैनपुरी के अलाऊ, दन्नाहार, शाहजहांपुर के रौज़ा, एंटी पावर थोप्ट थाना और कानपुर देहात के अरौत थाने में तमाम केस दर्ज है। पुलिस ने उसके पास से ट्रांसफार्मरो से चोरी किया गया तेल, कार, 20 हज़ार कैश, तमंचे, कारतूस और तेल चोरी करने वाली जुगाड़ू चीज़े बरामद की है।

अलग-अलग जिलों में दर्ज हैं कुल 45 केस

हरदोई। पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ में पकड़ा गया कुलदीप उर्फ गब्बर के शातिरपन का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसके खिलाफ पाली, पचदेवरा व बिलग्राम के अलावा फर्रुखाबाद, मैनपुरी, शाहजहांपुर व कानपुर देहात में जो 45 मामले दर्ज है, उनमें शाहजहांपुर के एंटी पावर थेप्ट थाने में अकेले 17 केस दर्ज है।

कहां और कब निशाना बने ट्रांसफार्मर

अवर अभियंता (छिबरामऊ) सर्वेश कुमार ने 21 मार्च को बिलग्राम पुलिस को दी तहरीर में जलालपुर के एक निजी नलकूप के ट्रांसफार्मर से तेल चोरी का मामला दर्ज कराया था, 15 मार्च को पचदेवरा थाने में अनंगपुर के अवर अभियंता भइया लाल ने पचदेवरा व अनंगपुर व 14 मार्च-अवर अभियंता सुखपाल की तहरीर पर पाली पुलिस ने मुड़रामऊ व बाबरपुर के 5-5 निजी नलकूप के ट्रांसफार्मर से तेल चोरी किए जाने के मामले दर्ज कराए थे, जिनकी जांच की जा रही थी।

बिजली चोरी करते पकड़ी गईं महिलाएं चार के खिलाफ केस

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली के मोहल्ला खलील में बिजली विभाग की टीम द्वारा की गई औचक छापेमारी में तीन महिलाओं सहित चार लोगों को बिजली चोरी करते हुए टीम ने रंगे हाथों पकड़ा। चारों के खिलाफ बिजली चोरी का केस दर्ज कराया गया।

बिजली विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अधिशासी अभियंता के निर्देश पर अवर अभियंता दीपक कुमार 33 केवीए विद्युत सब स्टेशन इसलामगंज संविदा कर्मी सौम्य वर्मा और बिजनेस आदि के साथ चेकिंग अभियान पर निकले। मोहल्ला खलील में हिमांशु पुत्र राजीव कुमार, मेहनाज बेगम पत्नी हसीन खान, शिवानी यादव पत्नी सुशील एवं निगार बेगम पत्नी बशीर खान को बिजली चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। बिजली चोरी करने वाले सभी उपभोक्ताओं के खिलाफ अवर अभियंता दीपक कुमार ने केस दर्ज कराया है।

जिला क्रीड़ा अधिकारी ने विजेता खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

संवाददाता, हरदोई,

जूडो प्रतियोगिता

अमृत विचार। सीतापुर रोड स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में रविवार को जिला स्तरीय जूडो महिला/पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती वर्मा ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त किया। मुख्य अतिथि का छोटे भइया ने पटका पहनाकर तथा विनय ने बैच लगाकर व जिला क्रीडाधिकारी मंजू शर्मा ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया।

जिला क्रीड़ा अधिकारी ने बताया कि जूडो प्रतियोगिता में महिला वर्ग में ग्रुप माइनस 40 किग्रा में अध्यांशी ने प्रथम, अवनी ने द्वितीय तथा विनीता व फूलन देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 44 किग्रा में देवकी प्रथम, पायल द्वितीय, मांशी व वैशाली तृतीय स्थान प्राप्त किया। 48 किग्रा में मधू शर्मा प्रथम, शालिनी द्वितीय, मोहनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 52 किग्रा में गौरी प्रथम, शिखा द्वितीय, अंशिका व अनवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 56 किग्रा में कोमल प्रथम, कुसुम द्वितीय, अंशुल तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुरुष वर्ग में माइनस 50 किग्रा में कृतज्ञ ने प्रथम, केशव पाल द्वितीय, अर्पित व जीतू तृतीय स्थान हासिल किया है। माइनस 55 किग्रा में अंश प्रथम, रिषभ जाटव ने द्वितीय तथा अनिकेश कुमार व धर्मदास ने तृतीय स्थान हासिल किया। माइनस 60 केजी में रिषभ प्रथम, नितिन कुमार द्वितीय, आशीष वर्मा व आशीष कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 65 किग्रा में शिवांश दिक्षित प्रथम, अजय श्रीवास्तव द्वितीय, आकाश पाल व विकाश कुशवाहा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता खिलाड़ियों को जिला क्रीड़ा अधिकारी ने पुरस्कार व प्रमाण पत्र वितरित किए। जूडो प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अनुपम पाल, सौरभ पाल, नीरज, सुभाष, देवेश, हरीश, श्रीपाल, विनय गौतम, रमेश आदि ने निभाई।

वरिष्ठ पत्रकार का बीमारी से निधन

साण्डी (हरदोई)। वरिष्ठ पत्रकार अनिल मिश्रा का लंबी बीमारी के उपरांत उनके साण्डी स्थित आवास पर रविवार दोपहर 4:00 बजे आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से शोक की लहर फैल गई है।

विदित हो कि पत्रकार एडवोकेट अनिल मिश्रा विगत एक वर्ष से कैंसर से पीड़ित थे एवं उनका उपचार दिल्ली के राजीव गांधी कैंसर इंस्टिट्यूट में चल रहा था। लंबे उपचार के बाद भी उनके स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं आया तथा उनकी स्थिति दिन प्रतिदिन और अधिक बिगड़ती चली गई। डॉक्टरों द्वारा जवाब देने के उपरांत वह विगत कुछ सप्ताह से अपने साण्डी स्थित आवास पर उपचार करा रहे थे। रविवार 22 मार्च को दोपहर 4:00 बजे उन्होंने संसार को अलविदा कह दिया। उनके निधन से उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा तथा चारों ओर शोक की लहर दौड़ गई। विभिन्न पत्रकारों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया है। अपने पीछे वह अपनी बिलखती पत्नी तथा एक पुत्र व पुत्री को छोड़ गए हैं। उनका निधन जिले में पत्रकारिता एवं समाज के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। दिवंगत पत्रकार का अंतिम संस्कार सोमवार 23 मार्च को दिन में 12:00 बजे मेहंदी घाट पर किया जाएगा। उनकी अंतिम यात्रा 10:00 बजे साण्डी के मीठा कुआं स्थित उनके पैतृक निवास से रवाना होगी।

ट्रक ने मारी टक्कर डीसीएम चालक की मौत

भरखनी, हरदोई, अमृत विचार। इटावा सिविल लाइन थाना क्षेत्र में कानपुर-आगरा नेशनल हाईवे पर विचारपुरा गांव के सामने रविवार तड़के सड़क किनारे खड़ी डीसीएम का टायर बदल रहे चालक को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताते हैं कि आलोक कुमार (32) पुत्र शिव दयाल बाजपेयी, निवासी सहुआपुर, थाना पचदेवरा, जनपद हरदोई था और दिल्ली से कोलकाता की ओर डीसीएम लेकर जा रहा था। तड़के करीब 3 बजे गाड़ी पंचर होने पर उसने अपने साथी मनोज कुमार को फोन कर मदद के लिए बुलाया था।

तीन वाहनों के बीच भीषण भिड़ंत

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। क्षेत्र के साण्डी रोड स्थित ग्राम नाऊपुरवा (मजरा पसनेर) के पास शुक्रवार रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। साण्डी की ओर से आ रहे डंपर और बिलग्राम की तरफ जा रही डीसीएम के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पीछे से आ रही मारुति सुजुकी सियाज़ कार भी अनियंत्रित होकर डीसीएम में जा घुसी। हालांकि राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा। इस हादसे में कार चालक जीतू तिवारी निवासी भीखपुर थाना सांडी, डीसीएम चालक विकास निवासी ऊधमसिंह नगर (उत्तराखंड) तथा यश घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल भेजा गया, जहां यश को जिला अस्पताल हरदोई रेफर किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार सभी की स्थिति सामान्य है।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन। अमृत विचार

खड़ी बस से टकराते ही आग का गोला बनीं लग्जरी कार

हरदोई, अमृत विचार। रफ्तार में दौड़ी आ रही लग्ज़री कार ने बस में ज़ोरदार टक्कर मारी और पल में ही वह आग का गोला बन गई, उसमें फंसे कार सवार बमुश्किल बाहर निकले। हैरान करने वाला हादसा शनिवार की देर रात रोडवेज़ बस अड्डे के पास होना बताया गया है। बताते है कि शनिवार की देर शहर की चहल-पहल थम चुकी थी, उसी बीच एक तेज़ रफ्तार लग्ज़री कार दौड़ती हुई आई और सड़क किनारे खड़ी बस में ज़ोरदार टक्कर मार दी, उसके टकराते ही कार में आग लग गई, उसमें तीन लोग सवार थे, जो बमुश्किल बाहर निकले और मौके से भाग निकले। कार से उठ रहीं आग की लपटों को देखकर भीड़ इकट्ठा हो गई। वहां पहुंचे दमकल कर्मी तकरीबन आधे घंटे तक जूझते रहे। तब कहीं आग काबू हो सकी, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

रात में महिला को बच्चा चोर समझकर ग्रामीणों ने पीटा

संवाददाता, पुरवा उन्नाव

- गंभीर रूप से घायल महिला जिला अस्पताल के लिए रेफर

अमृत विचार। क्षेत्र के गांव कटहर में शुक्रवार रात एक 30 वर्षीय महिला को बच्चा चोर समझ ग्रामीणों ने पीट दिया। उसे ग्रामीणों द्वारा पीटे जाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो में एक महिला को ग्रामीण पीटते दिख रहे हैं। हालांकि, ऐसे किसी भी वीडियो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है।

बताया जा रहा है एक 30 वर्षीय महिला कई दिनों से चमियानी व आसपास के गांव में घूम रही थी। बीती रात वह घूमते हुए कटहर गांव पहुंच गई। जहां ग्रामीणों ने उसे बच्चा चोर समझ पीट दिया। सूचना पर गांव पहुंची पुलिस महिला को सीएचसी लाई। जहां डाक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ग्रामीणों की मानें तो महिला का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। क्षेत्र में वह कई दिनों से घूम रही थी। महिला ने अपना नाम ललिता बताया है। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि महिला मानसिक रूप से अस्वस्थ्य है। ग्रामीणों ने उसे बच्चा चोर समझकर पीटा था। मामले की जांच की जा रही है।

खाद्य विभाग की टीम पहुंचते ही गिरने लगे दुकानों के शटर, 8 के लिये सैंपल

बीघापुर उन्नाव, अमृत विचार। नवरात्रि को लेकर कस्बा बीघापुर में सहायक आयुक्त खाद्य प्रियंका सिंह के नेतृत्व में जांच टीम पहुंचने से दुकानदारों में खलबली मच गई। ज्यादातर दुकानदार दुकानों के शटर गिराकर भाग निकले। वहीं दुकानदारों को सूचना न मिलने पर वे दुकान बंद नहीं कर सके। जिससे 8 दुकानों में सैंपल लिए गए।

बता दें कि रविवार दोपहर सहायक आयुक्त खाद्य प्रियंका सिंह के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अनिल कटियार, पल्लवी शर्मा, रुचि बाजपेई, राजेंद्र प्रताप पांडे, पल्लवी शर्मा, आशीष वर्मा कस्बा बीघापुर की नागेश्वर रोड व सब्जी मंडी में पहुंचे। जांच टीम देख दुकानों के शटर गिरने लगे। ज्यादातर दुकानदार दुकानें बंदकर रफूचक्कर हो गए। जो दुकानें बंद नहीं कर सके वहां पहुंचकर टीम ने सैंपल लिये। सहायक आयुक्त खाद्य प्रियंका ने बताया कि कस्बे में ज्यादातर दुकानें बंद मिलीं। सब्जी मंडी स्थित शैलेंद्र किराना, अशोक किराना, श्याम सुंदर किराना, कुमार स्वीट, सोनू मोनू चाट, सोनू पंसारी आदि में सैंपल लिए गए है। छोटी दुकानों को भी चेक किया गया। सभी को निर्देश दिए गए कि गुणवत्ता विहीन सामान की बिक्री न करें।

जांच करती खाद्य विभाग की टीम। अमृत विचार

गांव से बाहर युवक ने फांसी लगाकर कर ली आत्महत्या

- करीब एक सप्ताह पहले पत्नी के साथ की थी मारपीट

बीघापुर उन्नाव, अमृत विचार। पत्नी से विवाद के बाद पति ने पेड़ पर फंदे से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया है। बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के दुंदपुर गांव में श्यामू (35) पुत्र स्व. रामराखन मजदूरी करता था। शनिवार दोपहर वह घर से बिना बताए निकल गया और शाम तक नहीं लौटा। इस पर भाइयों ने उसकी तलाश की तो गांव के बाहर बृज किशोर पटेल के खेत में लगे आम के पेड़ में उसका शव गमछे के फंदे से लटका मिला।

भाई दिलीप की सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव नीचे उतरवाकर मोर्चरी भेजा। श्यामू 4 भाइयों में छोटा था। भाई दिलीप ने बताया कि करीब 7 दिन पहले श्यामू की पत्नी सविता से कहासुनी हुई थी। इसमें मारपीट के दौरान सविता के कान में चोट आई थी। इस पर वह बेटे अंशु व अभी के साथ मायके नसीरपुर चली गई थी। इससे श्यामू परेशान था। उसकी मौत से मां राजरानी बेहाल है। कोतवाल राजपाल ने बताया कि युवक ने फांसी लगा आत्महत्या की थी। पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का अभी कोई आरोप नहीं है।

बहनोई के घर आए युवक ने की खुदकुशी

उन्नाव, अमृत विचार। बहनोई के यहां आए साले का शव संदिग्ध हालात में फंदे से लटका मिला। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के गांव भांडी-सलेमपुर निवासी रंजीत (22) पुत्र रामप्रसाद शटरिंग मजदूर था। वह 4 दिनों से पुरवा कोतवाली क्षेत्र के घूरखेत गांव निवासी अपनी बहन मालती पत्नी रामप्रसाद के यहां रुका था। रविवार दोपहर रंजीत ने बहनोई के घर पर फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने जांच कर शव की पोस्टमार्टम के लिए कार्रवाई शुरू की है। रंजीत की मौत की खबर से उसके परिजनों में कोहराम मचा है। कोतवाल अमरनाथ यादव ने बताया कि फांसी लगाने की सूचना मिली थी। जांच कर आगे की कार्रवाई चल रही है।

उद्घा | विधायक की पत्नी ने किया ट्रैक्टर एजेंसी का उद्घाटन, कहा

प्रदेश में खुले रोजगार के नए द्वार : विभा

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। नगर के कटरा-बिल्हौर बाईपास मार्ग पर नई ट्रैक्टर एजेंसी का शुभारंभ हुआ। भाजपा विधायक श्रीकांत कटियार की पत्नी विभा कटियार ने फीता काटकर एजेंसी का उद्घाटन किया।

इसके बाद विभा कटियार ने योगी सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की जनहितकारी नीतियों के कारण उत्तर प्रदेश में उद्योग, व्यापार व रोजगार के नए द्वार खुले हैं। आज कानून व्यवस्था इतनी सुदृढ़ है कि व्यापारी बिना किसी डर के निवेश व कारोबार कर रहा है। गुंडे जेल में हैं और आमजन खुद को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। समारोह में कंपनी के टेरिटरी मैनेजर बृजेश व इंजीनियर अजय कुमार ने मशीनरी की बारीकियों से लोगों को अवगत कराया। एजेंसी संचालक मो. नफीस व अमित तिवारी ने अतिथियों का आभार जताते हुए क्षेत्र के किसानों को बेहतर सेवा देने का संकल्प दोहराया। इसमें पूर्व पालिकाध्यक्ष इजहार खान ‘गुड्डू’, सुमित तिवारी, पुष्कर शुक्ला, मो. रईस, शानू खान, मो. रफ़ीक, मो. हसीब, मो. हसीन, मो. शरीफ, शब्बू खान आदि रहे।

ट्रैक्टर एजेंसी की फीता काटकर उद्घाटन करतीं विभा किटयार।

गुजरात में सड़क हादसे में मरे युवक का शव पहुंचा गांव

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। उन्नाव में मजदूरी करने वाले युवक की गुजरात में सड़क हादसे में मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। मौरावां पुलिस की मौजूदगी में परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार किया। मौरावां थानाक्षेत्र के रामकिशुन खेड़ा गांव निवासी विजय पाल अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। वह मजदूरी कर परिवार पालता था। बीती 12 मार्च को वह गुजरात के अहमदाबाद में सड़क निर्माण कंपनी में काम करने गया था। बीती 20 मार्च को वह वहीं सड़क हादसे का शिकार हो गया। इसमें उसकी मौत हो गई। पिता सूरजभान ने बताया कि गुजरात से कंपनी के कर्मियों ने 20 मार्च को बेटे की मौत सूचना दी थी। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद उसका शव घर भेजा गया। रविवार को शव गांव पहुंचा तो परिजनों में कोहराम मच गया। पिता के मुताबिक वह 4 बहनों में इकलौता भाई था। बताया कि अभी सिर्फ बड़ी बेटी गायत्री की शादी हुई है। 3 बेटियां ज्योति, स्वाति व राधा अविवाहित हैं। विजय पाल की मौत से सभी बेहाल हैं। दरोगा केपीएम सक्सेना ने बताया कि अहमदाबाद में युवक की मौत हुई थी। शव का अंतिम संस्कार कराया गया है।

ट्रक-कंटेनर की टक्कर में चालक हुआ घायल

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। माखी थानाक्षेत्र के कोरारी गांव निवासी ट्रक चालक अंकित गैस सिलेंडर लादकर बिल्हौर जा रहा था। तभी रविवार सुबह 7 बजे बांगरमऊ- बिल्हौर मार्ग स्थित नानामऊ गंगापुल पर सामने से कंटेनर ने ट्रक में टक्कर मार दी। इसमें दोनों वाहनों के केबिन क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं ट्रक चालक अंकित घायल हो गया। सूचना पर पुलिस ने उसे सीएचसी भेजा। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर दिया। वहीं, कंटेनर चालक भाग निकला। इसके बाद क्षतिग्रस्त वाहनों से आवागमन बाधित हो गया। जिन्हें पुलिस ने क्रेन से हटवाकर आवागमन बहाल कराया।

बैठक करते व्यापारी। अमृत विचार

खाद्य विभाग की नई लाइसेंस नीति से व्यापारियों में हर्ष, 100 रुपये में कर सकेंगे 1.5 करोड़ का व्यापार

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। नगर के हरदोई-उन्नाव मार्ग पर उप्र उद्योग व्यापार संगठन की एक बैठक हुई। इसमें व्यापारियों ने खाद्य विभाग द्वारा लाइसेंस व्यवस्था में किए गए बदलावों का स्वागत किया और प्रदेश के मुख्यमंत्री व संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। संगठन के जिलाध्यक्ष शरद अग्रवाल ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत अब व्यापारी मात्र 100 रुपये का लाइसेंस शुल्क जमा कर डेढ़ करोड़ तक का सालाना कारोबार कर सकेंगे। कहा कि इससे पहले 100 रुपये वाले लाइसेंस की पात्रता सीमा मात्र 12 लाख रुपये थी। इसे बढ़ाकर अब डेढ़ करोड़ कर दिया गया है। जो व्यापारियों के हित में एक सराहनीय कदम है।

न्यूज ब्रीफ

कोतवाली परिसर में हुआ विदाई समारोह

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। राघौपुर चौकी इंचार्ज प्रदीप पाण्डेय और उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार के स्थानांतरण होने पर विदाई समारोह का आयोजन कोतवाली परिसर में रखा गया। कोतवाल शिवाकांत पाण्डेय, उपनिरीक्षक राधेश्याम, हेड कांस्टेबल राजीव कुमार, दीवाना अवधेश शाक्य, नकुल, काली चरण सहित पुलिस स्टॉफ ने माला पहनाकर विदाई दी।

मंदिर की वर्षगांठ पर हुआ भंडारा

माधौगंज, हरदोई, अमृत विचार। मंदिर की वर्षगांठ पर विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। विकास खण्ड क्षेत्र के गांव हुमायूपुर मजरा शुक्लापुर भगत में स्थित शिव परिवार बाला जी मंदिर की तृतीय वर्ष गाठ पर अरविन्द गुप्ता राहुल ने सपरिवार पूजन कर सब्जी पूड़ी का भण्डारा किया गया। आस पास गावों आये भक्तों ने श्रद्धा भक्ति के साथ प्रसाद ग्रहण किया है।

अकीदत के साथ मना 815वां कुल शरीफ

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। कस्बे में हज़रत ख़्वाजा इमादुद्दीन चिश्ती रहमतुल्लाह अलैहि का 815वां कुल शरीफ इतवार की सुबह अकीदत और श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम हज़रत सैय्यद उवैसे मुस्तफा वास्ती की सरपरस्ती में आयोजित हुआ, जबकि इसकी निगरानी सैय्यद फ़ैजान मियां वास्ती, सैय्यद सालार हसन वास्ती, सैय्यद हाशिम मियां वास्ती और मौलवी फ़ैज़ आलम ने की। सुबह फजर की नमाज़ के बाद कुरानख्वानी, नात और मनकबत पेश कर ख़्वाजा साहब को खिराज-ए-अकीदत पेश किया गया। कुल शरीफ में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत कर दुआएं मांगीं और अपने दिली जज़्बात का इज़हार किया। कुल शरीफ के बाद अकीदतमंदों के लिए लंगर का आयोजन किया गया।

किसी को सताने वाला सच्चा मुसलमान नहीं

ईद पर हुई खुशियों की दीद, मौलाना अफ़्ज़ारहमान ने ईदगाह में तकरीर कर दी नेक नसीहतें

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। रोज़े रखते हुए रात-दिन इबादत करने वाले बंदों ने खुदा के आगे रोते हुए बंदिगी कुबूल करने की दुआ मांगी। शहर की ईदगाह में मौलाना अफ्ज़ारहमान ने नमाज़ से पहले तकरीर करते हुए नेक बातों पर बात की। कहा कि किसी को सताने या दूसरों का हक़ मारने वाला सच्चा मुसलमान नहीं हो सकता। उन्होने रोज़ा-नमाज़ पर कसरत से अमल करने की नसीहत करते हुए कहा कि जो दूसरों को खुश करता है, उससे खुदा भी खुश होता है और उसे अपने तमाम नेंयमतों से मालामाल कर देता है। उसके बाद जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती आफताब आलम मज़ाहिरी ने ईदुल फितर की नमाज़ अदा कराई। इस बीच नमाज़ियों ने खुदा के आगे हाथ फैला कर अपनी बंदिगी कुबूल करने, मुल्क में सलामती और सुकून की दुआ मांगी। इसी तरह जामा मस्जिद में मुफ्ती वकील अहमद कासिमी ने नमाज़ अदा कराई, उन्होने इस्लाम के हवाले से कई नसीहतें दी। इसके अलावा मस्जिद सुंदर दाई, मस्जिद हक्की, मस्जिद नुमाइश पुरवा, मस्जिद मोमिनाबाद, मस्जिद नूर, मस्जिद मोहम्मदी, मस्जिद पुलिस लाइन, मस्जिद सेठानी, मस्जिद मंगली पुरवा, मस्जिद अब्दुल पुरवा, मस्जिद सेठानी, मस्जिद चौहान थोक में भी तय वक्त पर ईद की नमाज़ अदा की गई।

ईदुल फितर की नमाज़ अदा करने के बाद ईदगाह से बाहर निकले नमाज़ियों के ऊपर वहां पहले से मौजूद कांग्रेसी नेताओ ने उनके ऊपर गुलाब के फूल बरसाते हुए उन्हे गले लगाया। इस बीच कांग्रेसियों की टीम में ज़िलाध्यक्ष विक्रम पाण्डेय के साथ पूर्व ज़िलाध्यक्ष अजय सिंह, राजीव सिंह व नगर अध्यक्ष जमील अहमद अंसारी ने नमाज़ियों के साथ कदमताल करते हुए बराबर फूल और साथ में नन्हे नमाज़ियों को गोद में उठा कर उन पर अपना दुलार बरसाया।

ईद की नमाज अदा कर दुआ मांगते नमाजी। अमृत विचार

गले मिलकर एक-दूसरे को ईद की बधाई देते लोग। अमृत विचार

नमाजियों के ऊपर फूल बरसाते कांग्रेस नेता। अमृत विचार

ग्रामीण क्षेत्रों में भी धूमधाम से मनाई गई ईद

हरदोई, अमृत विचार। बिलग्राम नगर में ईद का पर्व पूरे उत्साह, उल्लास और भाईचारे के माहौल में मनाया गया। सुबह से ही नगर की मस्जिदों और ईदगाहों पर नमाज़ अदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। तय समय पर ईदगाह सहित सभी मस्जिदों में नमाज़ अदा की गई, जिसमें हजारों रोज़ेदारों ने शिरकत कर देश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआएं मांगीं। इस मौके पर आसिफ अली शम्मू अपने समर्थकों के साथ ईदगाह पहुंचे और लोगों को गले लगाया। इमरान मंसूरी भी शामिल रहे। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष पति राजारमन गुप्ता ने लोगों से गले मिले। मल्लावां कस्बे के बगदाद स्थित ईदगाह पर सुबह 8:30 बजे मौलाना मो. रिजवान मजाहिरी ने नमाज अदा कराई। उन्होंने दुआ में सभी मुल्कों में अमन कायम रखने दुआ मांगी। इसके आलावा चुंगी नंबर 1 वाली मस्जिद, दादे मियां मस्जिद, छत्ता टोला मस्जिद, काजीटोला मस्जिद, सरांय वाली मस्जिद सहित अन्य जगहों पर अता कराई गईं। ग्रामीण क्षेत्र गंजजल्लाबाद, मटियामऊ, बिराइचमऊ, हरिपुरा, गौरी, सहित अन्य जगहों पर शांति और सौहार्द के साथ ईद का त्यौहार मनाया गया। चेयरमैन प्रतिनिधि परवेज आलम और चेयरमैन पति रियाज अहमद ईद पर गले लगाया और जल पान आदि कराया। सपा नेता बृजेश वर्मा टिल्लू ने ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समाज के लोगों को बधाई दी। पूर्व चेयरमैन अजय मुंशी, समाज सेवी विशाल जायसवाल, पूर्व उपाध्यक्ष खालिद खां, बसपा नेता शहीद अंसारी नेता, समाजसेवी जावेद अंसारी, पूर्व सभासद अनुराग मिश्रा, सभासद इंतिसार अंसारी, इक़बाल अंसारी सहित तमाम लोगों ने मुबारकबाद दी। सुरक्षा को लेकर कोतवाल शिवाकांत पाण्डेय पुलिस फ़ोर्स के साथ बने रहे। सांडी संवाददाता के अनुसार यहां ईदगाह में ईद की नमाज की अदा की गई। पालिका अध्यक्ष दिनेश चंद गुप्ता, अनिल गुप्ता ने लोगों को गले मिलकर मुंह मीठा कराया। भाजपा नेता प्रमाण त्रिपाठी व वर्तमान अध्यक्ष ने भी गले मिलकर शुभकामनाएं दी। शाहाबाद संवाददाता के अनुसार शाहजहांपुर रोड स्थित ईदगाह में ईद उल फितर की नमाज शनिवार को सुबह 7:30 बजे अदा की गई। इस मौके पर मुल्क में अमन, चैन और तरक्की के दुआएं मांगी गई। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुई इस नमाज के बाद लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। सुबह से ही ईदगाह पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होने लगे थे। इस मौके पर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। एडीएम प्रियंका सिंह, एसडीएम अंकित तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण, प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार राय सहित पुलिस और पीएसी के जवान मौजूद रहे। जामा मस्जिद में ईद उल फितर की नमाज संपन्न होने के बाद मस्जिद से बाहर निकलने वाले लोगों से गले मिलकर पूर्व विधायक आसिफ खान बब्बू ने सभी को ईद की मुबारकबाद दी। बेनीगंज संवाददाता के अनुसार लोगों ने ईदगाह पहुंचकर ईद की नमाज पढ़ी, जिसके बाद ईदगाह पहुंचे अन्य सम्प्रदाय के लोगों ने भी एक-दूसरे को गले लगाते हुए मिठाई खिलाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान मौके पर उपस्थित पुलिस महकमे के लोगों ने भी मिठाई खिलाकर सभी को ईद की मुबारकबाद दी।

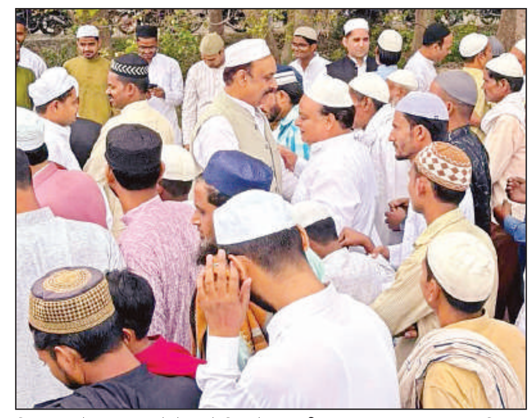

बिलग्राम में एक-दूसरे के गले मिलते नमाजी। अमृत विचार

कुछ इस अंदाज से मनाई ईद की खुशियां। अमृत विचार

शाहाबाद में लोगों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देते पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू। अमृत विचार

डॉ. सन्तोष पाण्डेय प्रदेश के अग्रणी रचनाकार : डॉ. नरेश

संवाददाता, हरदोई

- नव संवत्सर के कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ साहित्यकार को किया गया सम्मानित

अमृत विचार। अखिल भारतीय साहित्य परिषद' की हरदोई इकाई द्वारा रविवार को सी. एस. एन. (पी. जी) कॉलेज में 'नवसंवत्सर एवं नवरात्र' के कार्यक्रम में जनपद के प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. सन्तोष पाण्डे को 'वरिष्ठ साहित्यकार सम्मान' से विभूषित किया गया। इस अवसर पर नवसंवत्सर का महत्त्व एवं नवरात्र की उपादेयता' विषम पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन हुआ। डॉ. नरेश चन्द्र शुक्ल ने सम्मानित होने वाले प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. सन्तोष पाण्डेय को हरदोई ही नहीं, अपितु प्रदेश का अग्रणी रचनाकार बताया। जिन्होंने 'मृत्यु और मोक्ष', 'मरघट' तथा 'गुरुदेव गाथा' आदि कालजगी ग्रन्थों की रचना की। देश-प्रदेश के काव्य-मंचों पर वे एक सशक्त हस्ताक्षर माने जाते हैं। श्री पाण्डेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक परिपत्र भी वितरित किया गया। 'नव-संवत्सर एवं नवरात्र का माहात्म्य' विषय पर बोलते हुए परिषद के अध्यक्ष डॉ. ब्रह्मस्वरूप पाण्डेय ने 'संवत्सर' का प्रारम्भ वेदों से जोड़ते हुए, इसे भारतीय समय-गणना और नक्षत्र-विद्या का सटीक आधार बताया। इस विषय पर उन्होंने अपना एक परिपत्र भी सभी को वितरित किया। उन्होंने 'शक्ति' के विविध रूपों का वर्णन करते हुए नारी के सभी रूपों को सम्माननीय बताया। डॉ ईश्वर चन्द्र वर्मा ने नवरात्र के अवसर पर नारी पर घरेलू हिंसा को त्यागने के बारे में कहा- 'जो लोग नवरात्र में कुछ दिन कठिन व्रत रहकर, खर्चीला अनुष्ठान कर, माँ दुर्गा की शतमुख से आराधना कर, अपने व्यावहारिक जीवन में नारियों का सम्मान नहीं करते और उन्हें प्रताड़ित करते हैं, वे ढोंगी एवम् पाखण्डी हैं। डॉ. शीला पाण्डेय, आचार्य शिवशरण सिंह चौहान, डॉ. एस. के. सिंह, मदनमोहन पाण्डेय, राजकुमार सिंह सोमवंशी प्रखर' तथा सुशील कुमार वर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। एकल काव्य-पाठ के अन्तर्गत डॉ. सन्तोष पाण्डेय ने अपनी ओजरस की कविताओं के द्वारा सभी को भाव-विभोर कर दिया। मंच का संचालन डॉ. शीला पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर अबीर-गुलाल से सदस्यों को तिलक लगाकर, आपस में गले मिलकर, होली- होली-मिलून कार्यक्रम सम्पन्न किया गया।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. संतोष पांडेय को सम्मानित करते हुए डॉ. नरेश चन्द्र शुक्ल।

माता-पिता का आशीर्वाद सबसे बड़ा धन

हरदोई, अमृत विचार। बिलग्राम क्षेत्र के ग्राम जफरपुर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा महापुराण के चतुर्थ दिवस पर कथा व्यास पूज्य संजय मिश्रा जी महाराज ने श्रद्धालुओं को धर्म, संस्कार और जीवन मूल्यों का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन में संतों के दर्शन और भगवान की कथा का श्रवण अत्यंत दुर्लभ होता है, यह सौभाग्य केवल भाग्यशाली लोगों को ही प्राप्त होता है।

महाराज जी ने कहा कि संसार में धन, पद और प्रतिष्ठा का होना विशेष नहीं है, बल्कि सच्चा धन माता-पिता का आशीर्वाद है। उन्होंने रावण का उदाहरण देते हुए बताया कि वह अत्यंत विद्वान और वेदों का ज्ञाता था, लेकिन धर्म से विचलित होने के कारण उसका अंत विनाशकारी हुआ। इससे स्पष्ट है कि ज्ञान, शक्ति और सामर्थ्य के बावजूद यदि जीवन में धर्म नहीं है तो पतन निश्चित है। कहा कि सच्ची शिक्षा वही है जो मनुष्य को संस्कारवान बनाकर उसके चरित्र का निर्माण करे और परिवार, समाज व संस्कृति को जोड़कर रखे। इस अवसर पर यजमान योगेश प्रताप सिंह, आयोजक अशोक सिंह चौहान सहित समस्त चौहान परिवार एवं क्षेत्र के श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भरत, ध्रुव व वामन अवतार की सुनाई कथा

भरखनी, हरदोई, अमृत विचार। सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन हो रहा है। कथा व्यास पंडित वशिष्ठ जी महाराज ने जड़ भरत, ध्रुव चरित्र, वामन अवतार की कथा का बहुत सुंदर सजीव वर्णन किया। उन्होंने बताया कि जड़ भरत बाहरी रूप से वे साधारण और मूर्ख दिखते थे, लेकिन भीतर से अत्यंत ज्ञानी और आत्मज्ञानी थे। भगवान विष्णु ने ध्रुव को अमर पद दिया। आकाश में स्थिर स्थान, जिसे आज हम ध्रुव तारा के रूप में जानते हैं। उन्होंने कई लोगों को आत्मा, कर्म और मोक्ष का गहरा ज्ञान दिया। वामन अवतार का छोटा (बावन अंगुल) शरीर था। वामन भगवान राजा बलि के यज्ञ में पहुँचे और दान में केवल तीन पग भूमि मांगी। राजा बलि ने वचन दे दिया, तभी वामन भगवान ने विशाल रूप धारण कर लिया।

सशक्तीकरण की मिसाल हैं आशा बहुएं : अशोक कुमार

हरदोई, अमृत विचार। प्रदेश सरकार के नव निर्माण के नौ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर रविवार को नौ दिवसीय कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन गांधी भवन सभागार में किया गया।

कार्यक्रम में आशा बहुओं को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि परियोजना निदेशक (डीआरडीए) अशोक कुमार मौर्य ने कहा कि चिकित्सा विभाग में आशाएं महिला सशक्तीकरण की मिशाल है जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के प्रसव एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं के लिए 24 घंटे सेवा प्रदान करती है। उन्होने कहा आशाएं अपने आचारण तथा व्यवहार से लोगों में अपनी पहचान बनाये रखें और निडर होकर अपने कार्यो को पूरे मनोयोग के साथ करें।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. भावनाथ पाण्डे ने कहा कि आगामी एक अप्रैल से संचारी रोग एवं दस्तक अभियान प्रारम्भ हो रहा है और इस अभियान में आशा घर-घर जाकर एक से पांच वर्ष तक के बच्चों, महिलाओं, बूढ़े जो बुखार से पीड़ित है पहचान कर उनकों तत्काल निकट के स्वास्थ्य केन्द्र लेकर जांच कराये तथा उचित दवायें उपलब्ध करायें।

अवैध निर्माण को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी

कछौना, हरदोई, अमृत विचार। क्षेत्र के गांव सूरत खेड़ा में सार्वजनिक कच्ची सड़क पर निर्माण कार्य से ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने इस अवैध निर्माण का विरोध किया तो निर्माणकर्ता झगड़े पर आमादा हो गया। मामले में ग्राम प्रधान सहित दो दर्जन से अधिक ग्रामीणों ने थाने पर तहरीर देकर निर्माण कार्य रुकवाने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के राम लखन ने कछौना संपर्क मार्ग से माइनर तक बनी कच्ची सड़क पर नींव खोदकर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। ग्राम प्रधान हेमलता सहित अन्य ग्रामीणों ने थाने में शिकायत दी है। थानाध्यक्ष अमित सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में है और जांच की जा रही है।

नवरात्र के चौथे दिन श्रद्धालुओं ने की मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना

हरदोई, अमृत विचार। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को मंदिरों व घरों में भक्तों ने मां कूष्मांडा का पूजन अर्चन किया। इसके बाद देवी जी को फल, मिठाई आदि से भोग लगाया गया। उसके उपरांत भक्तों ने उपवास रख कर मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना की। चैत्र नवरात्र को रविवार को भी मां श्रवण देवी मंदिर, संतोष माता मंदिर, श्री राम जानकी मंदिर, फूलमती मंदिर, सिद्धबाबा मंदिर, सर्वेश्वर नाथ आदि में सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। यहां आने जाने वालों की भीड़ लगी रही। सुरक्षा की दृष्टि से मंदिरों के आसपास पुलिस बल भी तैनात किया गया।

पत्नी से झगड़ कर युवक ने खुद के सीने पर दाग़ी गोली

हरदोई, अमृत विचार। घरेलू बात पर दंपति के बीच झगड़ा हो गया। उसी बीच पति तमंचे से खुद को गोली मार ली। आनन-फानन में उसे सीएचसी से मेडिकल कालेज और मेडिकल कालेज से हायर सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया गया। मामला साण्डी थाने के भटौली माफ़ी का बताया गया है। पुलिस भी आपसी झगड़ा बताते हुए गहराई से जांच किए जाने की बात कही है।

साण्डी थाने के भटौली माफ़ी निवासी मोहित (25) पुत्र संजय खेती के अलावा भैंस की खरीद-फरोख्त करता हैं। रविवार की दोपहर पिता संजय खेत पर गया हुआ था। मोहित, पत्नी मीना व डेढ़ महीने की बच्ची के साथ घर पर था। तभी किसी बात पर मोहित और मीना के बीच झगड़ा हो गया। कोई कुछ समझ पाता, उसी बीच मोहित तमंचे से अपने सीने पर गोली मार ली। पति को खून से लथपथ देख मीना चीखने-चिल्लाने लगी। शोर सुनकर पड़ोसी पहुंचे और मोहित को एम्बुलेंस-108 से सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया, वहां डाक्टरों ने उसकी हालत को देखते हुए तुरंत हायर सेंटर लखनऊ भेज दिया। मोहित और मीना की शादी साल 2025 में हुई थी।

शुभारंभ | नघेटा रोड पर लिटिल मिलेनियम स्कूल की नई शाखा का मंत्री नितिन अग्रवाल व जिपं अध्यक्ष प्रेमावती ने किया उद्घाटन

बच्चों के सर्वांगीण विकास में महती भूमिका निभाते हैं प्री-स्कूल

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। शहर के नघेटा रोड स्थित बाबूलाल गुप्त मोंटेसरी स्कूल परिसर में लिटिल मिलेनियम स्कूल की नई शाखा का रविवार को भव्य शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री नितिन अग्रवाल तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती उपस्थित रहीं। अतिथियों ने फीता काटकर विद्यालय का उद्‌घाट किया और मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। शुभारंभ से पहले दोनों अतिथियों ने प्रकाश चंद्र गुप्त एडवोकेट 'सत्तू बाबू' की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं पूर्व डीजीसी सिविल अविनाश चंद्र गुप्त ने मंत्री नितिन अग्रवाल व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती वर्मा का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किए। मंत्री ने कहा कि यह स्कूल बच्चों के लिए प्रारंभिक शिक्षा का एक सशक्त मंच साबित होगा, जहां वे अभिभावकों से अलग रहकर अनुशासन, आत्मनिर्भरता और सामाजिक व्यवहार सीखेंगे। इस तरह के प्री-स्कूल बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि जिस प्रकार बाबूलाल गुप्त मोंटेसरी स्कूल ने शहर में अपनी पहचान बनाई है, उसी प्रकार लिटिल मिलेनियम स्कूल भी शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और बच्चों में अच्छे संस्कार व आदतें विकसित करेगा। शिक्षाविद तारकेश्वर प्रसाद ने कहा कि आधुनिक समय में इस तरह के प्री-स्कूल बच्चों को विद्यालयीन वातावरण के लिए मानसिक रूप से तैयार करने में सहायक सिद्ध हो रहे हैं। राकेश अग्रवाल, राजीव मोहन अवस्थी, पंकज अवस्थी, गौरव भदौरिया, सुरेश चंद्र अवस्थी, श्रवण मिश्र राही, वेद प्रकाश गुप्ता, गंगा शरण गुप्ता, गोपाल द्विवेदी तथा बार एसोसिएशन अध्यक्ष जेपी त्रिवेदी ने भी अपने विचार रखे।

लिटिल मिलेनियम स्कूल की नई शाखा का फीता काटते मंत्री नितिन अग्रवाल व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती।

पानी की एक-एक बूंद है कीमती

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश के सहयोग से हरी सुधा सोशल सिफार्म के बैनर तले ग्राम सभा बेहटी में नाटक 'कीमत एक बूंद की' का मंचन किया गया। जिसका लेखन व निर्देशन मनमोहन सिंह 'जोती' द्वारा किया गया। कलाकारों ने मनोरंजक ढंग से आम जन मानस को पानी की कीमत के बारे में जागरूक किया। समाज में पानी की बर्बादी अगर ऐसे ही चलती रही तो आने वाले समय में सम्भव है अगला युद्ध पानी के लिए हो सकता है।

मुख्य भूमिका में श्याम सुंदर वर्मा, दुलीचंद, अमर सिंह, मुस्कान, लक्ष्मी देवी, सिमन अंसारी, रजनीश कुमार, राजेश कुमार, राम सनेही देवी, नागपाल, रंजीत सिंह, ओमपाल सिंह, सुरेंद्रनाथ, राधेश्याम, शिवम आदि कलाकारों ने अपने अभिनय से आम जनमानस को जल संरक्षण के लिए जागरूक किया।

लोगों को जागरूक करते कलाकार। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

सर्पदंश से महिला की इलाज के दौरान मौत

लहरपुर, सीतापुर। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बरगदहा मजरा खानपुर मोहदीनपुर में खेत में काम करते समय सांप के काटने से एक महिला की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, गांव निवासिनी शाहजहां (48) पत्नी आबिद अली बीते मंगलवार को अपने लाही के खेत में काम करने गई थीं। इसी दौरान उन्हें एक जहरीले सांप ने डस लिया। चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद किसान मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। परिजनों ने उन्हें आनन-फानन में स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां से गंभीर हालत देखते हुए उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। लखनऊ में इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। क्षेत्रीय लेखपाल हिमायतुल्ला ने बताया कि सर्पदंश से मौत की सूचना मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही प्रशासन की ओर से निर्धारित मुआवजे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी का खुलासा नहीं धरने पर बैठा परिवार

सीतापुर, अमृत विचार। सकरन क्षेत्र के ग्राम दुगाना गांव में इन्द्रपाल यादव के घर चोरी हो गई थी। वारदात का खुलासा नहीं हुआ। पीड़ित पक्ष के मुताबिक, उन लोगों ने थाने से लेकर सर्किल प्रभारी कार्यालय तक के चक्कर लगाए लेकिन नतीजा शून्य रहा। ऐसे में परिवार घर से निकलकर धरने पर बैठा। इंद्रपाल ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वह लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय के समक्ष सपरिवार आत्मदाह कर लेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में चोरी की वारदातें बढ़ती जा रही हैं लेकिन खुलासा नहीं हो पा रहा है।

कहीं काली पट्टी बांध पढ़ी नमाज, कहीं रस्में हुईं अदा

जिले भर में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पढ़ी गई ईद की नमाज

अमृत विचार टीम सीतापुर

ईद-उल-फित्र परंपरागत और सादगी के साथ संपन्न हुई। बड़ी संख्या में नमाज अदा करने वालों ने ईरान के लीडर की मौत पर शोक जताया, अमेरिका-इजराइल के विरोध में हाथ में काली पट्टियां भी बांधीं। डीएम-एसपी की अगुवाई शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस-पीएसी और क्यूआरटी सक्रिय रही। शहर की ईदगाह में ईद की नमाज मौलाना शौकत अली कासमी ने पढ़ाई, सादगी के हुई नमाज के बाद मुल्क के अमन- चैन और तरक्की की दुआएं की गईं। ईदगाह के बाहर मौजूद डीएम डॉ. राजा गणपति आर. और एसपी अंकुर अग्रवाल ने सभी को मुबारकबाद दी। सांसद राकेश राठौर, पूर्व विधायक अनूप गुप्ता, नगर पालिका चेयरमैन प्रतिनिधि नमीन्द्र अवस्थी, मुनीन्द्र अवस्थी, भाजपा नेता सागर गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अतिथिगणों ने पहुंचकर एक दूसरे को मुबारकबाद दी। इसी कड़ी में खैराबाद में ईदगाह के अलावा अन्य मस्जिदों में ईद-उल-अजहा की नमाज संपन्न हुई।

शिया समुदाय ने शहादत पर जताया विरोध: रामपुर मथुरा: नमाज के दौरान एक विशेष दृश्य बांसुरा गांव में देखने को मिला, जहां शिया समुदाय के परिवारों ने ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई की शहादत पर अपना विरोध और दुख प्रकट किया।

ईद की मुबारकबाद देते जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक। अमृत विचार

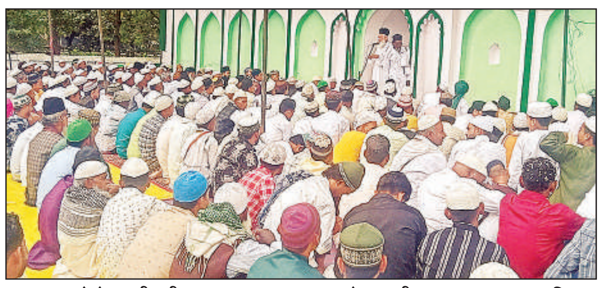

बांसुरा कस्बे में काली पट्टी बांधकर नमाज अदा करते नमाजी। अमृत विचार

मछरेहटा में सुरक्षा के रहे कड़े बंदोबस्त

मछरेहटा, सीतापुर। ईदगाह के सदर मोहम्मद सगीर उर्फ लाला और नायब मोहम्मद नईम, काजी असलम ने सभी क्षेत्रवासियों को ईद के मौके पर बधाई दी। भारी तादाद में दुकानदार भी पहुंचे और देखते देखते पूरा मैदान मेले में तब्दील हो गया। नये कपड़े पहने छोटे बच्चों ने खाने पीने की चीजें और खिलौने खरीदें। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर मिश्रिख एसडीएम, सीओ विशाल गुप्ता और थानाध्यक्ष प्रभात कुमार गुप्ता पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे।

सब्र और शुक्र के साथ बिताएं जीवन

खैराबाद, सीतापुर। दरगाह हाफिज असलम मियां में नमाजियों को संबोधित करते हुए सज्जादा नशीन हाजी सैयद फुरकान वहीद हाशमी ने कहा कि ईद केवल त्योहार नहीं, बल्कि इबादत और खुदा का शुक्र अदा करने का दिन है। उन्होंने जोर दिया कि जिस तरह रमजान में नमाज और कुरान की पाबंदी की गई, वैसी ही पाबंदी पूरे साल रहनी चाहिए। दरगाह बड़े मखदूम साहब में कारी हसन साकिब और छोटे मखदूम साहब में मौलाना अब्दुल बाकी ने नमाज संपन्न कराई। इस दौरान सज्जादा नशीन शोएब मियां, मदनी मियां व अन्य गणमान्य लोगों ने गले मिलकर मुबारकबाद दी।

छुट्टी के दिन मरीजों की भीड़, तीन संदिग्ध भर्ती

सीतापुर, अमृत विचार। त्योहार के बाद जिला अस्पताल की इमरजेंसी और ओपीडी में मरीजों का रेला उमड़ पड़ा है। बीते दो दिनों में पुलिस और एंबुलेंस की मदद से एक महिला समेत तीन संदिग्ध अज्ञात लोगों को गंभीर हालत में भर्ती कराया गया है। जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. इन्द्र सिंह के मुताबिक, एक अज्ञात व्यक्ति को शुगर लेवल गिरने के कारण भर्ती किया गया है। वहीं, ईद के दिन नैमिष पुलिस द्वारा लाई गई करीब 26 वर्षीय बेहोश महिला को उपचार के बाद होश आ गया है, लेकिन वह अभी अपना पता बताने की स्थिति में नहीं है। इसके अलावा, सड़क दुर्घटना में घायल एक अन्य अज्ञात युवक का भी इलाज चल रहा है। भीड़ का आलम यह है कि इमरजेंसी के सभी बेड फुल हो गए हैं। अस्पताल प्रशासन को मजबूरी में गैलरी में स्ट्रेचर डालकर मरीजों का इलाज करना पड़ रहा है। तीमारदार जितेंद्र और रवि ने बताया कि मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण डॉक्टर को दिखाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ रहा है।

जनसभा में हाथ उठाकर सांसद राकेश राठौर का समर्थन करते समर्थक व ग्रामीण। अमृत विचार

मनरेगा को खत्म करने की साजिश में भाजपा : राकेश

संवाददाता बिसवां, सीतापुर, अमृत विचार। सात दिवसीय 'मनरेगा बचाओ संवाद यात्रा' का रामकुंड ग्राम सभा में समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए सांसद राकेश राठौर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 80 प्रतिशत ग्रामीण गरीबों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए मनरेगा कानून बनाया था, जिसे वर्तमान सरकार खत्म करने की साजिश रच रही है। सांसद ने क्षेत्रीय विधायक व अन्य दलों के नेताओं पर सवाल उठाते हुए कहा कि दलितों व अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ रहे हैं। उन्होंने जाति जनगणना को सामाजिक व आर्थिक बदलाव की कुंजी बताया। किसान नेता शिवप्रकाश सिंह ने कहा कि मजदूरों के हक के लिए मनरेगा को बचाना अनिवार्य है। उधर, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ. आर.पी. वर्मा ने बताया कि इस यात्रा के दौरान 43 ग्राम सभाओं में बैठकें की गईं और 3216 परिवारों का मनरेगा पंजीकरण कराया गया।

हिस्ट्रीशीटर समेत दो गिरफ्तार आईजी ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

सीतापुर, अमृत विचार। जिले में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। एक तरफ जहां इमलिया सुल्तानपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक हिस्ट्रीशीटर समेत दो बदमाशों को अवैध हथियारों के साथ दबोचा, वहीं दूसरी ओर आईजी लखनऊ रेंज ने कोतवाली नगर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं परखीं। इमलिया सुल्तानपुर थानाध्यक्ष आशीष तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान हिस्ट्रीशीटर रोहित पासी और सतीश कुमार को गिरफ्तार किया। इनके पास से 315 बोर के दो तमंचे और कारतूस बरामद हुए हैं। रोहित पासी पर लूट और गैंगस्टर एक्ट जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

हिस्ट्रीशीटरों का हो सत्यापन: आईजी: आईजी लखनऊ रेंज किरण एस. ने देर शाम कोतवाली नगर का निरीक्षण किया। उन्होंने आगामी पंचायत चुनावों के मद्देनजर बीट पुलिसिंग को मजबूत करने और हिस्ट्रीशीटरों के सत्यापन के कड़े निर्देश दिए। आईजी ने महिला हेल्प डेस्क और साइबर सेल का भी जायजा लिया और स्पष्ट किया कि महिला अपराधों में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान एसपी अंकुर अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पौधरोपण कर मनाया विश्व वानिकी दिवस

पौधरोपण के दौरान उपस्थित वन अधिकारी व अन्य। अमृत विचार

लहरपुर, सीतापुर। रावल अदेसर में वन विभाग द्वारा विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जागरूकता गोष्ठी एवं पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्षेत्रीय वन अधिकारी अभिषेक सिंह के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम प्रधान रामपाल व सामाजिक कार्यकर्ता नरेंद्र त्रिवेदी ने की। वन दरोगा रवि कांत वर्मा ने कहा कि वन हमारे जीवन का आधार हैं। इस दौरान ग्राम सचिवालय परिसर में आम, अमरूद, अशोक और बॉटल ब्रश जैसी विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए। उपस्थित ग्रामीणों को एक व्यक्ति-एक वृक्ष का संकल्प दिलाते हुए वनों की कटाई रोकने के लिए जागरूक किया गया। इस मौके पर गोवर्धन लाल, बुधराम, संतोष कुमार व कुलदीप सिंह सहित कई ग्रामीण रहे।

छात्राओं को सिखाए सुरक्षा के गुर

छात्राओं को आत्मरक्षा की जानकारी देती पुलिस टीम। अमृत विचार

औरंगाबाद, सीतापुर। नैमिषारण्य कस्बा स्थित श्री अखण्ड आचार्य स्वामी अचिंत्यानंद कॉलेज में शुक्रवार को 'मिशन शक्ति' अभियान के चरण 5.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा और स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस टीम ने छात्राओं को प्रदेश सरकार द्वारा जारी विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की विस्तार से जानकारी दी। उप निरीक्षक प्रशांत सिंह ने बताया कि किसी भी विषम परिस्थिति में छात्राएं वीमेन पावर लाइन 1090, 112 पुलिस सहायता 112, महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 का उपयोग कर सकती हैं। इसके अलावा साइबर अपराधों से बचाव के लिए 1930 और सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए 1076 टोल फ्री मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के बारे में भी जानकारी दी गई। टीम ने छात्राओं को घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा और यौन उत्पीड़न जैसे अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पुलिस टीम से राहुल शर्मा, सखिन सिंह और पूजा सक्सेना सहित अन्य मौजूद रहे।

सड़क हादसों ने छीनी 3 जिंदगी, कई घायल

जिले में अलग-अलग क्षेत्रों में हुए हादसों से मचा कोहराम

रफ्तार की मार

- कमलापुर में डंपर ने बाइक सवार दो युवकों को कुचला
- मुंडन कराकर लौट रहे भक्तों की ट्रॉली पलटी, आधा दर्जन जख्मी

अमृत विचार टीम, सीतापुर

इंद्रराज।

जगदेई।

जनपद में पिछले 24 घंटों के भीतर रफ्तार का जानलेवा खेल देखने को मिला। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक ने अपना हाथ गंवा दिया।

पहली घटना कमलापुर थाना क्षेत्र के कम्हरिया पुल पर हुई। सुबह तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार दो युवकों दीपक (19) और इंद्रराज (20) को कुचल दिया। मृतकों की पहचान रामपुर कला थानाक्षेत्र के चौड़िया कोठार निवासी दीपक और सिधौली कोतवाली क्षेत्र के तेलईगांव निवासी इन्द्रराज के रूप में हुई।

बताते हैं कि दोनों युवक घर के निर्माण कार्य को लेकर मजदूरों को लेने के लिए निकले थे। उधर, पिसावां के कुतुबनगर मार्ग पर अज्ञात बाइक की टक्कर से घायल महिला जगदेई (45) ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसे में कटा हाथ, मची चीख-पुकार: महमूदाबाद: सदरपुर मार्ग पर वैन और ट्रैक्टर-ट्रॉली की सीधी भिड़ंत में वैन चालक महेश (28) का दाहिना हाथ कटकर शरीर से अलग हो गया। उसे गंभीर हालत में सीएचसी बिसवां से रेफर किया गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, छह गंभीर: खैराबाद: खैराबाद के परसेंडी मार्ग पर नैमिषारण्य से मुंडन कराकर लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से छह लोग घायल हो गए, जिनमें से एक महिला को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर भेजा गया है।

बैंक के कैमरे से मिला 5.60 लाख चोरी के टप्पेबाज का सुराग

तंबौर, सीतापुर। थाना क्षेत्र में 17 मार्च को बाइक की डिग्गी से हुई 5.60 लाख रुपये की चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से मिले इनपुट में पुलिस शातिरों के करीब पहुंच चुकी है। तंबौर निवासी आफताब अपनी बहन की 12 अप्रैल को होने वाली शादी के लिए दो बैंकों से नकदी निकालकर घर लौट रहा था। उसने 5.60 लाख रुपये की नकदी बाइक की डिग्गी में रखी थी। इसी दौरान वो टप्पेबाजी का शिकार हो गया। पुलिस और एसओजी की पड़ताल में बैंक के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दो संदिग्ध दिखाए दिए। सूत्रों की मानें तो टप्पेबाजों का गिरोह पड़ोसी जिले का बताया जा रहा है। इसको लेकर खीरी पुलिस से एसओजी ने संपर्क साधा है।

परिजनों से मिलीं विधायक रियाद हमले के युवक का शव भारत लाने की मांग

महमूदाबाद, सीतापुर। रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब गए बघाइन गांव वासी युवक की मौत की खबर पर दुख जताते हुए विधायक महमूदाबाद परिवार से मिली। उन्हें सरकारी मदद का आश्वासन देते हुए शव लाने के प्रयास की बात कही। बता दें कि महमूदाबाद कोतवाली क्षेत्र का बघाइन निवासी रवि गोपाल (26) की रियाद में मिसाइल में हुए हमले में मौत हो गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही विधायक आशा मौर्य ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से फोन पर बात कर शव जल्द भारत लाने का भरोसा दिलाया। डीएम डॉ. राजा गणपति आर के निर्देश पर नायब तहसीलदार ने भी गांव पहुंचकर विवरण जुटाया है।

परिवार के साथ वृद्ध मां: मृतक रवि गोपाल अपने पीछे पत्नी, छोटे बच्चे और वृद्ध मां को छोड़ गए हैं। जो पूरी तरह रवि पर ही आश्रित थे। घटना के बाद से परिवार के साथ नजदीकी रिश्तेदार भी मौजूद हैं।

देव सरिता धाम में मनाया वर्ष प्रतिपदा उत्सव

शिविर को संबोधित करते मुख्य वक्ता जिला संघचालक उमाकांत। अमृत विचार

लहरपुर, सीतापुर। क्षेत्र के ग्राम गंगुवा बेहड़ स्थित देव सरिता धाम जंगली नाथ मंदिर में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा वर्ष प्रतिपदा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयंसेवकों ने ध्वज प्रणाम और संघ संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया। मुख्य वक्ता जिला संघचालक उमाकांत ने पंच परिवर्तन और कालचक्र पर प्रकाश डालते हुए महाराजा विक्रमादित्य द्वारा स्थापित विक्रमी संवत के महत्व को समझाया। उत्सव में क्षेत्र के 104 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। इस अवसर पर खंड कार्यवाह अमित, राजन, सर्वेश, चित्रांश, आनंद, अजय और राजेश सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नैमिषारण्य में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते एएसपी। अमृत विचार

एएसपी ने परखीं सुरक्षा व्यवस्थाएं

नैमिषारण्य, सीतापुर। चैत्र नवरात्रि के मद्देनजर रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) दुर्गेश कुमार सिंह ने नैमिषारण्य क्षेत्र का भ्रमण किया। उन्होंने मां ललिता देवी मंदिर प्रांगण में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और तैनात पुलिसकर्मियों को मुस्तैदी से ड्यूटी करने के निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था परखने के उपरांत एएसपी ने थाना मछरेहटा और संदना का औचक निरीक्षण किया। यहाँ उन्होंने अर्दली रूम कर लंबित विवेचनाओं की समीक्षा की। उन्होंने विवेचकों को कड़े निर्देश दिए कि लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर उन्हें तत्काल माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने पुलिसकर्मियों को जनसुनवाई में संवेदनशीलता बरतने की हिदायत दी।

चोरी की नीयत से घर में घुसे दो शातिर दबोचे

सीतापुर, अमृत विचार। शहर कोतवाली क्षेत्र में देर रात करीब दो बजे चोरी की नीयत से घर में घुस रहे तीन शातिरों को परिजनों ने सूझबूझ दिखाते हुए पकड़ लिया। हालांकि, इस दौरान एक आरोपी चकमा देकर भागने में सफल रहा। स्थानीय लोगों के अनुसार, पुलिस के पहुंचने से पहले परिजनों ने पकड़े गए आरोपियों की धुनाई भी की, जिसके बाद उन्हें कोतवाली पुलिस को सौंप दिया गया। अपर पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोंसले ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान वैभव सिंह पुत्र ब्रजेश सिंह और अमित दीक्षित उर्फ आशू पुत्र विमलेश दीक्षित निवासी शहर कोतवाली के रूप में हुई है। तीसरा आरोपी छोटू उर्फ अंकित रैदास फिलहाल फरार है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गैस एजेंसी पर छापा, लाइसेंस निरस्त

कमलापुर/सीतापुर। सिधौली क्षेत्र के सरौरा स्थित उज्ज्वला ग्रामीण वितरक इंडेन गैस एजेंसी पर रविवार को जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग की टीम ने औचक छापेमारी की। घंटों चली इस जांच में एजेंसी के स्टॉक और वितरण प्रणाली में भारी खामियां पाई गई हैं।

दूसरी एजेंसियों से बंटवाई गैस: हैरानी की बात यह रही कि एजेंसी मालिक रामश्री जांच के दौरान मौके से नदारद रहीं। फोन पर संपर्क करने पर उन्होंने पारिवारिक समारोह का बहाना बनाया। उपभोक्ताओं की भीड़ और गैस की किल्लत को देखते हुए जिला पूर्ति अधिकारी अखिलेश श्रीवास्तव ने तत्काल संज्ञान लिया और आसपास की अन्य एजेंसियों से गाड़ियां बुलाकर मौके पर ही उपभोक्ताओं को सिलेंडर वितरित करवाए। अधिकारियों के अनुसार, एजेंसी संचालक द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और लिक्विड पेट्रोलियम गैस रेगुलेशन ऑफ सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन आर्डर सन 2000 के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन किया गया है। मौके पर मौजूद गैस एजेंसी कर्मचारियों में कंप्यूटर ऑपरेटर विवेक त्रिपाठी और गोदाम इंचार्ज अंकित राठौर के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। टीम ने स्पष्ट किया है कि अनियमितताओं की रिपोर्ट डीएम को भेजी जा रही है और एजेंसी का लाइसेंस निरस्त करने के साथ-साथ केस दर्ज कराने की संस्तुति की गई है। निरीक्षण के दौरान आलोक सिंह, केके सिंह और एसडीएम भी देर शाम पहुंची हैं।

स्टॉक में मिला भारी अंतर

डीएसओ अखिलेश श्रीवास्तव के नेतृत्व में टीम ने जब गोदाम व एजेंसी के रिकॉर्ड का मिलान किया तो होश उड़ गए। मौके पर फिजिकल वेरिफिकेशन के दौरान गोदाम इंचार्ज अंकित राठौर के द्वारा मात्र 4 भरे गैस सिलेंडर होने की बात कही गई जबकि 14.2 किग्रा के 805 भरे हुए सिलेंडर होने चाहिए थे लेकिन मौके पर भारी कमी मिली। 19 किग्रा के कमर्शियल सिलेंडर और छोटे 5 किग्रा व 2 किग्रा वाले सिलेंडरों के स्टॉक में भी व्यापक हेरफेर पाया गया। जांच के दौरान 114 रेगुलेटर और अन्य उपकरणों के स्टॉक में भी गड़बड़ी मिली है।

मदर्स प्राइड स्कूल का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, आराध्य बने स्टूडेंट ऑफ द ईयर

अराध्य और उनके अभिभावक को सम्मानित करतीं विद्यालय संस्थापिका मोनिका आनंद और प्रबंधक कुनाल आनंद। अमृत विचार

सीतापुर, अमृत विचार। मदर्स प्राइड पब्लिक स्कूल में शैक्षिक सत्र 2025-26 का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। इस अवसर पर मेधावी छात्र आराध्य श्रीवास्तव को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता के लिए 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' के खिताब से नवाजा गया। समारोह का शुभारंभ विद्यालय की संस्थापिका मोनिका आनंद के संबोधन से हुआ, जिन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर कड़ा परिश्रम करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कक्षाओं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को मंच पर सम्मानित किया गया। विशेष आकर्षण के रूप में आराध्य श्रीवास्तव के माता-पिता को भी मंच पर सम्मानित कर उनके मार्गदर्शन की सराहना की गई। विद्यालय के प्रबंधक कुनाल आनंद ने अन्य मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित किया। इस दौरान अभिभावकों से भी संवाद किया गया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सभी सफल विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

खुलासा तम्बौर पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त कार्रवाई, कब्जे से 6.57 लाख नकदी बरामद

सीतापुर में एसओजी ने पकड़े 15 अंतरराज्यीय शातिर

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार। जनपद में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत तम्बौर पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने पकरिया पुरवा मार्ग के पास से एक अंतरराज्यीय गिरोह के 15 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया, इनमें 5 महिलाएं भी शामिल हैं। पकड़े गए अभियुक्त मध्य प्रदेश के शिवपुरी और दतिया जिले के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने बताया कि यह गिरोह अलग-अलग स्थानों पर डेरा डालकर पहले रेकी करता था और फिर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। आरोपियों के कब्जे से विभिन्न चोरी की घटनाओं से संबंधित कुल 6, 57, 500 रुपये बरामद हुए हैं। पूछताछ में गिरोह ने सीतापुर, श्रावस्ती और हरदोई के विभिन्न थानों में दर्ज करीब आधा दर्जन से अधिक चोरी की वारदातों को कबूल किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बाइक को भी सीज कर दिया है। सफल अनावरण पर एडीजी लखनऊ जोन, आईजी लखनऊ रेंज और एसपी सीतापुर द्वारा पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

वारदात का खुलासा करते पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल। अमृत विचार

इनकी हुई गिरफ्तारी

मप्र के जनपद शिवपुरी के थाना दिनारा स्थित जनकपुरी निवासी जालिम, थाना मायापुर स्थित इजारपुर निवासी दानवीर, दनीराजा, दतिया जनपद के थाना देहात सिविल लाइन के प्रकाश नगर निवासी शिकारी, लोटन, शिवकपूर, सितकुमार, नसीब, महक सिंह, शालू सिंह, साइबा उर्फ साइता, सुनीता, मौसमी, सादिका, चोमनी।

इस मौके पर एसओजी प्रभारी निरीक्षक सतेंद्र विक्रम सिंह, प्रभारी निरीक्षक तंबौर ब्रजेश राय, उपनिरीक्षक अमित कुमार दुबे, उप निरीक्षक शीतला प्रसाद, मुख्य आरक्षी हरिप्रकाश, आरक्षी मनीष राणा, अविनाश कुमार, सतेंद्र मावी, अमरजीत सिंह, अंकित कुमार सहित अन्य।

महिलाओं को सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

सीतापुर, अमृत विचार। एसपी अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में संचालित मिशन शक्ति अभियान के तहत शनिवार को अलग-अलग उपलब्धियां सामने आईं। एक ओर जहां पुलिस लाइन स्थित परिवार परामर्श केंद्र में टूटने की कगार पर पहुंचे एक परिवार को बचा लिया गया, वहीं दूसरी ओर जिले भर में जागरूकता अभियान चलाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजक किया गया। परिवार परामर्श केंद्र में प्रभारी गीता सिंह व काउंसलर्स की मौजूदगी में कमलापुर निवासी दीपा और महोली निवासी रामलखन के बीच चल रहे आपसी मतभेद को सुलझाया गया। इसी क्रम में 'मिशन शक्ति' फेज-5 के तहत जिले के बाजारों व सार्वजनिक स्थलों पर महिला पुलिस टीमों ने चौपाल लगाई। महिलाओं को साइबर अपराधों से बचाव, नवीन कानूनों और आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों जैसे 1090, 112 व 1930 की जानकारी दी गई। इस दौरान बालिकाओं को आत्मरक्षा के तरीके और गुड टच-बैड टच के बारे में भी जागरूक किया गया।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार,23 मार्च 2026 रायबरेली

न्यूज ब्रीफ

बुजुर्ग महिला ने कुएं में लगाई छलांग

ऊंचाहार : क्षेत्र के ललई का पुरवा, अरखा गांव में एक बुजुर्ग महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते कुएं में छलांग लगाकर जान देने की कोशिश की। गांव के श्रीराम ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए अन्य ग्रामीणों के साथ मिलकर तुरंत रस्सियों के सहारे उसे बाहर निकालने में कामयाब हो गए। इस एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ग्रामीणों द्वारा किए गए इस साहसिक कार्य की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है।

बाइकों में टक्कर, एक युवक गंभीर

बछरावां : थाना क्षेत्र महराजगंज के अंतर्गत बछरावां-महराजगंज मार्ग पर असनी गांव के पास एक अज्ञात बाइक सवार की जोरदार टक्कर से एक बाइक सवार युवक घायल हो गया। घायल बाइक सवार गोविंद पुत्र कृष्णपाल निवासी रामपाल खेड़ा मजरे इचौली थाना बछरावां बीते शनिवार की देर रात महराजगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत किसी गांव में अपनी ससुराल से वापस अपने घर उक्त मार्ग होते हुए जा रहा था। तभी हादसे का शिकार हो गया। सीएचसी में चिकित्सक प्रभात मिश्रा के द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद हालत को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

कूट रचित दस्तावेज की आरोपित को जेल

महराजगंज : नगर कोतवाली रायबरेली आजाद नगर बैरहना निवासी महिला मुन्नी देवी के खिलाफ कस्बे के रुद्र नगर निवासी ऐनुल हक की शिकायत व न्यायालय के आदेश पर धोखाधड़ी करने का केस 14 जनवरी को दर्ज किया था। एनुल हक का आरोप है कि उनके ही मोहल्ले की निवासी मुन्नी की माता का नाम शांती देवी व पिता का नाम राधे लाल उर्फ राधेश्याम है। उन्होंने कस्बे के दुकानदार गजनफर अली से माता का नाम सुरैया व पिता का नाम शहीद हुसैन लिखवा दिया। जिसके आधार पर 15 नवंबर वर्ष 2021 को मुन्नी ने लखनऊ से पासपोर्ट भी जारी करा किया। कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि कूट रचना व धोखाधड़ी की आरोपित महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

पुलिया से टकराई बस, छह लोग घायल

अटौरा : लालगंज-रायबरेली मार्ग पर स्थित जरिया गांव के राजपूत ढाबा के समीप रविवार को रोडवेज बस अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। इसमें बस पर सवार छह लोग घायल हो गए। बताते है कि कानपुर डिपो की बस रविवार को रायबरेली से कानपुर की ओर जा रही थी। तभी जरिया गांव के राजपूत ढाबा के पास बस अज्ञात कारणों से अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। हादसे में बस छह लोग घायल हो गए। इसमें दीपा दीक्षित (35) पत्नी आशीष दीक्षित, अमित दीक्षित (28) पुत्र दिनेश दीक्षित निवासी ग्राम चिमनामऊ थाना लालगंज जनपद रायबरेली गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उनके परिवारजन अपने निजी वाहन से उपचार हेतु जिला अस्पताल लेकर गए हैं।

बालिकाओं को किया गया जागरूक

डलमऊ : डलमऊ थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे बघेलन मजरे नेवाजगंज में महिला उपनिरीक्षक दीपांशी चौहान, महिला आरक्षी नेहा ,आरक्षी अमरजीत,आरक्षी आकाश ने यह जागरूकता अभियान चलाया। महिलाओं के साथ मारपीट और लड़कियों के साथ छेड़छाड़ से बचाव के तरीकों पर भी प्रकाश डाला गया। उन्हें आवश्यकता पड़ने पर तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

तमंचे के बल पर युवक से लूटमार, मचा हड़कंप

बछरावां (रायबरेली)

अमृत विचार। बछरावां थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात एक युवक से तमंचे के बल पर बाइक लूट की सनसनीखेज घटना सामने आई है।

जानकारी के अनुसार पीड़ित पंकज कुमार, निवासी उन्नाव अमेठी जनपद के सेमरौता गांव से अपने घर लौट रहे थे। देर रात जब वह बछरावां-मौरावां मार्ग पर टांडा और छोटकवां खेड़ा गांव के बीच कुबेर धर्मकांटा के पास पहुंचे, तभी पीछे से एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। बदमाशों ने पहले पंकज के हेलमेट पर डंडे से वार किया, जिससे वह रुक गए। इसके बाद आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की और तमंचा निकालकर उन्हें डराया। जान बचाने के लिए पंकज मौके से भागे, तभी बदमाश उनकी बाइक लेकर फरार हो गए।

पीड़ित से सूचना मिलते ही थाना प्रभारी श्याम कुमार पाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू की।

केस दर्ज होने के बाद माने परिजन, तीसरे दिन शव का अंतिम संस्कार

जगतपुर (रायबरेली)

आक्रोश

- कर्ज को लेकर बैंक कर्मियों पर दबाव में अधेड़ की मौत का आरोप
- अंतिम संस्कार न होने से 3 दिन तक गांव में तैनात रही पुलिस

अमृत विचार। छिछौरा मजरे अलावलपुर गांव में एक अधेड़ किसान की मौत के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। तीन बाद हुई इस कार्रवाई के बाद आक्रोशित परिजनों ने पुलिस की सुपुदर्गी में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। हालात तनावपूर्ण होने पर गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था।

जानकारी के मुताबिक गांव निवासी 55 वर्षीय सुरेश की 19 मार्च को अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। परिजन उन्हें सीएचसी जगतपुर ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। इसके बाद उसे एम्स ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मौत से परिजन भारी आक्रोश में हैं। इससे नाराज होकर 20 मार्च को परिजनों ने बैंक कर्मियों पर फर्जी लोन और जबरन वसूली का आरोप लगाते हुए विश्वनाथगंज तिराहे पर शव रखकर मार्ग पर जाम लगा दिया। करीब तीन घंटे तक हाईवे पर आवागमन ठप रहा और अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। पुलिस ने किसी तरह समझा-बुझाकर जाम खुलवाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के बेटे अमित पटेल ने बैंक मैनेजर, फील्ड ऑफिसर समेत चार लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। आरोप है कि अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। उधर, पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए मौत का कारण हाई बीपी बता रही है। यहीं से विवाद और गहरा गया। फिलहाल रविवार को चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद आक्रोशित परिजनों का हंगामा खत्म हुआ और पुलिस की मौजूदगी में शव का अंतिम संस्कार किया गया।

कर्ज ने छीनी जिंदगी

परिजनों का दावा है कि सुरेश के नाम पर 2024 में मुद्रा लोन लिया गया था, जिसकी वसूली को लेकर लगातार दबाव बनाया जा रहा था। कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने अपना मकान और दुकान तक बेच दिया, लेकिन बोझ खत्म नहीं हुआ। परिवार का आरोप है कि इसी मानसिक दबाव ने उनकी जान ले ली।

क्या बोले सीओ

वहीं क्षेत्राधिकारी गिरजा शंकर त्रिपाठी के मुताबिक अधेड़ की मौत के मामले में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मृतक के शव का अंतिम संस्कार करा दिया गया है।

सड़क हादसों में चार की थमीं सांसें, पांच गंभीर

भदोखर थाना क्षेत्र में बाइक-स्कूटी की टक्कर में 2 की मौत, चड़रई चौराहे पर कार ने बाइक सवारों की मारी टक्कर

संवाददाता, रायबरेली

ललित की फाइल फोटो।

अमृत विचार। जिले में अलग-अलग हुए सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं पांच की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भदोखर थाना क्षेत्र के सैदनपुर गांव में मृतक आशीष के बिलखते परिजन।

पहली घटना रायबरेली-डलमऊ मार्ग पर शनिवार देर शाम हुई। सुलखियापुर के पास एक मोटरसाइकिल और स्कूटी के बीच हुई आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। इसमें बाइक चालक अनंत कुमार शुक्ला पुत्र प्रेम कुमार, निवासी मोहल्ला चौरासी, थाना डलमऊ और स्कूटी चालक आशीष पुत्र दयाशंकर निवासी ग्राम सैदनपुर खागीपुर सड़वा, थाना भदोखर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल एम्स ले जाया गया। उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। दूसरी घटना ऊंचाहार थाना क्षेत्र के चडरई चौराहे की है। होरेसा गांव निवासी ललित कुमार (23) अपने गांव के ही अर्जुन (22) के साथ रायबरेली से बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही दोनों चड़रई चौराहे पर सड़क पार करने लगे, तभी तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक में जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक उछलकर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को सीएचसी जगतपुर पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचते ही चिकित्सकों ने ललित कुमार को मृत घोषित कर दिया, जबकि अर्जुन की हालत गंभीर बनी हुई है। कोतवाल अजय कुमार राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। ग्राम प्रधान राजेंद्र कुमार के मुताबिक, ललित ने जिला अस्पताल पहुंचते ही दम तोड़ दिया, जबकि अर्जुन का उपचार चल रहा है। पुलिस ने हादसे में शामिल कार को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है और पूरे मामले की गहन जांच जारी है।

तीसरी घटना बछरावां थाना क्षेत्र के अंतर्गत हसनगंज-इसिया संपर्क मार्ग पर स्थित नहरिया के निकट की है। अमन पुत्र राजेश अपने साथी अंशु पुत्र रमेश निवासी इसिया के साथ उक्त मार्ग होते हुए अपने गांव वापस जा रहे थे, जैसे ही वह उक्त मार्ग पर स्थित नहरिया के निकट पहुंचे, तभी तेज रफ्तार में होने के चलते उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे ट्रैक्टर से टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। तत्काल दोनों घायलों को सीएचसी बछरावां पहुंचाया गया। मौजूद चिकित्सक प्रभात मिश्रा ने उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया। वहीं ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान अमन की मौत हो गई। अंशु की हालत गंभीर बनी हुई है।

सेवानिवृत फौजी के पुत्र की दुर्घटना में मौत

सनी शुक्ला की फाइल फोटो।

डलमऊ (रायबरेली) अमृत विचार। सेवानिवृत फौजी के पुत्र की मार्ग दुर्घटना में हुई मौत से घर में कोहराम मच गया। वहीं मृतक की पत्नी और तीन अबोध पुत्री के सिर से पिता का साया उठ गया। पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचे मृतक के शव को देखकर पत्नी बेसुध हो गई। डलमऊ कस्बे के मोहल्ला चौरासी निवासी सेवा निवृत फौजी प्रेम शुक्ला का 35 वर्षीय पुत्र सनी शुक्ला शनिवार को अपनी बहन को लेने के लिए रायबरेली मोटरसाइकिल से जा रहा था। तभी रायबरेली डलमऊ मार्ग पर कलशहा गांव के पास आमने-सामने दो बाइकों की भिड़ंत में शनि शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे एम्स अस्पताल मुंशीगंज ले जाया गया, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी पूनम के साथ परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की तीन पुत्रिया आराध्या, अंशिका और आठ माह की तीसरी पुत्री के सर से पिता का साया उठ गया। मृतक ड्राइवरी का कार्य करके परिवार का पालन पोषण करता था।

डिवाइडर से टकराईं बाइकें, दो गंभीर

बछरावां। थाना क्षेत्र के कस्बा अंतर्गत लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित ओवरब्रिज पर बीते शनिवार की देर रात अनियंत्रित होकर आपस में दो बाइकें भिड़कर डिवाइडर से टकरा गई, जिनमें सवार छह लोगों में दो की हालत गंभीर है। बताते हैं कि एक बाइक पर अपने दो साथियों के साथ सवार घायल सारिक पुत्र शहाबुद्दीन निवासी छोटा घोसियाना रायबरेली, वहीं दूसरी बाइक पर अपने दो साथियों के साथ सवार घायल अर्पित पुत्र अजय कुमार निवासी शक्तिनगर रायबरेली, उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग होते हुए ईद का जश्न मना कर लखनऊ से वापस अपने घर शनिवार की देर रात लौट रहे थे। तभी उन दोनों की बाइकें अनियंत्रित होकर आपस में भिड़ गई और ओवर ब्रिज के डिवाइडर जा टकराई, जिसमें दोनों बाइकों पर सवार सभी छह लोग घायल हुए, जिनमें चार को मामूली चोटे आने के चलते उनका इलाज पास में ही स्थित निजी अस्पताल में कराया गया है। वहीं सारिक और अर्पित को गंभीर हालत में सीएचसी चिकित्सक प्रभात मिश्रा ने उपचार करने के पश्चात जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

नाबालिग को भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार

डलमऊ, अमृत विचार। नाबालिग को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के आरोपी को डलमऊ पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। मां की तहरीर पर डलमऊ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। बीते नौ मार्च को चौकी क्षेत्र की एक गांव की रहने वाली नाबालिग किशोरी को अमित पुत्र बुद्धिलाल निवासी पूरे जुगराज मजरे हाजीपुर थाना गुरुबक्सगंज जनपद रायबरेली बहला फुसलाकर भगा ले गया था परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन पता नहीं चला।मां की तहरीर पर डलमऊ पुलिस ने 14 मार्च को मुकदमा दर्ज किया था तब से आरोपी की तलाश की जा रही थी।शनिवार को चौकी प्रभारी विनय पाठक ने आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है।

नामित सदस्यों का मंडल अध्यक्ष ने किया सम्मान

डीह। नगर पंचायत परशदेपुर में शासन द्वारा नामित सदस्य सुधीर मिश्रा, संत प्रसाद उपाध्याय और जियाराम सरोज का भव्य स्वागत एवं सम्मान भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार द्विवेदी व पूर्व चेयर मैन चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव द्वारा माला पहनाकर व अंगवस्त्र भेंट कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नामित सदस्य नगर के विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। इस मौके पर सभासद संदीप मोदनवाल, पूर्व सभासद श्रीकांत त्रिवेदी, मंडल उपाध्यक्ष अंजनी मिश्रा, शक्ति केंद्र संयोजक रामनाथ यादव, बूथ अध्यक्ष सोनू सिंह आदि उपस्थित रहे।

मोदी के नाम सरकार का मुखिया बने रहने के रिकॉर्ड से भाजपाइयों में खुशी

लालगंज, अमृत विचार। भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सरकारी मुखिया के रूप में बने रहने का रिकॉर्ड कायम करने पर प्रसन्नता जताई है। जिला अध्यक्ष बुद्धीलाल पासी, जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह और भाजपा प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला ने प्रसन्नता जताते हुए बताया कि पीएम मोदी के लिए रविवार का दिन और 22 मार्च की तारीख सबसे खास पन्नों में दर्ज हो गई है। भाजपा के पूर्व सभासद कैलाश वाजपेई ने कहा कि गुजरात का सीएम पद छोड़कर 2014 में नरेंद्र मोदी प्रचंड जीत हासिल कर देश के प्रधानमंत्री बने थे।तब से लेकर अब तक वह इस पद पर विराजमान हैं। वहीं भाजपा नेता प्रोफेसर अविनाश सिंह, राम प्रताप सिंह, राजेश सिंह फौजी,मंडल अध्यक्ष मनोज अवस्थी, भाजपा नेता सुरेंद्र गुप्ता, शिवम गुप्ता, उमेश सिंह, चंदा ने भी खुशी जताते हुए कहा कि रोचक बात यह है कि पीएम मोदी इन 25 सालों में कई बार जनता के द्वारा चुने गए और अपराजित रहे।

नवोदय विद्यालय में छात्रा का हुआ चयन

नवोदय विद्यालय में चयनित छात्रा।

सरेनी। मुरार मऊ स्थित दुर्गाजंली पब्लिक स्कूल की कक्षा 5 की छात्रा अवंतिका ने अपनी मेहनत एवं लगन से नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। प्रधानाचार्या पूजा शुक्ला ने अवंतिका की लगन और मेहनत की प्रशंसा करते हुए बताया कि हमारे विद्यालय की शिक्षा और शिक्षण व्यवस्था के कारण लगातार दूसरे वर्ष विद्यालय के बच्चों ने नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त की है।

हर्षोल्लास से मनाया गया ईद का त्योहार

सरेनी : शनिवार को ईद का पर्व क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई दी। सुबह मुस्लिम भाइयों ने नमाज अदा कर मुल्क में अमन चैन की दुआ मांगी। इसके बाद हिंदू भाइयों ने मुस्लिम भाइयों के गले मिलकर ईद की बधाई दी। क्षेत्र के छतौना गजपति खेड़ा भोजपुर बर वलिया बेनी माधवगंज में भी ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रत्येक मस्जिद के बाहर पुलिस बल सतर्क रहा।

एसएसओ से अभद्रता व गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने का आरोप

जगतपुर। थाना क्षेत्र के मेल्खा साहब निवासी अमित कुमार पुत्र रमेश कुमार जगतपुर पावर हाउस में एसएसओ पद पर तैनात हैं। आरोप है कि बीती रात वह ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान करीब 12 बजे मधवापुर गांव के दो व्यक्ति पावर हाउस पहुंचे और बिजली आपूर्ति को लेकर गाली-गलौज करने लगे।

पीड़ित के अनुसार उन्होंने बताया कि लाइन ब्रेकडाउन में है और ठीक होते ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। इसके बावजूद दोनों व्यक्तियों ने कर्मचारी और अवर अभियंता के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग किया तथा सरकारी कार्य में बाधा डाली। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी और कहा कि गाड़ी चढ़ाकर मार देंगे। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी पंकज त्यागी ने बताया कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आईआईटी प्रवेश के लिए ऊंचाहार के होनहार अर्पित ने हासिल की 86 वीं रैंक

ऊंचाहार, अमृत विचार। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी जॉइंट एडमिशन टेस्ट फॉर मास्टर्स टेस्ट में ऊंचाहार के होनहार छात्र में 86 वीं रैंक हासिल करके क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस सफलता पर पूरा गांव बहुत उत्साहित है । रोहनिया विकास खंड के गांव हटका निवासी स्व . संजीव कुमार शुक्ल के सुपुत्र अर्पित शुक्ल ने यह सफलता हासिल की है ।दिल्ली विश्विद्यालय से विज्ञान में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद उन्होंने यह परीक्षा पास की है ।राष्ट्रीय स्तर की इस परीक्षा में शानदार सफलता हासिल करने की सूचना मिलते ही गांव में उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया ।उनकी मां वंदना शुक्ल ने बेटे की इस सफलता का श्रेय अपने स्वर्गवासी पति के आशीर्वाद को देती है ।उनके परिवार के सदस्यों ज्ञान प्रकाश शुक्ल , आलोक शुक्ल , संदीप शुक्ल और आस्था शुक्ला घर के इस बेटे की सफलता पर गदगद है।

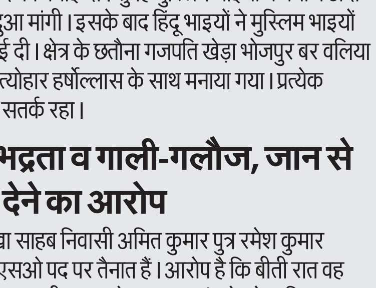
परिवार और गुरुजनों के साथ अर्पित त्रिपाठी।

दो पक्षों में मारपीट, पांच लोग घायल

शिवगढ़। शनिवार को शिगगढ़ थाना क्षेत्र के जगदीशपुर में जमीनी विवाद में दो पक्षों में हुई मारपीट में एक पक्ष से चार तो वहीं दूसरे पक्ष से एक किशोर जख्मी हो गया। मारपीट में एक पक्ष से गुड्डा पत्नी हनोमान, नीशू पुत्री हनोमान, खुशबू पुत्री हनोमान, करन पुत्र हनोमान हनोमानजख्मी हो गए। वहीं दूसरे पक्ष से आयुष पुत्र रामबक्स जख्मी हो गया। गुड्डा पत्नी हनोमान का आरोप है कि जमीनी विवाद को लेकर उन्होंने विपक्षियों की शिकायत की थी जिसकी जांच शुक्रवार को पुलिस करने आई थी, जिससे विपक्षी चिढ़े हुए थे। शनिवार को गांव के ही रामबक्स का लड़का दीवाल में ईंट ठोक रहा था मना किया गया तो घर में घुसकर उनकी दो बेटियों, नाबालिक बेटे और उनकी पिटाई कर दी। वहीं दूसरे पक्ष से रामबक्स का आरोप कि दोनों के बीच जमीनी विवाद पहले से चल रहा है। शनिवार को उनके यहां टीनशेड रखा जा रहा था जो दीवार में लड़ गया तो विपक्षियों ने उनके नाबालिक बेटे आयुष की पिटाई कर दी। शिवगढ़ थाना प्रभारी राजीव सिंह का कहना है कि दोनों पक्षों तहरीर मिली है मुकदमा दर्जकर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जिले में हर्षोल्लास से मनाई गई ईद

संवाददाता, रायबरेली

ईद-उल-फितर पर एक-दूसरे को गले मिलकर बधाई देते लोग।

अमृत विचार। जिले में ईद का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान लोगों ने नमाज अदा किया। इसके बाद एक-दूसरे को बधाई दी। डबल फाटक स्थित ईदगाह में पंडाल में काफी संख्या में लोगों ने पहुंचकर बधाई दी। समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव एवं न्यू स्टैंडर्ड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के संस्थापक/प्रबंधक डॉ. शशिकांत शर्मा ने ईद-उल-फितर ने ईदगाह पहुंचकर नमाज अदा करने आए लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉ. शर्मा द्वारा ईदगाह के समीप लगाए गए पंडाल में नमाजियों के लिए नाश्ता और पानी की समुचित व्यवस्था भी की गई थी, जिसका लोगों ने भरपूर आनंद लिया। इस प्रकार की व्यवस्था से लोगों को काफी राहत मिली। शिवगढ़ क्षेत्र के बैंती में हर साल की तरह ईद उल फितर के त्यौहार में हिन्दू - मुस्लिम भाइयों ने एक दूसरे के गले लगाकर मुबारकबाद दी। प्रधान प्रतिनिधि जानकीशरण जायसवाल ने कहा कि बैंती ग्राम पंचायत में चाहे मुस्लिम भाइयों का त्यौहार हो या हिंदू भाइयों का यहाँ हिंदू मुस्लिम एकता ,भाईचारे एवं आपसी सौहार्द की मिसाल देखने को मिलती हैं। वहीं कांग्रेस के जिला सचिव एडवोकेट गौरव मिश्रा के नेतृत्व में रायबरेली सांसद राहुल गांधी, अमेठी सांसद केएल शर्मा के बैनर तले ईद मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

शिवगढ़ में 18 स्थानों पर अदा की गई ईद की नमाज, शिवगढ़: थाना क्षेत्र के बैंती ईदगाह, शिवगढ़, भौसी, कुम्हरावां,असहन जगतपुर, भवानीगढ़ सहित कुल 18 स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था के बीच शान्तिपूर्ण ढंग से ईद उल फितर की नमाज सम्पन्न हुई। बडवल, गनहरी, फिरोजाबाद, शिवली, बैंती, पिपरी आदि में लोग ईद उल फितर की नमाज अदा की। इस दौरान राजस्व निरीक्षक शिव प्रसाद तिवारी, लेखपाल अभिषेक पटेल, पुलिसकर्मी तथा प्रधान प्रतिनिधि जानकीशरण जायसवाल, एडवोकेट गौरव मिश्रा, राजेन्द्र राज, मो.असीर, मो. इकबाल, मो. इस्माइल, मो.कादिर, मो. कय्यूम आदि रहे।

गलत इलाज से युवक की मौत, मेडिकल स्टोर सीज

महराजगंज (रायबरेली)

मेडिकल स्टोर पर दवाओं की जांच करते ड्रग इंस्पेक्टर शिवेंद्र सिंह।

अमृत विचार। मेडिकल स्टोर संचालक के इलाज से युवक की मौत मामले में विभाग ने कार्यवाही की है। अमृत विचार में "मेडिकल स्टोर संचालक के इलाज से युवक की मौत" शीर्षक से खबर प्रकाशित होने के बाद जिलाधिकारी ने घटना को गंभीरता से लिया। ड्रग्स इंस्पेक्टर ने मेडिकल स्टोर सीज कर दिया। इसके पूर्व औषधियों के चार नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा है।

सोमवार को नया पुरवा निवासी दशरथ को पेट दर्द हुआ। परिजन उसे नया पुरवा मजरे चंदापुर पहुंचे। मेडिकल स्टोर संचालक आलोक कुमार के भाई आदित्य कुमार ने मरीज दशरथ का गलत इलाज किया । जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई।रायबरेली के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुक्रवार को अमृत विचार ने इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर को संज्ञान लेकर डीएम ने जिम्मेदारों को जांच के निर्देश दिए। शुक्रवार को ही ड्रग्स इंस्पेक्टर शिवेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की जांच की गई है। डी एन एस, में मोनोसेफ, वोमांकाइन्ड, व पेंटाप इंजेक्शन मिलाकर लगा दिया गया। जिससे उसके शरीर में सूजन आ गई। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान युवक की मौत हुई है। मेडिकल स्टोर सीज किया गया है। चार औषधियों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

कार्यक्रम

विबग्योर पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह

एएसपी ने मेधावियों को मेडल पहनाकर किया सम्मानित

संवाददाता, रायबरेली

अमृत विचार। विबग्योर पब्लिक स्कूल इण्टरमीडिएट कॉलेज, शक्ति नगर-रायबरेली में छात्र-छात्राओं के वार्षिक परीक्षाफल का वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडिशनल एसपी संजीव कुमार सिन्हा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामपाल वर्मा और प्रबंधक मुदित वर्मा ने मुख्य अतिथि को बुके देकर स्वागत किया। सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।

विबग्योर पब्लिक स्कूल के संस्थापक के चित्र पर पुष्प अर्पित करते एएसपी संजीव कुमार सिन्हा व साथ में प्रबंधक मुदित वर्मा। अमृत विचार

छात्र-छात्राओं ने नवरात्र और ईद की शुभकामनाएं आधारित डांस छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किया। वहीं देशभक्ति आधारित प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि ने टॉपर्स बच्चों को प्रतीक चिन्ह, प्रगति पत्र व उनके अभिभावकों को साल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रथम प्रेरणा स्रोत उनकी मां वह उनके शिक्षक-शिक्षिकाएं हैं। जीवन में आगे बढ़ाने के लिए सदैव सही रास्ते को चुनें। साथ ही साथ उन्होंने अभिभावक को बच्चों व शिक्षक शिक्षिकाओं को साइबर फ्रॉड से सतर्क रहने व बचने के तरीकों को बताया। इस तरह की घटनाएं किसी के साथ यदि घटित हो जाएं तो उनसे किस प्रकार निपटा जाए, इसके बारे में विस्तृत जानकारी दी। महिला हेल्पलाइन नंबर 1090 वह अपराध हेल्पलाइन नंबर 1030 के बारे में जानकारी दी। विद्यालय की सरंक्षिका विमला वर्मा ने कहा कि आप सभी देश के भविष्य हैं, राष्ट्र निर्माण में आप अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने में सक्षम है। विद्यालय परिवार सदैव आपके सपनों को पूरा करने के लिए आपके साथ तत्पर है। इस अवसर पर जितेंद्र पांडेय, बाबूलाल यादव, मनोज कुमार, धर्मेंद्र शुक्ला, आशीष कुमार, अभिषेक बाजपेई, धीरज शुक्ला, शिवांगिनी, रेनू, पंकज प्रजापति, अनामिका आदि मौजूद रहे।

इन बच्चों को किया सम्मानित: एएसपी ने कक्षाओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान क्रमशः प्ले ग्रुप में वंशिका, दीपिका रतन व वैष्णवी एलकेजी में हिफजा कामरान, दानीन फातिमा, रसखान, यूकेजी में अनाया, अविका, मिष्ठी, कक्षा 1 ए में स्वास्तिक, अर्पित, अविरल,1 बी में नित्या, शिवांश, रजवी कक्षा 2 में सक्षम, जयेश, अरबिया बानो कक्षा-3 में अनिकुंज, आर्यंश, काव्यांश, कक्षा-4 में मान्या, प्रिंस, अनुभवी, कक्षा-5 में मिष्ठी, समीर, काव्या, कक्षा-6 में वैष्णवी, समरीन बानो, आदर्श, कक्षा-7 में आलिया, जानवी, असरा, कक्षा 8 में मोहम्मद शाजेब, मानस, मारूफ, कक्षा-9 में आदित्य, सुनैना, वैष्णवी को सम्मानित किया।

युवक ने आत्महत्या का किया प्रयास

बछरावां। थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेहगो पश्चिम गांव निवासी सुमित दीक्षित पुत्र प्रमोद दीक्षित रविवार दोपहर अपने घर में परिजनों की गैरमौजूदगी में संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। दम घुटने लगा तो उसने चीख पुकार मचाना शुरू किया। तभी आसपास मौजूद पड़ोसियों के द्वारा उक्त घटना की सूचना उसके पिता जो कि उक्त गांव के चौराहे पर स्थित अपनी दुकान पर मौजूद थे, उन्हें दी गई।

मौके पर पहुंचे पिता एवं पड़ोसियों के द्वारा युवक को फांसी के फंदे से नीचे उतारा गया और तत्काल घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी गई। उसे गंभीर हालत में सीएचसी पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

बैसवारा बाल निकेतन में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

लालगंज (रायबरेली)। रोजाना फाउंडेशन ट्रस्ट, मेदांता फाउंडेशन एवं इंदिरा आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में बैसवारा बाल निकेतन के प्रांगण में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, परामर्श तथा नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता रहीं। उन्होंने कहा कि यह शिविर समाज के जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि इस पुनीत और जनसेवा से जुड़े कार्य के लिए आयोजकों को हार्दिक बधाई। इस मौके पर भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

महिलाओं को किया गया जागरूक

महराजगंज (रायबरेली): महिलाओं की सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति' अभियान के क्रम में थाना महराजगंज पुलिस टीम द्वारा हलोर बाजार स्थित शिव मंदिर प्रांगण में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शामिल महिलाओं व बच्चों को हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए उन्हें सजग किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक राजवीर सिंह, महिला हेड कांस्टेबल उर्मिला सिंह, महिला कांस्टेबल दीपा सिंह और हेड कांस्टेबल ज्ञानेंद्र तिवारी सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व जल दिवस पर किया गया जागरूक

जगदीशपुर (अमेठी): भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन के तहत रविवार को जगदीशपुर स्थित सीटेड सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एंड इंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट परिसर में विश्व जल दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 50 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्षता करते हुए उदयनाथ मिश्रा ने कहा कि जल जीवन का आधार है और इसका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने शुद्ध पेयजल के महत्व और जल स्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया। कार्यक्रम समन्वयक शिवम तिवारी ने जल जनित रोगों से बचाव की जानकारी दी, वहीं विषय विशेषज्ञ ए.के. श्रीवास्तव ने जल संरक्षण की परंपराओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने जल संरक्षण और जल के दुरुपयोग को रोकने की शपथ ली।

शिया समुदाय ने काली पट्टी बांधकर अदा की नमाज

मुसाफिरखाना (अमेठी): शनिवार को मुसाफिरखाना क्षेत्र के भनौली गांव में ईद की नमाज़ ग़मगीन माहौल के बीच अदा की गई। गांव स्थित जामा मस्जिद इमामबाग में सुबह 9 बजे शिया मुस्लिम समुदाय ने नमाज़ पढ़ी, जिसमें लोगों ने काली पट्टी बांधकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली ख़ामेनई की शहादत की याद में इस बार शिया समुदाय ने ईद सादगी के साथ मनाने का निर्णय लिया। नमाज़ की इमामत पेश इमाम मौलाना गौहर अब्बास ने की और ख़ुतबा दिया। अपने संबोधन में उन्होंने अयातुल्लाह अली ख़ामेनई के विचारों और संदेशों को साझा करते हुए अमेरिका और इजराइल की नीतियों का विरोध जताया। इस मौके पर बड़ी संख्या में अकीदतमंद आदि मौजूद रहे।

बारिश और तेज हवाओं से फसलों को नुकसान

किसानों की बढ़ी चिंता: फसल के दानों के भराव में आएगी कमी और कटाई में भी पैदा होगी दिक्कत

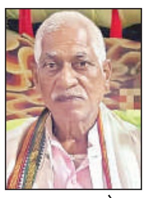

नन्द कुमार पाण्डेय।

सुमित तिवारी।

सिंहपुर (अमेठी)

अमृत विचार। शुक्रवार रात्रि और शनिवार शाम को हुई असमय बारिश तथा तेज हवाओं ने क्षेत्र के किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। खेतों में तैयार खड़ी फसलें मौसम की मार से बुरी तरह प्रभावित हुई हैं, जिससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं की फसल लगभग पककर कटाई के लिए तैयार हो रही थी, लेकिन तेज हवा के कारण फसल खेतों में गिर गई। फसल गिरने से दानों के भराव में कमी आएगी और कटाई में भी दिक्कत होगी, जिससे उत्पादन घटने की आशंका है। वहीं, जिन किसानों ने सरसों की फसल काटकर खेतों में सुखाने के लिए छोड़ रखी थी, उनकी फलियां बारिश के चलते चटकने लगीं। इससे सरसों के दाने जमीन पर गिरकर खराब हो रहे हैं, जिससे किसानों को सीधा नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा टमाटर की फसल पर भी मौसम का असर देखने को मिला है। तेज हवा के कारण कई जगहों पर टमाटर के पौधे टूट गए और फल जमीन पर गिर गए, जिससे उत्पादन में कमी की संभावना है। सब्जी उत्पादक किसानों के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक बनी हुई है।

मौसम में आए बदलाव के बाद परेशान किसान नंद कुमार पाण्डेय, सुमित तिवारी, राजेश तिवारी, राम प्रकाश, कुलदीप दुबे, जगजीवन प्रसाद, सुनील सिंह और परमेश्वर दुबे सहित अन्य किसानों ने बताया कि इस समय आई बारिश ने उनकी उम्मीदों को झटका दिया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि फसलों के नुकसान का शीघ्र आकलन कर उचित मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

बारिश होने से खेतों में गिरी गेहूं की फसल। अमृत विचार

हर घर नल-हर घर जल योजना हो गई फेल पिछले तीन साल से सूखी पड़ीं टोंटियां

संग्रामपुर, अमृत विचार। अमेठी जिले के विकास खंड संग्रामपुर क्षेत्र अंतर्गत चरई का तारा मजरा बड़गांव में 'हर घर नल-हर घर जल' योजना धरातल पर पूरी तरह फेल नजर आ रही है। योजना के तहत घर-घर लगाई गई पानी की टोंटियां पिछले तीन वर्षों से सूखी पड़ी हैं, जिससे सैकड़ों परिवार पेयजल संकट से जूझ रहे हैं बताया जा रहा है कि यह पूरी बस्ती दलित समुदाय की है, जहां जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाकर घरों में नल तो लगा दिए गए, लेकिन आज तक उनमें पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी। वैकल्पिक जल स्रोत न होने के कारण ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है स्थानीय निवासी हरकेश सरोज ने बताया कि करीब तीन वर्ष पहले गांव में सड़कों को खोदकर पाइपलाइन डाली गई और घरों में नल कनेक्शन भी दिए गए, लेकिन अब तक एक बूंद पानी नहीं आया। वहीं रमेश ने बताया कि कनेक्शन नंबर तक आवंटित कर दिए गए हैं, लेकिन जल आपूर्ति शुरू नहीं की गई है ग्रामीणों—जीवनलाल कोरी, राजकली कोरी, मालती कोरी, राम बहादुर कोरी और भगवती कोरी—ने संबंधित विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि योजना का लाभ कागजों तक ही सीमित है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई करते हुए जल्द से जल्द पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

सड़क का निर्माण शुरू होने पर ग्रामीणों ने जताया आभार

शुरू हुआ सड़क के डामरीकरण का कार्य। अमृत विचार

मुंशीगंज (अमेठी)

अमृत विचार का असर

अमृत विचार। रायबरेली-सुल्तानपुर राजमार्ग से बना लिंक रोड जो दर्शनपुर- भूपतिपुर होते हुए रामनगर में अमेठी मुसाफिरखाना राजमार्ग को जोड़ता है। यह मार्ग विगत कई महीनो से जर्जर अवस्था में था और यहां से गुजरने वाले हजारों ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बना था। ग्रामीणों ने कई बार मार्ग के सुदृढ़ीकरण की आवाज उठाई 3 जनवरी को "अमृत विचार "ने भी इस खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया खबर का असर भी दिखा और जर्जर मार्ग का निर्माण शुरू हो गया है। सड़क निर्माण शुरू होने से आसपास एवं क्षेत्र के निवासियों ने हर्ष जताया तथा अमृत विचार अखबार को धन्यवाद दिया। शिक्षक प्रवीण मिश्र, नेता बृजेश यादव, युवा कवि हिमांशु प्रखर , ग्रामीण पंकज यादव,राहुल शुक्ला, अनिल यादव, प्रेमपाल ,टिंकू पाल , नंदलाल मिश्रा, अतुल आदि ने मार्ग के निर्माण शुरू होने पर स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया।

दहेज की मांग पर विवाहिता का उत्पीड़न, तीन पर केस दर्ज

शुकुल बाजार (अमेठी)

कार्रवाई

- हसनपुर तिवारी गांव की पीड़िता की तहरीर पर जांच शुरू

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के हसनपुर तिवारी गांव की एक विवाहिता की तहरीर पर पुलिस ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता दीपा पत्नी पिंटू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी 20 मई 2021 को थाना जामो क्षेत्र के पूरे दाहपेल गांव निवासी पिंटू पुत्र संतराम के साथ हिन्दू रीति-रिवाज से हुई थी। शादी में मायके पक्ष ने अपनी हैसियत के अनुसार नगदी और घरेलू सामान दिया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति पिंटू, ससुर संतराम और ननद रिंकू दहेज में अपाची मोटरसाइकिल की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित करने लगे। मांग पूरी न होने पर उसे ताने दिए जाते थे और विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट की जाती थी। पीड़िता के अनुसार गर्भावस्था के दौरान भी उसके साथ उत्पीड़न किया गया। बच्चे के जन्म के कुछ दिन बाद ही ससुराल पक्ष के लोगों ने उसके साथ मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया और उसके जेवर व अन्य सामान अपने पास रख लिया।

विवाहिता का आरोप है कि अब ससुराल पक्ष उसे घर में रखने से इनकार कर रहा है और जान से मारने की धमकी दे रहा है। थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर पति समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट और धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

आरोग्य मेले में 1702 मरीजों का उपचार

जामो (अमेठी)

अमृत विचार। रविवार को अमेठी जिले के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में मरीजों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कुल 1702 मरीजों की जांच की गई और उनका उपचार किया गया। वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह ने हरदो और भटगवा में आयोजित स्वास्थ्य मेलों का निरीक्षण किया।

सीएमओ ने वहां की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान सभी स्वास्थ्य अधिकारी और कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर पूरी तरह मुस्तैद पाए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि मेले में कुल 738 पुरुषों का इलाज किया गया। इसके साथ ही 794 महिलाओं और 170 बच्चों को भी विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। जांच के दौरान सात गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार के लिए उच्च स्वास्थ्य केंद्रों पर तुरंत भेजा गया। यह सुनिश्चित किया गया कि उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को उनके घर के नजदीक ही बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे मेले दूरदराज के इलाकों में चिकित्सा पहुंच बढ़ाते हैं।

मेले का निरीक्षण करते सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह। अमृत विचार

आयोजन

मेले में आयुष्मान भारत योजना के तहत 63 पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड बनाए गए। इस विशाल मेले के सफल संचालन के लिए पर्याप्त संख्या में स्टाफ तैनात किया गया था। इसमें कुल 55 डॉक्टरों और 258 सहायक चिकित्सा कर्मचारियों को शामिल किया गया। इन सभी ने मिलकर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कीं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ाना है। लोगों को उनके घर के पास ही गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना इसका प्राथमिक लक्ष्य है।

सुलह का दबाव बनाने पहुंचे आरोपी ने पीड़ित परिवार से की मारपीट, केस दर्ज

शुकुल बाजार (अमेठी) अमृत विचार। थाना क्षेत्र में पुराने मुकदमे में सुलह कराने का दबाव बनाने और विरोध करने पर पीड़ित परिवार के साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना बाजार शुकुल क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि करीब तीन वर्ष पूर्व विशेष समुदाय के मो. कलीम पुत्र मो. कयूम निवासी पूरे गुमान मजरे दक्खिनगांव क्यार उसकी बेटी को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया था। इस मामले में पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपी जेल भेजा गया था और न्यायालय में मुकदमा विचाराधीन है। पीड़ित का आरोप है कि मुकदमे में सुलह कराने के लिए आरोपी लगातार गांव और रिश्तेदारों के माध्यम से दबाव बना रहा है। सुलह न करने पर आरोपी द्वारा परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। पीड़ित के अनुसार शनिवार शाम करीब 4 :30 बजे आरोपी मो. कलीम मोटरसाइकिल पैशन प्रो से उसके घर पहुंचा और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए मुकदमे में सुलह करने का दबाव बनाने लगा। जब पीड़ित ने सुलह से इनकार किया तो आरोपी कुछ देर बाद अपने एक साथी के साथ दोबारा पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए डंडे से मारपीट कर दी। साथ ही जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गया। मामले में पीड़ित ने थाना बाजार शुकुल पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं थानाध्यक्ष विवेक वर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रिश्वत मांगने को लेकर डीएम से शिकायत

संग्रामपुर (अमेठी) अमृत विचार। संग्रामपुर विकास खंड के ग्राम भौसिंहपुर निवासी विकास सिंह ने राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए जिलाधिकारी से लिखित शिकायत की है। पीड़ित ने राजस्व निरीक्षक पर अवैध कब्जा हटाने के नाम पर 50 हजार रुपये रिश्वत मांगने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि गाटा संख्या 24 की भूमि पर गांव के ही एक व्यक्ति ने अवैध कब्जा कर रखा है। कई बार शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। पीड़ित के अनुसार 17 मार्च को तहसील स्तर पर टीम गठित कर 18 मार्च को कब्जा हटाने की तिथि तय की गई थी, लेकिन मौके पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। विकास सिंह ने आरोप लगाया कि वह अब तक 7,500 रुपये दे चुका है, फिर भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने डीएम से निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

भगवान श्रीराम ने बाल्यावस्था से ही असुरों का नाश किया: निर्मेश शुक्ला

शुकुल बाजार (अमेठी)। क्षेत्र के हसनपुर स्थित बाबा ब्रह्देव मंदिर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन राम के जन्म होते ही पंडाल में प्रभु श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। कथावाचक निर्मेश शुक्ला ने कहा कि भगवान का जन्म असुरों और पापियों का नाश करने के लिए हुआ था। भगवान राम ने बाल्यावस्था से ही असुरों का नाश किया। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का जीवन चरित्र अनंत सदियों तक चलता रहेगा। राम कथा में पिता के प्रति मां के प्रति और भाई के प्रति प्रभु राम का जो स्नेह प्रेम रहा सदा सदा के लिए अमर है। निर्मेष ने कहा कि राजा दशरथ के संतान न होने के कारण अपने कुलगुरु वशिष्ठ के पास जाते हैं। जहां वशिष्ठ द्वारा श्रृंगी ऋषि से शुभ पुत्र कामेष्टि यज्ञ करवाते है। यज्ञ कुंड से अग्नि देवता का प्रकट होकर राजा दशरथ को खीर प्रदान करते हैं। जिसके बाद राजा दशरथ द्वारा तीनों रानियों कौशल्या, कैकई और सुमित्रा को खीर देते है। उस खीर के खाने से तीनों रानियों को भगवान राम सहित भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म होता है।उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन चरित्र अनंत काल तक सुना व प्रेरित करता रहेगा. राम कथा में पिता, मां और भाई के प्रति प्रभु का जो स्नेह प्रेम रहा, वह सदा के लिए अमर है। इस अवसर पर रवि तिवारी, ,संगम,सत्यम,रामजस ,राम प्रसाद शिव प्रसाद , दिलीप कुलदीप आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

हिंगलाज धाम में कन्या भोज का हुआ आयोजन

मुसाफिरखाना (अमेठी) अमृत विचार। क्षेत्र के दादरा गांव स्थित प्रसिद्ध पौराणिक हिंगलाज धाम पर रविवार को विशाल कन्या भोज का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में उपस्थित कन्याओं का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें भोजन प्रसाद ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां हिंगलाज की पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद छोटी-छोटी कन्याओं को देवी स्वरूप मानते हुए उनका तिलक, आरती एवं चरण पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरी श्रद्धा के साथ कन्याओं को प्रसाद स्वरूप भोजन कराया और उन्हें वस्त्र एवं उपहार भेंट किए। कार्यक्रम के आयोजक उन्नाव निवासी इलाहाबाद बैंक के चीफ मैनेजर संजय सिंह ने अपनी पत्नी पूनम सिंह के साथ मिलकर आयोजन कराया। उन्होंने बताया कि कन्या भोज भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण परंपरा है, जिसमें नवरात्रि एवं अन्य धार्मिक अवसरों पर कन्याओं को देवी का रूप मानकर उनका सम्मान किया जाता है। इस अवसर पर पूर्व प्रधान कृपाशंकर सिंह, अंजनी श्रीवास्तव, विजय सिंह मिंटू, सर्वेश सिंह, धर्मेन्द्र, दुर्गेश तिवारी, सुनील श्रीवास्तव, आदित्य श्रीवास्तव, प्रशांत श्रीवास्तव, लकी सिंह रहे।

कन्या पूजन में प्रसाद चखते बच्चे।

श्रीमद्भागवत कथा सुनने को उमड़े भक्त

रायबरेली। राही ब्लॉक के झकरासी गांव मे श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा के तीसरे दिन गांव व आसपास के लोगो का भारी सैलाब उमर पडा। कथा व्यास अवधूता छतरपुर मध्य प्रदेश से पधारे परम पूज्य गुरू राजन जी महराज ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा का बखान करते हुए गोकर्ण धुंधुकारी की कथा भक्तो को का श्रवण करई। भजनों की सुर मधुर धुन से पूरा पंडाल झूम उठा। उन्होंने कहा कि जीवन में सत्य, प्रेम करुणा, ज्ञान, कर्म, भक्ति जहां भक्ति है वहां भगवान पहुंच ही जाते हैं। गोकर्ण की कथा धुंधकारी मोक्ष की कथा राम अवतार की कथा व महाभारत का वर्णन किया।

गले मिलकर दी गई ईद की बधाई

संवाददाता, अमेठी

पर्व

अमृत विचार। जिले भर में शनिवार को ईद का त्योहार हर्षोल्लास और खुशी के माहौल में मनाया गया। ईदगाह पर नमाज के दौरान बारिश होने से नमाजी भीगते रहे। जिले के जायस, जगदीशपुर, शुकुल बाजार, महोना, अमेठी, सिंहपुर, मोहनगंज, गौरीगंज, फुरसतगंज, मुसाफिरखाना की ईदगाह सहित अलग अलग मस्जिदों निर्धारित समय पर पाकीजगी के बाद ईदुल फितर की नमाज अदा की गई। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

ईद की नमाज के लिए सुबह से ही नमाजी नए लिबास हनकर तैयारियों में जुटे रहे और ईदगाह पहुंचकर नमाज अदा की। नमाज के बाद आपसी भाईचारा, देश अमन चैन और मुल्क की तरक्की की दुआ मांगी गई। सुरक्षा की दृष्टि से ईदगाह सहित विभिन्न मस्जिदों के आसपास में पुलिस बल तैनात किया गया। ईदगाह के चारो तरफ सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कर्मचारी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करते दिखाई दिए।नमाज के बाद जायस में डीएम संजय चौहान, एसपी सरवन टी सांसद किशोरी लाल शर्मा व एसडीएम सी .ओ.अन्य अधिकारियों ने ईदगाह पहुंचकर लोगों को ईद की मुबारकबाद दी। ईदुल फितर की नमाज में जुटने वाली भीड़ को देखते हुए लोग सुबह सात बजे से ही ईदगाह पहुंचने लगे थे, वहीं बुजुर्ग और लाचार लोग मस्जिद दाखिल हो गए। ईद के चलते ईदगाह सहित मस्जिदों में भारी हुजूम उमड़ पड़ा। दुआ के बाद सभी लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर ईद त्योहार की मुबारकबाद दी। वाट्सएप और फेसबुक और मोबाइल पर सारा दिन ईद की मुबारकबाद देने का सिलसिला चलता रहा। ईदुल फितर की नमाज के बाद एक दूसरे के घरों में जाकर लोगों ने सिवई खाई और गले मिलकर, एक दूसरे को ईद त्योहार की मुबारकबाद दी। ईद पर्व के मौके पर जगदीशपुर विधान सभा के कांग्रेस प्रत्याशी विजय पासी, नईम नेता हजारों की संख्या में मौजूद रहे।

एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की बधाई देते कांग्रेसी नेता विजय पासी व अन्य।

कालिकन धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

संग्रामपुर (अमेठी)

अमृत विचार। चैत्र नवरात्र के चौथे दिन रविवार को मां दुर्गा के चौथे स्वरूप मां कूष्मांडा की पूजा-अर्चना के लिए संग्रामपुर स्थित कालिकन धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह की आरती में सैकड़ों भक्त शामिल हुए और पूरे मंदिर परिसर में भक्ति का माहौल बना रहा।

श्रद्धालु हाथों में नारियल, चुनरी, पुष्प माला और कालिकन धाम के प्रसिद्ध छोटे-छोटे पेड़े लेकर मां कालिका के चरणों में अर्पित करने के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आए। मान्यता है कि मां कूष्मांडा अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना करने वाली देवी हैं, जिनकी पूजा करने से सभी रोग और शोक दूर हो जाते हैं।कालिकन धाम के पीठाधीश्वर श्री महाराज ने बताया कि नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की विशेष पूजा का विधान है। उन्होंने कहा कि सच्चे मन से मां की आराधना करने पर भक्तों के जीवन से कष्ट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही नारियल और चुनरी अर्पित करना विशेष फलदायी माना जाता है।पूरे दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा और भक्तिभाव के साथ मां के जयकारों से वातावरण गुंजायमान होता रहा।

दर्शन के लाइन में लगे श्रद्धालु।

आयोजन

पुरुषों के साथ शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर कलश रखकर करतीं रहीं भजन-कीर्तन

भक्तिमय माहौल के बीच श्रद्धालुओं ने निकाली कलश यात्रा

शिवगढ़ (रायबरेली)

अमृत विचार। शिवगढ़ नगर पंचायत के सरांय छात्रधारी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा के उपलक्ष्य में रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान क्षेत्र में भक्तिमय का माहौल देखने को मिला शोभायात्रा में महिलाएं सिर पर कलश रखकर भजन-कीर्तन करते हुए चल रही थीं, वहीं पुरुष श्रद्धालु भी जयकारों के साथ शोभायात्रा में शामिल रहे। कथा का आयोजन सदाशिव कश्यप व शिव भोला कश्यप ने बताया कि 22 मार्च से 29 मार्च तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक कथा का आयोजन किया जाएगा। कथा वाचन के लिए अयोध्या से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक पंडित देवेंद्र अवस्थी जी महाराज अपनी अमृतमयी वाणी से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराएंगे।

कलश यात्रा नगर पंचायत में भ्रमण करते हुए कथा स्थल पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। आयोजन को लेकर क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

गंगा यात्रा का हुआ जोरदार स्वागत, लालगंज: सनातनी गंगा फाउंडेशन के नेतृत्व में पहुंची गंगा यात्रा का चेयरमैन सरिता गुप्ता और कांग्रेस के जिला कोषाध्यक्ष दीपेंद्र गुप्ता ने स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रांतीय परिषद सदस्य सुशील शुक्ला सहित व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष रोहित सोनी, व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा, महामंत्री शिवम गुप्ता, कौशलेंद्र कंचन, शीलू त्रिवेदी, पुष्कर कृष्णा गुप्ता, बबलू सोनी, पप्पू सोनी, रामसेवक सोनी, रामबाबू सोनी, गुलाब गुप्ता, शुभम सोनी, हंसराज विश्वकर्मा, सुनील मिश्रा आदि गंगा प्रेमियों ने भी गंगा यात्रा का स्वागत किया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष रोहित सोनी, विवेक तिवारी, बीपी सिंह, राजेश डोगरा, शैलेश चंद्र गिरी,धनंजय मिश्रा, सोनी चौरसिया आदि लोग शामिल रहे।

गंगा यात्रा का स्वागत करतीं नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता।

काशी विश्वनाथ-मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का जत्था रवाना, शिवगढ़: शिवगढ़ नगर पंचायत स्थित प्रसिद्ध श्री बरखण्डीनाथ महादेव मन्दिर परिसर से रविवार को हर-हर महादेव के गगनभेदी जयकारों के साथ श्रद्धालुओं का जत्था बाबा काशी विश्वनाथ एवं मां विंध्यवासिनी धाम के लिए रवाना हुआ। समाजसेवी राज भैया उर्फ राज दीक्षित हरियाणा वाले के नेतृत्व में जत्था रवाना हुआ। राज दीक्षित ने बताया कि काशी पहुंचकर श्रद्धालु बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के साथ ही संध्याकालीन गंगा आरती में शामिल होंगे। इसके उपरान्त काशी के कोतवाल माने जाने वाले कालभैरव के दर्शन भी करेंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार की सुबह पुनः कालभैरव के दर्शन करने के बाद श्रद्धालुओं का जत्था मां विंध्यवासिनी धाम के लिए रवाना होगा, जहां मां विंध्यवासिनी के दर्शन के साथ अन्य प्रमुख मंदिरों में भी पूजन-अर्चन करेंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। दर्शनार्थियों की टोली में मौके पर कन्हैया अवस्थी, अमित मिश्रा, नीरज अवस्थी, छोटू द्विवेदी, विकास गुप्ता आदि लोग शामिल रहे।

अगर आप नीचे की ओर देख रहे हैं, तो आपको कभी इंद्रधनुष नहीं मिलेगा।
-चार्ली चैपलिन, हॉलीवुड अभिनेता

इस छूट के मायने

अमेरिका द्वारा ईरान से सीमित अवधि के लिए तेल खरीद की छूट विरोधाभासी है। जिस देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके तेल राजस्व को रोकने की कोशिश की गई, उसी को अचानक "राहत" क्यों? यह निर्णय किसी उदारता से अधिक जटिल भू-राजनीतिक गणित का परिणाम है। लक्ष्य है ऊर्जा बाजार को तात्कालिक झटके से बचाना, आपूर्ति की कमी से कीमतों को काबू में रखना और समुद्र में फंसा तेल चीन की ओर न चला जाए इसकी व्यवस्था। इसीलिए विरोधाभास से आंखें मूंदकर यह फैसला लेना पड़ा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य पश्चिम एशिया में तनाव, शिपिंग जोखिम और रूस-यूक्रेन युद्ध ने तेल गैस आपूर्ति को इतना संवेदनशील बना दिया कि इस मामले ऐसी रियायत देनी पड़ी। सीमित समय सीमा मात्र इसलिए ताकि यह "नियंत्रित वाल्व" की तरह काम करे। थोड़ी अतिरिक्त आपूर्ति आए, तेल बाजार में कीमतें नरम पड़ें, पर स्थायी ढील न बने, पर इससे कीमतें लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रहने वाली।

समुद्र में फंसे लगभग 170 मिलियन बैरल तेल को बाजार तक लाने से अल्पकालिक राहत ही मिलेगी स्थायी समाधान नहीं। अगर भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है, तो यह राहत कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों से ज्यादा टिकाऊ नहीं होगी। ऊपर से ईरान का यह कहना कि उसके पास "सरप्लस तेल नहीं है", संकेत देता है कि उपलब्ध अतिरिक्त आपूर्ति सीमित है या तो तेल पहले ही अनुबंधित है या ऐसे व्यवस्थागत ढांचे में है, जिसे तुरंत मोड़ा नहीं जा सकता। इससे वास्तविक आपूर्ति बनाम अपेक्षा के बीच अंतर पैदा होगा, जो कीमतों में अस्थिरता बनाए रख सकता है। रूस पर प्रतिबंध और ईरान को छूट की दोहरी नीति का आरोप अमेरिका पर भले लगे, लेकिन व्यवहार में यह परिस्थिति-आधारित रणनीति है। रूस के मामले में उद्देश्य उसके युद्ध वित्त को बाधित करना था, वहीं ईरान के मामले में लक्ष्य तत्काल आपूर्ति झटके को कम करना और ईरानी तेल तक चीन की निर्बाध पहुंच को संतुलित करना है। यानी यहां सिद्धांत नहीं, हित-आधारित लचीलापन काम कर रहा है। भुगतान और लेन-देन की शर्तें महत्वपूर्ण होंगी।

व्यवहार में कई शर्तें वॉशिंगटन की रूपरेखा के अनुसार होंगी। अमेरिकी निगरानी में लेन-देन होने से डॉलर, यूरो या विशेष एस्क्रो व्यवस्थाएं अपनाई जा सकती हैं। "शैडो फ्लीट" पर लदे तेल के कारण बीमा, ट्रैकिंग और भुगतान जोखिम बढ़ते हैं, इसलिए खरीदार देशों को प्रशासनिक अनुपालन और जोखिम प्रबंधन में सावधानी रखनी होगी। भारत के लिए यह अवसर के साथ परीक्षा भी है। भारतीय रिफाइनरियां सीमित मात्रा में ईरानी ग्रेड्स, जो तकनीकी रूप से उपयुक्त और कभी-कभी प्रतिस्पर्धी कीमत पर मिलते हैं, उसका लाभ उठा सकती हैं, पर उन्हें अमेरिकी दिशा-निर्देशों, भुगतान चैनलों और बीमा शर्तों का पालन करना ही होगा। रूस के तेल की तुलना में ईरानी तेल हर बार सस्ता हो, यह तय नहीं, पर लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता और अनुबंध शर्तों के आधार पर यह आकर्षक विकल्प बन सकता है। भारत को चाहिए कि वह इस मौके का उपयोग आपूर्ति विविधीकरण, रणनीतिक भंडार और नवीकरणीय ऊर्जा में तेज निवेश के साथ करे। क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा का स्थायी उत्तर बाजार की दया पर नहीं, नीतिगत दूरदृष्टि और आत्मनिर्भरता पर टिका होता है।

प्रसंगवश

शहीद दिवस: क्या राष्ट्रप्रेम अब प्रतीक भर रह गया है

अरविंद रावल
लेखक

भारत हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाता है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा में अंकित वह क्षण है, जब भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर इतिहास को अमर कर दिया। आज, जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पार कर चुका है, एक असहज प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि क्या हम उस बलिदान की अग्नि को अपने भीतर जीवित रख पाए हैं या वह केवल औपचारिक स्मरण तक सिमट गई है? आधुनिक भारत की हाईटेक और डिजिटल होती पीढ़ी के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आजादी कोई उपहार नहीं थी। यह उन अनगिनत क्रांतिकारियों की कीमत पर मिली, जिन्होंने अपने जीवन, अपने सपने और अपने परिवार तक को राष्ट्र के चरणों में समर्पित कर दिया।

भगत सिंह महज 23 वर्ष के थे, जब उन्होंने फांसी को गले लगाया। यह वही उम्र है, जब आज का युवा अपने करियर, सुविधाओं और निजी आकांक्षाओं के बारे में सोचता है। ऐसे में यह तुलना स्वयं में एक प्रश्न बन जाती है कि क्या हमारे समय का युवा उस युग के युवा के समान अर्थ रखता है? साइमन कमीशन के विरोध में लाला लाजपत राय पर हुए निर्मम लाठीचार्ज और उनकी मृत्यु ने भारतीय युवाओं के मन में क्रांति की ज्वाला भड़का दी। इसी ज्वाला का परिणाम था सांडर्स वध, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को यह संदेश दिया कि भारत का युवा अब अन्याय सहने को तैयार नहीं है। इसके बाद केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने की घटना, जिसे भगत सिंह ने "बहरों को सुनाने का प्रयास" बताया था। सिर्फ एक विस्फोट नहीं था, बल्कि विचारों का उद्घोष था। बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर उन्होंने गिरफ्तारी दी ताकि उनका संदेश पूरे देश में गूंज सके। जब अंग्रेजी हुकूमत ने इन युवाओं को फांसी की सजा सुनाई, तब पूरा देश उनके समर्थन में खड़ा हो गया। चंद्रशेखर आजाद ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, परंतु अल्फ्रेड पार्क में लड़ते हुए उन्होंने भी अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अंततः 23 मार्च 1931 की शाम, नियत तिथि से पहले ही, अंग्रेजों ने भयवश तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दे दी। यह केवल तीन व्यक्तियों की मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक राष्ट्र की चेतना और भी अधिक जागृत हो उठी। आज स्थिति बदल चुकी है। राष्ट्रप्रेम अब कई बार प्रतीकों और अवसरों तक सीमित दिखाई देता है। सोशल मीडिया के स्टेटस, औपचारिक समारोह और दो चार देशभक्ति गीतों तक। सबसे अधिक चिंताजनक यह है कि समाज में एक विभाजनकारी मानसिकता पनप रही है, जहां समृद्ध वर्ग अपने बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक भविष्य चाहता है, जबकि सीमाओं की रक्षा का दायित्व मानो केवल सामान्य या मध्यम वर्ग पर छोड़ दिया गया है। यह सोच न केवल असंतुलित है, बल्कि राष्ट्र की एकता के लिए भी खतरा है।

राष्ट्रप्रेम कोई अवसर विशेष की भावना नहीं, बल्कि एक सतत चेतना है। यह जाति, धर्म, वर्ग और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का दृष्टिकोण है। यदि आज की पीढ़ी इस मूल भावना से दूर होती गई, तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्र का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है। इसलिए, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद और रामप्रसाद बिस्मिल जैसे अमर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। शहीद दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह देखने का कि क्या हम उस स्वतंत्रता के योग्य नागरिक बन पाए हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद दिवस हमें इतिहास को याद करने के साथ-साथ वर्तमान को परखने और भविष्य को दिशा देने का अवसर देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

नाटो से बाहर हो सकता है अमेरिका

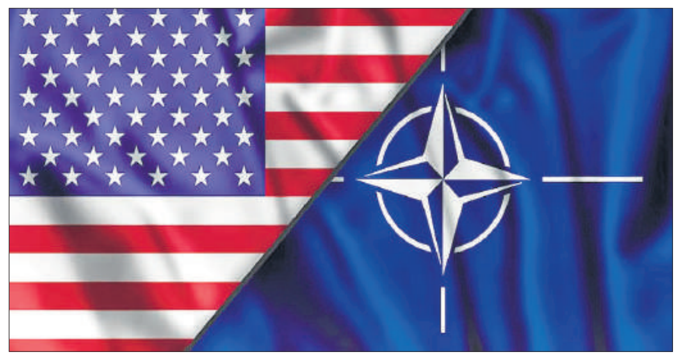

नवीन गुप्ता
बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी और अब ईरान पर हमला करके उन्होंने खाड़ी देशों को युद्ध की आग में झोंक दिया। वे यहीं नहीं रुके हैं। उनका अगला निशाना क्यूबा और ग्रीन लैंड होगा। यह बात पूरी दुनिया को पता है। यही वजह है कि नाटो के सदस्य देश अब न सिर्फ ट्रंप की मनमानी को रोकना चाहते हैं, बल्कि खुद की सैन्य शक्ति को बढ़ाकर रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। ईरान की बढ़ती आक्रमकता के बाद ट्रंप ने नाटो सदस्य देशों से अपने युद्धपोत होर्मुज में भेजने के लिए कहा था, पर सबने मनाकर दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आए और उन्होंने अपने बेस से ईरान पर हमले की इजाजत ट्रंप को देदी।

परिणाम यह हुआ कि ईरान ने डिएगो गार्सिया पर हमला कर यह बता दिया कि जो भी देश अमेरिका के साथ खड़ा होगा उसके वहां उसकी मिसाइलें गिरेंगी और तबाही मचाएंगी। डिएगो गार्सिया पर चार हजार किलोमीटर लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल से ईरान के प्रहार ने न सिर्फ नाटो देशों में सकते में ला दिया है, बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि अमेरिका और इजरायल ने अब बड़ी गलती कर दी है, क्योंकि ईरान का मकसद अब युद्ध को न सिर्फ लंबा खींचना है, बल्कि एक के बाद एक अमेरिकी सहयोगी देश पर हमला करके इस युद्ध को व्यापक बनाना है। यही वजह है कि अब नाटो बिखरता हुआ दिख रहा है और ट्रंप नाटो से बाहर आने के संकेत दे रहे हैं।

हमले से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान परमाणु बम बनाने के करीब है। यदि वह परमाणु बम का परीक्षण कर लेगा तो फिर इसके दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतने होंगे। उन्होंने इसका डर अमेरिकी जनता के साथ ही यूरोपीय और खाड़ी देशों को भी दिखाया। जबकि पिछले साल जब अमेरिका और इजराइल ने हमला किया था, तो यह दावा किया था कि उसकी एयर स्ट्राइक में ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जबकि अमेरिकी सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी को दी गई अपनी लिखित गवाही में अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने यह स्वीकार किया है कि 2025 में अमेरिका और इजरायल के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता पूरी तरह नष्ट हो गई थी। परिणाम स्वरूप ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को दोबारा शुरू करने की कोई ठोस कोशिश नहीं की। इस रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति ट्रंप आलोचनाओं में घिर गए हैं, पर वे युद्ध की इस कार्रवाई को सही ठहराने में जुटे हैं।

अमेरिकी नागरिक और वहां के थिंक टैंक का आरोप है कि इजरायल के प्रधानमंत्री के कहने पर ट्रंप ने अमेरिका को बिना वजह युद्ध में शामिल किया। इस बात की कसक फ्रांस समेत कई नाटो देशों को भी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो का गठन जब हुआ था तब तय किया गया था कि नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो सदस्य देश उसकी मदद को आगे आएंगे। तुर्किए नाटो का सदस्य है।

अमेरिका और इजराइल के हमले के बाद ईरान ने तुर्किए पर मिसाइल व ड्रोन से प्रहार किया, लेकिन एक भी नाटो सदस्य देश उसके बचाव में आगे नहीं आया। यहां तक कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान द्वारा तेल और गैस लदे जहाजों पर हमले के बाद भी फ्रांस, जर्मनी, जापान और ग्रीस जैसे देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने से मनाकर दिया। इन देशों को पता है कि यदि वे वहां अपने युद्धपोत भेजते हैं, तो ईरान जो हाल सऊदी अरब, कतर, बहरीन और यूएई का कर रहा है, वही उनका भी करेगा। ईरान उनके यहां भी एयरपोर्ट, सैनिक ठिकानों और रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले कर तबाही मचाएगा। इस तबाही की भरपाई मुश्किल होगी। डिएगो गार्सिया पर प्रहार से पहले ईरान के विदेश मंत्री ने ब्रिटेन को धमकी दी थी कि यदि वह अमेरिका की मदद करेगा, तो फिर इसका अंजाम बुरा होगा, लेकिन ब्रिटेन ने इस धमकी को नजरअंदाज किया। परिणाम स्वरूप डिएगो गार्सिया पर हमला करके ईरान ने बता दिया कि उसकी मिसाइलों की जद में फ्रांस, ब्रिटेन समेत तमाम नाटो देश हैं, जहां वह कभी भी हमला कर सकता है। हालांकि फ्रांस, ग्रीस, जर्मनी जैसे देश पहले ही डोनाल्ड ट्रंप से साफ कह चुके हैं कि वे इस युद्ध में अमेरिका की कोई मदद नहीं करेंगे।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस इनकार की कई वजहें हैं। ट्रंप अब मनमानी पर उतर आए हैं। वे फ्रांस, जापान समेत तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों को बात-बात पर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। नाटो से निकलने की धमकियां देते हैं और बिना वजह युद्ध करना चाहते हैं। ऐसे में कोई भी देश उनका साथ देने को तैयार नहीं है। रही बात इजराइल की तो वह इस्लामिक राष्ट्रों से घिरा हुआ है और उसे अपना अस्तित्व बचाना है इसलिए वह अमेरिका के साथ कोई भी युद्ध हो उसमें शामिल होगा।

नाटो देशों द्वारा मदद से इनकार से ट्रंप बौखलाए हुए हैं और नाटो का अस्तित्व समाप्त होने की धमकी दे रहे हैं, पर ब्रिटेन के अलावा कोई भी अन्य देश उनकी गीदड़ भभकी में नहीं आया। ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है और वह अंतिम दम तक लड़ेगा। युद्ध लंबा खिंचेगा तो इसके बारूद की आग कई और देशों को अपनी चपेट में लेंगी, जो किसी भी स्थिति में ठीक नहीं होगा। सदस्य देशों से नाराज डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नाटो से बाहर आने की फाइल पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं। ऐसी आशंका है।

> ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बड़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है।

आमने सामने

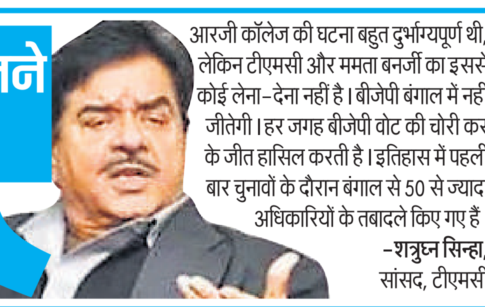

आरजी कॉलेज की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन टीएमसी और ममता बनर्जी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। बीजेपी बंगाल में नहीं जीतेगी। हर जगह बीजेपी वोट की चोरी कर के जीत हासिल करती है। इतिहास में पहली बार चुनावों के दौरान बंगाल से 50 से ज्यादा अधिकारियों के तबादले किए गए हैं।
-शत्रुघ्न सिन्हा, सांसद, टीएमसी

एसआईआर में जो वोट काटे गए, वे घुसपैठियों, दिवंगत लोगों के थे। वहां, एक आदमी कई वोट डालता था, एक आदमी के कई जगहों पर वोट थे। अगर ऐसे आदमी का वोट काटा गया, तो उन्हें क्या एतराज है? क्या आप बंगाल को बाकी भारत से अलग करना चाहते हैं? बंगाल के लोग सब देख रहे हैं और वहां बीजेपी की सरकार जरूर बनेगी। **- विजय कुमार शर्मा**, डिप्टी सीएम, छत्तीसगढ़

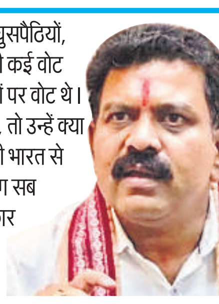

दिखावटी चुनाव में एक तानाशाह की बल्ले-बल्ले

डॉ. रमेश ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

2 करोड़ 66 लाख आबादी वाले अघोषित गुलाम मुल्क उत्तर कोरिया में 15 वें 'सुप्रीम पीपल्स असेंबली' के संपन्न दिखावटी चुनाव में भी किम जोंग उन ने एकतरफा जीत हासिल करके फिर से अपने तानाशाह होने का परिचय न सिर्फ अपने देशवासियों को, बल्कि समूचे संसार को दे दिया है। सभी 687 सीटों पर उनके समर्पित लोग जीते हैं। मौजूदा चुनाव में भी उनके सामने न कोई विपक्ष था और न ही कोई विरोधी? चुनाव में उन्होंने उम्मीदवार के रूप में अपने चपरासी, नौकर, जीजा, बहनें और जी-हुजूरी करने पार्टी कार्यकर्ता-कर्मचारियों को टिकट देकर उतारा था। चुनाव में किम जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो सन-हुईन और जीजा किम नॉउ व योंग-वोन भी जीते हैं। गठित कैबिनेट में इन चारों को बड़ी जिम्मेदारी देंगे किम जोंग।

उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब केवल कोरियाई आवाम के अनुशासन को चेक करना और सरकारी डेटा को अपडेट करना मात्र होता है। वहां जनता अपनी पसंद का न उम्मीदवार चुन पाती है और न वोट कर सकती है। वोट न करना देशद्रोह माना जाता है। नार्थ कोरियाई लोग किम जोंग का आदेश किसी भी सूरत में नहीं टालते। अगर वो कहें कि आज सूरज पूरब से नहीं पश्चिम से उगेगा, तो देशवासियों को हां में ही जवाब देना होता है। जब वो हंसते हैं, तो सबको हंसना पड़ता है। घर से दो दिन किसी को नहीं निकलना है, तो कोई नहीं निकलता। लॉकडाउन जैसी स्थिति वहां हो जाती है।

ऐसी अजीबोगरीब शर्तों को नार्थ कोरियाई आवाम को न चाहते हुए भी मानना पड़ता है। उत्तर कोरियाई का संसदीय चुनाव का इतिहास 1948 से रहा है। तब, वहां श्रमिक पार्टी, चोंडो ईस्ट चांगु पार्टी, कोरियाई लोकतांत्रिक पार्टी, श्रमिक जन पार्टी, पीपल्स रिपब्लिकन पार्टी व डेमोक्रेटिक इंडिपेंडेंट पार्टी की धूम होती थी, लेकिन अब सिर्फ और सिर्फ तानाशाह का ही चारों ओर बोलबाला है। वहां, पिछला संसदीय चुनाव 10 मार्च 2019 को हुआ था। परंपरा प्रत्येक 5 साल बाद चुनाव कराने की है, लेकिन हुए 7 साल बाद हैं।

इस चुनाव में आदेश था कि सभी सरकार के पक्ष में वोट करें, देशवासियों ने उनके आदेशानुसार वोट डाले। वोटर टर्नआउट 99.99 प्रतिशत रहा, जिनमें उनके पक्ष में रिकॉर्ड 99.93 प्रतिशत वोटिंग हुई। पंजीकृत मतदाताओं में केवल 0.0037 प्रतिशत वोटरों ने चुनावी प्रक्रिया में किसी कारण हिस्सा नहीं लिया, जिनमें ज्यादातर ऐसे लोग बताए जाते हैं, जो चुनाव के वक्त या देश से बाहर थे या हारी बीमारी से पीड़ित थे। सरकारी मीडिया एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक 516 लोगों ने वोट नहीं डाले, जिनकी खोज-पड़ताल जारी है। खोजने पर उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। घरों की तलाशी जारी है, हाथ पर लगे निशान की जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पूर्ववर्ती चुनावों की तरह इस बार भी तानाशाह शासक का बोलबाला पूरे संसदीय चुनाव के दौरान रहा।

गौरतलब चुनाव में अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनके पक्ष में वोट नहीं करता, उसे सेवा से बेदखल कर दिया जाता है। अगर पब्लिक ने वोट नहीं किया, तो उस पर देशद्रोह का मुकदमा करके सरेआम कोड़ों से पीटा जाता है। नार्थ कोरिया में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका या कोई ऐसे मुल्क जैसी व्यवस्था नहीं है कि विरोध में वहां के लोग 'जेन-जी' जैसा आंदोलन कर सके। ऐसा सपने में भी कोई नहीं सोच करता। सोचेगा तो उसे जिंदा गाड़ दिया जाता है। पिछले साल अगस्त-2025 का वाक्या है जब किम जोंन उन अपनी कैबिनेट की मीटिंग कर रहे थे, तभी बीच में एक कर्मचारी ने चाय पीने को लेकर उनसे पूछ लिया। सजा के तौर पर जोंन ने उनकी जुबान और दोनों हाथ कटवा दिए थे। मौजूदा 2026 का आम चुनाव भी उत्तर कोरिया के अनूठे राजनीतिक ढांचे को दर्शाता है कि जहां हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होता है, जो किम के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा पहले से ही चुन लिया जाता है। मतदान में उत्तर कोरिया के वोटर्स को सिर्फ हां या न कहने का अधिकार मिलता है। चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा नहीं होता। नॉर्थ कोरिया वैश्विक पटल से तकरीबन कटा हुआ है। उसे न अर्थव्यवस्था से मतलब है और न ही किसी किस्म की तरक्की से? अपने मन की हुकुमत किम जोंन चलाते हैं। किम जोंन न किसी मुल्क का दौरा करते हैं और न उनके यहां कोई राष्ट्राध्यक्ष जाता है। एकाध मर्तबा कोई पहुंचा भी, तो उसे सरेआम मारा-पीटा गया। कइयों को जान से भी हाथ धोना पड़ा? ग्लोबल स्तर पर बनीं तमाम कल्याणकारी समितियों का भी नॉर्थ कोरिया सदस्य नहीं है। उनके प्रतिनिधि भी कहीं प्रतिभाग नहीं करते।

नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है। इस दिशा में कुछ और भी राष्ट्राध्यक्ष चल पड़े हैं। तानाशाह शासक बेशक लोकतंत्र होने की दुहाई देते हों, लेकिन वो गुलाम बनाकर रखते हैं अपने आवाम को। नॉर्थ कोरियाई लोग कब तानाशाह से मुक्ति पाएंगे, ये सवाल भविष्य के गर्भ में सुरक्षित है। तारीख कौन सी मुकर्रर होगी, ये तो आने वाले समय ही बताएगा। नॉर्थ कोरियाई लोग ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। विश्व में जनसंख्या के मामले में 56 वें स्थान पर है। 2.66 लाख वाले इस मुल्क के लोगों को आजादी की सुबह कब होगी नसीब उसकी दुआ पूरा संसार करता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

> नॉर्थ कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है।

सोशल फोरम

सकारात्मक संकेत

आर एन शाही
गोरखपुर

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से ईरान और पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। ईरान इजरायल के कारण बढ़ते तनाव और क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थितियों ने भारत की प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति श्रृंखला को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। खाड़ी क्षेत्र के बढ़ते तनाव और हालिया क्षेत्रीय अस्थिरता से पहले, भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात के माध्यम से पूरी करता रहा है। भारत के प्रमुख गैस आपूर्ति भागीदारों में कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता (कुल आयात का लगभग 40-45 प्रतिशत रहा। यह पूरी आपूर्ति फिलहाल ठप है और बहाल होने में लंबा समय लगने की आशंका है, क्योंकि ईरानी हमले से इसके प्लांट संयंत्रों को भारी क्षति पहुंची है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी गैस आयात में भारी वृद्धि की है। ऑस्ट्रेलिया दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से एक स्थिर स्रोत बनकर उभरा है, जो लंबे समय तक राहत देगा। अन्य देशों में अंगोला, नाइजीरिया और ओमान जैसे देश हैं, जिनकी आपूर्ति जारी रहने वाली है। हालांकि भारत पाइपलाइन (आईपीआई पाइपलाइन) के माध्यम से ईरान से सीधे गैस नहीं ले पा रहा था, लेकिन ईरान 'फारस की खाड़ी' और 'होर्मुज जलडमरूमध्य का द्वार है, जहां से भारत की 60 प्रतिशत से अधिक गैस आपूर्ति गुजरती है। यह पूरी की पूरी आपूर्ति फिलवक्त अवरोध और अनियमितता का शिकार है। हालिया संघर्षों के कारण सीधे तौर पर गैस के कुओं से उत्पादन कम होने की अपेक्षा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स में बड़ी बाधाओं के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। अनुमान है कि लाल सागर और फारस की खाड़ी में तनाव के कारण भारत की कुल गैस आपूर्ति का लगभग 10-15 प्रतिशत हिस्सा अनिश्चितता के घेरे में आया है। मुख्य रूप से उन देशों से आने वाली सप्लाई प्रभावित हुई है, जो लाल सागर मार्ग का उपयोग करते हैं, जैसे कुछ यूरोपीय स्रोत और अल्जीरिया। युद्ध के खतरे के कारण जहाजों के समुद्री बीमा में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जिससे लैंडिंग लागत बढ़ गई है। भारत ने अपनी रणनीति को "विविधीकरण" पर केंद्रित किया है ताकि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए पश्चिम एशिया से हटकर अफ्रीका और अमेरिका की ओर रुख कर रहा है, जो भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह किसी भी सरकार के लिए चाहे भारत हो या चीन, जादू की छड़ी घुमाने जैसी कोई चमत्कारिक कार्यवाही नहीं है।

- फेसबुक वॉल से

सामयिकी

मार्च में सर्दी-गर्मी जलवायु परिवर्तन की चेतावनी

राजेश जैन
लेखक

प्रकृति का अपना एक निश्चित अनुशासन और संतुलन होता है। सदियों से पृथ्वी पर ऋतुओं का क्रम तय रहा है। वसंत की मधुरता, ग्रीष्म की तपिश, वर्षा की हरियाली, शरद की शांति, हेमंत की ठंडक और शीत ऋतु की सिहरन। भारत जैसे देश में यह ऋतुचक्र केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और कृषि व्यवस्था का आधार रहा है। किंतु हाल के वर्षों में यह संतुलन तेजी से बिगड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मार्च के तीसरे सप्ताह में मौसम के अचानक बदले स्वरूप ने इस असंतुलन को स्पष्ट कर दिया। हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। विशेष रूप से सरसों और गेहूं जैसी रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, क्योंकि यह समय उनके पकने का होता है। ऐसे में मौसम की थोड़ी-सी भी अनियमितता उत्पादन को सीधे प्रभावित करती है।

किसान अपनी खेती का समय ऋतुओं के अनुसार तय करता है और त्योहार व परंपराएं भी मौसम से गहराई से जुड़ी होती हैं, लेकिन जब मौसम ही अनिश्चित हो जाए, तो पूरी जीवन व्यवस्था प्रभावित होती है। यह असामान्य मौसम केवल संयोग नहीं, बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या जलवायु परिवर्तन का संकेत है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। रबी फसलों- जैसे गेहूं, चना और सरसों के लिए मार्च का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान तापमान अचानक बढ़ जाए, तो दानों का विकास प्रभावित होता है और उत्पादन घट जाता है। वहीं, अचानक बारिश, ठंड या ओलावृष्टि तैयार फसल को नष्ट कर सकती है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। अचानक बदलते मौसम के कारण शरीर को अनुकूलन का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे सर्दी-जुकाम, वायरल संक्रमण, एलर्जी और श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित होते हैं। कई बार अचानक बढ़ती गर्मी हीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं को भी जन्म देती है। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं भी इसी असंतुलन का संकेत हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात, जंगलों में आग और भूस्खलन जैसी घटनाएं अब अधिक बार देखने को मिल रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के प्रवाह और जलस्तर में बदलाव आ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो भविष्य में जल संकट और भी गहरा सकता है। इस असंतुलन के पीछे मानव गतिविधियों की बड़ी भूमिका है। बढ़ती जनसंख्या और विकास की दौड़ में हमने प्रकृति के संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है। वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और अनियंत्रित शहरीकरण ने पर्यावरणीय संतुलन को कमजोर कर दिया है। पेड़-पौधों की कमी के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, जिससे तापमान नियंत्रित रखने वाली प्राकृतिक प्रणाली प्रभावित हो रही है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। यह स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ असंतुलन का परिणाम मानव को ही भुगतना पड़ता है। यदि समय रहते हमने अपनी जीवनशैली और विकास की दिशा में सुधार नहीं किया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करें। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत* 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)

हाथ की उंगलियों में पहनी जाने वाली खूबसूरत अंगूठियां

अंगूठी एक ऐसा आभूषण है, जो सदियों से सुंदरता और आकर्षण का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं ही नहीं, बल्कि पुरुष भी अपने हाथों की उंगलियों में अंगूठी पहनना पसंद करते हैं। यह केवल सजावट का साधन नहीं है, बल्कि कई बार यह प्यार, रिश्ते और भावनाओं का प्रतीक भी होती है। खासकर सगाई और शादी में अंगूठी का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। आजकल बाजार में अंगूठियों की बहुत सारी सुंदर डिजाइन मिलती हैं। सोने, चांदी, हीरे और अलग-अलग रंगों के पत्थरों से बनी अंगूठियां हाथों की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती हैं। कुछ लोग साधारण और हल्की अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग भारी और डिजाइनर अंगूठियां पहनना पसंद करते हैं। हर व्यक्ति अपनी पसंद और स्टाइल के अनुसार अंगूठी चुनता है।

नूर हिना खान
लेखिका

अंगूठियों की डिजाइन

अंगूठियों की डिजाइन समय के साथ बदलती रहती है। पहले साधारण गोल डिजाइन अधिक पसंद किए जाते थे, लेकिन आजकल फ्लावर डिजाइन, हार्ट शेप, क्राउन डिजाइन और मिनिमल स्टाइल की अंगूठियां बहुत ट्रेंड में हैं। खासकर युवतियां पतली और स्टाइलिश अंगूठियां पहनना पसंद करती हैं, जो उनके हाथों को और भी आकर्षक बनाती हैं। आज के समय में अंगूठियां केवल आभूषण नहीं रह गई हैं, बल्कि यह फैशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। किसी भी पार्टी, शादी या खास अवसर पर एक सुंदर अंगूठी पूरे लुक को और भी खास बना देती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अंगूठी छोटी जरूर होती है, लेकिन इसकी सुंदरता और महत्व बहुत बड़ा होता है।

साधारण अंगूठी

यह हल्की और सादी डिजाइन की होती है। इसे रोजमर्रा में पहनना आसान होता है। ऑफिस, घर या सामान्य काम करते समय ऐसी अंगूठियां सबसे अच्छी रहती हैं।

डिजाइनर अंगूठी

डिजाइनर अंगूठियों में अलग-अलग स्टाइल, नक्काशी और नए फैशन की डिजाइन होती हैं। इन्हें पार्टी, शादी, त्योहार या किसी खास मौके पर पहनना ज्यादा अच्छा लगता है।

फैशन अंगूठी

फैशन अंगूठियां ट्रेंड के अनुसार बनाई जाती हैं। आजकल पतली, मिनिमल और स्टैकिंग (एक साथ कई अंगूठियां पहनना) स्टाइल बहुत लोकप्रिय है। युवतियां इन्हें कैजुअल और पार्टी दोनों में पहनती हैं।

स्टोन या रत्न वाली अंगूठी

इन अंगूठियों में अलग-अलग रत्न लगे होते हैं, जैसे पन्ना, माणिक, मोती या नीलम। कई लोग इन्हें ज्योतिष के अनुसार पहनते हैं, क्योंकि माना जाता है कि सही रत्न जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

सगाई या शादी की अंगूठी

यह सबसे खास अंगूठी मानी जाती है। सगाई और शादी में जो अंगूठी पहनाई जाती है वह रिश्ते और प्यार का प्रतीक होती है। अक्सर इसमें हीरा या सुंदर पत्थर लगा होता है।

कैसे चुनें अच्छी अंगूठी

अच्छी अंगूठी चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले अंगूठी का साइज सही होना चाहिए ताकि पहनने में आराम रहे। दूसरा, उसकी डिजाइन आपके हाथों और स्टाइल पर सूट करनी चाहिए। तीसरा, उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए ताकि वह जल्दी खराब न हो। कुल मिलाकर अंगूठी एक छोटा सा आभूषण है, लेकिन यह व्यक्ति की खूबसूरती और व्यक्तित्व को और भी निखार देती है। सही अंगूठी सही समय पर पहनी जाए, तो हाथों की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है।

67 साल बाद एक गीत की वापसी

Choo, choo train, a-chugging down the track
Gotta travel on, never coming back
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues
Bye, bye love, my baby's leaving me
Now lonely teardrops are all that I can see
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues

यह गीत हाल के समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 67 साल बाद अचानक फिर से वायरल हो गया है, जो यह दर्शाता है कि संगीत की कोई समय सीमा नहीं होती। 1959 में नील सेडका द्वारा लोकप्रिय बनाया गया यह गीत अपने भावनात्मक बोल और मधुर धुन के कारण पहले भी श्रोताओं के दिलों में खास जगह बना चुका था, लेकिन आज की डिजिटल दुनिया ने इसे एक नई पहचान दी है। आजकल सोशल मीडिया पर सैकड़ों की संख्या में इसके एआई वर्जन और लोगों द्वारा बनाई गई रील्स वायरल हैं।

इस गीत के वायरल होने का सबसे बड़ा कारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे इंस्टाग्राम और टिक टॉक हैं, जहां लोग पुराने गानों को नए ट्रेंड्स के साथ जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। खासतौर पर रील्स और शॉर्ट वीडियो में इस गाने के इस्तेमाल ने इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाया, जो शायद पहले इस गीत से परिचित नहीं थी।

राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

गीत की धुन में एक तरह की उदासी और सादगी है, जो आज के तेज-तर्रार और शोर-भरे संगीत के बीच एक अलग ही सुकून देती है। यही कारण है कि लोग इसे बार-बार सुनना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, इस गाने के बोल, जो एकतरफा प्रेम और बिछड़ने की पीड़ा को व्यक्त करते हैं, आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। यह भावनात्मक जुड़ाव ही इसकी लोकप्रियता का मूल कारण है। वायरल होने का एक और पहलू यह है कि लोग अब रेट्रो चीजों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पुराने गाने, फैशन और स्टाइल एक बार फिर ट्रेंड में आ रहे हैं और One Way Ticket to the Blues इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। यह नॉस्टैल्जिया और नवीनता का एक अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। अंततः इस गीत का दोबारा लोकप्रिय होना यह साबित करता है कि अच्छी कला कभी पुरानी नहीं होती। समय बदलता है, माध्यम बदलते हैं, लेकिन भावनाएं और सच्चा संगीत हमेशा जीवित रहते हैं। यह वायरल ट्रेंड न केवल एक पुराने गीत को नया जीवन देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि नई पीढ़ी भी क्लासिक संगीत को उतनी ही सराहना देती है।

पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए पंजाबी आवाज वाले गायक जसपाल

जिंदगी का सफर

होली के हिंदी फिल्मी गीतों के संग्रह में शायद ही किसी के पसंदीदा गानों में 'जोगी जी धीरे-धीरे...' न हो! इसे या 'नदिया के पार' के अन्य गीतों को सुनते हुए अक्सर ख्याल आता था कि भारत के पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए यह सरल, जादुई आवाज किसकी है, जो यूपी-बिहार के गांवों की भाषा और भावों को इतनी सहज और सुंदर अभिव्यक्ति देती है।

फिर जब यह पता चला कि यह मधुर आवाज एक पंजाबी गायक जसपाल सिंह जी की है तो और ताज्जुब होना ही था। एक पंजाबी पृष्ठभूमि की आवाज और भारत के पूर्वी क्षेत्र की भाषाई मिठास इतनी खूबसूरती से संजोये हुए। फिर लगा शायद हिंदी क्षेत्र से कोई संबंध रहा हो। मगर ऐसा भी कोई उल्लेख कहीं मिला नहीं।

उनका जन्म 23 मार्च 1943 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उन्हें स्कूल और कॉलेज के दिनों में ही गायन का शौक हो गया था। वे पढ़ाई के दौरान कई संगीत प्रतियोगिताओं में भाग लेते थे। जसपाल जी मोहम्मद रफी साहब के बहुत बड़े प्रशंसक थे और बचपन से ही उनके गाने-सुनते और मौका मिलते ही गाते थे। गायन के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए वे मुंबई चले गए, जहां उनकी बहन रहती थीं।

अभिषेक मिश्र
लेखक

उनकी प्रतिभा को सर्वप्रथम 1968 में प्रसिद्ध महिला गायिका और संगीतकार ऊषा खन्ना जी ने पहचाना और पहला ब्रेक दिया। इनके संगीत निर्देशन में इन्होंने 'बंदिश' और 'अनजान है कोई' फिल्मों में गाने गए। मगर न इन फिल्मों को ज्यादा सफलता मिली न इन्हें कोई विशेष पहचान। मगर इनका सही वक्त अभी आना शेष था। राजश्री की फिल्म 'गीत गाता चल' में संगीतकार रविन्द्र जैन जी के निर्देशन में उनकी आवाज पूरे देश में छा गई। इसके बाद उन्होंने 'नदिया के पार', 'अंखियों के झरोखों से', 'सावन को आने दो' जैसी कई हिट बॉलीवुड फिल्मों के लिए गाया। चूंकि उस समय के सभी ख्यात गायक अलग-अलग लोकप्रिय नायकों के साथ जुड़े हुए थे। इस कारण नायक सचिन को ब्रेक देने वाली आवाज के रूप में पार्श्व गायन करने के लिए नए गायक जसपाल सिंह को चुना गया था। मगर यह सफलता उनके राह की बाधा भी बन गई। नायक के रूप में सचिन का कैरियर बहुत सफल और लंबा नहीं रहा, जबकि जसपाल जी सचिन की आवाज के रूप में सीमित पहचान में बंधते चले गए। आने वाला दौर हिंदी सिनेमा में पार्श्व गायन के स्तर में गिरावट का भी रहा, जो जसपाल जी जैसे प्रतिभावान गायकों के लिए अनुकूल नहीं रहा और वो इस नए दौर में गुमनामी में खोते गए।

उनके कंठ से निकले कुछ यादगार गीतों में-धरती मेरी माता, पिता आसमान, गीत गाता चल ओ साथी गुनगुनाता चल, मंगल भवन अमंगल हारी (फिल्म- गीत गाता चल), कौन दिशा में लेके चला रे, साची कंहे तोरे आवन से हमरे (फिल्म- नदिया के पार), जब-जब तू मेरे सामने आए (फिल्म- श्याम तेरे कितने नाम), सावन को आने दो (फिल्म- सावन को आने दो) आदि शामिल हैं। सफलता-असफलता से परे उनके दिल से गाए गीत आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हैं और आगे भी उनकी उपस्थिति का अहसास बन फिजाओं में गूंजते रहेंगे।

फिल्म समीक्षा

नए भारत की कूटनीति को बयां करती फिल्म

धुरंधरः द रिवेंज, एक ऐसी फिल्म, जिसे आप दम साधे पूरी देखना चाहेंगे। कोई डिस्टरबेंस आप को पसंद नहीं आएगा, आप की नजरें रुपहले पर्दे पर ही टिकी होगी, जिज्ञासा चरम पर होगी इसके बाद क्या? आप बस यही सोचेंगे, इसके सिवाय कुछ नहीं... यदि आप ने धुरंधर का पहला भाग देखा है, तो आप अनुभूत करेंगे कि ये उस से कहीं बेहतर है, फिल्म की एडीटिंग गजब की है, स्क्रिप्ट भी बेहतरीन और एक्टिंग तो ऐसी की, भाई सभी कलाकारों को सैल्यूट करने को जी करता है। ये भारतीय सिनेमा की सफल और बेहतरीन फिल्मों की सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएगी।

डॉ.संजय अनंत
समीक्षक

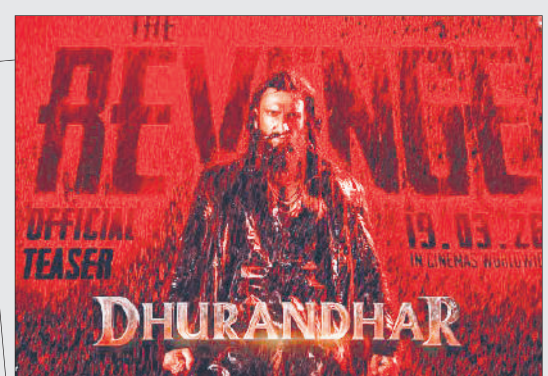

सन 2014 के बाद का भारत, अब केवल बदला नहीं लेता, घर में घुसकर मारता भी है। मोदी जी, टीवी पर नोटबंदी की घोषणा करते हैं और बर्बाद पाकिस्तान होता है, ये फिल्मी शोशा नहीं, हकीकत थी। कराची में आईएसआई के इशारे पर बड़े पैमाने पर फेक करेंसी यानी नकली नोट बड़े पैमाने पर छपते और ये नेपाल या कश्मीर के रास्ते से भारत लाया जाता। ठीक है फिल्म की कहानी में कुछ नाटकीयता है, किंतु इसके बाद भी ये फिल्म, कराची के इस सदी के प्रथम दशक की कहानी बयां करती है। रॉ के लोग पहले भी पाकिस्तान में सक्रिय थे, वे सूचना भेजते, किंतु उस पर कड़ी कार्यवाही नहीं होती थी, पर अब अजीत डोभाल देश की सुरक्षा संभाल रहे है, जो स्वयं कभी पाकिस्तान में भारत के जासूस रहे है, अब जो इनपुट हमारे एजेंट्स वहां से भेजते हैं, उस पर तुरंत कार्यवाही होती है। यूपी के माफिया अतीक अहमद, पाकिस्तान की संस्थाएं, दाऊद सबका गठबंधन सच्चाई है और यही इस फिल्म का आधार है। बीते वर्ष में अनेक मोस्ट वांटेड आतंकी या उनके अन्नदाता जो पाकिस्तान में थे, अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा कत्ल कर दिए गए।

यही है नया भारत। जमील साहब यानी राकेश बेदी साहब की एक्टिंग तो कमाल की है, आर माधवन, सान्याल साहब के रूप में, संजय दत्त एसपी चौधरी के रूप में, फिल्म का हीरो रणवीर सिंह, सब ने अपने रोल के साथ न्याय किया है, अर्जुन रामपाल (मेजर इकबाल) क्रूरता घृणा चेहरे से झलकी, गजब की एक्टिंग, दो कमियां भी बताते चलूं, अत्याधिक वीभत्स हिंसक सीन और कुछ अश्लील संवाद, इसलिए सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, निर्देशक इसके बिना भी यदि फिल्म बनाते तो वो उतनी ही प्रभावशाली होती, इसकी जरूरत नहीं थी। यह फिल्म निश्चित ही सुपरहिट होगी और भारतीय सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में अपना स्थान बनाएगी। निर्देशक और पटकथा लेखन, दोनों आदित्य धर ने किया, वे निश्चित ही बधाई के पात्र हैं और पुरस्कार के भी।

जंजीर जिसने बदल दी अमिताभ बच्चन की तकदीर

11 मई 1973 को रिलीज हुई 'जंजीर' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने अमिताभ बच्चन के करियर को पूरी तरह से बदलकर, उन्हें बॉलीवुड में एंग्री यंग मैन के रूप में स्थापित किया। इस फिल्म ने फिल्म इंडस्ट्री को एक नया सुपरस्टार दिया। गौरतलब है कि सलीम-जावेद द्वारा लिखित और प्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को पहले कई बड़े अभिनेताओं ने ठुकरा दिया था। जावेद अख्तर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जंजीर धर्मेंद्र को लेकर लिखी गई थी, लेकिन धर्मेंद्र ने किन्हीं कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था।

अमिताभ बच्चन ने 1969 में फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उनकी 11 फिल्में रिलीज हुई, जिनमें भुवन सोम, परवाना, रेशमा और शेरा, प्यार का घर आदि शामिल हैं, पर कोई भी बड़ी हिट साबित नहीं हुई। 1971 में आई फिल्म आनंद जरूर सफल रही पर सारा क्रेडिट राजेश खन्ना ले गए।

जंजीर में इंस्पेक्टर विजय खन्ना के किरदार ने अमिताभ बच्चन को एक गुस्सैल, कड़क पुलिस अधिकारी के रूप में पेश किया, जिसे तब के युवा दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म की सफलता के बाद अमिताभ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस फिल्म के बाद अमिताभ बच्चन की तकदीर बदल गई और उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्राण पर फिल्माया गया गाना 'यारी है ईमान मेरी' आज भी बहुत पसंद किया जाता है।

दीपक नौगांई
लेखक, हल्द्वानी

अमिताभ बच्चन को जंजीर इतनी आसानी से नहीं मिली। वे इस फिल्म के लिए पहली पसंद तो कतई नहीं थे। इससे पहले उनकी कई फिल्में फ्लॉप हो चुकी थीं। धर्मेंद्र के बाद राजकुमार और देवानंद ने भी निजी कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था। एक दिन प्रकाश मेहरा 'मुंबई टू गोवा' फिल्म देख रहे थे। अमिताभ की एक्टिंग देख उन्होंने तय किया कि उनकी फिल्म के हीरो वही होंगे। कहते हैं कि प्राण ने भी प्रकाश मेहरा को अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया था।

जंजीर की कहानी सलीम खान और जावेद अख्तर की मशहूर जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म की कहानी, डायलॉग और सीन लोगों को इतने पसंद आए की फिल्म सुपरहिट साबित हुई और अमिताभ भी रातों-रात स्टार बन गए। इसके बाद इस जोड़ी ने अमिताभ के साथ कई हिट फिल्में दीं, जिनमें शोले, दीवार, काला पत्थर, शान, त्रिशूल, डॉन आदि शामिल हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन इंस्पेक्टर विजय खन्ना के रोल में थे, जबकि जया बच्चन उनकी प्रेमिका माला तथा प्राण ने शेर खान का रोल निभाया था। इनके अतिरिक्त इस फिल्म में अजीत, ओमप्रकाश, इफ्तिखार, केस्टो मुखर्जी, बिंदु आदि कलाकार भी शामिल थे। फिल्म में संगीत कल्याण जी आनंद जी का था।

यह फिल्म लगभग 90 लाख की बजट में बनी थी और इस फिल्म ने 17 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। जंजीर के लिए उस साल अमिताभ बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार बॉबी के लिए ऋषि कपूर को मिला था।

शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा

मुंबई। पिछले सप्ताह मामूली बदलाव के बाद आने वाले सप्ताह में भी घरेलू शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा। निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का भी वे आंकलन करेंगे। अभी ईरान युद्ध शुरू होने के बाद का कोई वृहद आर्थिक आंकड़ा नहीं आया है।

अमृत विचार
लखनऊ, सोमवार, 23 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को भी देश में स्थिर बने रहे। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत 94.77 रुपये और डीजल की 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। पेट्रोल-डीजल के दाम में 30 अक्टूबर 2024 के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम पेट्रोल एक्सपी 95 का मूल्य 20 मार्च को दो रुपये बढ़ाया गया था। दिल्ली में इसकी कीमत अब 101.89 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इंडियन ऑयल के प्रीमियम डीजल एक्सजी का मूल्य 91.49 रुपये प्रति डॉलर पर स्थिर है।

महत्वपूर्ण खनिजों के ब्लॉक की नीलामी का 7वां चरण शुरू होगा

नई दिल्ली। सरकार सोमवार को महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के लिए नीलामी का सातवां चरण शुरू करेगी, जिसके तहत कई राज्यों में फैले 19 ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा जाएगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधानों के बीच सरकार का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकियों, उर्वरकों और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। अब तक, नीलामी के छह दौर हो चुके हैं, जिसमें 46 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक की बिक्री की जा चुकी है। खान मंत्रालय ने कहा, सातवें चरण में खनन पट्टे और संयुक्त लाइसेंस के तहत कई राज्यों में 19 ब्लॉक पेश किए जाएंगे।

श्रीलंका ने की बिजली और ईंधन के सीमित इस्तेमाल की अपील

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने रविवार को जनता से वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता के बीच संभावित कमी से निपटने के लिए ईंधन और बिजली का सीमित व सोच-समझकर उपयोग करने की अपील की। यह अपील ऐसे समय आई है जब द्वीपीय देश ने आधी रात से ईंधन के खुदरा दाम बढ़ा दिए हैं, जो एक सप्ताह में दूसरी बढ़ोतरी है। सरकार ने प्रत्येक वाहन के लिए जारी क्यूआर कोड के आधार पर ईंधन की बिक्री निश्चित मात्रा में शुरू कर दी है। श्रीलंका सरकार के प्रवक्ता और मंत्री नलिंदा जयतिस्सा ने कहा,हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे बिजली और ईंधन का समझदारी से उपयोग करें और ऊर्जा खपत को न्यूनतम रखें।

स्कोडा ऑटो का वर्ष 2026 में बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। चेक वाहन ब्रांड स्कोडा इस साल भारत में '10 उत्पादों में कुछ बदलाव' और देश में नेटवर्क के विस्तार के जरिये बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''कंपनी ने अपने मध्यम आकार के मॉडल एसयूवी कुशाक का नया संस्करण पेश किया है। कंपनी ने भविष्य में एक लाख इकाइयों की सालाना बिक्री का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखा है। हालांकि, यह 2026 में नहीं होगा।

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट

वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से सेमीकंडक्टर, निर्माण और उर्वरक क्षेत्र पर बढ़ेगा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और संभावित व्यवधानों के कारण कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट उत्पन्न हो सकता है, जिसका असर सेमीकंडक्टर और निर्माण जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी रहती हैं तो भारत पर इसका व्यापक आर्थिक प्रभाव गंभीर हो सकता है। सेमीकंडक्टर और निर्माण क्षेत्रों पर असर पड़ने के साथ उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत भी बढ़ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट से हीलियम, सल्फर, मेथनॉल और एल्युमिनियम जैसी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे सेमीकंडक्टर निर्माण, उर्वरक और निर्माण जैसे उद्योगों पर असर पड़ेगा। उर्वरक आपूर्ति शृंखलाओं में बाधा आने से कृषि लागत बढ़ सकती है और इसका असर खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की उपलब्धता अल्पावधि में संभालने योग्य रह सकती है, लेकिन एलपीजी, नैफ्था, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और गैस ऑयल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव बढ़ेगा, क्योंकि रिफाइनिंग क्षमता सीमित है। साथ ही, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है, जिससे प्राकृतिक गैस बाजार में भी दिक्कत आ सकती है।

डैम कैपिटल एडवाइजर्स की रिपोर्ट

दो महीने संघर्ष जारी रहा तो देश में आ सकती है मंदी

रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च कीमतों से अपस्ट्रीम तेल एवं गैस कंपनियों को लाभ हो सकता है, जबकि डाउनस्ट्रीम कंपनियों, विशेषकर तेल विपणन कंपनियों पर मार्जिन का दबाव बढ़ेगा। विमानन क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन लागत परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। एफएमसीजी कंपनियों को पैकेजिंग लागत बढ़ने से दबाव झेलना पड़ सकता है, जबकि बुनियादी ढांचा और पूंजीगत व्यय भी प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वस्त्र, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों पर लागत बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने का असर पड़ेगा, हालांकि कुछ क्षेत्रों को अल्पकालिक इन्वेंट्री लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि संघर्ष दो महीने से अधिक समय तक जारी रहता है, तो इससे गंभीर आपूर्ति संकट, लागत में वृद्धि और वैश्विक तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक मंदी का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

- उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत के बढ़ने की भी आशंका

प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ने से 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है राजकोषीय घाटा

प्रत्येक एक डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से राजकोषीय घाटा लगभग 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है। यदि कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं तो महंगाई 4.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आयात निर्भरता, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए, जोखिम को और बढ़ाती है। देश के लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात और 50 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। जबकि कच्चे तेल की आपूर्ति वैकल्पिक स्रोतों और भंडार के कारण कुछ हद तक संभाली जा सकती है, एलपीजी की उपलब्धता सीमित भंडार के कारण अधिक संवेदनशील बनी हुई है।

फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12% बढ़ सकती है कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है। कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वॉशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदी ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और ढुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोदरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है। अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए उद्योगों को मिलने वाली एलपीजी आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है।

इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है। सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा।

- पश्चिम एशिया संकट के कारण कई उद्योगों पर पड़ रहा प्लास्टिक महंगा होने का असर

एसी की मांग में आ सकती है कमी

देश के कई हिस्सों में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश के बाद एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनियां सतर्क हो गई हैं। उन्हें आशंका है कि इससे गर्मी की शुरुआत में एसी की मांग प्रभावित हो सकती है, जबकि यही समय उनकी बिक्री के लिए सबसे अहम होता है। आमतौर पर मार्च महीने में गर्मी बढ़ने लगती है और ठंडक प्रदान करने वाले उत्पादों की मांग तेज हो जाती है, लेकिन इस बार मौसम के बदले रुख से कंपनियां असमंजस में हैं। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि अप्रैल में तापमान बढ़ेगा और मांग भी सुधरेगी।

उन्होंने बताया कि वॉशिंग मशीन की कुल लागत का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा प्लास्टिक का होता है, इसलिए कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि कीमतें बढ़ने पर ग्राहक महंगे मॉडल के बजाय सस्ते या कम क्षमता वाले उत्पाद खरीद सकते हैं।

एथनॉल उद्योग ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए की 20% से ज्यादा आपूर्ति की पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का कहना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र में एआईडीए की उप-महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके ई 20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से आपूर्ति में रुकावट और देश पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सकेगा।

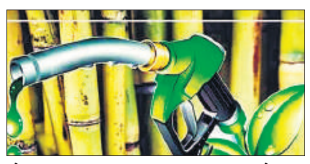

- पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होने का किया दावा

सरकार को सुझाव

पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण का लक्ष्य 30 प्रतिशत तक बढ़ाएं

भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाना) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है। यह लक्ष्य मोदी सरकार ने ईंधन आयात बिल कम करने और उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तय किया था। एसोसिएशन ने मांग की है कि सरकार पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण की जरूरत को धीरे-धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाए।

एथनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव को दें बढ़ावा

इसके अलावा एआईडीए ने केंद्र सरकार से ब्राजील की तरह 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाली फ्लेक्स-ईंधन गाड़ियां लाने, घरेलू और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने और खर्च को कम करने के लिए डीजल में एथनॉल मिलाने का रास्ता खोजने की डी मांग की है। एआईडीए ने कहा है, इससे संकट और कम होगा।

कोयला आयात 4.2% घटकर 21.3 करोड़ टन

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल से जनवरी के दौरान 4.2 प्रतिशत घटकर 21.31 करोड़ टन रहा है। समुद्री मार्ग से ढुलाई महंगी होने के कारण अभी कोयला आयात कमजोर ही रहने की संभावना है। आयात में गिरावट का यह भी संकेत है कि देश में कोयले का घरेलू उत्पादन बढ़ रहा है। हालांकि, भूराजनीतिक तनाव की वजह से वैश्विक स्तर पर तापीय कोयले की कीमतें चढ़ रही हैं।

बी2बी ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान गैरकोकिंग कोयले का आयात 12.78 करोड़ था, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 14.11 करोड़ टन के आंकड़े से कम है। एमजंक्शन सर्विसेज सेल और टाटा स्टील का संयुक्त उद्यम है। अप्रैल-जनवरी, 2025-26 के दौरान कोकिंग कोयले का आयात 5.03 करोड़ टन रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4.58 करोड़ टन था। जनवरी में देश का कोयला आयात 22.1 प्रतिशत घटकर 1.66 करोड़ टन रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 2.13 करोड़ टन रहा था। जनवरी में हुए कुल आयात में से, गैर-कोकिंग कोयले का हिस्सा 94.5 लाख था, जो पिछले साल जनवरी के आंकड़े 1.23 करोड़ टन से कम है।

कोकिंग कोयले का आयात 42.3 लाख था, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 52.3 लाख टन रहा था।

- चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीनों का आंकलन, आगे भी आयात कमजोर रहने की संभावना

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा भारत-तिब्बत व्यापार

शिमला। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था।

नेगी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। उन्होंने कहा कि पाबंदियों में ढील और व्यापार फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है। नेगी ने बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे।

भारतीय कंपनियां एआई अपनाने में आगे, पर विशेषज्ञता में काफी पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियां कृत्रिम मेधा (एआई) को बड़े पैमाने पर अपनाने के मामले में अपने वैश्विक समकक्षों से आगे निकल रही हैं। हालांकि, एआई को तेजी से अपनाने के बावजूद इसमें एक महत्वपूर्ण क्षमता अंतराल भी दिखाई देता है, क्योंकि भारत में वैश्विक औसत की तुलना में एआई विशेषज्ञता का स्तर काफी कम है।

डेलॉयट की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। ज्यादातर संगठन अगले साल अपने एआई बजट में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।वर्ष 2026 की ''स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय कंपनियां परीक्षण के दौर से आगे बढ़ते हुए प्रमुख कार्यों में बड़े पैमाने पर एआई को अपना रही हैं। डेलॉयट ने कहा, बड़े पैमाने पर एआई का उपयोग उत्पाद विकास (62 प्रतिशत), रणनीति और संचालन (56 प्रतिशत), विपणन और बिक्री (55 प्रतिशत) और आपूर्ति शृंखला (48 प्रतिशत) में सबसे मजबूत है। इससे संकेत मिलता है कि एआई तेजी से उन कार्यों में शामिल हो रहा है जो विकास, दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को बढ़ावा देते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 40 प्रतिशत भारतीय उत्तरदाताओं ने महत्वपूर्ण या पूर्ण एआई उपयोग की जानकारी दी है, जबकि वैश्विक औसत लगभग 28 प्रतिशत है। रिपोर्ट में 200 से अधिक व्यापारिक और प्रौद्योगिकी दिग्गजों की प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। दूसरी ओर डेलॉयट ने पाया कि केवल 0-4 प्रतिशत भारतीय कंपनियों के पास उच्च स्तर की एआई विशेषज्ञता है, जो 2-8 प्रतिशत के वैश्विक औसत से काफी पीछे है।

- डेलॉयट ने अपनी रिपोर्ट 'स्टेट ऑफ एआई इन द एंटरप्राइज' में साफ की स्थिति

छोटे शहरों में ईवी विंडसर की बिक्री बढ़ाएगी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल विंडसर की बिक्री में 70 प्रतिशत योगदान गैर महानगरों का है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है इसी का लाभ उठाकर और जागरूकता बढ़ाकर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर अपनी बिक्री बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

एमजी विंडसर को अक्टूबर, 2024 में पेश किया गया था। तब से अब तक इस मॉडल की कुल बिक्री लगभग 65,000 इकाई रही है। इस मॉडल की कुल बिक्री में से चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई का हिस्सा 30 प्रतिशत रहा है। शेष भारत ने इसमें 70 प्रतिशत का योगदान दिया है। इस रुख पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनय रैना ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री शुरू में महानगरों में ही थी, जिसका मुख्य कारण कम जागरूकता और ऐसे उत्पाद की कमी थी जो सच में आम लोगों को पसंद आते । उन्होंने दावा किया, एमजी विंडसर के आने से यह माहौल बदल गया और यह मॉडल गैर-महानगर शहरों में ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह सही समय पर पेश किया गया सही उत्पाद था। इन बाजारों में ग्राहकों को एक टिकाऊ ड्राइविंग का अनुभव दिया गया है, जिससे उन्हें अच्छी-खासी बचत हुई।

शीर्ष 10 कंपनियों में से 5 का बाजार पूंजीकरण 1.02 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में एचडीएफसी बैंक रहा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज़ (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इन्फोसिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यांकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया।

असल स्थिति अभी परिदृश्य में नहीं

कच्चे तेल का अदृश्य संकट

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई जैसे वैश्विक बेंचमार्क तेल बाजार की वास्तविक कमी और संकट को पूरी तरह नहीं दर्शा रहे हैं। यानी यह संकट उससे भी ज्यादा गहरा है जो वर्तमान में दिख रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कच्चे तेल का वास्तविक संकट वैश्विक स्तर पर परिलक्षित होने में कुछ समय लग सकता है लेकिन यह जब सामने आएगा तो वर्तमान संकट से भी ज्यादा गहरा होगा। रिपोर्ट के अनुसार, तेल की जो कीमतें फिलहाल स्क्रीन पर दिख रही हैं, वे जमीनी हकीकत से काफी अलग हैं। केवल ब्रेंट या डब्ल्यूटीआई चार्ट देखकर समझना कि तेल बाजार शांत है, भूल हो सकती है। असली महंगाई और किल्लत उन स्थानीय बाजारों और रिफाइंड प्रोडक्ट्स में दिख रही है, जो वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं।

इन्वेंट्री डेटा

बेंचमार्क कीमतें अक्सर साप्ताहिक इन्वेंट्री रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया करती हैं। यह डेटा पिछला होता है। वास्तविक समय में समुद्र में टैंकरों की आवाजाही, लोडिंग में देरी या किसी टर्मिनल पर तकनीकी खराबी जैसी भौतिक कमियों को ये बेंचमार्क कुछ दिनों की देरी से पकड़ते हैं।

बेंचमार्क बनाम फिजिकल मार्केट

- ब्लूमबर्ग और जेपी मॉर्गन का तर्क है कि ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई वायदा बाजार की कीमतों में क्षेत्रीय इन्वेंट्री और पॉलिसी हस्तक्षेप के कारण स्थिरता दिख रही है। लेकिन फिजिकल मार्केट जहां वास्तविक तेल खरीदा-बेचा जाता है, वहां स्थिति गंभीर है।
- मध्य पूर्व के बेंचमार्क जैसे दुबई और ओमान के नकद दाम 155 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। यह अंतर बताता है कि खाड़ी देशों से आने वाले तेल की भारी कमी है, जो वैश्विक बेंचमार्क में अभी पूरी तरह प्राइस इन नहीं हुई है।

रिफाइंड उत्पादों में भारी महंगाई

- कच्चा तेल तो फिर भी 110 डॉलर के करीब है, लेकिन वास्तविक अर्थव्यवस्था जिस चीज का उपयोग करती है, जैसे डीजल, गैसोलीन और बंकर फ्यूल, उनकी कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं।
- सिंगापुर में बंकर फ्यूल की कीमतें 140 से 175 डॉलर तक पहुंच गई हैं। इसे ऑयल क्राइसिस- 2.0 कहा जा रहा है, जहां कच्चे तेल और रिफाइंड उत्पाद के बीच का पारंपरिक संबंध टूट गया है।

अदृश्य संकट के कारण

- मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है। इसके नतीजे आने बाकी हैं।
- शिपिंग लागत और बीमा प्रीमियम बढ़ गया है, जिससे तेल की वास्तविक कीमत बहुत अधिक हो गई है।

क्षेत्रीय सीमाओं का असर

- डब्ल्यूटीआई अमेरिका के ओक्लाहोमा में पाइपलाइन और स्टोरेज की स्थिति पर निर्भर करता है। अगर वहां स्टोरेज फुल है, तो कीमतें गिर सकती हैं, जबकि शेष दुनिया में तेल की भारी किल्लत हो सकती है।
- ब्रेंट उत्तरी सागर के तेल क्षेत्रों से जुड़ा है, जिनका उत्पादन धीरे-धीरे कम हो रहा है। यह पूरी दुनिया (खासकर एशिया और मध्य पूर्व) के 'हैवी' और 'सोर' क्रूड की कमी को सटीक रूप से नहीं दर्शाता।

जयशंकर भारत-रूस व्यापार पर केंद्रित सम्मेलन को संबोधित करेंगे

मॉस्को। विदेश मंत्री एस जयशंकर और रूस के उनके समकक्ष सर्गेई लावरोव सोमवार को डिजिटल तरीके से एक सम्मेलन को संबोधित करेंगे, जिसमें दोनों पक्षों के विशेषज्ञ खाड़ी क्षेत्र में तनाव के बीच उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों से निपटने के तरीकों पर विचार-विमर्श करेंगे।

मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास और रूसी अंतरराष्ट्रीय मामलों की परिषद (आरआईएसी) द्वारा आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन खाड़ी क्षेत्र में जारी संघर्ष के अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आईएनएसटीसी) पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। ईरान का बंदर अंजली बंदरगाह मुंबई और सेंट पीटर्सबर्ग के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करने वाले गलियारे पर स्थित प्रमुख बंदरगाह है। यह स्वेज नहर को दरकिनार करते हुए एशिया और यूरोप के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है। इस बंदरगाह को 18 मार्च को अमेरिका-इजराइल द्वारा किए गए मिसाइल हमले में नुकसान पहुंचा था।

भारत-रूस दोनों ने इस गलियारे पर उम्मीदें टिका रखी हैं कि इससे द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने में मदद मिलेगी, जैसा कि मोदी और पुतिन ने दिसंबर में नई दिल्ली में हुए शिखर सम्मेलन में सहमति जताई थी। 'रूस और भारतः द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नए एजेंडे की ओर' सम्मेलन दोनों देशों में राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने को रोडमैप तैयार करेगा।

- दोनों पक्ष खाड़ी क्षेत्र में तनाव से उत्पन्न अस्थिर परिस्थितियों पर करेंगे विचार

आर्थिक उथल-पुथल | भारतीय शेयरों में फिलहाल विश्वास नहीं, इक्विटी में भी घटाया निवेश

विदेशी निवेशकों ने इस महीने निकाले 1,05,316 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले तीन सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,05,316 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले निवेशक फरवरी में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे, यानी उन्होंने जितना पैसा लगाया था उससे कम निकाला था।

एफपीआई ने मार्च में इक्विटी में अपना निवेश 88,180 करोड़ रुपये घटा दिया जो दिखाता है कि भारतीय शेयरों में अभी उनका विश्वास नहीं है। डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 13,754 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। म्यूचुअल फंड में उनका निवेश 2,911.27 करोड़ रुपये कम हुआ। इससे पहले फरवरी में एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार में 37,847 करोड़ रुपये लगाये थे।

एंजल वन के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि एफपीआई की निकासी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया तनाव है। इसके अलावा होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, जिससे एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं। बढ़ता अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल एफपीआई की निकासी की एक और बड़ी वजह है।

आज एफपीआई निपटान नियमों में ढील पर विचार करेगा सेबी बोर्ड

नई दिल्ली। सेबी बोर्ड सोमवार को एक व्यापक एजेंडे पर चर्चा करने के लिए बैठक करने वाला है। इसमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए कोष निपटान नियमों को आसान बनाने और बाजार मध्यस्थों के लिए नियामकीय ढांचे में बदलाव के प्रस्ताव शामिल हैं। एजेंडा का एक प्रमुख हिस्सा एफपीआई को उसी दिन के नकद बाजार व्यापार के लिए 'फंड नेटिंग' की अनुमति देने का प्रस्ताव है। मौजूदा ढांचे के तहत, एक एफपीआई को इक्विटी नकद बाजार सौदों का निपटान सकल आधार पर करना होता है। यानी प्रत्येक खरीद लेनदेन के लिए अलग से फंड देना होता है, भले ही उसी दिन कोई बिक्री लेनदेन भी हुआ हो। सेबी ने ''फंड नेटिंग'' की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है, जिससे एफपीआई उसी दिन की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग खरीद देनदारियों को चुकाने के लिए कर सकेंगे। इससे उन्हें केवल शुद्ध देय राशि ही चुकानी होगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

श्रीलंका में फिर बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

कोलंबो। श्रीलंका ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के प्रभावों का सामना करने के लिए दो हफ़्तों में दूसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। सामान्य पेट्रोल की कीमत 317 श्रीलंकाई रुपये से बढ़कर 398 रुपये प्रति लीटर हो गयी है, जबकि डीज़ल की कीमत 79 रुपये बढ़कर 382 रुपये के चौंकाने वाले स्तर पर पहुंच गयी है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस ताज़ा बढ़ोतरी से ईंधन की खपत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी आएगी।

पांडिचेरी विवि में पद्मश्री पलानिवेल का सम्मान

पुडुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने पारंपरिक मार्शल आर्ट सिलंबम के मशहूर विशेषज्ञ पद्मश्री पलानिवेल को तमिलनाडु की देसी मार्शल विरासत को बचाने और बढ़ावा देने में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। उन्हें इस कला के प्रति उनके जीवन भर के समर्पण और योगदान और युवा पीढ़ी को इस सांस्कृतिक विरासत को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर सांस्कृतिक संयोजक प्रो. श्रीकला ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का जश्न मनाने में इस कार्यक्रम की अहमियत पर ज़ोर दिया।

ईरान ने जापानी के एक नागरिक को किया रिहा

तोक्यो। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को बताया कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है। मोतेगी ने 'फूजी टेलीविजन' के एक 'टॉक शो' में कहा कि यह व्यक्ति पिछले साल से हिरासत में था और उसे बुधवार को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया एक अन्य जापानी नागरिक अब भी हिरासत में है। जो व्यक्ति ईरान में अब हिरासत में है वह जापान के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता का एक पत्रकार है।

ईरान में मृतक संख्या 1,500 के पार पहुंची

काहिरा। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान में युद्ध के दौरान 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। सरकारी प्रसारणकर्ता ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। इस बीच, रमजान समाप्त होने के दौरान ईरान की राजधानी में भारी हवाई हमले हुए। पश्चिम एशिया में युद्ध के चौथे सप्ताह भी जारी है।

कतर में हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, छह लोगों की मौत

- एक व्यक्ति लापता, बचाव अभियान अभी जारी

दोहा, एजेंसी

कतर के क्षेत्रीय समुद्री जलक्षेत्र में तकनीकी खराबी के कारण हुए हेलीकॉप्टर हादसे में तुर्की के तीन नागरिकों सहित छह लोगों की मौत हो गई है। कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सात में से छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है और उसकी तलाश जारी है।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उनके एक सैनिक और हथियार बनाने वाली कंपनी आसेलसन के दो तकनीशियनों सहित सात लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई। दुर्घटना के कारण का पता जांच के बाद ही लग पाएगा। कतर के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को पहले बताया था कि नियमित ड्यूटी के दौरान कतर के एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने से वह समुद्र में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। आंतरिक मंत्रालय ने कुछ घंटों बाद जानकारी दी कि जारी तलाशी अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर में सवार सात में से छह लोगों को खोज लिया गया है, जिनकी मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है। शेष एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए विशेष टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटना के बाद व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है।

जंग में अमेरिका को लगा तगड़ा झटका

आधुनिक युद्धक विमानों के इतिहास में 19 और 20 मार्च, 2026 की तारीखें एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में दर्ज की गई हैं। जिसे दुनिया आसमान का भूत कहती थी और जिसे अजेय मानकर अमेरिकी वायुसेना अपनी श्रेष्ठता का दंभ भरती थी, उस एफ-35 के सुरक्षा कवच में ईरान ने सेंध लगा दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि एक एफ-35 विमान को ईरानी हमले के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लेकिन ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स ने दावा है कि उन्होंने विमान को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया है और इसके क्रैश होने की संभावना बहुत अधिक है। यह घटना केवल एक विमान के क्षतिग्रस्त होने की खबर नहीं है, बल्कि उस अरबों डॉलर की स्टेल्थ टेक्नोलॉजी पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है, जिसे अब तक कोई भी रडार पकड़ने में नाकाम रहा था।

एफ-35 का मारा जाना

एफ-35 की अजेयता का रहस्य

- अदृश्य स्टेल्थ : इसके डिजाइन में सपाट सतहों और समकोणों को खत्म कर दिया गया है ताकि रडार की तरंगें टकराकर वापस न जाएं। इस पर एक विशेष रडार-अवशोषक सामग्री (रैम) की कोटिंग होती है जो इसे रडार स्क्रीन पर एक चिड़िया जितना छोटा दिखाती है।
- सेंसर फ्यूजन : एफ-35 को फ्लाइंग कंप्यूटर कहा जाता है। यह अपने रडार, इन्फ्रारेड और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर से मिलने वाले डेटा को एक साथ जोड़कर पायलट को 360-डिग्री की जानकारी देता है।
- इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर : इसमें एक शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली है जो दुश्मन के रडार को जाम कर सकती है, जिससे इसे निशाना बनाना लगभग असंभव माना जाता था।

ईरान की तकनीक : कैसे किया शिकार

- स्वदेशी तकनीक : ईरान ने दावा किया है कि उसने एफ-35 को गिराने के लिए अपनी स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान ने पैसिव इन्फ्रारेड सेंसर तकनीक का उपयोग किया है।
- हीट ट्रैकिंग : रडार की जगह ईरान के एडी-08 माजिद एयर डिफेंस सिस्टम ने विमान के इंजन से निकलने वाली गर्मी को ट्रैक किया।
- बिना सिग्नल का हमला : रडार आधारित सिस्टम तरंगें भेजते हैं जिससे विमान को पता चल जाता है कि उसे ट्रैक किया जा रहा है। लेकिन पैसिव इन्फ्रारेड सिस्टम कोई तरंग नहीं छोड़ता, इसलिए एफ-35 के पायलट को पता ही नहीं चला कि वह निशाने पर है।
- पहले का अनुभव : इस तरह की तकनीक का उपयोग यमन में हूतियों द्वारा भी किया जा चुका है, जहां उन्होंने अमेरिकी ड्रोनों को निशाना बनाया था।

किन देशों के पास है यह तकनीक

- एफ-22 रैप्टर (अमेरिका) : यह दुनिया का सबसे बेहतरीन एयर-सुपीरियरिटी फाइटर माना जाता है, लेकिन इसे अमेरिका किसी भी दूसरे देश को नहीं बेचता।
- जे-20 माइटी ड्रैगन (चीन) : चीन का पांचवीं पीढ़ी का विमान जो एफ-35 का मुख्य प्रतिस्पर्धी है।
- एसयू-57 फेलान (रूस) : रूस का स्टेल्थ फाइटर जो अपनी गति और चपलता के लिए जाना जाता है।
- जे-35 (चीन) : यह चीन का नया स्टेल्थ विमान है।

साख को क्षति

- एफ-35 का शिकार होना अमेरिका के लिए एक वित्तीय नुकसान नहीं बल्कि वैश्विक छवि का संकट है। दुनिया यह मानने लगी है कि अमेरिकी स्टेल्थ तकनीक को सस्ते और स्वदेशी हीट-सीकिंग मिसाइलों से भी भेदा जा सकता है।

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा

यूएन महिला आयोग : अमेरिका की जिद पर उत्पन्न हुआ तीखा गतिरोध, हुई वोटिंग

- यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर रही तल्खी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) का हालिया सत्र महिलाओं के अधिकारों और न्याय तक पहुंच जैसे गंभीर विषयों पर गहरे कूटनीतिक विभाजन का गवाह बना। दशकों से चली आ रही आम सहमति की परंपरा तब टूट गई, जब जेंडर की परिभाषा और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच तीखा गतिरोध पैदा हो गया।

अमेरिका के पेश किए गए संशोधनों और उस पर बेल्जियम के लाए गए नो एक्शन मोशन ने माहौल को तल्खियों से भर दिया। इसके परिणामस्वरूप मुख्य निष्कर्षों को सर्वसम्मति के बजाय मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इस ऐतिहासिक खींचतान के बीच, भारत सहित छह देशों ने मतदान से दूरी बनाए रखी, जो वैश्विक मंच पर सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों और बहुपक्षवाद के भविष्य पर उठते बड़े सवालों की ओर इशारा करता है। संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्लू) के हाल ही में आयोजित 70वां सत्र मुख्य रूप से जेंडर की परिभाषा, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और संप्रभुता जैसे विषयों पर सदस्य देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। सत्र की शुरुआत में ही एक अभूतपूर्व घटना घटी। इस वर्ष का मुख्य विषय सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना और उसे मजबूत करना था। आमतौर पर आयोग के निष्कर्ष सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन पेश किए गए संशोधनों को इस बार अमेरिका के खारिज करने के बाद, निष्कर्षों को मतदान के जरिये अपनाना पड़ा। इसमें 37 देशों ने पक्ष में मतदान किया, जबकि अमेरिका ने विरोध में और भारत समेत छह देशों ने मतदान नहीं किया। सत्र के अंतिम दिन पाकिस्तान, नाइजीरिया और सेनेगल जैसे देशों ने मतदान के जरिये निर्णय लेने की प्रक्रिया पर चिंता जताई। इन देशों का मानना था कि मतदान से निष्कर्ष निकालना बहुपक्षवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया कि हालांकि प्रस्ताव का वह समर्थन करता है, लेकिन यह सभी देशों की साझा सहमति को नहीं दर्शाता। वहीं, वेटिकन ने 'जेंडर' और 'प्रजनन अधिकार' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर अपनी पुरानी आपत्तियों को दोहराया।

अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के किया खारिज

सत्र के दौरान सबसे बड़ा विवाद अमेरिका के पेश किए गए प्रस्ताव को लेकर हुआ। इसमें जेंडर शब्द की सीमित और रूढ़िवादी व्याख्या करने की कोशिश की गयी थी। बेल्जियम ने यूरोपीय संघ की ओर से इस पर नो एक्शन मोशन पेश किया। इसका अर्थ था कि इस प्रस्ताव पर कोई चर्चा ही न की जाए। बेल्जियम का तर्क था कि यह प्रस्ताव 30 साल पहले बीजिंग घोषणापत्र में तय की गई परिभाषाओं को बदलने और वैश्विक प्रगति को पीछे ले जाने की कोशिश है। अंततः 23 मतों के साथ इस मोशन को मंजूरी मिली और अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के खारिज कर दिया गया।

भारत का रुख सुस्पष्ट रहा

सत्र के दौरान न्याय तक पहुंच से जुड़े मुख्य निष्कर्षों पर भारत का पारंपरिक और सुस्पष्ट रुख यह रहा है कि महिलाओं के अधिकारों जैसे संवेदनशील वैश्विक विषयों पर निर्णय मतदान के बजाय आम सहमति के आधार पर लिए जाने चाहिए, क्योंकि मतदान सदस्य देशों के बीच विभाजन पैदा करता है। भारत ने महिलाओं के उत्थान के मूल उद्देश्यों का तो समर्थन किया, लेकिन जेंडर और प्रजनन स्वास्थ्य जैसी शब्दावलियों पर थोपी जाने वाली परिभाषाओं और मतभेदों के कारण खुद को मतदान से दूर रखा।

ईओडब्ल्यू का अधिकारी बनकर 9.5 लाख की ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रतिरूपण कर ठगी और ब्लैकमेलिंग के एक गंभीर मामले में पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना राखी में दर्ज इस प्रकरण में आरोपी ने स्वयं को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी से 9.5 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, देवलाल सिंह टेकाम, जो लोक निर्माण विभाग से अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त हैं, को 28 जनवरी 2026 को अज्ञात मोबाइल नंबरों से कॉल कर यह बताया गया कि उनके खिलाफ सतर्कता विभाग, एसीबी एवं ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज है। प्रारंभिक जांच में ये कॉल साइबर ठगी के उद्देश्य से किये गये पाए गए। इस संबंध में प्रार्थी ने अपने परिचित धर्मेन्द्र को जानकारी दी।

छत्तीसगढ़ में रोप-वे ट्राली टूटी, एक महिला की मौत

- महासमुंद जिले में खल्लारी मंदिर में हुए हादसे में छह अन्य

महासमुंद, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एक पहाड़ी मंदिर से नीचे उतरते समय रोपवे ट्रॉली के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक महिला की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हुए। बागबाहरा की उपमंडल मजिस्ट्रेट नमिता मारकोले ने बताया कि हादसा सुबह करीब 10 बजे उस समय हुआ, जब पहाड़ी से सात यात्रियों को नीचे लाते समय ट्रॉली का केबल टूट गया।

इससे पहले ट्रॉली में आठ लोगों के सवार होने की सूचना दी गई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख व्यक्त किया और इसकी विस्तृत जांच के आदेश दिए। अधिकारियों के अनुसार ट्रॉली करीब 200 से 300 फुट की ऊंचाई से नीचे आ गिरी। घटना नौ दिवसीय नवरात्रि उत्सव के दौरान बागबाहरा तहसील के खल्लारी (भीमखोज) गांव स्थित खल्लारी माता मंदिर में हुई। लगभग 1,100 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु आमतौर पर रोपवे सेवा का उपयोग करते हैं, जबकि करीब 900 सीढ़ियां चढ़कर भी मंदिर तक पहुंचा जा सकता है। एसडीएम ने बताया कि रायपुर निवासी आयुषी सतकार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति ऋषभ धवरे और रिश्तेदार छायांश धवरे समेत छह लोग घायल हो गए। अन्य घायलों की पहचान गोविंद स्वामी , नमिता स्वामी और कुष्मिता स्वामी तथा मानशवी गोदारिया के रूप में हुई है। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूडान के अस्पताल पर हमले में 64 लोगों की मौत

जिनेवा/खार्तूम। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सूडान में स्वास्थ्य सेवाओं पर एक और हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्वी दारफुर प्रांत की राजधानी अल-दईन स्थित अल-दईन टीचिंग अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 13 बच्चे, दो महिला नर्स, एक पुरुष डॉक्टर और कई मरीज शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अदनोम घेब्रेयेसुस ने कहा कि इस घटना के साथ ही सूडान में युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमलों में मरने वालों की संख्या 2000 के पार पहुंच गई है। संगठन के अनुसार, करीब तीन साल से जारी संघर्ष के दौरान अब तक 213 हमलों में 2036 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ताजा हमले में 89 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें आठ स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। हमले में अस्पताल के शिशु, मातृत्व और आपातकालीन विभागों को भारी नुकसान पहुंचा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर हमलों में 720 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं।

पांच राज्यों में होंगे विस चुनाव — महासंग्राम

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक नीत गठबंधन से अलग हुई टीवीके

- सत्ताधारी दल के बड़े भाई वाले रवैये का किया विरोध

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में तमिलगा वाझवुरिमई काची' (टीवीके) ने रविवार को सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने की घोषणा की। टीवीके ने सत्ताधारी दल के 'बड़े भाई' वाले रवैये का विरोध किया और स्टालिन सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों द्वारा चलाए जाने का आरोप लगाया।

वहीं, मार्क्सवादी पार्टी ने अभी तक मुख्यमंत्री द्वारा 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में लड़ने के लिए दी गयी पांच सीटों की पेशकश पर कोई फैसला नहीं लिया है। मार्क्सवादियों और दलित संगठन 'विदुथलाई चिरुथाइगल काची' (वीसीके) की ओर ज़्यादा सीटों की मांग के चलते द्रमुक के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है।

द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में 'वन्नियार' समुदाय का चेहरा माने जाने वाले टीवीके के संस्थापक-अध्यक्ष टी. वेलमुरुगन ने यहां कहा कि हमारे प्रति द्रमुक का रवैया 'बड़े भाई' जैसा था। हम अपनी पार्टी के साथ इस तरह के बर्ताव को बर्दाश्त नहीं कर सकते। हम गठबंधन इसलिए नहीं छोड़ रहे हैं कि पिछली बार के मुकाबले ज़्यादा सीटों की हमारी मांग ठुकरा दी गई, बल्कि इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि हमारी 10-सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार नहीं किया गया। तमिल राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाली टीवीके का जनाधार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वन्नियार समुदाय के बीच है, खासकर कुड्डालोर, नेवेली और चिदंबरम के साथ-साथ विलुप्पुरम ज़िलों में। यह पार्टी सत्ताधारी द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ चुनावी समीकरणों को बदलने की क्षमता रखती है। कुड्डालोर ज़िले के पनरुति से मौजूदा विधायक टी. वेलमुरुगन ने हम 2019 के लोकसभा चुनावों से ही द्रमुक के साथ हैं। सीटों के बंटवारे पर पहली बातचीत के दौरान द्रमुक ने हमें सिर्फ़ एक सीट देने की पेशकश की थी, लेकिन हमने और सीटों की मांग की। हमने अपनी मांगों का एक चार्टर भी सौंपा था, जिसमें तमिल लोगों को रोज़गार में प्राथमिकता देने के लिए कानून बनाना, सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना करवाना और अन्य मांगों के साथ-साथ वन्नियार समुदाय के लिए 10.5 प्रतिशत का विशेष आरक्षण तय करना शामिल था। सरकार ने हमारी इन मांगों को नज़रअंदाज़ कर दिया है। उन्होंने इन्हीं बातों को कई पार्टियों वाले और मज़बूत द्रमुक नीत एसपीए को छोड़ने की वजह बतायी।

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में बढ़ाई निगरानी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया,वरिष्ठ अधिकारियों को जमीनी स्तर पर आकलन करने और स्थानीय पुलिस इकाइयों को मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं ताकि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। अधिकारी ने बताया,पुलिस अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे भय और हिंसा से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश दें। हमारा ध्यान मतदाताओं में विश्वास जगाने और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर है। इस प्रक्रिया के तहत, कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने भांगर थाने का दौरा किया और संभाग के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने उन्हें आयोग के दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी।

नंद ने बताया,सभी अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है। मतदाताओं को बिना किसी डर के अपना वोट डालने में सक्षम होना चाहिए। यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि विश्वास बढ़ाने और सुरक्षा के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया, "हमने संवेदनशील क्षेत्रों, बस्तियों व व्यक्तियों की पहचान करने और उनसे संपर्क करने जैसे कई कदम उठाए हैं। प्रेसिडेंसी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक कंकर प्रसाद बरुई ने नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बरुईपुर थानों का दौरा किया तथा विशेष रूप से कोलकाता के निकट ग्रामीण बूथों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बरुई ने बताया, चुनाव की घोषणा के बाद हमने तैयारियों की समीक्षा की है। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों पर भी चर्चा हुई। हर पहलू की जांच की गई है।

केरल में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ प्राथमिकी

त्रिशूर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केरल विधानसभा चुनाव में गुरुवायूर से पार्टी उम्मीदवार बी गोपालकृष्णन के खिलाफ एक प्रचार वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवायूर निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारी की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि गोपालकृष्णन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 192 जानबूझकर दंगा भड़काने के इरादे से उकसाने से जुड़ी है जबकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में वर्गों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से जुड़ी है। सूत्रों ने बताया कि निर्वाचन आयोग के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आपत्तिजनक टिप्पणियों वाले वीडियो को हटाने के लिए पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ को निर्देश दे दिए गए हैं। यह घटनाक्रम चुनाव गोपालकृष्णन द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों को लेकर पैदा हुए राजनीतिक विवाद के बीच आया है। राज्य में सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा)और विपक्षी कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग से संपर्क किया था।

असम में कांग्रेस की 7 और प्रत्याशियों की सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सात उम्मीदवारों की पांचवीं और अंतिम सूची जारी की। कांग्रेस ने इसी के साथ 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए अपने 101 उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने आसन्न असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की अंतिम सूची के मुताबिक गोसाईगांव सीट से जोसेफ हसदा को, डोटमा (एसटी) से बिरखांग बोरो को, बिजनि से रजत कांति साहा और भेरगांव सीट से आंचुला ग्वारा दायमारी को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने नारायण अधिकारी को माज़बत से, निर्मल लंगथासा को हाफलोंग (एसटी) से और अमर चंद जैन को कटिगोरा विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को सात उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी की थी, जिसमें एक मौजूदा विधायक का टिकट काट दिया गया था और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन में सहयोगी रायजोर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी गई हैं। राज्य में कांग्रेस नीत गठबंधन में छह दल है और उसने 15 सीट सहयोगियों के लिए छोड़ी है। असम विधानसभा के लिए नौ अप्रैल को मतदान होगा जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है।

वोट की आस में उम्मीदवार बेल रहे रोटियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में इन दिनों विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार परंपरागत भाषणों या नारों से आगे बढ़कर जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करते हुए घर में रोटियां बेलते, दुकान में दाढ़ी बनाते और भजन गाते भी नजर आ रहे हैं। हुगली की रसोई से लेकर बीरभूम के सड़क किनारे नाई की दुकान और झाड़ग्राम के कीर्तन सभाओं तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर सीधे लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे हैं। हुगली के पुरसुराह में, तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पार्थ हजारी को हाल ही में एक मतदाता के घर की रसोई में देखा गया, जहां गैस खत्म होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे पर रोटियां बनाईं। इस तरह जनता से जुड़ने के साथ ही उन्होंने राजनीतिक संदेश भी दिया कि लोगों को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। पार्थ हजारी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैंने पहले भी रोटियां बनाई हैं, इसलिए मुझे थोड़ी बहुत जानकारी है। गैस सिलेंडर न मिलने के कारण कई परिवार मुश्किल में हैं। मैंने तो बस मदद करने की कोशिश की। वोट मांगते हुए रोटियां बेलने की उम्मीदवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। बीरभूम में भाजपा के एक उम्मीदवार को नाई की दुकान पर दाढ़ी बनाते देखा गया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज आप अधिकारियों को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। यदि सर्दी-खांसी से पीड़ित हैं, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं। अनावश्यक खर्च से बचें।

वृष — आज भविष्य की योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन — आज कारोबारी मामलों में अड़चन आने की संभावना है। छोटी-मोटी बातों पर अधिक आक्रामक न हों। लोग आपको धोखा दे सकते हैं।

कर्क — आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। खानपान अत्यंत संतुलित रखें।

सिंह — आज परिवार में काम की थोड़ी अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम सा हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। अनावश्यक खर्चों को नियंत्रित करना पड़ेगा। बनते हुए कार्यों में विघ्न आने की आशंका है।

तुला — आज का दिन अपनों के बीच शांति से बिताएंगे। अनैतिक कार्यकलापों की ओर प्रेरित हो सकते हैं। कोई निर्णय भी सोच-समझकर ही लें।

वृश्चिक — आज दिनचर्या थोड़ी असामान्य हो सकती है। आपकी योजनाएं सफल होंगी। घर में कुछ आगंतुकों का आगमन हो सकता है।

धनु — आज घर का वातावरण अनुशासित रहेगा। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। नकारात्मक आदतों को छोड़ने का प्रयास करें।

मकर — आज उधार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। आलस्य में अपना समय व्यर्थ न करें। अपनी योग्यताओं पर संदेह न करें।

कुंभ — आज उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे। आपको सफलता मिल सकती है। धन लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।

मीन — आज आप काम के प्रति एकाग्र रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगी। आप काफी अच्छे मूड में रहेंगे।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 23 मार्च, सोमवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 18 .38 तक तत्पश्चात षष्ठी।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-कृत्तिका 20 .49 तक तत्पश्चात रोहिणी।

सुडोकू - 96 का हल

9	1	4	6	2	8	5	7	3
3	2	6	9	7	5	4	8	1
8	7	5	1	3	4	9	2	6
6	9	7	8	4	1	2	3	5
4	8	2	5	6	3	7	1	9
1	5	3	2	9	7	6	4	8
7	6	8	3	5	2	1	9	4
5	4	1	7	8	9	3	6	2
2	3	9	4	1	6	8	5	7

सुडोकू -97

		9				6		
5					9		1	
7		8		4				2
		3	6		8		4	
		7				8		
	2		5		3			
4				1				8
	3		2				5	
		6				9		

> नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।
>
> -इरफान पठान

स्टेडियम

लखनऊ, सोमवार, 23 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

शनाका को साइन करने के लिए तैयार राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है, जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की। फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया हां, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट (एसएलसी) के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है। शनाका पिछले दिसंबर में अबू धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए एनरोल किया, जहाँ उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था।

गोल्फर अदिति शीर्ष पांच से बाहर

मेनलो पार्क। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक फोर्टिनेट फाउंडर्स कप के तीसरे दिन एक ओवर 73 स्कोर करके संयुक्त तीसरे से संयुक्त 24वें स्थान पर खिसक गई। यो जू किम अब अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पांच स्ट्रोक्स आगे शीर्ष पर है। नेली कोरडा दूसरे स्थान पर है। तीसरे स्थान पर रुइक्सिन लियू और गैबी लोपेज हैं।

अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में

मुंबई। भारत की स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतकर इंडियन ओपन 2026 स्क्वैश टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह लगातार दूसरी बार है ये दोनों भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी पीएसए स्पर्धा में ख़िताब के लिए मुकाबला करेंगे। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में मौजूदा महिला चैंपियन और टॉप सीड अनाहत सिंह ने पूरी तरह से भारतीय सेमीफ़ाइनल मुकाबले में अपनी हमवतन तन्वी खन्ना को 3-1 (11-6, 9-11, 11-8, 11-2) से हराया। पुरुष वर्ग में एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन को 3-1 (11-9, 9-11, 11-3, 11-8) से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

डुप्लांटिस ने जीता विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब

टोरुन (पोलैंड)। आर्मंड डुप्लांटिस ने यूनान के एम्मानौइल करालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता। डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में चूक गए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे। डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और अपने 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया।

आईपीएल में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

एलएसजी के कप्तान के रूप में यह सत्र साबित हो सकता निर्णायक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की टी-20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं।

इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है।

इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे। पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी। पंत के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा। एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और सहयोगी स्टाफ पंत के बल्लेबाजी क्रम पर एकमत हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी एमएस धोनी, पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन, अनिरुद्ध श्रीकांत और अन्य लोग। एजेंसी

चेपॉक स्टेडियम में सीएसके का हुआ मेगा फैन शो

चेन्नई। क्रिकेट। पुरानी यादें। म्यूजिक। प्योर सुपर किंग्स स्पिरिट, व्हिसल पोडू। पहले कभी न देखे गए सेलिब्रेशन में, पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का रोअर'26 - अपनी तरह का पहला मेगा फैन इवेंट रविवार शाम को यहां मशहूर एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुआ। युगों के एक ऐतिहासिक मेल में, ओजी सुपर किंग्स, जिसकी लीडरशिप सीएसके के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना, मैथ्यू हेडन, मुरली विजय और एस बद्रीनाथ जैसे खिलाड़ी कर रहे थे, अपने मशहूर मैदान पर फिर से इकट्ठा हुए और मौजूदा सीएसके टीम का सामना हाई-एनर्जी, पहले कभी न देखे गए मैचों की एक सीरीज में किया। इस शाम को मशहूर ऑस्कर अवॉर्ड जीतने वाले म्यूज़िक डायरेक्टर एआर रहमान ने एक स्पेशल लाइव परफॉर्मेंस भी दी, जिससे चेपॉक म्यूज़िक और रोशनी से जगमगाता हुआ अखाड़ा बन गया, और इसे सेलिब्रेशन और फैंस के जबरदस्त एक्सपीरियंस से भर दिया, जिससे ज़िंदगी भर यादें बनीं। सीएसके के एमडी कासी विश्वनाथन ने कहा कि यह मेगा सेलिब्रेशन सिर्फ़ एक इवेंट नहीं है। यह सीएसके के सफर और फैंस के अटूट प्यार को एक ट्रिब्यूट है। पुराने जमाने के यादगार पलों से लेकर भविष्य के वादे तक, यह एक ऐसी रात थी जहाँ क्रिकेट और एंटरटेनमेंट का सबसे शानदार तरीके से मिलन हुआ, जिसमें यादगार पल, दोस्ताना मुकाबले और रात को रोशन करने वाली ढेर सारी येलो लाइटें देखने को मिलीं।

प्रशंसकों के लिए प्रैक्टिस जर्सी पेश की केकेआर ने

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के आगामी सीजन के लिए अपनी प्रैक्टिस जर्सी पेश की है। यह पहली बार है जब फ्रेंचाइजी ने प्रशंसकों के लिए ट्रेनिंग किट पेश की है। यह कदम टीम की ट्रेनिंग जर्सी के शुरुआती अनावरण पर मिली ज़बरदस्त प्रतिक्रिया के बाद उठाया गया है।

पहली झलक सामने आने के बाद, हजारों फैंस सोशल मीडिया पर आए, उन्होंने डिजाइन की तारीफ की और फ्रेंचाइजी से इसे खरीदने के लिए उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस बढ़ती मांग को सुनते हुए केकेआर ने अब प्रैक्टिस जर्सी को अपने फैंस के लिए उपलब्ध करा दिया है। एक नए, आधुनिक अंदाज़ में डिज़ाइन की गई यह जर्सी, टीम की पहचान से जुड़ी रहते हुए भी एक जीवंत, गर्मियों के लिए तैयार अपील रखती है। इसकी सबसे खास बात इसका टाइगर-प्रिंट पैटर्न है, जो बंगाल टाइगर से प्रेरित है - यह उस शक्ति, फुर्ती और निडर भावना का प्रतीक है जो टीम और इस क्षेत्र, दोनों की पहचान है।

नाइट राइडर्स स्पोर्ट्स की मुख्यकार्यकारी बिंदा डे ने कहा प्रैक्टिस जर्सी पर हमारे फैंस की प्रतिक्रिया अविश्वसनीय थी और इसने सचमुच उस गहरे जुड़ाव की पुष्टि की जो वे ब्रांड के साथ साझा करते हैं। हमने प्रैक्टिस जर्सी के लिए स्पष्ट मांग देखी और महसूस किया कि इसे उपलब्ध कराना ही सही होगा। एक परिष्कृत, गर्मियों के लिए तैयार रंग-रूप में फिर से डिज़ाइन की गई और बेहतरीन प्रदर्शन के लिए तैयार की गई, कोलकाता नाइट राइडर्स की प्रैक्टिस जर्सी उस अनुशासन और तीव्रता को दर्शाती है जो केकेआर की पहचान है।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बराबर की श्रृंखला

वेलिंगटन, एजेंसी

कॉनर एस्टरहुइज़न के करियर के पहले अर्धशतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली।

एस्टरहुइज़न ने 33 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक बनाया और वह आखिर में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी ने दोनों टीमों के बीच निर्णायक अंतर पैदा किया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 164 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई।

न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में दो विकेट पर 63 रन बनाए थे जिसमें टिम रॉबिंसन के 22 गेंद पर बनाए गए 32 रन शामिल हैं। लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने शिकंजा कस दिया। उसकी तरफ से प्रेनेलन सुब्रायन ने अपने पहले मैच में 13 रन देकर दो जबकि केशव महाराज ने 22 रन देकर दो विकेट लिए। लगभग तीन साल बाद न्यूजीलैंड की टीम में वापसी करने वाले डेन क्लीवर ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर अपनी टीम की उम्मीद बरकरार रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित हो गई।

केशव महाराज का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते प्रेनेलन सुब्रायन। एजेंसी

न्यूजीलैंड के कप्तान जिमी नीशम ने कहा मुझे लगता है कि 165 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ा लक्ष्य था।

हमारे कुछ खिलाड़ी अनुभवहीन है जिसका हमें नुकसान हुआ। न्यूजीलैंड की पहले से ही कमजोर टीम टॉम लैथम के चोटिल होने और सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन के बाहर होने से और कमजोर पड़ गई। इससे पहले एस्टरहुइज़ेन ने दक्षिण अफ्रीका को तब संभाला जब उसने अपनी पारी की दूसरी ही गेंद पर वियान मुल्डर का विकेट खो दिया था।दाएं हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में एक छक्का और एक चौका, तथा चौथे ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया। इसके बाद उन्होंने पांचवें ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर 17 रन बनाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावर प्ले में एक विकेट पर 50 रन बनाने में सफल रहा। टोनी डी ज़ोर्ज़ी (23) ने एस्टरहुइज़न के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की।

विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से गड़बड़ाए समीकरण

नई दिल्ली। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं।

कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कमिंस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे।

जबरदस्त प्रतिस्पर्धा

पोलैंड के टोरुन में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप में महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले हीट में पुर्तगाल की फातौमाता बिंटा डियालो सबसे आगे जीत के करीब पहुंचीं। ● एजेंसी

26 मार्च से दर्शकों के बिना होगा पीएसएल

● **पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने बताई टूर्नामेंट की तैयारी**

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि ईरान-अमेरिका -इस्राइल युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण दर्शकों के बिना होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि पीएसएल का यह सत्र कराची और लाहौर में ही खेला जाएगा। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा पीएसएल अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड और हमारा गौरव है। यह लीग 26 मार्च से ही होगी लेकिन दर्शकों को अनुमति नहीं रहेगी। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने पाकिस्तान में पीएसएल के आयोजन को लेकर किसी तरह की सुरक्षा आशंकाओं को खारिज किया। नकवी ने कहा क्षेत्र के हालात को देखते हुए मितव्ययिता की दृष्टि से यह कदम उठाया गया है। विदेशी खिलाड़ी आज रात से यहां पहुंच रहे हैं।

नकवी ने यह भी कहा कि पीसीबी का कानूनी विभाग उन क्रिकेटरों के मामले देख रहा है जिन्होंने आईपीएल खेलने के लिये पीएसएल अनुबंध रद्द किए।

ऑस्ट्रेलिया में अगले साल जनवरी से मार्च तक पांच टेस्ट खेलेगा भारत

● **कंगारू टीम ने जारी किया 2026-27 के लिए कार्यक्रम**

मेलबर्न, एजेसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपना 2026-27 का अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा।

अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पैट कमिंस की उम्रदराज टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने घरेलू सत्र की शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट सीरीज में असली परीक्षा होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम के लिए कड़ी चुनौती बताया है।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम

अगस्त : बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच

अक्टूबर : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच

दिसंबर-जनवरी : न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच

जनवरी-मार्च : भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच

11-15 मार्च : इंग्लैंड के खिलाफ 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच

जून : विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल

जून-अगस्त : इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच।

लिवरपूल और चेल्सी पर बाहर होने का खतरा

लिवरपूल। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेल्सी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है। लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेल्सी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है।

शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेल्सी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया।

मियामी ओपन

दामिर जुमहुर को एकतरफा मुकाबले में 6-3, 6-3 से हराया

सिनर ने जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

मियामी, एजेंसी

जैनिक सिनर ने शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में मियामी ओपन में दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। एटीपी रैंकिंग में नंबर 2 खिलाड़ी, जो 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं।

नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में टाइटल जीतने के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में 12 मैच जीतने के सिलसिले पर, सिनर ने उस लेवल पर लगातार सबसे ज्यादा सेट जीतने के नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड (24) की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर अपने बड़े विरोधी से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था।

जब सिनर से मास्टर्स 1000 में लगातार सीधे सेटों में जीत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूं और खुद को ज्यादा से ज़्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूं। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूं, कोर्ट पर आकर अच्छे एटीट्यूड के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूं और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूं।" इस जोड़ी की पहली लेक्सस हेड2हेड मीटिंग में वर्ल्ड नंबर 76 जुमहुर को हराने के लिए टॉप-क्लास सर्विंग परफॉर्मेंस देने के साथ-साथ, सिनर ने अपनी 71 मिनट की जीत के दौरान नेट पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। 25 बार के टूर-लेवल चैंपियन ने आगे बढ़ते हुए 17 में से 14 पॉइंट जीते।

'मेरे लिए ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी'

सिनर ने कहा, मेरे लिए, ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिसे हमने बहुत बेहतर बनाने की कोशिश की है। यह थोड़ा-बहुत दिन-ब-दिन पर भी निर्भर करता है। आज, सीधे ब्रेक से शुरुआत करते हुए, मैंने थोड़ा अग्रेसिव होने की कोशिश की। कभी-कभी यह बहुत अच्छा काम करता था, कभी-कभी मैंने कुछ अनफोर्स्ड गलतियां कीं, लेकिन मेरे पास यहां एडजस्ट करने के लिए ज्यादा समय नहीं था। यह इंडियन वेल्स से बहुत अलग है। पहले राउंड के मैच कभी आसान नहीं होते, इसलिए मैं खुश हूँ।

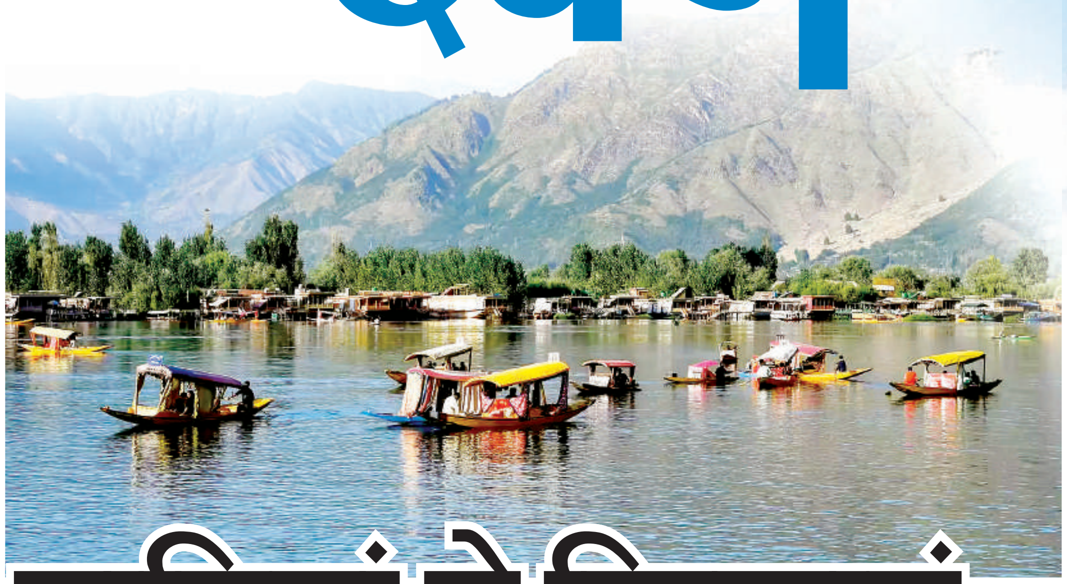

वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें...

"गर फिरदौस बर-रु-ए-जमीं अस्त, हमीं अस्त ओ हमीं अस्त ओ हमीं अस्त।" अर्थात् यदि धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है। नामचीन शायर अमीर खूसरो द्वारा लिखा उक्त शेर कश्मीर की खूबसूरती को खुले दिल से बयां करने को काफी है। यहां के बारे में यह भी कहा जाता कि "पड़ता है आसमान का साया जमीन पर।" यूं तो समूचा कश्मीर ही नयनाभिराम, लेकिन लिद्दर पहाड़ियों की गोद में बसे पहलगाम के अलावा गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज घाटी तथा डल झील में नौका विहार की तो बात ही निराली है। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद कश्मीर संभाग के दस जिलों में आधारभूत संरचनाओं को और मजबूती मिली है। स्मार्ट सिटी सिस्टम, कुटीर व क्राफ्ट उद्योग, फ्लोरीकल्चर, हार्टिकल्चर ने यहां गति पकड़ ली है। बिजली-पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और बेहतर जीवन स्तर को वहां बल मिला है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सौजन्य से पीआईबी द्वारा आयोजित मीडिया टूर के तहत गत दिनों अमृत विचार को भी कश्मीर में सरकार की योजनाओं को जानने का अवसर मिला।

पेश है विशेष रिपोर्ट...

अनिल त्रिगुणायत
वरिष्ठ पत्रकार

बर्फ से ढंकी वादियों, झीलों, ऊंची चोटियों से गिरते चश्मों- झरनों, कल-कल निनाद करते दरियों, चिनार के रंग-बिरंगे पत्तों, देवदार, विलो, अखरोट के वृक्षों अलावा पोपलर, फर और चीड़ के पत्तों के मखमली स्वरूपों, हरे-भरे घास के मैदानों, पहाड़ों की सर्पीली सड़कों, हाउसबोट्स में बैठने तथा शिकारों में रहकर कुदरत को महसूस करना हो, तो धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर जरूर जाएं। केसर की खेती, अखरोट, बादाम व सेब के बागानों की जब बात होती है, तब हमारा ध्यान कश्मीर की ओर बरबस खींचा चला आता है। यकीन मानें, कश्मीर आज भी उतना ही खूबसूरत है, जितना कभी पहले था। सच में यह धरती का स्वर्ग ही है। अप्रैल-मई के अंत तक बर्फ देखनी हो तो कश्मीर। झीलों के पानी पर तैरते हाउसबोट्स व शिकारों में बैठ मनमोहिनी रात में चांद को निहारना है, तो भी कश्मीर। भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने कश्मीर को कुदरत ने भरपूर नवाजा है। बर्फ से लकदक पहाड़ों से होने वाला जल प्रवाह जब मैदानों में दरिया का रूप अख्तियार करता है, तो उनका लय-छंद इंसान के रोम-रोम को झंकृत कर देता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-370 की समाप्ति तथा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश बन जाना बदलाव की कहानी बयां कर रहा है। वर्ष 1989 के मध्य में शुरू हुए पाक प्रायोजित आतंकवाद ने कश्मीर को थोड़ा असहज जरूर किया, लेकिन बमों के धमाके व गोलियों की तड़तड़ाहट यहां आने वाले सैलानियों के कदम कभी नहीं रोक पाई। कश्मीर में मनोरम व रमणीय स्थलों की सूची थोड़ी लंबी है। यहां कई स्थान हैं, जिनका चक्कर लगाए बगैर मन नहीं मानेगा। विश्व के प्रसिद्ध हिल-स्टेशनों में से एक गुलमर्ग और सोनमर्ग की तो बात ही निराली। गुरेज वैली की वादियों में बिताए पल स्वर्ग में रहने की अनुभूति कराते हैं। यहां के पर्वतों की हिमाच्छादित चोटियां नयनाभिराम। इन पर जब सूरज की रोशनी पड़ती है, तो लगता है जैसे धरा पर स्वर्ण आभाएं अवतरित हो चली हों। गुलमर्ग में गंडोला के कारण आने वाले पर्यटक भारत-पाक नियंत्रण रेखा के करीब तक जा सकते हैं। कश्मीर के अन्य भागों में बर्फ से लदी पहाड़ियां, फूलों से गुलजार बाग-बगीचे, मनमोहक ट्यूलिप गार्डन, हरी-भरी वादियां, झीलें और झरने बहुतायत में मिल जाएंगे।

श्रीनगर से मात्र 96 किमी दूर करीब 7200 फीट ऊंची लिद्दर घाटी के बीचों-बीच बसे पहलगाम को कुदरत ने खूबसूरती से भरपूर नवाजा है। हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखला इतनी मनोहारी की सैलानी मंत्रमुग्ध होकर उसे निहारने को बेबस हो जाता है। चारों ओर मखमली घास और लिद्दर नदी का कलकल निनाद पहलगाम की शोभा में चार चांद लगा देता है। यहां आइस स्कीइंग, स्केटिंग, पैराग्लाइडिंग भी की जाती है। पहलगाम से सटा अनंतनाग जिला कश्मीर के हस्तशिल्प के लिए विख्यात है। इसे कश्मीर के इतिहास व संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। जहां गब्बों, नमदों, पेपरमाशी के कार्य करने वालों की लाइनें तो लगी ही होती हैं, पहलगाम की बेताब घाटी तो बेहद मनोहारी। तारसर, मार्सर व तुलियान झील जैसे खूबसूरत पर्यटक स्थल इसके आसपास ही बसे हैं। चीड़ व देवदार के वृक्षों के बीच बसा पहलगाम अपने में सारे जहां के सौंदर्य को समेटे हुए है। पहलगाम में गत वर्ष 22 अप्रैल को 26 लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों के मनसूबे को धता बताने वाले यहां पर्यटकों की भीड़ फिर से लौट आई है। यहां के बाजार, होटल और सड़कें गुलजार नजर आ रही हैं। देशभर से आए सैलानी घाटी की खूबसूरती, मौसम और स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी का आनंद ले रहे हैं, जिससे पर्यटन कारोबार को नई उम्मीद मिली है। 'चरवाहों की घाटी' (पहलगाम) में पुनः रौनक-ए-बहार है।

पर्यटकों का जमावड़ा

पहलगाम में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक।

दस जिलों वाले कश्मीर संभाग में पर्यटकों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसमें डल झील, निगीन झील, हाउसबोट व शिकारा सफारी देखना हो, तो श्रीनगर जाएं। एशिया की सबसे मीठे पानी की झील वुलर व प्रसिद्ध गुरेज घाटी देखना हो तो बांदीपोर जिले में अवश्य जाएं। मौसम के अनुसार वुलर झील के आकार में बहुत विस्तार-संकुचन होता रहता है। इसका अकार 30 वर्ग किमी. से 260 वर्ग किमी. के बीच बदलता है। प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात लोलाब घाटी कुपवाड़ा जिले, जबकि झेलम नदी के किनारे स्थित बारामूला जिला स्कीइंग डेस्टिनेशन (गुलमर्ग) के लिए प्रसिद्ध है। श्रीनगर से सटे जिले बडगाम जिले में प्रसिद्ध चरार-ए-शरीफ दरगाह स्थित है। बेहद शांत स्थान के रूप में प्रख्यात यूसमर्ग भी यहीं है। 'कश्मीर का आनंद' कहे जाने वाले पुलवामा जिले में शुद्ध दूध उत्पादन और केसर की खेती बहुतायत में होती है। इसकी मुख्य खेती पंपोर क्षेत्र में होती है। पंपोर को 'केसर शहर' भी कहा जाता है। इसके अलावा किश्तवाड़ और आसपास के करेवा (ऊंची भूमि) क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाला केसर उगाया जाता है। 'सेब नगरी' के नाम से मशहूर शोपिया जिला 60 प्रतिशत से अधिक आबादी के लिए रोजगार का केंद्र है। कुलगाम में धान की खेती की जाती है, इस जिले को 'कश्मीर का चावल का कटोरा' भी कहा जाता है।

ट्यूलिप गार्डन : बस रह जाएंगे निहारते

श्रीनगर स्थित इंदिरा गांधी स्मारक ट्यूलिप गार्डन एशिया में सबसे बड़ा है। डल झील के किनारे तथा जबरवन पहाड़ियों की गोद में बसे इस बाग में इस वर्ष 70-75 किस्मों के 18 लाख से ज्यादा ट्यूलिप खिले हैं। गत वर्ष 8.55 लाख से भी अधिक सैलानी इस बाग को देखने यहां आए थे। संभावना है कि इस वर्ष यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। वर्ष 2007 में अपनी स्थापना के बाद से यह बाग विश्व प्रसिद्ध हो चला है। उद्यान प्रभारी जाविद मसूद ने बताया कि मनमोहक ट्यूलिप के अलावा, 55 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले ट्यूलिप गार्डन में डेफोडिल, मस्करी और साइक्लेमेन फूल भी खिले हैं।

गुरेज वैली : इसके बिना कश्मीर की यात्रा अधूरी

श्रीनगर से लगभग 123 किमी की दूरी पर स्थित गुरेज वैली वर्ष के छह माह तक हिमाच्छादित ही रहती है। इस घाटी से किशनगंगा नदी बहती है, जो आगे चलकर पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद में झेलम नदी में मिल जाती है। इस घाटी के लोग मूलत: कश्मीरी नहीं हैं। यहां के निवासी दर्द शिन आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। करीब 60 साल तक इस जगह पर बाहर के लोगों को आने की मनाही थी। वर्ष 2007 में ये जगह पर्यटकों के लिए खोल दी गई।

रेशम उत्पादन : गांदरबल का रेशम सीड फार्म

रेशम उत्पादन कश्मीर के प्राचीन व्यवसायों में से एक है। यह उद्योग रेशम कीट पालन के माध्यम से लगभग 30 हजार परिवारों को अंशकालिक रोजगार प्रदान करता है। रेशम की चार किस्में अर्थात शहतूत, एरी, मूगा और तसर हैं। शहतूत का रेशम देश के रेशम उत्पादन में 87 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। गांदरबल जिले के मनसबल स्थित रेशम सीड फार्म हाउस में सेरी टूरिज्म प्रोजेक्ट कई एकड़ क्षेत्र में फैला है। इस फार्म हाउस में भारत के अलावा जापान, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश में उगने वाले मलबरी पौधे लगाए गए हैं। फार्म के विज्ञानी डॉ. राजेश ने बताया कि मलबरी की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों से किण्वन कराने की यहां पद्धति है। इस कार्य में कई लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। यहां रेशम म्यूजियम भी है, जहां रेशम की कई किस्में रखी हुई हैं, केंद्रीय रेशम बोर्ड तथा वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से संचालित हैं।

कश्मीर: पश्मीना शाल के क्या कहने..

श्रीनगर-गुलमर्ग मार्ग के समीप स्थित कश्मीर हस्तकरघा सेंटर पर लेडीज सूट को हाथ से बुनतीं महिलाएं।

पश्मीना शॉल बुनने में काफी समय लगता है और यह काम के प्रकार पर निर्भर करता है। एक शॉल को पूरा करने में आमतौर पर लगभग 72 घंटे या उससे अधिक समय लगता है। पश्मीना शॉल की बुनाई में उपयोग किया जाने वाला ऊन लद्दाख में पाए जाने वाले पालतू चांगथांगी बकरियों से प्राप्त किया जाता है। एक पश्मीना शॉल की न्यूनतम कीमत चार हजार, जबकि अधिकतम कीमत करीब दस लाख रुपये तक होती है। कुछ पश्मीना शॉल तो ऐसे भी होती हैं कि उन्हें बुनने में कारीगर को एक से डेढ़ वर्ष तक लग जाते हैं। कश्मीरी रेशम, बसोहली चित्रकला, विलो की टोकरियां और मिट्टी के बर्तन इस क्षेत्र की कुछ अन्य शिल्पकलाओं के उदाहरण हैं। कश्मीर में बुना जाने वाला ट्वीड कपड़ा विश्व प्रसिद्ध है। इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कपड़ों में से एक माना जाता है। कश्मीरी कढ़ाई भारत और अन्य देशों में भी मशहूर है। स्थानीय रूप से कसीदा के नाम से जानी जाने वाली इस कढ़ाई में इस्तेमाल किए जाने वाले डिजाइन कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित हैं। कश्मीरी कारीगर, जो अपनी जटिल काष्ठ कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। हाथ से बुनी गई अनूठी कश्मीरी कालीनों में डिजाइन निर्देशों के लिए तालीम नामक कोडित लिपि का उपयोग किया जाता है। कश्मीरी पुरुषों और महिलाओं की पारंपरिक पोशाक को फेरन कहा जाता है। फेरन ऊन से बना एक लंबा, ढीला गाउन होता है।

विकास की राह पर कश्मीर

कश्मीर अब शांति, सुरक्षा व विकास के पथ पर गतिमान हो चला है। बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, पर्यटन में रिकार्ड वृद्धि, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम कश्मीर को सशक्कत कर रहा है। यहां दैनिक हड़तालें, पत्थरबाजी और बाजारबंदी अब अतीत की बातें रह गई हैं। परोक्ष नागरिक हानि (कोलेटरल डैमेज) न के बराबर हो गई है, आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लग चुका है। पुख्ता सुरक्षा तथा बेहतर कानून व्यवस्था की वजह से वर्ष 2025 में कुल 1.77 करोड़ सैलानी कश्मीर (मिनी स्विट्जरलैंड) आए, जिनमें करीब 36 हजार विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। सुरक्षा स्थिति में सुधार के लिए जम्मू-कश्मीर में अनाधिकारिक रूप से करीब तीन लाख सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इसमें सेना तथा पैरामिलिट्री फोर्स आतंक विरोधी घटनाओं से निपटने को तत्पर हैं। गरीबी, स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और बुनियादी ढांचों में भी यहां सुधार हो रहा है।

बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर को मिल रही रफ्तार

कश्मीर महिला सशक्तिकरण की ओर भी बढ़ चला है। यहां लैंगिक भेदभाव गुजरे जमाने की बात रह गई है। पर्यटन उद्योग कश्मीर का आर्थिक मेरुदंड है। सर्दियों में कश्मीर से करीब छह माह तक संपर्क कटे रहने वाले लद्दाख तक पहुंच के लिए जोजिला सुरंग यथाशीघ्र शुरू कर दिया जाएगा, पर्यटन को इससे उड़ान मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग-444 का ब्राजलू ब्रिज इसी माह निर्मित हो जाएगा। इससे दक्षिणी कश्मीर के कई जिले विशेषकर कुलगाम की श्रीनगर व एनएच-44 कनेक्टिविटी में सुधार हो जाएगा। पीर की गली टनल बनाने को टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसका निर्माण पुंछ व शोपियां के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी देगी। साधना टनल दूर के सीमावर्ती जिलों सहित करनाह इलाके को स्थिर व सुरक्षित कनेक्टिविटी देगी। यह टनल खतरनाक साधना दर्रे की जगह लेगी। कुपवाड़ा में त्रेहगाम-छमकोट रोड प्रोजेक्ट उत्तरी कश्मीर के गावों के बीच बेहतर संपर्क बनाएगी। निर्माणाधीन श्रीनगर रिंग रोड जम्मू, बारामूला, गांदरबल और पुलवामा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच सुगम संपर्क स्थापित करेगी। वर्ष 2018 में 1500-1600 किमी के मुकाबले कश्मीर में सड़क निर्माण आज करीब 3200 किमी हो गया है।

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक कश्मीर को देश के अन्य भागों से जोड़ने को तत्पर है। चेनाब नदी पर बना चिनाब रेल ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा (359 मीटर) रेलवे पुल है। यह पुल कश्मीर को शेष भारत से जोड़ता है। कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 191 किमी की दूरी को महज दो घंटे 58 मिनट में पूरी कर लेती है। श्रीनगर में भारतीय वायु सेना के स्वामित्व वाले शेख उल-आलम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से देश के अन्य स्थानों के लिए विमान सेवाएं हैं। शहरी सुधार के लिए स्मार्ट सिटी मिशन व गतिशील रेल परियोजनाओं के अलावा फिल्म, खाद्य-प्रसंस्करण व बागवानी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्रीनगर में लालचौक-पारिंपरा फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी इसी वर्ष शुरू होने की उम्मीद है। अवंतीपोरा में निर्माणाधीन एम्स अस्पताल घाटी के स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूती को तैयार है।

स्थान जो अपनी ओर बरबस खींचते

- **अच्छाबल :** श्रीनगर से 58 किमी दूर तथा 1677 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान कभी नूरजहां के पर्यटनस्थल के रूप में जाना जाता था। जहां मुगल उद्यान भी हैं, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।
- **मट्टन :** पहलगाम मार्ग पर स्थित इस स्थान पर हिंदुओं की आस्था का केंद्र प्राचीन शिव मंदिर है। यहां के झरने भी सैलानियों को आकर्षत करते हैं।
- **गुलमर्ग :** बारामूला जिले में स्थित यह स्थान फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर है। समुद्र तल से 2730 मीटर की ऊंचाई पर बसा गुलमर्ग सैलानियों के लिए किसी तीर्थ स्थान से कम नहीं। देश के शीतकालीन खेलों का यह बड़ा केंद्र भी है। बर्फ से ढकीं यहां की पर्वत चोटियां सैलानियों को बुलाने में कोई कसर नहीं छोड़ती है।
- **सोनमर्ग :** यह मनोरम स्थल श्रीनगर से लेह की ओर जाने वाले मार्ग में पड़ता है। हिमाच्छादित पर्वतों पर सूरज की किरणें जब पड़ती हैं, तो यहां का दृश्य मन को लुभाने वाला और अविस्मरणीय हो जाता है।
- **जामिया मस्जिद :** इस मस्जिद का निर्माण सुलतान सिकंदर ने 1400 ईसवी में करवाया था और बाद में उनके बेटे जेन-उल-अबीदीन ने इसके क्षेत्रफल को और बढ़ाया था।
- **परी महल :** यह महल कभी बौद्ध मठ था। मुगल बादशाह शाहजहां के बेटे दाराशिकोह ने इसे ज्योतिष के एक स्कूल के रूप में बदल दिया था।
- **डल झील :** श्रीनगर के बीच में स्थित डल झील में नौकाविहार के आनंद के क्या कहने। करीब 12 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले इस झील में अनेक टापू भी हैं, जो सैलानियों को लुभाते हैं। इस झील में स्थित शिकारों में रहने का अलौकिक अनुभव मिलता है। डल झील को 'कश्मीर का ताज' व 'श्रीनगर का गहना' भी कहा जाता है। यह झील तैरते हुए बाजारों के लिए भी मशहूर है।
- **शंकराचार्य मंदिर :** श्रीनगर स्थित यह मंदिर जमीन से करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर है। जिस पहाड़ी पर यह मंदिर स्थित है, उसे तख्त-ए-सुलेमान के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण महाराजा अशोक के बेटे जलुका ने 200 ईसा पूर्व में करवाया था। इस मंदिर से पूरी पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला और श्रीनगर का प्रत्येक भाग देखा जा सकता है।
- **हजरतबल दरगाह :** यह दरगाह डल झील के पश्चिमी किनारे पर निशात बाग के बिल्कुल सामने है। एक ओर झील तथा दूसरी ओर पर्वत श्रृंखला होने के कारण इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। हजरत मुहम्मद साहब की निशानी के रूप में उनका एक पवित्र बाल इसमें रखा गया है।

वसंत ऋतु प्रकृति में नवजीवन का संदेश लेकर आती है। इस समय वातावरण सुहावना होता है और चारों ओर हरियाली दिखाई देती है, लेकिन शरीर के अंदर भी महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। शीत ऋतु में जमा हुआ कफ दोष इस मौसम में पिघलकर सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर में भारीपन, आलस्य और सुस्ती महसूस हो सकती है। यही वह समय है, जब शरीर प्राकृतिक रूप से खुद को शुद्ध करने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार और दिनचर्या अपनाई जाए, तो यह ऋतु स्वास्थ्य सुधारने और वजन घटाने का सबसे अच्छा अवसर बन जाती है।

वसंत ऋतु में वजन घटाना
आयुर्वेद, पंचकर्म और योग के साथ

सर्दियों में भारी, तैलीय और मीठा भोजन अधिक लेने से शरीर में चर्बी और कफ बढ़ जाता है। वसंत ऋतु के आगमन पर तापमान बढ़ने से यह कफ पिघलने लगता है और शरीर में गतिशील हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यही स्थिति वजन घटाने के लिए अनुकूल होती है, क्योंकि इस समय शरीर जमा हुई वसा को कम करने के लिए तैयार रहता है। यदि इस समय व्यक्ति हल्का, सुपाच्य और कफ को कम करने वाला आहार लेता है तथा नियमित व्यायाम करता है, तो वजन कम करना आसान हो जाता है। इसलिए वसंत ऋतु को प्राकृतिक रूप से वजन घटाने का सर्वोत्तम समय माना गया है।

आहार की भूमिका
वजन घटाने में आहार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस ऋतु में पाचन शक्ति थोड़ी कमजोर होती है, इसलिए हल्का और सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया, जौ की रोटी और सत्तू जैसे आहार शरीर को ऊर्जा देते हैं, लेकिन चर्बी नहीं बढ़ाते। साथ ही कड़वे और कसैले स्वाद वाले पदार्थ जैसे करेला, मेथी और हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर को शुद्ध करती हैं और कफ को कम करती हैं। सुबह गुनगुने पानी में शहद और नींबू का सेवन पाचन को बेहतर बनाता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है। इसके विपरीत तले, मीठे और ठंडे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये कफ और मोटापा दोनों बढ़ाते हैं।

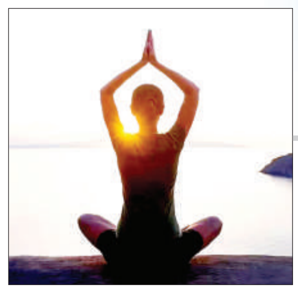

शहद और हर्बल पेयों का महत्व
वसंत ऋतु में शहद का सेवन विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। आयुर्वेद में इसे 'लेखन' गुण वाला बताया गया है, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद और नींबू मिलाकर पीने से शरीर डिटॉक्स होता है और मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, ध्यान रहे कि शहद को कभी भी ज्यादा गर्म पानी में नहीं पीना है। इसके साथ ही जीरा, धनिया और सौंफ का पानी, अदरक और तुलसी की चाय जैसे हर्बल पेय शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं और वजन घटाने में सहायक होते हैं।

योग का महत्व प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय
योग वसंत ऋतु में वजन घटाने का एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। सूर्य नमस्कार पूरे शरीर का व्यायाम है, जो कैलोरी बर्न करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। कपालभाति प्राणायाम पेट की चर्बी कम करने और पाचन को सुधारने में मदद करता है। अनुलोम-विलोम तनाव को कम कर शरीर को संतुलित रखता है। इसके अलावा भुजंगासन, पवनमुक्तासन और त्रिकोणासन जैसे योगासन पेट और कमर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में सहायक होते हैं। नियमित योग करने से न केवल वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा भी बनी रहती है।

दिनचर्या और जीवनशैली का महत्व
वसंत ऋतु में सही दिनचर्या अपनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना सही आहार लेना। सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम करना, दिन में न सोना और रात का भोजन हल्का व समय पर लेना वजन घटाने में सहायक होता है। देर रात खाना खाने और निष्क्रिय जीवनशैली से कफ बढ़ता है, जिससे मोटापा बढ़ सकता है। इसलिए संतुलित जीवनशैली अपनाकर ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

पंचकर्म की भूमिकाः गहराई से शरीर की सफाई
वसंत ऋतु में पंचकर्म उपचार विशेष रूप से प्रभावी होता है, क्योंकि इस समय कफ दोष को शरीर से निकालना आसान होता है, हेमंत में संचित कफ दोष वसंत में सूर्य की तेज होती किरणों से स्वतः पिघलने लगता है जिसे 'वासंतिक वमन कर्म' द्वारा आसानी से निकाला जा सकता है। पंचकर्म की प्रमुख प्रक्रियाओं में वमन, विरेचन, स्वेदन और उद्वर्तन शामिल हैं। वमन चिकित्सा के द्वारा शरीर से अतिरिक्त कफ बाहर निकाला जाता है, जो मोटापा और एलर्जी में लाभकारी है। उद्वर्तन में हर्बल चूर्ण से मसाज की जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है और त्वचा टोन होती है। स्वेदन (भाप) शरीर के रोमछिद्रों को खोलकर विषैले तत्वों को बाहर निकालता है, जबकि विरेचन पाचन तंत्र को साफ कर शरीर को हल्का बनाता है। इन प्रक्रियाओं से शरीर अंदर से शुद्ध होता है और वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

प्राकृतिक डिटॉक्स और फिटनेस का समय
वसंत ऋतु को शरीर के लिए प्राकृतिक डिटॉक्स का समय कहा जाता है। इस मौसम में शरीर स्वयं ही विषैले तत्वों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार, पंचकर्म और योग को मिलाकर अपनाया जाए, तो शरीर अंदर से पूरी तरह साफ हो जाता है और वजन स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। यह एक ऐसा समय है, जब बिना कठोर डाइटिंग के भी अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। वसंत ऋतु वजन घटाने के लिए एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है। इस समय शरीर में जमा कफ पिघलता है, जिससे चर्बी कम करना आसान हो जाता है। यदि इस मौसम में आयुर्वेद के अनुसार आहार लिया जाए, पंचकर्म के द्वारा शरीर की गहराई से सफाई की जाए और नियमित योग को दिनचर्या में शामिल किया जाए, तो न केवल वजन कम किया जा सकता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। इसलिए वसंत ऋतु को केवल मौसम परिवर्तन न मानकर, अपने शरीर को स्वस्थ, हल्का और ऊर्जावान बनाने का सर्वोत्तम समय समझना चाहिए।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय एक प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक संस्थान है, जहां पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा पंचकर्म चिकित्सा (वमन, विरेचन, स्वेदन आदि), योग एवं प्राणायाम केंद्र, पथ्य (डाइट) परामर्श, तंबाकू/नशा मुक्ति केंद्र एवं आयुर्वेदिक आहार योजना, ओपीडी एवं आईपीडी सेवा को आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रदान किया जाता है।

यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में रोगियों को व्यक्तिगत प्रकृति (प्रकृति-आधारित) के अनुसार उपचार और आहार सलाह दी जाती है, जिससे वजन घटाने और संपूर्ण स्वास्थ्य सुधार में विशेष लाभ मिलता है।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश- +91 8077808309

एआई से पूछकर न करें इलाज चिकित्सकीय सलाह बेहद जरूरी

इंदु सिंह
लेखिका

वर्तमान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ता जा रहा है। जानकारी प्राप्त करना हो, किसी विषय पर राय लेनी हो या फिर व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान ढूंढना हो- लोग अब पहले की अपेक्षा अधिक एआई पर निर्भर होते जा रहे हैं। ऐसा लगता है मानो हर व्यक्ति को एक ऐसा 'सलाहकार' मिल गया है, जो हर समय उपलब्ध है और हर प्रश्न का उत्तर देने को तैयार रहता है।

एआई के लाभ और उपयोगिता
निस्संदेह, एआई का उपयोग कई मामलों में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। विशेषकर ज्ञानवर्धन, जिज्ञासा शांत करने, सामान्य जानकारी प्राप्त करने या किसी समस्या के संभावित समाधान समझने में यह एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। आज के दौर में जब परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है और लोग अपने विचार खुलकर साझा नहीं कर पाते, तब एआई एक ऐसा माध्यम बनकर उभरा है, जहां व्यक्ति बिना झिझक अपनी बात कह सकता है।

स्वयं इलाज के खतरे
यहीं से एक गंभीर खतरे की शुरुआत होती है। किसी भी बीमारी का सही निदान केवल लक्षणों के आधार पर नहीं किया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकीय जांच, अनुभव और व्यक्ति विशेष की शारीरिक स्थिति को समझना आवश्यक होता है। एआई सामान्य जानकारी दे सकता है, लेकिन वह आपके शरीर की वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं कर सकता।

एआई बनाम विशेषज्ञ
एआई, गूगल या यूट्यूब जैसे माध्यम हमें सामान्य जानकारी प्रदान करते हैं, जो पहले से उपलब्ध ज्ञान पर आधारित होती है। ये हमें दिशा दिखा सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय या उपचार का विकल्प नहीं हो सकते। इसके विपरीत, एक प्रशिक्षित चिकित्सक न केवल आपकी समस्या को गहराई से समझते हैं, बल्कि आपकी स्थिति के अनुसार उचित जांच, दवा और परामर्श भी प्रदान करता है।

युवाओं के लिए नया साथी
विशेषकर अकेले रहने वाले बच्चे, किशोर और युवा, जिनके मन में अनेक प्रश्न और उलझनें होती हैं, लेकिन उन्हें सुनने वाला कोई नहीं होता, वे एआई की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनके लिए यह एक ऐसा साथी बन गया है, जो बिना टोकाटाकी के उनकी बात सुनता है और तुरंत प्रतिक्रिया भी देता है। आज की स्मार्ट पीढ़ी एआई को केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक मित्र, मार्गदर्शक और कभी-कभी भावनात्मक सहारा मानने लगी है।

जब एआई को डॉक्टर समझ लिया जाता है
अब तक एआई का उपयोग जानकारी और संवाद तक सीमित रहता, तो स्थिति संतुलित कही जा सकती थी, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब लोग इसे विशेषज्ञों का विकल्प मानने लगते हैं। आजकल कई लोग एआई को केवल सलाहकार नहीं, बल्कि डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक तक समझने लगे हैं। वे अपने स्वास्थ्य संबंधी लक्षण बताते हैं और फिर उसके आधार पर दवाइयों के नाम पूछकर स्वयं ही उपचार करने लगते हैं।

उदाहरण और बढ़ती समस्या
हाल के समय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने इंटरनेट या एआई की सलाह पर दवाइयां लीं और उनकी स्थिति और बिगड़ गई। कुछ चिकित्सकों ने भी यह चिंता जताई है कि मरीज बिना परामर्श के दवाइयां लेने लगे हैं, जिससे जटिलताएं बढ़ रही हैं। यहां तक कि कुछ मेडिकल स्टोर्स पर भी बिना चिकित्सकीय पर्चे के, केवल समस्या सुनकर या ऑनलाइन जानकारी देखकर दवाइयां दे दी जाती हैं, जो अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति है।

हर व्यक्ति के लिए अलग उपचार
यह समझना आवश्यक है कि हर व्यक्ति की शारीरिक संरचना, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बीमारी की प्रकृति अलग होती है। एक ही दवा हर व्यक्ति पर समान प्रभाव नहीं डालती। गलत दवा लेने से एलर्जी, साइड इफेक्ट्स या गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई बार छोटी सी लापरवाही बड़ी समस्या का कारण बन जाती है।

विज्ञानः वरदान या अभिशाप
विज्ञान को सदैव दो धार वाली तलवार कहा गया है। यह वरदान भी है और अभिशाप भी। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बना सकता है, लेकिन यदि इसका गलत उपयोग किया जाए, तो यह नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है। एआई भी इसी श्रेणी में आता है। यह एक अत्यंत शक्तिशाली और उपयोगी साधन है, लेकिन इसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है।

सही उपयोग की आवश्यकता
इसलिए आवश्यक है कि हम एआई का उपयोग सीमित और समझदारी से करें। इसे ज्ञान प्राप्त करने, जागरूकता बढ़ाने और सामान्य मार्गदर्शन के लिए उपयोग करें, लेकिन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों में इसे अंतिम निर्णयकर्ता न बनाएं। किसी भी प्रकार की बीमारी, मानसिक तनाव या शारीरिक असुविधा होने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना ही सर्वोत्तम और सुरक्षित विकल्प है।

जागरूकता ही सुरक्षा
यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाए रखें। सुविधा के चक्कर में अपने स्वास्थ्य के साथ जोखिम न लें। याद रखें एआई आपकी मदद कर सकता है, लेकिन आपका इलाज नहीं कर सकता। सही समय पर सही चिकित्सक तक पहुंचना ही सच्ची समझदारी और स्वस्थ जीवन की पहचान है।

साप्ताहिक राशिफल
-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष इस सप्ताह अपनी सेहत, संबंध और कामकाज को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बचना चाहिए। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो आप अपने कार्यालय में सावधान होकर कार्य करें। अपने काम को पूरे मनोयोग के साथ करें अन्यथा आपको बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।

वृष इस सप्ताह आपको अपने कामकाज के सिलसिले अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपकी चिंता का कारण बनेंगे। इस दौरान स्वजनों से अपेक्षाकृत सहयोग और समर्थन न मिल पाने आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

मिथुन इस सप्ताह अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करते हैं, तो उन्हें अपेक्षा से अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। ऐसे में इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को पूरे मनोयोग के साथ करते हुए हाथ आए अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

कर्क इस सप्ताह आपको किसी भी व्यक्ति अथवा कार्य आदि को लेकर नकारात्मक धारणा बनाने से बचना चाहिए। समस्याएं घर-परिवार से जुड़ी हों अथवा करियर-कारोबार से, आपको उनसे भागने की बजाय डटकर मुकाबला करना होगा। नौकरीपेशा लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह यह सप्ताह करियर-कारोबार के लिए शुभता और लाभ लिए हुए है, लेकिन संबंधों की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली यात्रा अत्यंत ही शुभ एवं लाभप्रद साबित होगी। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे और रोजी-रोजगार के लिए प्रयासरत हैं, तो सप्ताह के अंत तक आपको इससे जुड़ी शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है।

कन्या इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी भी कार्य को सावधानी के साथ करें तथा जल्दबाजी से बचें। विशेष तौर पर वाहन सावधानी से चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका बनी रहेगी।

तुला इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। यदि आप बीते कुछ समय से संतान से जुड़ी किसी समस्या को लेकर जूझ रहे थे, तो उसका समाधान निकल आएगा। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य विशेष की मदद से पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद दूर होंगे।

वृश्चिक इस सप्ताह करियर आदि में किसी भी प्रकार का शार्टकट लेने अथवा नियम कानून का उल्लंघन करने से बचें अन्यथा लाभ की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। लोगों के साथ वाद-विवाद करने से बचना चाहिए। परिवार के किसी सदस्य की खराब सेहत आपकी चिंता का कारण बनेगी।

धनु यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। किसी प्रभावी व्यक्ति से मेल-मुलाकात होने की संभावना बनेगी, जिसकी मदद से भविष्य में लाभप्रद योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे हैं, तो आपको करियर-कारोबार से जुड़ बड़ा अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्ता-सरकार से जुड़े कार्य किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरे होंगे।

मकर इस सप्ताह अपनी वाणी और व्यवहार पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी, क्योंकि इसी से आपकी बात बन और बिगड़ सकती है। आपका मन किसी अनजान चिंता को लेकर ग्रसित रहेगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपको बेवजह की चीजों में उलझाने की कोशिश कर सकते हैं।

कुंभ यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। किसी व्यक्ति विशेष से बहुत ज्यादा अपेक्षाएं पालने की बजाय अपने कार्य को अपने दम पर करने का प्रयास करें अन्यथा समय पर समर्थन और सहयोग न मिल पाने पर मानसिक कष्ट मिल सकता है। सप्ताह के अंत में अपने क्रोध और वाणी नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी।

मीन इस सप्ताह अचानक से घर और कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियों का पहाड़ गिर सकता है। जिसे निभाने के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करने होंगे। यदि आप नौकरीपेशा व्यक्ति हैं, तो काम के बोझ से परेशान होने की बजाय धैर्यपूर्वक चीजों को एक-एक करके निपटाएं तथा अपने सहयोगियों से मदद मांगने में किसी प्रकार का संकोच न करें।

वर्ग पहेली (काकुरो)
काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त कर ने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 51
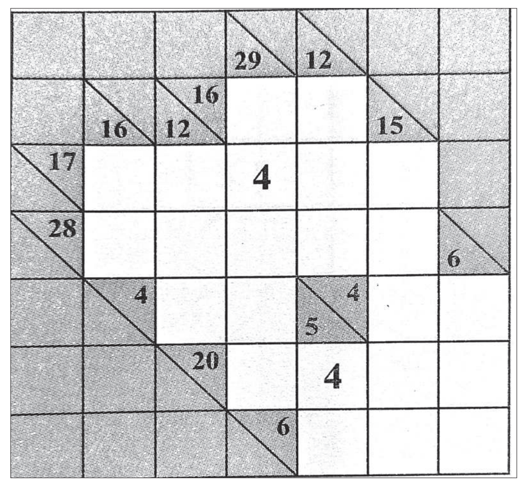

काकुरो 50 का हल
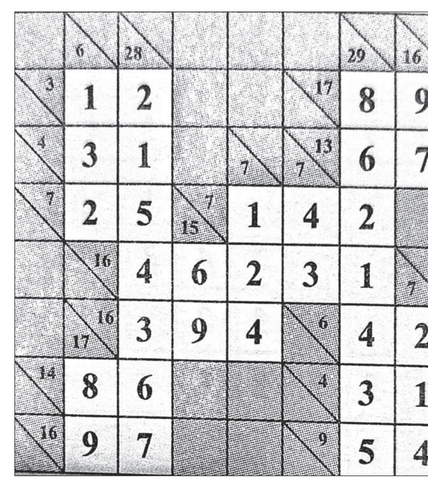

शब्द संसार

कहानी

जहन्नुम की आग

विजय कुमार पाठक
गोरखपुर

उत्तर भारत के विस्तृत मैदानी भूभाग में बसा एक छोटा-सा कस्बा, खैराबाद। कभी यह कस्बा अपने सौम्य वातावरण, आपसी भाईचारे और जीवंत सामाजिक जीवन के लिए जाना जाता था। सुबह की पहली किरण के साथ ही यहां की गलियां जीवन से भर उठती थीं। खेतों की ओर जाते किसान, दुकानों के सामने बैठकर चाय पीते व्यापारी और चौपालों पर राजनीति व समाज की बातें करते बुजुर्ग, ये सब मिलकर खैराबाद की पहचान थे, लेकिन समय की गति किसी के लिए नहीं रुकती। रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में कई परिवार धीरे-धीरे शहरों की ओर चले गए। कुछ ही वर्षों में कस्बे की चहल-पहल कम होने लगी। कई मकान सूने पड़ गए, कुछ घरों के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए और कभी जीवंत रहने वाली गलियां अब शांत दिखाई देने लगीं। कस्बे के ठीक बीचों-बीच एक पुराना किला खड़ा था। वह किला समय की मार झेलते-झेलते जर्जर हो चुका था। उसकी दीवारों में दरारें पड़ गई थीं और कई जगह पत्थर गिर चुके थे। किले के चारों ओर उगी झाड़ियां और बेलें उसे एक रहस्यमय स्वरूप प्रदान करती थीं, लेकिन उस किले की असली पहचान उसकी जर्जरता नहीं, बल्कि उससे जुड़ी एक भयावह कथा थी। लोग उसे 'जहन्नुम का किला' कहते थे। कस्बे के बुजुर्ग बताते थे कि किले के नीचे एक गहरा तहखाना है जहां 'जहन्नुम की आग' जलती है। यह आग कोई साधारण आग नहीं थी। कहा जाता था कि जो भी व्यक्ति उस आग के पास जाता है, वह कभी वापस नहीं लौटता। यह कथा वर्षों से लोगों के बीच प्रचलित थी, लेकिन लगभग पचास वर्ष पहले घटी एक घटना ने इस विश्वास को और भी दृढ़ बना दिया था।

एक अमावस की रात थी। पूरा कस्बा गहरी नींद में डूबा हुआ था। अचानक कुछ लोगों ने किले की दिशा में एक विचित्र दृश्य देखा। किले की टूटी दीवारों के बीच से लाल-लाल लपटें उठती दिखाई दे रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो जमीन के भीतर से आग का कोई स्रोत फूट पड़ा हो। हवा के साथ एक अजीब-सी आवाज भी सुनाई दे रही थी, एक लंबी, गूंजती हुई कराह, जो सुनने वाले के मन में सिहरन पैदा कर देती थी। कुछ साहसी लोग दूर से देखने के लिए किले के पास तक गए, लेकिन जैसे ही उन्होंने वह दृश्य देखा, उनके चेहरे भय से पीले पड़ गए। "वहां से आवाज आ रही थी। जैसे कोई दर्द से चीख रहा हो," उनमें से एक ने अगले दिन बताया। उस घटना के बाद एक और खबर पूरे कस्बे में फैल गई। चार लोग अचानक लापता हो गए थे। लोगों को याद आया कि उन्हें आखिरी बार उसी किले की दिशा में जाते देखा गया था। बस, उस दिन से यह मान लिया गया कि किले के तहखाने में जहन्नुम की आग जाग उठी है।

उस घटना के बाद से किले के आसपास का इलाका लगभग वीरान हो गया। सूर्यास्त के बाद उस रास्ते से गुजरने की किसी की हिम्मत नहीं होती थी। माताएं अपने बच्चों को चेतावनी देतीं, "शाम के बाद किले की तरफ मत जाना, वहां जहन्नुम की आग है।" धीरे-धीरे डर की यह कथा पूरे कस्बे के जीवन का हिस्सा बन गई। कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने आधी रात को किले के भीतर आग की लपटों में किसी आकृति को हिलते हुए देखा है। किसी ने कहा कि वहां से चीखने की आवाज आती है। डर और कल्पना मिलकर इस कथा को और भी रहस्यमय बना देते थे। समय के साथ कई परिवार कस्बा छोड़कर चले गए। खैराबाद की रौनक धीरे-धीरे कम होती गई।

कई साल बाद शहर से एक युवा शोधार्थी आरव वहां पहुंचा। आरव लोककथाओं और अंधविश्वासों पर अध्ययन कर रहा था। उसका मानना था कि समाज में फैली कई रहस्यमय कहानियों के पीछे कोई न कोई प्राकृतिक कारण अवश्य होता है। जब उसने 'जहन्नुम की आग' की कथा सुनी, तो उसकी जिज्ञासा बढ़ गई। उसने कस्बे के कुछ बुजुर्गों से इस घटना के बारे में विस्तार से बातचीत की। एक बुजुर्ग ने गंभीर स्वर में कहा, "बेटा, उस किले के पास मत जाना। हमने अपनी आंखों से वह आग देखी है। वहां कुछ अच्छा नहीं है।" आरव ने विनम्रता से उत्तर दिया, "कभी-कभी डर के पीछे छिपी सच्चाई को समझना जरूरी होता है।"

एक शाम वह टॉर्च, कैमरा और कुछ वैज्ञानिक उपकरण लेकर किले की ओर निकल पड़ा। सूरज ढल चुका था और अंधकार धीरे-धीरे फैल रहा था। किले की टूटी दीवारें अंधेरे में किसी मौन प्रहरी की तरह खड़ी थीं। जैसे ही वह भीतर पहुंचा, उसे दूर से एक हल्की लाल चमक दिखाई दी। वह सावधानी से आगे बढ़ा। तभी उसे एक लंबी गूंजती हुई आवाज सुनाई दी, मानो कोई कराह रहा हो। क्षण भर के लिए उसके मन में भी भय की एक लहर उठी, लेकिन उसने स्वयं को संभाला और आवाज का पीछा करते हुए तहखाने तक पहुंच गया। तहखाने में पहुंचकर उसने देखा कि जमीन में एक चौड़ी दरार है। उसी दरार से हल्की-हल्की आग की लपटें उठ रही थीं। आरव ने तुरंत अपने उपकरण से जांच की। कुछ ही क्षणों में परिणाम सामने आ गया, वहां से मीथेन गैस निकल रही थी। उसने चारों ओर ध्यान से देखा तो उसे कुछ पुराने औजार और जंग लगे पाइप भी दिखाई दिए। अब उसे पूरी स्थिति समझ में आने लगी। कई दशक पहले उस स्थान पर गैस या कोयले की खोज के लिए खुदाई की गई थी, लेकिन वह प्रयास अधूरा रह गया। खुदाई के कारण जमीन में दरारें पड़ गईं और उन्हीं दरारों से गैस बाहर निकलने लगी। जब यह गैस किसी चिंगारी के संपर्क में आती, तो छोटी-छोटी लपटें उठने लगतीं। जहां तक कराह जैसी आवाज का सवाल था, वह तहखाने की सुरंगों और दरारों से गुजरती हवा की गूंज थी। संकरी जगहों से गुजरती हवा अक्सर ऐसी ध्वनि उत्पन्न कर देती है, जो मानवीय कराह जैसी प्रतीत होती है। अब आरव को पूरा सच समझ में आ चुका था। जिसे लोग वर्षों से 'जहन्नुम की आग' समझते रहे, वह वास्तव में एक साधारण प्राकृतिक घटना थी। डर और अज्ञानता ने मिलकर इस घटना को एक भयावह दंतकथा में बदल दिया था। अगले दिन आरव ने अपनी खोज के प्रमाणों के साथ प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही समय बाद वैज्ञानिकों की एक टीम वहां पहुंची और जांच के बाद वही निष्कर्ष सामने आया।

गैस के रिसाव को नियंत्रित कर दिया गया और उस स्थान को सुरक्षित बना दिया गया। जब यह सच्चाई कस्बे के लोगों के सामने आई, तो कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। दशकों से जिस कथा ने उनके मन में भय भर रखा था, वह दरअसल एक प्राकृतिक घटना की गलत व्याख्या थी। धीरे-धीरे लोगों का डर समाप्त होने लगा। कुछ समय बाद वही किला, जिसे लोग कभी अभिशप्त मानते थे, एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में पहचाना जाने लगा।

एक दिन कस्बे के स्कूल में आरव बच्चों से बातचीत कर रहा था। उसने कहा, "डर अक्सर अज्ञानता से जन्म लेता है। जब हम किसी घटना का कारण नहीं समझ पाते, तो उसे अलौकिक मान लेते हैं, लेकिन ज्ञान की रोशनी सबसे बड़े अंधविश्वास को भी समाप्त कर देती है।" बच्चे ध्यान से उसकी बात सुन रहे थे। आरव ने मुस्कुराते हुए कहा, "जहन्नुम की आग असल में कोई आग नहीं थी। वह केवल हमारे अज्ञान का अंधेरा था।" और जब ज्ञान की रोशनी फैली, तो वह अंधेरा सदा के लिए मिट गया।

काव्य

एक जीवन के लिए

मैं जानता हूं बेटा
तुम अपने अधिकारों के साथ
अपने वृहत आकाश में
उड़ना चाहते हो
मुझे खुशी होती है
जब मैं तुम्हारे लिए
तुम्हारी पसंद की चीजें
लाकर रखता हूं
तुम्हारे सामने
और प्रतीक्षा करता हूं
तुम्हारी प्रतिक्रिया की
देखता हूं तुम्हारी आंखों में
संतोष की एक चमकती रेखा
किंतु बेटे
तुम्हारा यह संतोष पोंछ
नहीं पाता
मेरे आंसुओं को
जब मैं देखता हूं
तुम्हारे जैसे बच्चों का एक झुंड
जिनके हाथों में रोटियां नहीं हैं
शरीर पर कपड़े नहीं हैं
मेरे बेटे
एक जीवन के लिए
किस कदर वो चीख रहे हैं
तुम सुन पा रहे हो न
उन लोगों की चीखें
बस मुझे इतनी आजादी दो
कि मैं तुम्हारे आकाश में से
एक छोटा टुकड़ा
उन सब में बांट सकूं
ताकि उन सबका विश्वास
कभी न मर सके

श्याम सुंदर चौधरी
लेखक

नववर्ष

हम अपना नववर्ष मनाएं,
चलो चलें सब नाचें, गाएं।

धरा पुष्प से लदी हुई है,
शस्य श्यामला फसल हुई है।
कली हंसी, भंवरे मुस्काएं,
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ग्रह,नक्षत्र,तिथि, वार मुदित हैं,
सूर्य गगन पर पूर्ण उदित हैं।
प्रमुदित दिखतीं दसों दिशाएं।
हम अपना नववर्ष मनाएं।।

ठंड गर्म सब दूर हो गई,
धरा अन्न फूलों से लद गई।
बहें वसंती मस्त हवाएं,
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

झूम रहीं पेड़ों पर कलियां,
होरियारों से भरी हैं गलियां।
आम जनों की बात करें क्या,
आम्र मंजरी भी बौराएं।।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

है आमंत्रण अटल घाट पर,
छेड़ रहे जन मंजु मृदुल स्वर,
आओ पंडित कृष्ण बुलाएं।
चलो चलें नववर्ष मनाएं।।

दया शंकर मिश्र 'सागर'
कानपुर

बेटियां

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो संस्कार हैं,
बेटियां तो कुलवंती हैं,
बेटियां तो सम्मान हैं।
फिर बेटियों से भेदभाव
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो लक्ष्मी हैं,
बेटियां तो दुर्गा हैं,
बेटियां तो अभिमान हैं।
फिर बेटियों का बलात्कार
क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो राजकुमारी हैं,
बेटियां तो राजदुलारी हैं।
फिर बेटियों का तिरस्कार
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?
बेटियां तो बेटा से ऊपर हैं,
बेटियां तो बेटा के बराबर हैं।
फिर बेटियों का गर्भपात
क्यों?
बेटियों को बेड़ियां क्यों?

डॉ. शकीला कुमारी
सहायक प्राध्यापिका

लघुकथा

ऋषि और कीड़े

वर्षा वार्ष्णेय
लेखिका

एक वन में एक महान ऋषि तपस्या में लीन रहते थे। वे घंटों ध्यान में बैठते। उसी स्थान पर एक छोटा सा कीड़ा रहता था। जब ऋषि ध्यान में बैठते, वह कीड़ा उन्हें बार-बार काट लेता। काटने से पीड़ा होती, पर ऋषि न क्रोधित होते, न उसे मारते। वे बस धीरे से कीड़े को अपनी देह से हटाकर पास रख देते और फिर ध्यान में बैठ जाते। यह क्रम रोज़ चलता रहा। कीड़ा काटता रहा,ऋषि हटाते रहे। एक दिन कीड़े ने फिर काटा,यह बात काफी दिन से उनका एक शिष्य देख रहा था। उससे रहा नहीं गया और बोला, गुरुजी मैं काफी दिन से देख रहा हूं कि कीड़ा आपको बार बार काटता और नाली में चला जाता है लेकिन आप उसे उठाकर बार बार सड़क के सहारे रख देते हो।

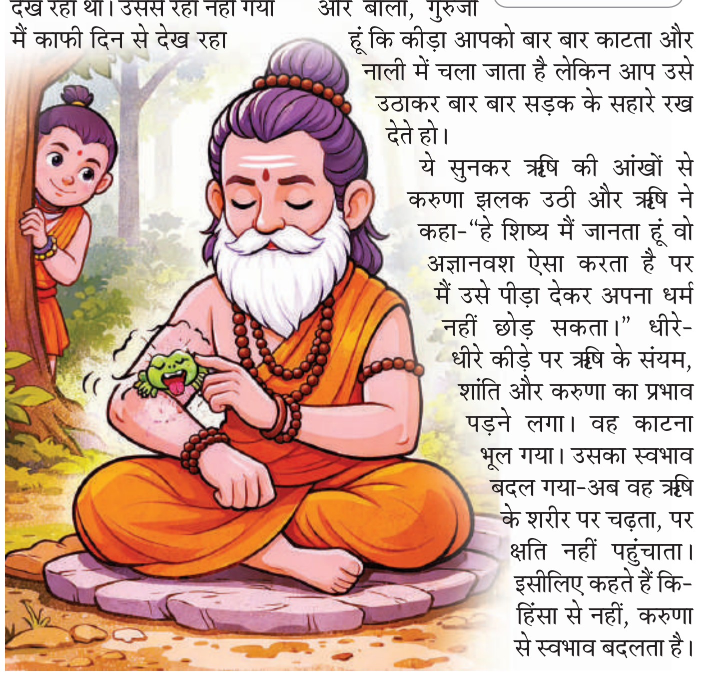

ये सुनकर ऋषि की आंखों से करुणा झलक उठी और ऋषि ने कहा-"हे शिष्य मैं जानता हूं वो अज्ञानवश ऐसा करता है पर मैं उसे पीड़ा देकर अपना धर्म नहीं छोड़ सकता।" धीरे-धीरे कीड़े पर ऋषि के संयम, शांति और करुणा का प्रभाव पड़ने लगा। वह काटना भूल गया। उसका स्वभाव बदल गया-अब वह ऋषि के शरीर पर चढ़ता, पर क्षति नहीं पहुंचाता। इसीलिए कहते हैं कि-हिंसा से नहीं, करुणा से स्वभाव बदलता है।

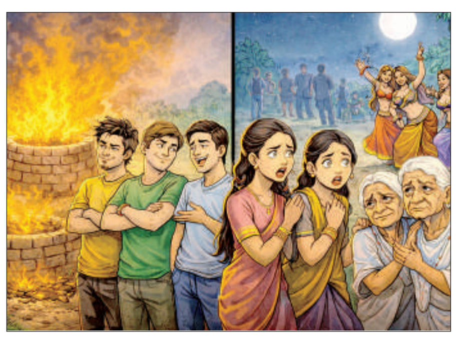

आंखों देखा

डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

सांझ हुई। चारों तरफ खबरें फैली-"नगर से कुछ दूर, सूख चुके अंधे कुओं में आग लग गई।" युवक हंसे-'लगने दो! हमें क्या?" दौड़ी आई कुंवारी लड़कियां-"नहीं रे! क्यों ऐसा बोलते हो। आग लगी है, तो बुझाने को दौड़ो न?" ठेंगे दिखाती, बदन छलकाती, शोर मचाती वधुएं आई और बोलने लगी-"फूंस ही तो जलेगा?..जलने दो! तुम रहो सुकून से, जलने दो!"

सुबह सोकर उठे तो देखा-"नगर में एक भी बूढ़ा, एक भी बूढ़ी दादी और बूढ़ी अम्मां दिखाई नहीं पड़ रही थी। पूछने लगी लड़कियां-"कहां गई कहां गई?" वधुएं बोली-"फूंस ही तो था... जल गया...जल गया?" युवक अभी तक रोमांस के नशे में मदमस्त झूम रहे थे। वधुओं ने उन्हें घेरे में लेकर नाचना शुरू किया। जिस्म की झलक शुरू हुई। फिर एक स्वर में युवकों ने कहा-"जाने दो! जहां गए हमें क्या?"

आपका हृदय मित्र अर्जुन का वृक्ष

डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
नेशनल हार्ट इंस्टिट्यूट नई दिल्ली

मैं रामायणकालीन वृक्ष अर्जुन हूं। सदाबहार, छायादार, सघन, हरीतिमा से पूर्ण औषधीय। मुझे संस्कृत में ककुभ (अपने सफेद फूलों के कारण) कहते हैं और स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने मुझे तिलक वृक्ष की उपाधि दी थी, क्योंकि माता सीता को मैं अत्यंत प्रिय था और पंचवटी में पाए जाने वाले अन्य वृक्षों जैसे कदंब, बिल्व, अशोक, ताल , जामुन , कनेर, आम, साल, कटहल, कुरव, धव, अनार, वकुल, चंदन, केवड़े आदि की अपेक्षा अधिक शिखरवत हूं।

महाकवि कालिदास भी मेरी सुंदरता पर मुग्ध थे। मेरी औषधीय गुणों पर सर्वप्रथम प्रकाश डाला महर्षि सुश्रुत ने- ककुभः शीतलो हृद्य : क्षत क्षय विषास्रजित् ,मेदोमेह व्रणान् हंति तुवरः कफ पित्त हत्। हृदयजनित पीड़ा (एंजाइना) में मेरी छाल का लाभकारी प्रभाव का ज्ञान गांव -कस्बे के लोगों को भी ज्ञात है, इसीलिए जहां पर कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है, वहां के लोग मेरे छाल का चूर्ण या काढ़ा बनाकर पीते हैं। इसका प्रमाण देखना है, तो यह चित्र देखिए पश्चिम बंगाल के नादिया जिले का है। स्थानीय लोगों ने मेरे छाल को नोच डाला है अपने हृदय शूल को दूर करने के लिए। कमोबेसी यही हाल काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आईआईटी के सामने लगे तमाम अर्जुन के वृक्षों का है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में यूनानी कालेज के परिसर में लगे विशाल अर्जुन वृक्ष का तना भी इसी बात की मौन गवाही दे रहा है की न जाने कितने लोगों ने अपनी हृदय पीड़ा कम करने के लिए उसका उपयोग किया- 'परोपकाराय सतां विभूतयः।

व्यंग्य

अविश्वास है, तो है

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

मुझे अविश्वास प्रस्ताव लाना है। मुझे नहीं हमें कहो, तुम अकेले अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकते, पर अविश्वास प्रस्ताव लाना क्यों है? हैड मास्टर मुझे क्लास में बोलने नहीं देता। क्यों बोलने नहीं देता? मुझे क्या पता, क्यों नहीं बोलने देता, मैं कुछ भी बोलता हूं, तो कहता है कि विषय पर बोलो। क्या तुम विषय पर नहीं बोलते? मैं अपने हिसाब से अपने विषय पर बोलता हूं। कभी बोलता हूं, कभी नहीं भी बोलता। हैड मास्टर सही तो बोलता है, विषय पर बोलोगे, तो बोलने देगा।

मैं कुछ नहीं जानता, मैं इतना जानता हूं कि मैं ही विषय पर बोलता हूं, मेरे अलावा कोई ऐसे विषय पर नहीं बोलता, जैसे विषय पर मैं बोलता हूं। कोई तो कारण होगा, जो तुम्हें बोलने से रोका जाता है? यह तो वही जाने, अब मुझे उसके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाना है। अविश्वास प्रस्ताव में क्या कहेंगे? यही कि हेडमास्टर भेदभाव करता है। अपने चहेते बालकों को बोलने की परमीशन देता है, जब भी मैं बोलने के लिए खड़ा होता हूं, तो रोक-टोक करता है। कोई तो कारण होगा?

मैं इतिहास की क्लास में खड़े होकर जब जूडो कराटे के दाव समझाता हूं, तो वह कहता है विषय पर बोलो। सही तो कहता है, विषय पर बोलो, जब विषय से भटक कर ऊटपटांग बेसिर पैर की बातें करोगे, तो वह विषय पर बोलने के लिए कहेगा ही। मैं विषय पर ही तो बोलता हूं। क्लास के विषय पर या अपने विषय पर। अपने मनमाफिक विषय पर, जो मैं बोलना चाहता हूं, बोलता हूं। क्लास के विषय पर बोलना चाहिए। मेरी मर्जी, मैं किसी भी विषय पर बोलूं। जो विषय मेरी समझ में आएगा, उसी पर तो बोलूंगा। कोई बात नहीं, पर इसमें अविश्वास की बात कहां से आ गई?

मुझे ऐसा मास्टर नहीं चाहिए, जो मुझे बोलने से रोके, मेरे मुंह पर टेप चिपकाने की कोशिश करें। आखिर मैं स्वतंत्र देश का स्वतंत्र नागरिक हूं। मुझे अपने मन की बात करने का पूरा अधिकार है। यह तो बताओ, कि अविश्वास प्रस्ताव लाने से हासिल क्या होगा? अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे, हेडमास्टर को हटाएंगे। क्या तुम्हें विश्वास है, कि तुम हेडमास्टर के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव को पास करा पाओगे? अपने साथियों का इतना समर्थन जुटा पाओगे कि हेडमास्टर को हटाया जा सके। मुझे पास फेल से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बार-बार फेल होता हूं, फिर भी हिम्मत नहीं हारता। तुम हिम्मत नहीं हारते, मगर तुम्हारा साथ निभाने वालों की तो बेइज्जती होती है। होती रहे, मुझे क्या, मुझे तो अविश्वास प्रस्ताव लाना है, हेडमास्टर को सबक सिखाना है। यदि अविश्वास प्रस्ताव फेल हो गया, तब किस मुंह से हेडमास्टर के सम्मुख जाओगे? इसी मुंह से जिससे हर बार जाता हूं।

अपनी नहीं तो अपने साथियों की इज्जत का तो ध्यान रखो। इज्जत-बेइज्जत से मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। लगता है कि तुम नहीं सुधरोगे। यह सुधरना किस चिड़िया का नाम है? तुम्हारे लिए किसी चिड़िया का नहीं। जाओ विदेश घूम आओ, मौज मस्ती सैर सपाटा कर आओ, बाकी हम हैं न, तुम्हारी हर सनक का बचाव करने ले लिए।

समीक्षा अर्तम: शब्दों का सृजन

कविता लिखना और कविता को जीना दोनों अलग-अलग मार्ग हैं। जो कविता लिखते-लिखते कविता जीना सीख गया, उसी की कविता सिर चढ़कर बोलती है। एक ऐसा ही काव्य संग्रह शीर्षक - 'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल) है। यह संग्रह छोटी-बड़ी कविताओं से सुसज्जित है। कवयित्री के लेखन में वैचारिक परिपक्वता, संवेदना की संपन्नता तथा शब्दों में भावनात्मक पहलुओं के साथ-साथ चिंतन की ठोस भूमिका भी मौजूद है। अर्तम शीर्षक पर सबसे अंतिम कविता है, जो यह दर्शाता है कि अंतः अस्ति प्रारंभः, जिसका अर्थ है अंत ही शुरूआत है। अर्तम अर्थात माथे पर सुनहरा कमल-यह बिंब भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इन कविताओं में पवित्र जागरण और आत्मबोध ही नहीं, अपितु आत्मसम्मान, तेजस्विता और आध्यात्मिक उत्कर्ष का संदेश भी है। काव्य संग्रह की कविताएं 'शिवत्व' प्रतीक का प्राण बिंदु है। इसमें जीवन के संघर्ष और हलाहल का कोलाहल भी है। इन कविताओं का अंतिम सत्य जीवन के सूक्ष्म क्षणों की यात्रा में विस्तार करना है। संवेदनाओं की परतें, रिश्तों की आंतरिक ऊर्जा तथा स्त्री मन की पीड़ाओं के साथ-साथ उसके अंतर में छिपी उस अदम्य शक्ति को काव्य भूमि में सजीव हो उठी हमें नजर आती है- जैसे जब वह निजी जिंदगी के द्वंद्व पर लिखती हैं। इस काव्य संग्रह में अन्य कविताएं, जैसे मिट्टी, जियो और जीने दो, सफलता का स्वेटर, मानवता की पुकार, मेरे निश्छल मन की गति को देखों, धुआं-धुआं आदि अपने आप में एक नई पृष्ठभूमि का निर्माण करती हैं, जो समकालीन समय में प्रासंगिक भी है।

पुस्तक :'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल)
लेखक : दिव्या सक्सेना
प्रकाशक : वेरा प्रकाशन, हिंदी अकादमी, नई दिल्ली
मूल्य : 250
समीक्षक : – हरि शंकर शर्मा, जयपुर

गर्मियों का मौसम आते ही ऑफिस जाने वाली महिलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है, ऐसा आउटफिट चुनना जो आरामदायक भी हो, प्रोफेशनल भी लगे और स्टाइलिश भी दिखाई दे। इस मौसम में कॉटन फैब्रिक को सबसे भरोसेमंद माना जाता है, क्योंकि यह हल्का, सांस लेने योग्य और पूरे दिन शरीर को ठंडक देने वाला होता है। आजकल मार्केट में कॉटन सूट के इतने आकर्षक और आधुनिक डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें पहनकर ऑफिस में भी आप बेहद एलिगेंट और सॉफिस्टिकेटेड लुक पा सकती हैं। खास बात यह है कि ये सूट केवल आराम ही नहीं देते, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी निखारते हैं।

ऑफिस के परफेक्ट आउटफिट्स स्टाइल के साथ एलिगेंट लुक

फ्लोरल, ए-लाइन और एथनिक प्रिंट जैसे डिजाइन इस समय खासे ट्रेंड में हैं। यदि आप भी अपने ऑफिस लुक में नया बदलाव चाहती हैं, तो इन कॉटन सूट डिजाइनों के साथ-साथ कुछ और स्टाइलिश आउटफिट्स को भी अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट

अगर आप अपने ऑफिस लुक में थोड़ा पारंपरिक आकर्षण जोड़ना चाहती हैं, तो एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट एक शानदार विकल्प है। छोटे-छोटे ब्लॉक प्रिंट, बुटी या ज्यामितीय पैटर्न वाले कुर्ते देखने में बेहद सादगीपूर्ण और आकर्षक लगते हैं। इंडिगो प्रिंट, अज्रक डिजाइन या हैंडब्लॉक प्रिंट वाले कॉटन सूट इन दिनों काफी लोकप्रिय हैं। ये आउटफिट ऑफिस के साथ-साथ सेमी-फॉर्मल मौकों पर भी पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं। आप इन्हें सिल्वर ज्वेलरी, ऑक्सीडाइज्ड झुमके या छोटे स्टड ईयररिंग्स के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद सादा, लेकिन प्रभावशाली दिखाई देगा।

कॉटन साड़ी

जो महिलाएं साड़ी पहनना पसंद करती हैं, उनके लिए कॉटन साड़ी भी ऑफिस के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। कॉटन साड़ी हल्की होती है और गर्मियों में पहनने पर काफी आराम देती है। पेस्टल रंगों या हल्के बॉर्डर वाली साड़ी ऑफिस के माहौल में बेहद गरिमामय लगती है। इसके साथ साधारण ब्लाउज और हल्की ज्वेलरी पहनकर आप एक क्लासी और प्रोफेशनल लुक पा सकती हैं। कई कॉर्पोरेट और शिक्षण संस्थानों में कॉटन साड़ी को आज भी सबसे सुसंस्कृत और सम्मानजनक पहनावे के रूप में देखा जाता है।

फ्लोरल कॉटन सूट डिजाइन

फ्लोरल प्रिंट हमेशा से ही महिलाओं की पसंदीदा डिजाइन रहा है। हल्के फूलों वाले प्रिंट किसी भी आउटफिट को सॉफ्ट और ग्रेसफुल लुक देते हैं। ऑफिस के लिए फ्लोरल कॉटन सूट सबसे अच्छे विकल्पों में से एक माना जाता है। इन दिनों पेस्टल शेड्स जैसे पाउडर ब्लू, मिंट ग्रीन, पीच, लैवेंडर और बेबी पिंक रंगों में फ्लोरल प्रिंट काफी पसंद किए जा रहे हैं। ये रंग आंखों को सुकून देते हैं और ऑफिस के शांत वातावरण के साथ भी मेल खाते हैं।

फ्लोरल कॉटन सूट की खासियत यह है कि इसे आप केवल ऑफिस ही नहीं बल्कि छोटे-मोटे पारिवारिक कार्यक्रमों में भी आसानी से पहन सकती हैं। यदि आप इसे सिंपल दुपट्टे और हल्की ज्वेलरी के साथ स्टाइल करें, तो यह लुक और भी आकर्षक बन जाता है।

स्ट्रेट कुर्ता विद प्लाजो

स्ट्रेट कट कुर्ता और प्लाजो का कॉम्बिनेशन भी ऑफिस के लिए बेहद आरामदायक और स्टाइलिश माना जाता है। प्लाजो पैंट का ढीला और फ्लोई डिजाइन गर्मियों में हवा के संचार को आसान बनाता है, जिससे पूरे दिन आराम महसूस होता है। स्ट्रेट कुर्ता के साथ प्लेन या हल्के प्रिंट वाले प्लाजो पहनने से लुक बेहद संतुलित दिखाई देता है। यह आउटफिट खासकर उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है, जो दिनभर काम में व्यस्त रहती हैं और आराम को प्राथमिकता देती हैं। इसके साथ हल्की जूती या फ्लैट सैंडल पहनकर आप अपने ऑफिस लुक को सहज और आकर्षक बना सकती हैं।

ए-लाइन कुर्ता विद ट्राउजर

ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए ए-लाइन कुर्ता एक बेहद लोकप्रिय और सुविधाजनक विकल्प बन चुका है। इस डिजाइन की खास बात यह है कि यह लगभग हर बॉडी टाइप पर अच्छी तरह फिट बैठता है और शरीर को संतुलित आकार देता है।

ए-लाइन कुर्ता ऊपर से फिट और नीचे की ओर हल्का फैला हुआ होता है, जिससे चलने-फिरने में भी आराम मिलता है। जब इसे ट्राउजर या स्ट्रेट पैंट के साथ पहना जाता है, तो यह आउटफिट एक मॉडर्न और प्रोफेशनल लुक देता है। अगर आप इसे और ज्यादा स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो इसके साथ ब्लॉक हील्स, कोल्हापुरी सैंडल या सिंपल फ्लैट्स पहन सकती हैं। हल्की घड़ी और छोटे स्टड ईयररिंग्स इस लुक को पूरा करने के लिए काफी हैं।

कॉटन कुर्ता विद जींस

आजकल ऑफिस फैशन में इंडो-वेस्टर्न स्टाइल भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यदि आपके ऑफिस का ड्रेस कोड थोड़ा कैजुअल है, तो कॉटन कुर्ता के साथ जींस पहनना एक स्मार्ट विकल्प हो सकता है। लॉन्ग या मिड-लेंथ कुर्ता के साथ स्ट्रेट या स्लिम फिट जींस पहनने से एक सिंपल, लेकिन ट्रेंडी लुक मिलता है। यह स्टाइल खासतौर पर उन युवतियों के बीच लोकप्रिय है, जो पारंपरिक और आधुनिक फैशन का मिश्रण पसंद करती हैं। इस लुक को पूरा करने के लिए आप स्नीकर्स, बैले फ्लैट्स या लोफर्स पहन सकती हैं। इसके साथ एक स्लीक बैग और हल्का मेकअप आपके व्यक्तित्व को और निखार देगा।

आउटफिट चुनते समय रखें इन बातों का ध्यान

ऑफिस के लिए कपड़े चुनते समय केवल फैशन ही नहीं, बल्कि कुछ व्यावहारिक बातों का भी ध्यान रखना जरूरी होता है।

- हल्के रंग चुनें- गर्मियों में पेस्टल और सॉफ्ट रंग ज्यादा आरामदायक होते हैं।
- फैब्रिक का ध्यान रखें – कॉटन, लिनन या खादी जैसे प्राकृतिक फैब्रिक शरीर को ठंडक देते हैं।
- कम्फर्ट सबसे जरूरी – ऐसे कपड़े चुनें, जिनमें आप पूरे दिन सहज महसूस करें।
- ज्यादा भारी कढ़ाई से बचें – ऑफिस आउटफिट में सादगी ही सबसे ज्यादा आकर्षक लगती है।

गर्मियों में ऑफिस के लिए सही आउटफिट चुनना थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन यदि आप सही फैब्रिक और डिजाइन का चयन करें, तो यह काम बेहद आसान हो जाता है। कॉटन सूट, ए-लाइन कुर्ता, एथनिक प्रिंटेड डिजाइन, प्लाजो सेट, कुर्ता-जींस या कॉटन साड़ी ये सभी विकल्प आपको आराम, स्टाइल और प्रोफेशनल लुक एक साथ प्रदान कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आपका आउटफिट आपकी व्यक्तित्व के अनुरूप हो और उसमें आप आत्मविश्वास महसूस करें। सही कपड़ों का चयन न केवल आपकी उपस्थिति को प्रभावशाली बनाता है, बल्कि आपके कामकाजी दिन को भी ज्यादा सहज और सुखद बना देता है।

स्मार्ट पेरेंटिंग: बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का मार्गदर्शन

बच्चों का बचपन केवल खेलने-कूदने का समय नहीं होता, बल्कि यह उनके संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला भी होता है। इसी दौर में उनके विचार, आदतें और संस्कार आकार लेते हैं, जो आगे चलकर उनके जीवन की दिशा तय करते हैं। माता-पिता के लिए यह समय जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी, क्योंकि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाना आसान नहीं होता। आज के बदलते दौर में जहां तकनीक और बाहरी प्रभाव तेजी से बच्चों के व्यवहार को प्रभावित कर रहे हैं, वहां अच्छे संस्कारों की भूमिका और भी बढ़ जाती है। यदि बचपन में ही बच्चों को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए, तो वे न केवल सफल, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बन सकते हैं।

सम्मान की भावना का विकास

बच्चों को बचपन से ही बड़ों के प्रति सम्मान और आदर का भाव सिखाना आवश्यक है। यह केवल शिष्टाचार का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके संस्कारों की पहचान भी होता है। जब बच्चे बड़ों के अनुभव और मार्गदर्शन का महत्व समझते हैं, तो वे जीवन के कठिन निर्णयों में भी सही रास्ता चुनने में सक्षम होते हैं। विनम्रता और सम्मान का यह गुण उन्हें समाज में प्रिय बनाता है।

परिश्रम की आदत डालना

जीवन में सफलता पाने के लिए परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि हर उपलब्धि के पीछे मेहनत छिपी होती है। कहानियों, उदाहरणों और दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से उन्हें परिश्रम का महत्व सिखाया जा सकता है। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का विकास होता है।

ईमानदारी की नींव मजबूत करना

ईमानदारी एक ऐसा गुण है, जो व्यक्ति को जीवनभर सही दिशा में बनाए रखता है। बच्चों को बचपन से ही सच बोलने और सही आचरण करने की प्रेरणा देनी चाहिए। यदि वे ईमानदारी को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तो भविष्य में वे किसी भी परिस्थिति में गलत रास्ता अपनाने से बचेंगे और समाज में विश्वसनीय बनेंगे।

असफलता से सीखने की समझ

असफलता जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसे स्वीकार करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता से डरना नहीं, बल्कि उससे सीख लेना चाहिए। जब वे समझेंगे कि हर असफलता उन्हें कुछ नया सिखाती है, तो वे चुनौतियों का सामना अधिक साहस और धैर्य के साथ कर पाएंगे।

समय प्रबंधन की समझ

समय का सही उपयोग करना एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। बच्चों को शुरुआत से ही समय की कीमत समझानी चाहिए, ताकि वे अपने कार्यों को सही ढंग से व्यवस्थित कर सकें। पढ़ाई, खेल और आराम के बीच संतुलन बनाना सिखाकर उन्हें अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित किया जा सकता है। यह आदत आगे चलकर उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होती है।

चेहरा धोने के लिए इस्तेमाल करें घरेलू उत्पाद खिल उठेगी त्वचा

शहनाज हुसैन
सौंदर्य विशेषज्ञ

आज के दौर में चमकती और बेदाग त्वचा हर किसी की चाहत है, लेकिन इस चाहत को पूरा करने के लिए हम अक्सर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लुभावने विज्ञापनों के जाल में फंस जाते हैं। टेलीविजन और सोशल मीडिया पर दिखने वाले ये विज्ञापन हमें महंगे और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पादों को खरीदने के लिए मजबूर कर देते हैं। वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकांश उत्पादों में कठोर रसायनों का उपयोग किया जाता है।

लंबे समय तक इन केमिकल युक्त फेस वॉश और क्रीम का इस्तेमाल करने से चेहरे पर दाग-धब्बे, झाइयां और कील-मुंहासे उभरने लगते हैं। स्थिति तब और बिगड़ जाती है, जब इन समस्याओं को छिपाने के लिए हम और अधिक कॉस्मेटिक्स का सहारा लेते हैं, जिससे त्वचा अपनी प्राकृतिक नमी खो देती है और बेजान दिखने लगती है। अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ और हर्बल क्वीन शहनाज हुसैन का मानना है कि सुंदरता का असली राज रसायनों में नहीं, बल्कि हमारी रसोई में मौजूद प्राकृतिक और हर्बल उत्पादों में छिपा है। यदि हम अपनी दिनचर्या में घरेलू उपचारों को शामिल करें, तो न केवल जेब पर बोझ कम होगा, बल्कि त्वचा को भी स्थायी और सुरक्षित निखार मिलेगा।

दूध: प्रकृति का सबसे कोमल क्लींजर

दूध को सदियों से सौंदर्य निखारने का सबसे उत्तम साधन माना गया है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने और उसे गहराई से पोषण देने में सक्षम है।

- **हल्दी और दूध का फेस पैक :** हल्दी अपने एंटी-सेप्टिक गुणों के लिए जानी जाती है। आधा छोटा चम्मच हल्दी में दो चम्मच दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे पर पैक की तरह लगाएं और सूखने दें। जब यह हल्का सूख जाए, तो गुनगुने पानी से धीरे-धीरे रगड़ते हुए धो लें। यह पैक न केवल रंगत साफ करता है, बल्कि त्वचा के संक्रमण को भी रोकता है।
- **कच्चा दूध और क्लींजिंग :** यदि आप फेस वॉश का विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो कच्चा दूध सबसे बेहतर है। एक कॉटन पैड की मदद से कच्चा दूध पूरे चेहरे पर लगाएं और कम से कम पांच मिनट तक हल्की मालिश करें। इसके बाद ताजे पानी से चेहरा धो लें। नियमित इस्तेमाल से कील-मुंहासे कम होते हैं और त्वचा रेशम जैसी मुलायम हो जाती है।

दही: फ्रेशनेस और टैनिंग का काल

दही केवल सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा के पीएच संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अद्भुत है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को भीतर से ठंडा रखते हैं।

- **समय का महत्व :** दही लगाने का सबसे सही समय सुबह या रात का होता है। सुबह दही लगाने से त्वचा दिनभर खिली-खिली रहती है, वहीं रात को लगाने से दिनभर की धूल-मिट्टी और प्रदूषण आसानी से साफ हो जाता है।
- **बेसन, दही और हल्दी का पारंपरिक उबटन :** पुराने समय से चले आ रहे इस नुस्खे का कोई मुकाबला नहीं है। दो चम्मच दही में दो चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। यह पेस्ट हर तरह की स्किन के लिए अनुकूल है। दही नमी देती है, हल्दी चमक लाती है और बेसन त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। इसे 20-25 मिनट लगाकर रखें और फिर सादे पानी से धो लें।

एलोवेरा: हमारी त्वचा का सुरक्षा कवच

एलोवेरा या घृतकुमारी एक ऐसा जादुई पौधा है, जो नमी का भंडार है। गर्मियों के मौसम में यह त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि यह सूर्य की किरणों से होने वाली जलन को शांत करता है।

- **ताजे जेल का उपयोग :** शहनाज हुसैन के अनुसार, पौधे से सीधे निकाली गई लुगदी सबसे अधिक प्रभावशाली होती है। एलोवेरा की पत्ती को अच्छी तरह धोकर उसका जेल निकालें और 20 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। यह बिना चिपचिपाहट के त्वचा को हाइड्रेट रखता है और बढ़ती उम्र के निशानों को कम करने में मदद करता है।

- **एलो-बादाम नाइट क्रीम :** यदि आपकी त्वचा बहुत रूखी रहती है, तो एक कटोरी में दो चम्मच एलोवेरा जेल और दो चम्मच बादाम का तेल मिलाएं। रात को सोने से पहले इस मिश्रण से चेहरे की मालिश करें। यह मिश्रण रात भर त्वचा की मरम्मत करता है और उसे युवा बनाए रखता है।

स्वच्छता और धैर्य है जरूरी

घरेलू और हर्बल उत्पादों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। हालांकि शहनाज हुसैन स्वच्छता पर विशेष जोर देती हैं। किसी भी घरेलू उपचार को अपनाने से पहले चेहरे और उपयोग की जाने वाली सामग्री (जैसे एलोवेरा की पत्तियां) को अच्छी तरह साफ करना अनिवार्य है। प्राकृतिक उपचार रातों-रात जादू नहीं करते, लेकिन इनका नियमित उपयोग आपको ऐसी स्थायी सुंदरता प्रदान करता है, जो किसी भी महंगे कॉस्मेटिक से संभव नहीं है।

खाना खजाना

खस्ता करारी मूंग दाल की बाटी

खस्ता करारी मूंग दाल मसाला बाटी सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध पारंपरिक स्वाद-यात्रा का अनुभव है। देसी घी की खुशबू, सोंधी-सोंधी बाटी और मसालेदार मूंग दाल का संगम हर खाने वाले को लुभा लेता है। यह डिश खास मौकों से लेकर रोजमर्रा के खाने तक में अपनी अलग पहचान रखती है। घर पर आसानी से बनने वाली यह रेसिपी स्वाद के साथ-साथ पौष्टिकता का भी बेहतरीन मेल है। अगर आप भी अपने किचन में रेस्टोरेंट जैसा राजस्थानी स्वाद लाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

सामग्री

- गेहूं का आटा – 2 कप
- सूजी – 2 टेबल स्पून
- घी – 4 टेबल स्पून
- अजवाइन- टी स्पून
- नमक- स्वादानुसार
- दूध/पानी – जरूरत अनुसार
- मूंग दाल मसाला के लिए
- धुली मूंग दाल – 1 कप (2-3 घंटे भिगोई हुई)
- प्याज- 1 बारीक कटा
- टमाटर – 2 पिसे हुए
- हरी मिर्च – 1-2 बारीक कटी
- अदरक-लहसुन पेस्ट – 1 टी स्पून
- जीरा – 1 टी स्पून
- हींग – चुटकी भर
- हल्दी – टी स्पून
- धनिया पाउडर – 1 टी स्पून
- लाल मिर्च – स्वादानुसार गरम मसाला – टी स्पून
- घी- 2 टेबल स्पून
- हरा धनिया – सजाने के लिए

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा और सूजी लें। इसमें नमक, अजवाइन और घी डालकर हाथों से अच्छी तरह मसलें ताकि मिश्रण में मोयन अच्छी तरह मिल जाए। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी या दूध डालते हुए सख्त आटा गूंथ लें। ध्यान रखें कि आटा ज्यादा नरम न हो, तभी बाटी खस्ता बनेगी। गूंथे हुए आटे को 10-15 मिनट ढककर रख दें। इसके बाद मध्यम आकार की गोल-गोल बाटियां बना लें और हल्का सा दबा दें।

अब इन बाटियों को पहले से गरम किए हुए ओवन में 180 सी पर 30-35 मिनट तक बेक करें। बीच-बीच में पलटते रहें ताकि सभी तरफ से समान रूप से सुनहरी हो जाएं। यदि ओवन उपलब्ध न हो, तो आप कुकर (बिना सीटी) या अप्पे पैन में धीमी आंच पर भी इन्हें सेक सकते हैं। जब बाटियां बाहर से कुरकुरी और अंदर से पूरी तरह सिक जाएं, तो इन्हें निकालकर तुरंत गर्म घी में डुबो दें, जिससे इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

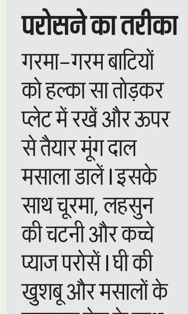

मूंग दाल मसाला बनाने की विधि

सबसे पहले भिगोई हुई मूंग दाल को कुकर में डालकर 2-3 सीटी आने तक नरम उबाल लें। ध्यान रखें कि दाल अधिक गल न जाए, बल्कि दानेदार बनी रहे। अब एक कड़ाही में घी गरम करें। इसमें जीरा और चुटकी भर हींग डालकर तड़का लगाएं। जैसे ही खुशबू आने लगे, बारीक कटा प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह चलाएं ताकि कच्चापन खत्म हो जाए। अब टमाटर की प्यूरी डालें और धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक मसाले से घी अलग न होने लगे। इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और नमक डालकर मसाले को अच्छे से भूनें। अब उबली हुई दाल डालें और जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाएं। 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं ताकि मसाले का स्वाद दाल में अच्छी तरह समा जाए। अंत में गरम मसाला और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

परोसने का तरीका

गरमा-गरम बाटियों को हल्का सा तोड़कर प्लेट में रखें और ऊपर से तैयार मूंग दाल मसाला डालें। इसके साथ चूरमा, लहसुन की चटनी और कच्चे प्याज परोसें। घी की खुशबू और मसालों के लाजवाब मेल के साथ यह व्यंजन आपको शुद्ध राजस्थानी स्वाद का असली आनंद देगा।